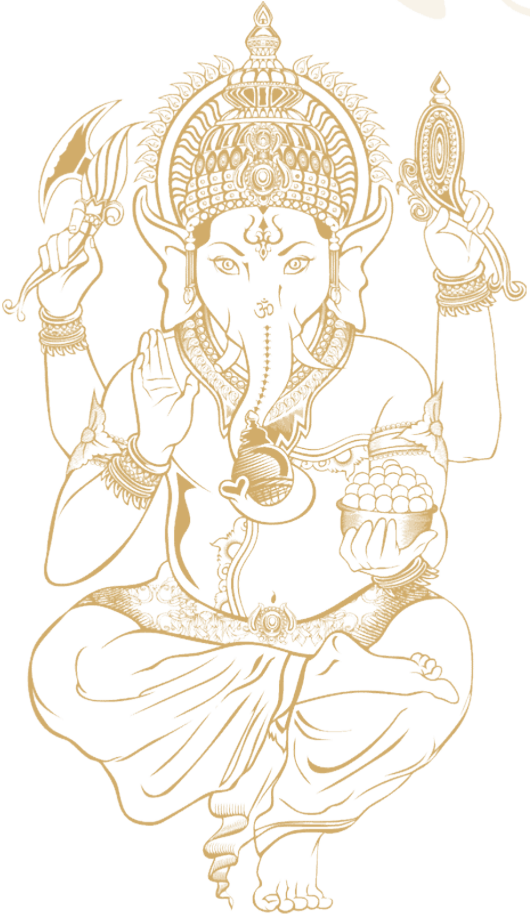

# Mr.

17 Apr 2026

12:24 PM

Delhi

Model: Web-BhriguPatrika

Order No: 121956501

# सूचना

ज्योतिष एक विज्ञान है जिसके अंतर्गत ग्रहों का मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन किया जाता है। इसके प्रभावों की भविष्यवाणी करने हेतु ग्रहों की स्थिति एवं उनके बल की गणना की जाती है। जन्मपत्रिकाओं की गणना अति सटीक है, जिसमें बिल्कुल सही रेखांश प्रयुक्त हुए हैं। सामान्य तौर पर इसमें चित्रपक्षीय अयनांश का प्रयोग किया जाता है जब तक कि आप दूसरे अयनांश का विकल्प न मांगें।

कंप्यूटर जन्मपत्रिकाएं मुख्य रूप से पाराशरी पद्धति पर आधारित हैं। हालांकि इसमें ताजिक पद्धति, जैमिनी पद्धति, कृष्णमूर्ति पद्धति, प्रश्नशास्त्र एवं पाश्चात्य पद्धतियों का भी ज्योतिषीय गणना में मिश्रण किया गया है। फलादेश मुख्य रूप से विभिन्न प्राचीन शास्त्रों जैसे बृहत् पाराशर होराशास्त्र, मानसागरी, सारावली, जातकभरणम्, बृहत् जातक, फलदीपिका, जातक पारिजात के अनुरूप, साथ ही अपने अनुभवों का भी समावेश करके बनाया गया है। फिर भी, ज्योतिष का मार्गदर्शन लेकर हम अपने भविष्य का केवल संकेत प्राप्त कर सकते हैं। भविष्य में क्या घटित होगा, इसकी पूर्ण भविष्यवाणी केवल सृष्टि के निर्माता ब्रह्मा ही कर सकते हैं।

यह जन्मपत्रिका जातक द्वारा उपलब्ध कराई गई जन्म तिथि, जन्म समय एवं जन्म स्थान पर आधारित है। अतः आंकड़ों की सटीकता से संबंधित हमारी कोई जिम्मेदारी नहीं है। ज्योतिषीय गणना एवं फलादेश जातक द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरणों पर आधारित है। जन्मपत्रिका में दिए गए फलादेश केवल संकेत मात्र हैं, जिन पर जातक को सावधानीपूर्वक अमल करना चाहिए। फलादेश को बिना सोचे-समझे हूबहू अपने जीवन में लागू करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। जन्मपत्रिका के विभिन्न पृष्ठों में दी गई सूचनाएं किसी भी प्रकार के विवाद अथवा वैधानिक कार्यवाही के लिए उपयुक्त नहीं हैं। जातक की स्वयं की कार्यवाही से उत्पन्न किसी भी क्षति के लिए हम उत्तरदायी नहीं हैं।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

| | |
|---|---|
| लिंग | : पुल्लिंग |
| **जन्म तिथि** | **: 17/04/2026** |
| दिन | : शुक्रवार |
| **जन्म समय** | **: 12:24:00 घंटे** |
| इष्ट | : 16:14:51 घटी |
| **स्थान** | **: Delhi** |
| देश | : India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | : 28:39:00 उत्तर |
| रेखांश | : 77:13:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | : 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | : -00:21:08 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | : 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | : 12:02:52 घंटे |
| वेलान्तर | : 00:00:24 घंटे |
| साम्पातिक काल | : 01:44:33 घंटे |
| सूर्योदय | : 05:54:03 घंटे |
| सूर्यास्त | : 18:47:55 घंटे |
| दिनमान | : 12:53:52 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | : उत्तरायण |
| सूर्य स्थिति(गोल) | : उत्तर |
| ऋतु | : वसन्त |
| सूर्य के अंश | : 03:03:17 मेष |
| लग्न के अंश | : 10:28:17 कर्क |

**अवकहड़ा चक्र**

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | : कर्क - चन्द्र |
| **राशि-स्वामी** | **: मेष - मंगल** |
| **नक्षत्र-चरण** | **: अश्विनी - 1** |
| नक्षत्र स्वामी | : केतु |
| योग | : विष्कुम्भ |
| करण | : नाग |
| गण | : देव |
| योनि | : अश्व |
| नाड़ी | : आद्य |
| वर्ण | : क्षत्रिय |
| वश्य | : चतुष्पाद |
| वर्ग | : सिंह |
| युंजा | : पूर्व |
| हंसक | : अग्नि |
| जन्म नामाक्षर | : चू-चूड़ामणि |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | : ताम्र - स्वर्ण |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | : मेष |


**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# पंचांग

दादा का नाम :
पिता का नाम :
माता का नाम :
जाति :
गोत्र :

| कैलेंडर | वर्ष | मास | तिथि/प्रविष्टे |
|---|---|---|---|
| राष्ट्रीय | शक : 1948 | चैत्र | 27 |
| Kannada | संवत : 2083 | वैशाख | 4 |
| बंगाली | सन : 1433 | वैशाख | 3 |
| Malayalam | संवत : 2083 | चिथिराई | 4 |
| केरल | कोल्लम : 1201 | मेदम | 4 |
| Gujarati | संवत : 2083 | वैशाख | 4 |
| चैत्रादि | संवत : 2083 | वैशाख | कृष्ण 15 |
| कार्तिकादि | संवत : 2083 | चैत्र | कृष्ण 15 |

**पंचांग**

| | |
|---|---|
| सूर्योदय कालीन तिथि | 15 |
| तिथि समाप्ति काल | 17:21:31 |
| जन्म तिथि | 15 |
| सूर्योदय कालीन नक्षत्र | रेवती |
| नक्षत्र समाप्ति काल | 12:02:10 घंटे |
| जन्म योग | अश्विनी |
| सूर्योदय कालीन योग | वैधृति |
| योग समाप्ति काल | 07:21:38 घंटे |
| जन्म योग | विष्कुम्भ |
| सूर्योदय कालीन करण | चतुष्पाद |
| करण समाप्ति काल | 06:49:45 घंटे |
| जन्म करण | नाग |
| भयात | 00:54:36 |
| भभोग | 54:10:34 |
| भोग्य दशा काल | केतु 6 वर्ष 10 मा 18 दि |

**घात चक्र**

| | |
|---|---|
| मास | कार्तिक |
| तिथि | 1-6-11 |
| दिन | रविवार |
| नक्षत्र | मघा |
| योग | विष्कुम्भ |
| करण | बव |
| प्रहर | 1 |
| वर्ग | मृग |
| लग्न | मेष |
| सूर्य | कर्क |
| चन्द्र | मेष |
| मंगल | सिंह |
| बुध | वृष |
| गुरु | कन्या |
| शुक्र | तुला |
| शनि | मिथुन |
| राहु | वृश्चिक |

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# जन्म कुण्डली

## लग्न कुंडली

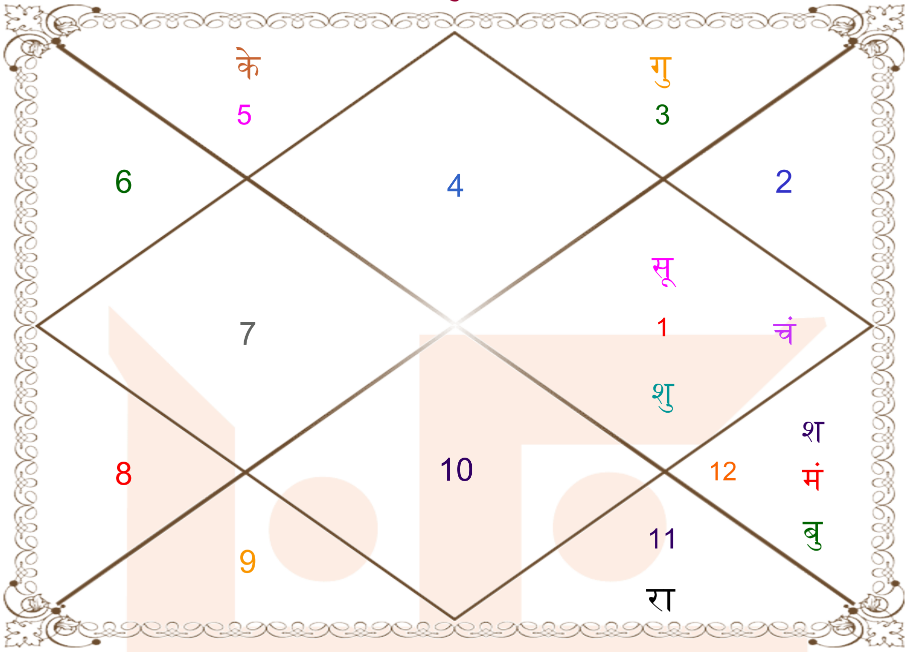


## चन्द्र कुंडली

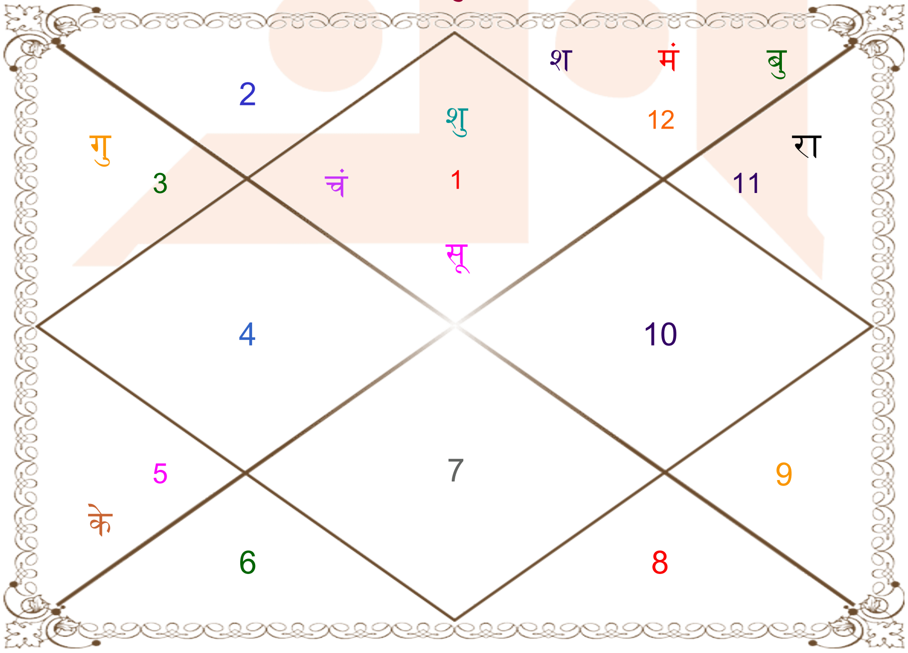



**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# लग्न कुण्डली और दशा

लग्न कुंडली

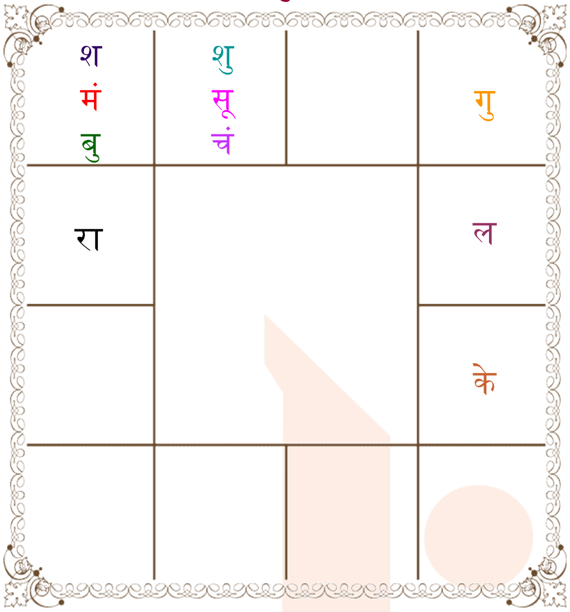


लग्न कुंडली

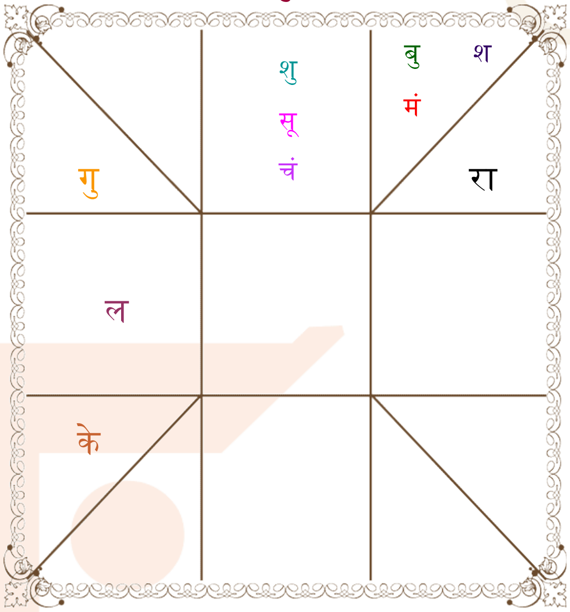


## विंशोत्तरी

**केतु 6वर्ष 10मा 8 दि**

**केतु**

| | 17/04/2026<br>06/2046 |
|---|---|
| केतु | 053/2033 |
| शुक्र | 053/2053 |
| सूर्य | 063/2059 |
| चन्द्र | 053/2069 |
| मंगल | 053/2076 |
| राहु | 053/2094 |
| गुरु | 063/2110 |
| शनि | 063/2129 |
| बुध | 063/2146 |

## योगिनी

**भ्रामरी 3वर्ष 11मा 6दि**

**भ्रामरी**

| | 17/04/2026<br>24/2030 |
|---|---|
| भ्रामरी | 029/2026 |
| भद्रिका | 243/2027 |
| उल्का | 221/2027 |
| सिद्धा | 019/2028 |
| संकटा | 237/2029 |
| मंगला | 029/2029 |
| पिंगला | 221/2029 |
| धान्या | 243/2030 |

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं- | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | कर्क | 10:28:17 | 306:47:34 | पुष्य | 3 | 8 | चन्द्र | शनि | सूर्य | --- |
| सूर्य | | | मेष | 03:03:17 | 00:58:43 | अश्विनी | 1 | 1 | मंगल | केतु | सूर्य | उच्च राशि |
| चन्द्र | | | मेष | 00:13:20 | 14:39:33 | अश्विनी | 1 | 1 | मंगल | केतु | केतु | सम राशि |
| मंगल | | अ | मीन | 11:34:44 | 00:46:30 | उ.भाद्रपद | 3 | 26 | गुरु | शनि | चन्द्र | मित्र राशि |
| बुध | | | मीन | 08:51:54 | 01:28:16 | उ.भाद्रपद | 2 | 26 | गुरु | शनि | शुक्र | नीच राशि |
| गुरु | | | मिथु | 22:58:50 | 00:06:32 | पुनर्वसु | 1 | 7 | बुध | गुरु | शनि | शत्रु राशि |
| शुक्र | | | मेष | 27:23:15 | 01:13:16 | कृत्तिका | 1 | 3 | मंगल | सूर्य | चन्द्र | सम राशि |
| शनि | | अ | मीन | 13:19:12 | 00:07:13 | उ.भाद्रपद | 3 | 26 | गुरु | शनि | राहु | सम राशि |
| राहु | व | | कुंभ | 13:43:47 | 00:06:46 | शतभिषा | 3 | 24 | शनि | राहु | बुध | मित्र राशि |
| केतु | व | | सिंह | 13:43:47 | 00:06:46 | पू.फ़ाल्गुनी | 1 | 11 | सूर्य | शुक्र | शुक्र | शत्रु राशि |
| हर्ष | | | वृष | 05:18:38 | 00:03:05 | कृत्तिका | 3 | 3 | शुक्र | सूर्य | बुध | --- |
| नेप | | | मीन | 08:34:24 | 00:02:07 | उ.भाद्रपद | 2 | 26 | गुरु | शनि | शुक्र | --- |
| प्लूटो | | | मक | 11:11:48 | 00:00:32 | श्रवण | 1 | 22 | शनि | चन्द्र | मंगल | --- |
| दशम भाव | | | मेष | 03:55:02 | -- | अश्विनी | -- | 1 | मंगल | केतु | चन्द्र | -- |

**व - वक्री स - स्थिर**

**अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त**

**राहु : स्पष्ट**

**चित्रपक्षीय अयनांश 32331**

## लग्न-चलित

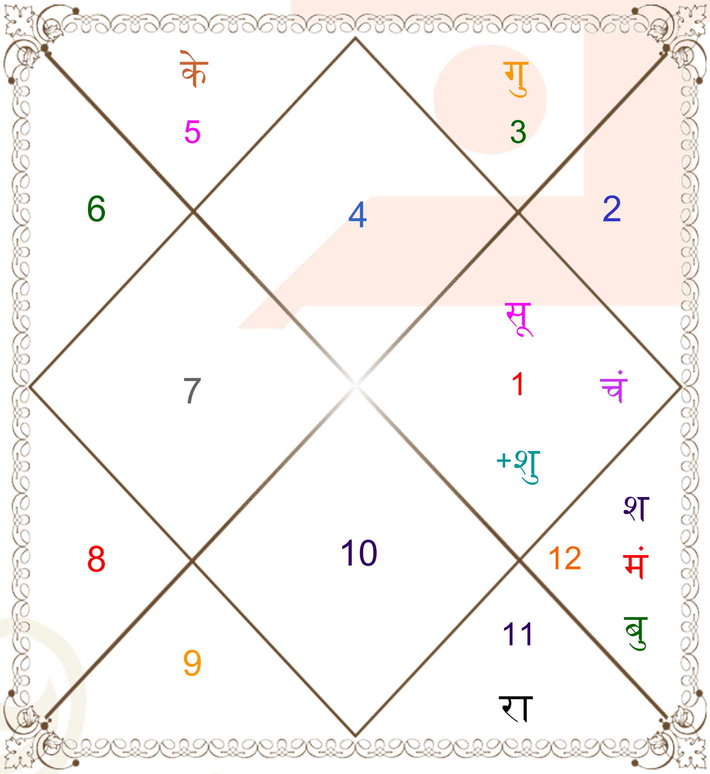


## चन्द्र कुंडली

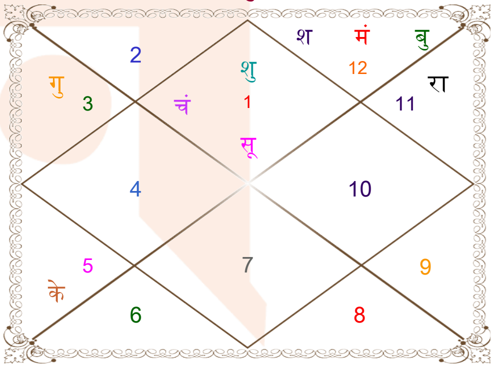


## नवमांश कुंडली

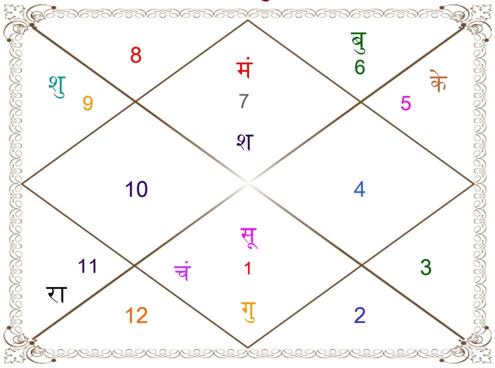



**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# चलित तथा निरयण भाव चलित

## चलित अंश

| भाव | भाव संधि | | भाव मध्य | |
|---|---|---|---|---|
| 1 | मिथुन | 24:22:45 | कर्क | 10:28:17 |
| 2 | कर्क | 24:22:45 | सिंह | 08:17:12 |
| 3 | सिंह | 22:11:40 | कन्या | 06:06:07 |
| 4 | कन्या | 20:00:35 | तुला | 03:55:02 |
| 5 | तुला | 20:00:35 | वृश्चिक | 06:06:07 |
| 6 | वृश्चिक | 22:11:40 | धनु | 08:17:12 |
| 7 | धनु | 24:22:45 | मकर | 10:28:17 |
| 8 | मकर | 24:22:45 | कुम्भ | 08:17:12 |
| 9 | कुम्भ | 22:11:40 | मीन | 06:06:07 |
| 10 | मीन | 20:00:35 | मेष | 03:55:02 |
| 11 | मेष | 20:00:35 | वृष | 06:06:07 |
| 12 | वृष | 22:11:40 | मिथुन | 08:17:12 |

## निरयण भाव चलित

| भाव | राशि | अंश |
|---|---|---|
| 1 | कर्क | 10:28:17 |
| 2 | सिंह | 04:12:39 |
| 3 | कन्या | 01:52:35 |
| 4 | तुला | 03:55:02 |
| 5 | वृश्चिक | 07:56:59 |
| 6 | धनु | 10:34:47 |
| 7 | मकर | 10:28:17 |
| 8 | कुम्भ | 04:12:39 |
| 9 | मीन | 01:52:35 |
| 10 | मेष | 03:55:02 |
| 11 | वृष | 07:56:59 |
| 12 | मिथुन | 10:34:47 |

## तारा चक्र

| जन्म | सम्पत | विपत | क्षेम | प्रत्यारि | साधक | वध | मित्र | अतिमित्र |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अश्विनी | भरणी | कृत्तिका | रोहिणी | मृगशिरा | आर्द्रा | पुनर्वसु | पुष्य | आश्लेषा |
| मघा | पू.फ़ाल्गुनी | उ.फ़ाल्गुनी | हस्त | चित्रा | स्वाति | विशाखा | अनुराधा | ज्येष्ठा |
| मूल | पूर्वाषाढ़ा | उत्तराषाढ़ा | श्रवण | धनिष्ठा | शतभिषा | पू.भाद्रपद | उ.भाद्रपद | रेवती |

चलित कुंडली

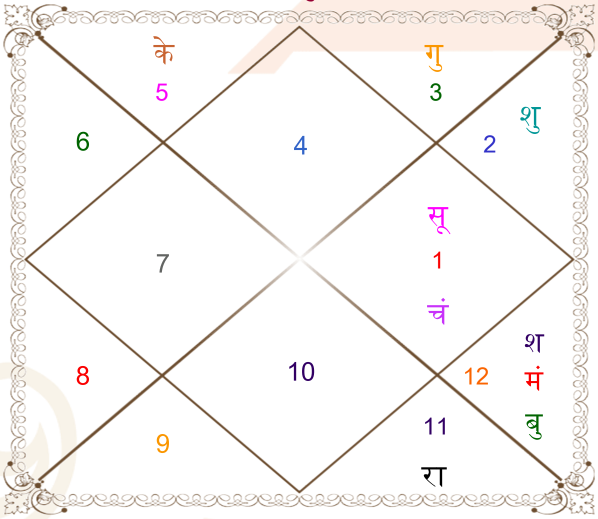


भाव कुंडली

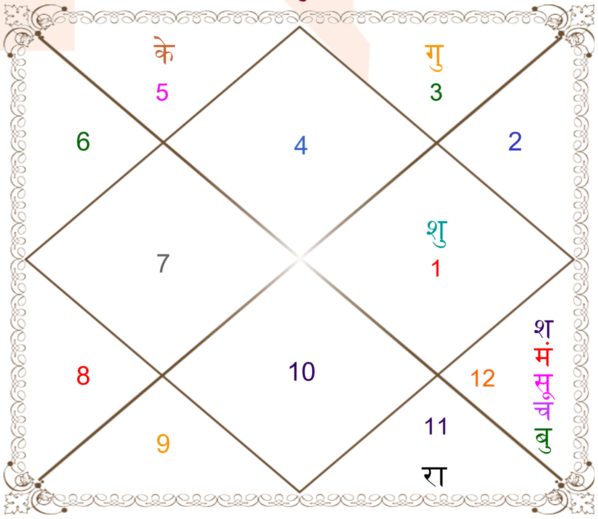



**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# कारक,अवस्था,रश्मि

| ग्रह | ------- कारक ------- | | ------- अवस्था ------- | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | चर | स्थिर | बालादि | दीप्तादि | शयनादि | रश्मि | ग्रह बल |
| सूर्य | ज्ञाति | पितृ | बाल | दीप्त | नृत्यलिप्सा | 28.84 | 74% |
| चन्द्र | कलत्र | मातृ | बाल | निपीडित | कौतुक | 8.83 | 34% |
| मंगल | मातृ | भ्रातृ | वृद्ध | विकल | भोजन | 0.00 | 51% |
| बुध | पुत्र | ज्ञाति | वृद्ध | भीत | भोजन | 0.20 | 66% |
| गुरु | अमात्य | धन | वृद्ध | खल | उपवेशन | 6.53 | 34% |
| शुक्र | आत्मा | कलत्र | मृत | निपीडित | नेत्रपाणि | 7.98 | 59% |
| शनि | भ्रातृ | आयु | युवा | विकल | गमन | 1.22 | 32% |
| राहु | --- | ज्ञान | युवा | मुदित | भोजन | 0.00 | 60% |
| केतु | --- | मोक्ष | युवा | खल | निद्रा | 0.00 | 60% |
| **कुल** | | | | | | **5.61** | |

## तारा चक्र

| जन्म | सम्पत | विपत | क्षेम | प्रत्यारि | साधक | वध | मित्र | अतिमित्र |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अश्विनी | भरणी | कृत्तिका | रोहिणी | मृगशिरा | आद्रा | पुनर्वसु | पुष्य | आश्लेषा |
| मघा | पू.फ़ाल्गुनी | उ.फ़ाल्गुनी | हस्त | चित्रा | स्वाति | विशाखा | अनुराधा | ज्येष्ठा |
| मूल | पूर्वाषाढ़ा | उत्तराषाढ़ा | श्रवण | धनिष्ठा | शतभिषा | पू.भाद्रपद | उ.भाद्रपद | रेवती |

चलित कुंडली

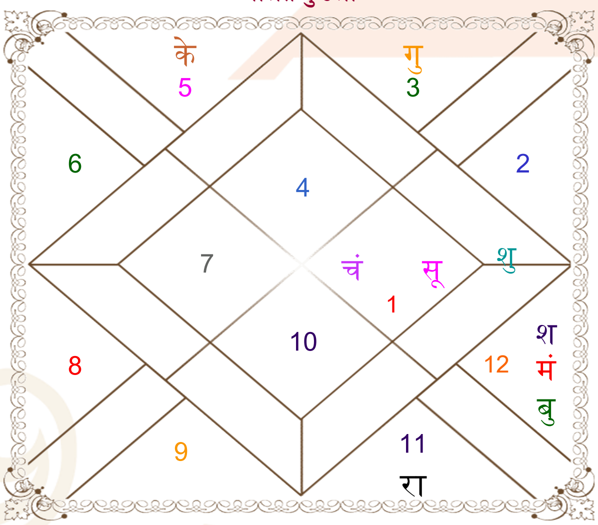


लग्न-चलित

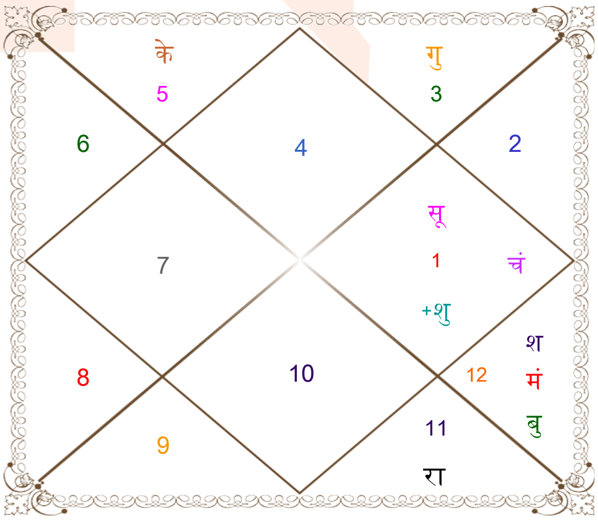



**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# सुदर्शन चक्र

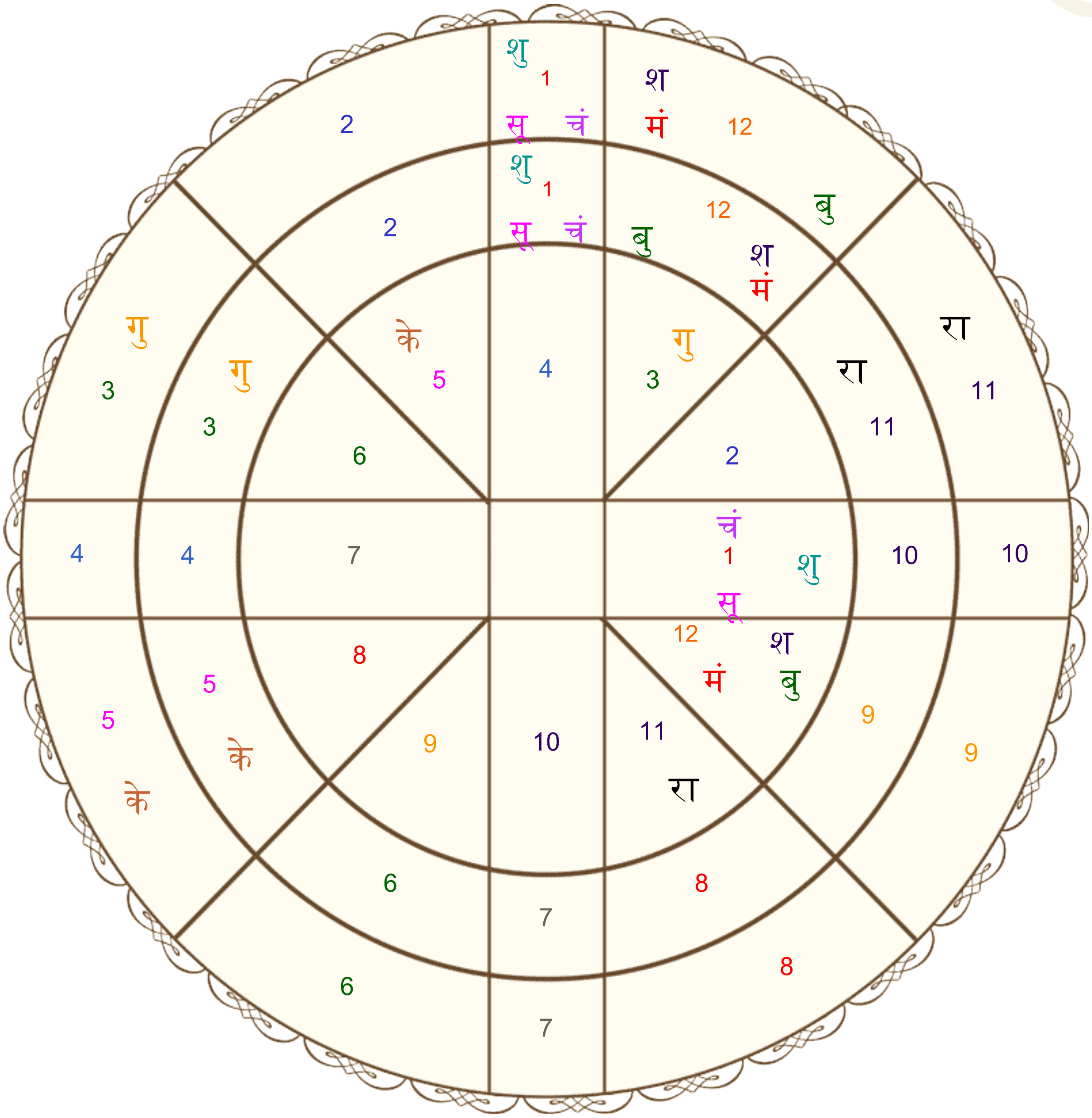


**नोटः सुदर्शन चक्र क्रमानुसार बाहरी वृत्त से अन्तः वृत्त तक सूर्य, चन्द्र एवं जन्मांग कुण्डलियों में ग्रहों की तुलनात्मक स्थिति दर्शाता है। किसी भाव का विचार करने के लिए उस भाव को प्रकट करने वाली तीनों राशियों का विचार करना चाहिए।**


**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# कृष्णमूर्ति पद्धति

## भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 9 मास 8 दिन

### ग्रह

| ग्रह | व | राशि | अंश | रा | न | अं- | प्र- |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य | | मेष | 03:09:45 | मंगल | केतु | सूर्य | राहु |
| चन्द्र | | मेष | 00:19:49 | मंगल | केतु | केतु | राहु |
| मंगल | | मीन | 11:41:12 | गुरु | शनि | चन्द्र | बुध |
| बुध | | मीन | 08:58:22 | गुरु | शनि | शुक्र | राहु |
| गुरु | | मिथु | 23:05:18 | बुध | गुरु | शनि | चन्द्र |
| शुक्र | | मेष | 27:29:43 | मंगल | सूर्य | चन्द्र | राहु |
| शनि | | मीन | 13:25:40 | गुरु | शनि | राहु | गुरु |
| राहु | व | कुंभ | 13:50:16 | शनि | राहु | बुध | राहु |
| केतु | व | सिंह | 13:50:16 | सूर्य | शुक्र | शुक्र | चन्द्र |
| हर्ष | | वृष | 05:25:07 | शुक्र | सूर्य | बुध | केतु |
| नेप | | मीन | 08:40:52 | गुरु | शनि | शुक्र | चन्द्र |
| प्लूटो | | मक | 11:18:16 | शनि | चन्द्र | मंगल | गुरु |

### निरयण भाव

| भाव | राशि | अंश | रा | न | अं- | प्र- |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | कर्क | 10:34:46 | चन्द्र | शनि | सूर्य | गुरु |
| 2 | सिंह | 04:19:08 | सूर्य | केतु | चन्द्र | बुध |
| 3 | कन्या | 01:59:04 | बुध | सूर्य | गुरु | बुध |
| 4 | तुला | 04:01:30 | शुक्र | मंगल | शुक्र | गुरु |
| 5 | वृश्चि | 08:03:27 | मंगल | शनि | केतु | बुध |
| 6 | धनु | 10:41:15 | गुरु | केतु | शनि | चन्द्र |
| 7 | मक | 10:34:46 | शनि | चन्द्र | चन्द्र | शनि |
| 8 | कुंभ | 04:19:08 | शनि | मंगल | शुक्र | शनि |
| 9 | मीन | 01:59:04 | गुरु | गुरु | राहु | शनि |
| 10 | मेष | 04:01:30 | मंगल | केतु | चन्द्र | गुरु |
| 11 | वृष | 08:03:27 | शुक्र | सूर्य | शुक्र | शुक्र |
| 12 | मिथु | 10:41:15 | बुध | राहु | शनि | शनि |

**के.पी. अयनांश : 24:07:05**

**फॉर्च्युना : कर्क 07:44:49**

## लग्न कुंडली

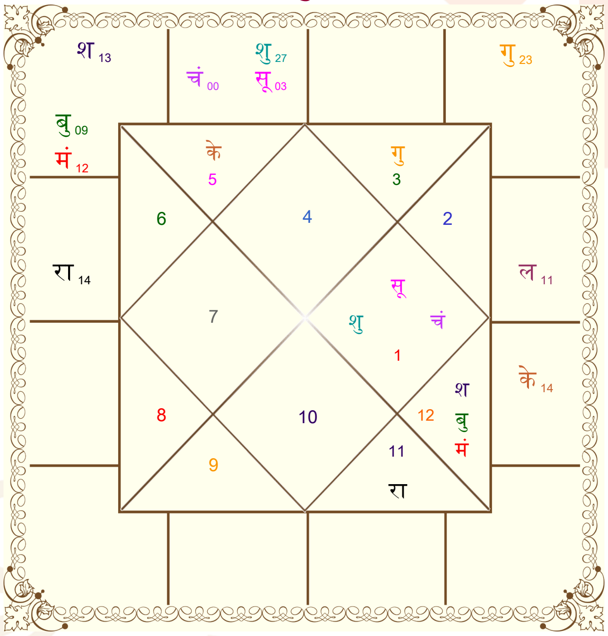


## भाव कुंडली

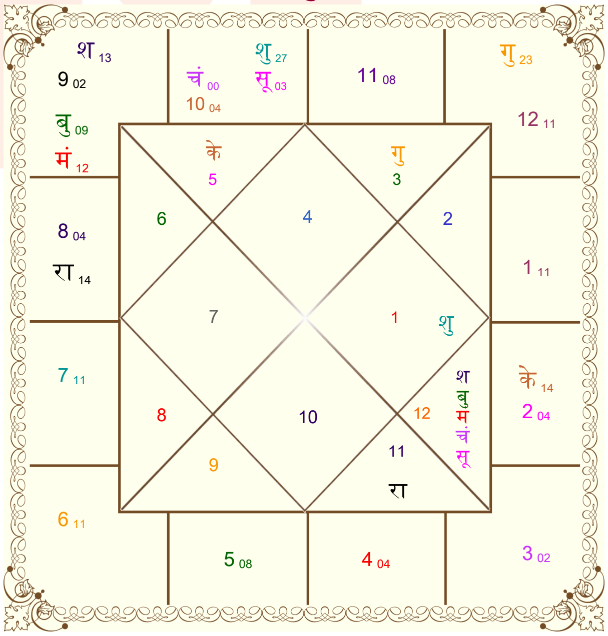


**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# कारकत्व एवं स्वामित्व

## भाव कारक

| भाव | ग्रह |
|---|---|
| 1 | चन्द्र- |
| 2 | सूर्य+ चन्द्र, शुक्र- केतु, |
| 3 | बुध- |
| 4 | शुक्र- केतु- |
| 5 | मंगल- |
| 6 | गुरु, |
| 7 | मंगल- बुध- शनि, |
| 8 | मंगल- बुध- शनि, राहु+ |
| 9 | सूर्य, चन्द्र, मंगल+ बुध+ गुरु, शुक्र, शनि+ |
| 10 | मंगल- शुक्र, केतु, |
| 11 | शुक्र- केतु- |
| 12 | बुध- गुरु+ |

## ग्रह कारकत्व

| ग्रह | भाव |
|---|---|
| सूर्य | 2 9, |
| चन्द्र | ,192 |
| मंगल | 5-170-8- 9 |
| बुध | 3-172-8- 9 |
| गुरु | ,69, 12+ |
| शुक्र | ,210,- 91- |
| शनि | ,78, 9+ |
| राहु | 8 |
| केतु | ,24- 10, 11- |

## स्वामित्व

| | |
|---|---|
| लग्न नक्षत्र स्वामी | शनि |
| लग्न राशि स्वामी | चन्द्र |
| राशि नक्षत्र स्वामी | केतु |
| राशि स्वामी | मंगल |
| वार स्वामी | शुक्र |
| लग्न अन्तर स्वामी | सूर्य |
| राशि अन्तर स्वामी | केतु |

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

## कारकत्व-सारिणी

| भाव | स्थित ग्रह के नक्षत्र में | स्थित ग्रह | स्वामी के नक्षत्र में | स्वामी |
|---|---|---|---|---|
| 1 | -- | -- | -- | चं |
| 2 | सू चं | के | शु | सू |
| 3 | -- | -- | -- | बु |
| 4 | -- | -- | के | शु |
| 5 | -- | -- | -- | मं |
| 6 | -- | -- | गु | गु |
| 7 | -- | -- | मं बु श | श |
| 8 | रा | रा | मं बु श | श |
| 9 | मं बु शु श | सू चं मं बु श | गु | गु |
| 10 | के | शु | -- | मं |
| 11 | -- | -- | के | शु |
| 12 | गु | गु | -- | बु |

## ग्रह कारक सारिणी-1

| ग्रह | भावाधिपति | नक्षत्राधिपति | स्थित | भाव |
|---|---|---|---|---|
| सूर्य | 2 | 3,11 | मेष | 9 |
| चन्द्र | 1 | 7 | मेष | 9 |
| मंगल | 5,10 | 4,8 | मीन | 9 |
| बुध | 3,12 | --- | मीन | 9 |
| गुरु | 6,9 | 9 | मिथुन | 12 |
| शुक्र | 4,11 | --- | मेष | 10 |
| शनि | 7,8 | 1,5 | मीन | 9 |
| राहु | --- | 12 | कुम्भ | 8 |
| केतु | --- | 2,6,10 | सिंह | 2 |

## ग्रह कारक सारिणी-2

| ग्रह | भावाधि भाव | नक्षत्राधि भाव | स्थित भाव | स्वामित्व | अन्तर स्वामी | स्थित भाव |
|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य | --- | 2,6,10 | 2 | 2 | 3,11 | 9 |
| चन्द्र | --- | 2,6,10 | 2 | --- | 2,6,10 | 2 |
| मंगल | 7,8 | 1,5 | 9 | 1 | 7 | 9 |
| बुध | 7,8 | 1,5 | 9 | 4,11 | --- | 10 |
| गुरु | 6,9 | 9 | 12 | 7,8 | 1,5 | 9 |
| शुक्र | 2 | 3,11 | 9 | 1 | 7 | 9 |
| शनि | 7,8 | 1,5 | 9 | --- | 12 | 8 |
| राहु | --- | 12 | 8 | 3,12 | --- | 9 |
| केतु | 4,11 | --- | 10 | 4,11 | --- | 10 |

# ग्रह दृष्टि विचार

### दृश्य ग्रह

| | सूर्य | चन्द्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु | केतु | हर्ष | नेप | प्लूटो |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 3.05 | 0.22 | 341.58 | 338.86 | 82.98 | 27.39 | 343.32 | 313.73 | 133.73 | 35.31 | 338.57 | 281.20 |
| सूर्य | -- | युति | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- |
| 3.05 | 0.00 | 9.56 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| चन्द्र | युति | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- |
| 0.22 | 9.56 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| मंगल | -- | -- | -- | युति | 4था | अष्ट | युति | -- | -- | -- | युति | -- |
| 341.58 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 9.60 | 3.68 | 0.30 | 9.83 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 9.51 | 0.00 |
| बुध | -- | -- | युति | -- | -- | -- | युति | -- | -- | तृती | युति | -- |
| 338.86 | 0.00 | 0.00 | 9.60 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 8.93 | 0.00 | 0.00 | 1.79 | 10.00 | 0.00 |
| गुरु | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | 9वां | -- | -- | -- | -- |
| 82.98 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 5.66 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| शुक्र | -- | -- | -- | -- | तृती | -- | -- | -- | -- | युति | -- | -- |
| 27.39 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 1.22 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 6.75 | 0.00 | 0.00 |
| शनि | -- | -- | युति | युति | -- | अष्ट | -- | -- | षष्ठ | 3रा | युति | -- |
| 343.32 | 0.00 | 0.00 | 9.83 | 8.93 | 0.00 | 0.11 | 0.00 | 0.00 | 0.80 | 6.68 | 8.79 | 0.00 |
| राहु | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | सप्त | -- | -- | -- |
| 313.73 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 10.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| केतु | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | सप्त | -- | -- | -- | -- |
| 133.73 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 10.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| हर्ष | -- | -- | -- | -- | -- | युति | -- | -- | -- | -- | -- | -- |
| 35.31 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 6.75 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| नेप | -- | -- | युति | युति | -- | -- | युति | -- | -- | तृती | -- | -- |
| 338.57 | 0.00 | 0.00 | 9.51 | 10.00 | 0.00 | 0.00 | 8.79 | 0.00 | 0.00 | 1.97 | 0.00 | 0.00 |
| प्लूटो | -- | -- | तृती | तृती | -- | -- | तृती | -- | -- | पंच | तृती | -- |
| 281.20 | 0.00 | 0.00 | 2.98 | 2.46 | 0.00 | 0.00 | 2.55 | 0.00 | 0.00 | 0.09 | 2.32 | 0.00 |

**1- उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं :**

| संक्षिप्त - दृष्टि | अंश | कालांश | अंक | संक्षिप्त - दृष्टि | अंश | कालांश | अंक |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| युति - युति | 0 | 15 | 10 | सप्त - सप्तम | 180 | 15 | 10 |
| पंच - पंचम | 120 | 6 | 3 | चतु - चतुर्थ | 90 | 6 | 3 |
| तृती - तृतीय | 60 | 6 | 3 | अष्ट - अष्टमांश | 45 | 1 | 1 |
| नवां - नवमांश | 40 | 1 | 1 | पंचा - पंचमांशा | 72 | 1 | 1 |
| अष्टां - अष्टचतुर्थांश | 135 | 1 | 1 | षष्ठ - षष्ठ | 150 | 1 | 1 |

**विशेष दृष्टियां - मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।**

**2- उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।**

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# भाव मध्य दृष्टि विचार

**दृश्य भाव**

| | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 1470 | 8229 | 1156 | 83.92 | 2116 | 8429 | 80.47 | 308.29 | 336.10 | 3.92 | 36.10 | 6.29 |
| सूर्य | -- | पंच | -- | सप्त | -- | -- | -- | -- | -- | युति | -- | तृती |
| 3.05 | 0.00 | 0.60 | 0.00 | 9.96 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 9.96 | 0.00 | 0.60 |
| चन्द्र | -- | -- | -- | सप्त | -- | -- | -- | -- | -- | युति | -- | -- |
| 0.22 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 9.26 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 9.26 | 0.00 | 0.00 |
| मंगल | पंच | -- | -- | 8वां | -- | -- | -- | -- | युति | -- | तृती | 4था |
| 341.58 | 2.87 | 0.00 | 0.00 | 6.95 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 8.40 | 0.00 | 0.41 | 9.41 |
| बुध | पंच | षष्ठ | सप्त | -- | -- | -- | -- | -- | युति | -- | तृती | चतु |
| 338.86 | 2.74 | 0.62 | 9.58 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 9.58 | 0.00 | 2.25 | 2.97 |
| गुरु | -- | अष्ट | -- | -- | -- | सप्त | -- | 9वां | 9वां | -- | -- | युति |
| 82.98 | 0.00 | 0.89 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.32 | 0.00 | 0.32 | 1.95 | 0.00 | 0.00 | 0.32 |
| शुक्र | -- | -- | -- | -- | सप्त | -- | -- | -- | -- | -- | युति | नवां |
| 27.39 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 6.12 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 6.12 | 0.16 |
| शनि | पंच | -- | सप्त | -- | -- | 10वा | -- | -- | युति | -- | 3रा | चतु |
| 343.32 | 2.20 | 0.00 | 7.28 | 0.00 | 0.00 | 8.64 | 0.00 | 0.00 | 7.28 | 0.00 | 7.28 | 0.75 |
| राहु | -- | सप्त | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | पंच |
| 313.73 | 0.00 | 8.42 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.44 |
| केतु | -- | युति | -- | -- | -- | पंच | -- | सप्त | -- | -- | -- | -- |
| 133.73 | 0.00 | 8.42 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.44 | 0.00 | 8.42 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| हर्ष | तृती | चतु | पंच | -- | सप्त | -- | -- | -- | -- | -- | युति | -- |
| 35.31 | 0.65 | 2.13 | 2.94 | 0.00 | 9.97 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 9.97 | 0.00 |
| नेप | पंच | षष्ठ | सप्त | -- | -- | -- | -- | -- | युति | -- | -- | चतु |
| 338.57 | 2.64 | 0.90 | 9.67 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 9.67 | 0.00 | 0.00 | 2.99 |
| प्लूटो | सप्त | -- | -- | -- | -- | -- | युति | -- | तृती | -- | पंच | -- |
| 281.20 | 9.97 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 9.97 | 0.00 | 0.70 | 0.00 | 0.70 | 0.00 |

**1- उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं :**

| संक्षिप्त - दृष्टि | अंश | कालांश | अंक | संक्षिप्त - दृष्टि | अंश | कालांश | अंक |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| युति - युति | 0 | 15 | 10 | सप्त - सप्तम | 180 | 15 | 10 |
| पंच - पंचम | 120 | 6 | 3 | चतु - चतुर्थ | 90 | 6 | 3 |
| तृती - तृतीय | 60 | 6 | 3 | अष्ट - अष्टमांश | 45 | 1 | 1 |
| नवां - नवमांश | 40 | 1 | 1 | पंचा - पंचमांशा | 72 | 1 | 1 |
| अष्टां - अष्टचतुर्थांश | 135 | 1 | 1 | षष्ठ - षष्ठ | 150 | 1 | 1 |

**विशेष दृष्टियां - मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।**

**2- उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।**

# भाव दृष्टि विचार

### दृश्य भाव

| | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | [illegible] | [illegible] | [illegible] | 83.92 | [illegible] | [illegible] | 80.47 | 304.21 | 331.88 | 3.92 | 37.95 | [illegible] |
| सूर्य | -- | पंच | -- | सप्त | -- | -- | -- | -- | -- | युति | -- | -- |
| 3.05 | 0.00 | 2.86 | 0.00 | 9.96 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 9.96 | 0.00 | 0.00 |
| चन्द्र | -- | -- | -- | सप्त | -- | -- | -- | -- | -- | युति | -- | -- |
| 0.22 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 9.26 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 9.26 | 0.00 | 0.00 |
| मंगल | पंच | -- | -- | 8वां | -- | -- | -- | -- | युति | -- | तृती | 4था |
| 341.58 | 2.87 | 0.00 | 0.00 | 6.95 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 5.27 | 0.00 | 1.74 | 9.95 |
| बुध | पंच | -- | सप्त | -- | -- | -- | -- | -- | युति | -- | तृती | चतु |
| 338.86 | 2.74 | 0.00 | 7.44 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 7.44 | 0.00 | 2.91 | 2.70 |
| गुरु | -- | -- | -- | -- | -- | सप्त | -- | -- | 9वां | -- | -- | युति |
| 82.98 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 2.69 | 0.00 | 0.00 | 5.97 | 0.00 | 0.00 | 2.69 |
| शुक्र | -- | -- | पंच | -- | सप्त | -- | -- | -- | -- | -- | युति | -- |
| 27.39 | 0.00 | 0.00 | 1.16 | 0.00 | 4.48 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 4.48 | 0.00 |
| शनि | पंच | -- | सप्त | -- | -- | 10वा | -- | -- | युति | -- | 3रा | चतु |
| 343.32 | 2.20 | 0.00 | 3.64 | 0.00 | 0.00 | 9.59 | 0.00 | 0.00 | 3.64 | 0.00 | 8.46 | 2.26 |
| राहु | -- | सप्त | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | चतु | पंच |
| 313.73 | 0.00 | 5.43 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.17 | 2.04 |
| केतु | -- | युति | -- | -- | चतु | पंच | -- | सप्त | -- | -- | -- | -- |
| 133.73 | 0.00 | 5.43 | 0.00 | 0.00 | 0.17 | 2.04 | 0.00 | 5.43 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| हर्ष | तृती | चतु | पंच | -- | सप्त | -- | -- | -- | -- | -- | युति | -- |
| 35.31 | 0.65 | 2.88 | 1.87 | 0.00 | 9.62 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 9.62 | 0.00 |
| नेप | पंच | -- | सप्त | -- | -- | -- | -- | -- | युति | -- | -- | चतु |
| 338.57 | 2.64 | 0.00 | 7.64 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 7.64 | 0.00 | 0.00 | 2.60 |
| प्लूटो | सप्त | -- | -- | -- | -- | -- | युति | -- | -- | -- | पंच | -- |
| 281.20 | 9.97 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 9.97 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 1.98 | 0.00 |

**1- उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं :**

| संक्षिप्त - दृष्टि | अंश | कालांश | अंक | संक्षिप्त - दृष्टि | अंश | कालांश | अंक |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| युति - युति | 0 | 15 | 10 | सप्त - सप्तम | 180 | 15 | 10 |
| पंच - पंचम | 120 | 6 | 3 | चतु - चतुर्थ | 90 | 6 | 3 |
| तृती - तृतीय | 60 | 6 | 3 | अष्ट - अष्टमांश | 45 | 1 | 1 |
| नवां - नवमांश | 40 | 1 | 1 | पंचा - पंचमांशा | 72 | 1 | 1 |
| अष्टां - अष्टचतुर्थांश | 135 | 1 | 1 | षष्ठ - षष्ठ | 150 | 1 | 1 |

**विशेष दृष्टियां - मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।**

**2- उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।**

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# षोडशवर्ग चक्र

वर्गीय कुण्डलियां लग्न कुंडली का विस्तार होती हैं। प्रत्येक कुंडली का एक विशेष लक्ष्य होता है, जैसा कि निम्न कुण्डलियों के साथ वर्णन किया गया है। विस्तृत रूप से यह जानने के लिए कि ये कुण्डलियां कौन से विषय का प्रतिनिधित्व करती हैं, इनका अध्ययन मूल लग्न कुंडली के साथ किया जाना चाहिए। बहरहाल, ये कुण्डलियां विशेष सावधानी से देखी जानी चाहिएं, क्योंकि यहां ग्रहों की दृष्टि नहीं होती। सामान्यतः ग्रह का आचरण उस राशि या भाव तक सीमित रहता है जिसमें वे इन वर्गीय कुण्डलियों में स्थित हैं।

**सूर्य कुंडली**

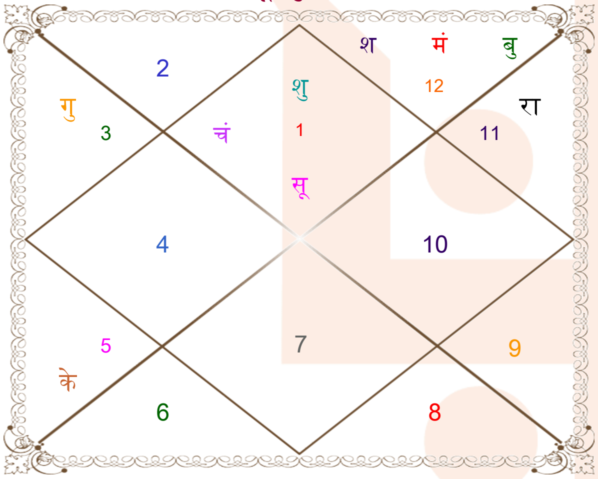


**आत्मविचारः**

**चन्द्र कुंडली**

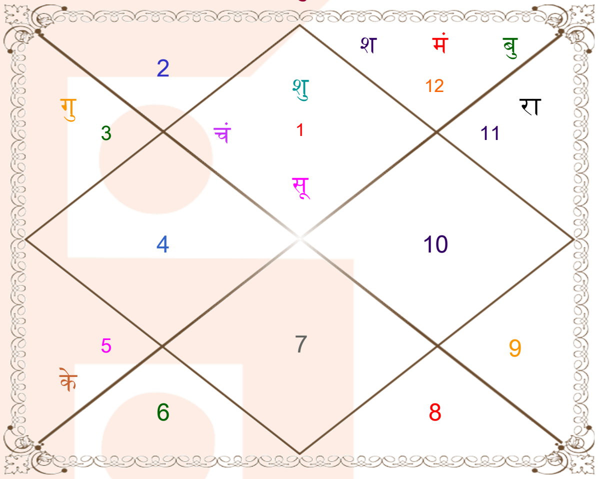


**मनोबलविचारः**

**लग्न कुंडली**

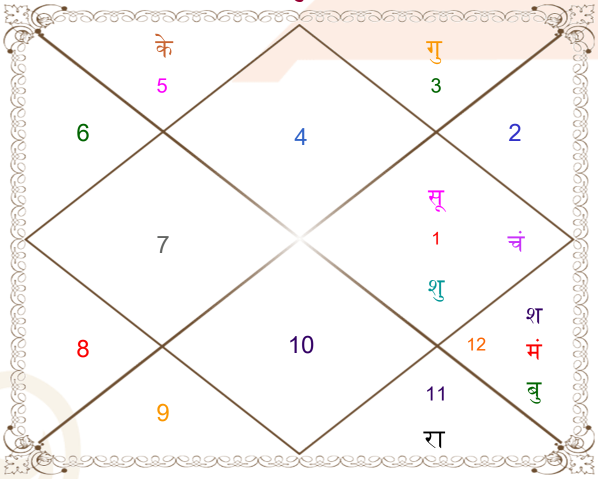


**देह विचारः**

**होरा कुंडली**

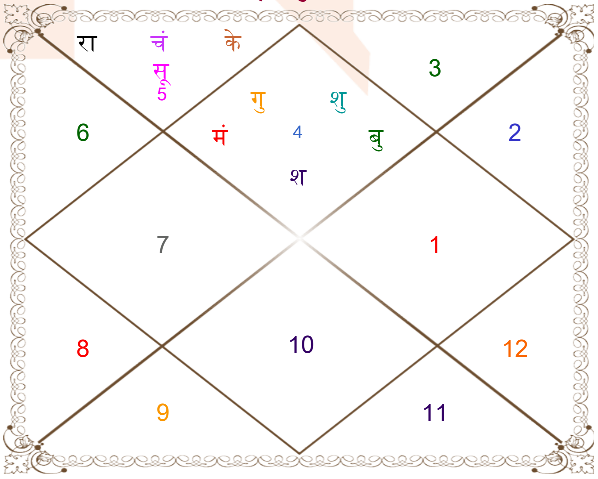


**सम्पदाविचारः**

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# षोडशवर्ग चक्र

द्रेष्काण कुंडली

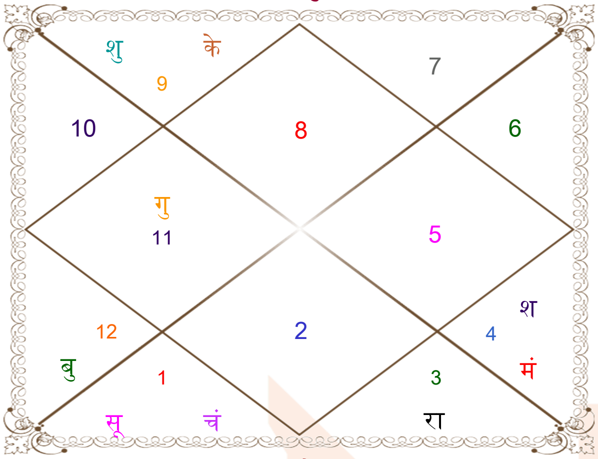


भ्रातृसौख्यम

चतुर्थांश कुंडली

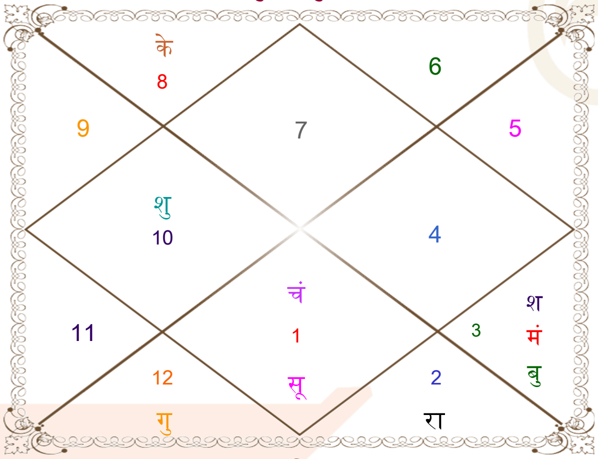


भाग्यविचारः

पंचमांशा कुंडली

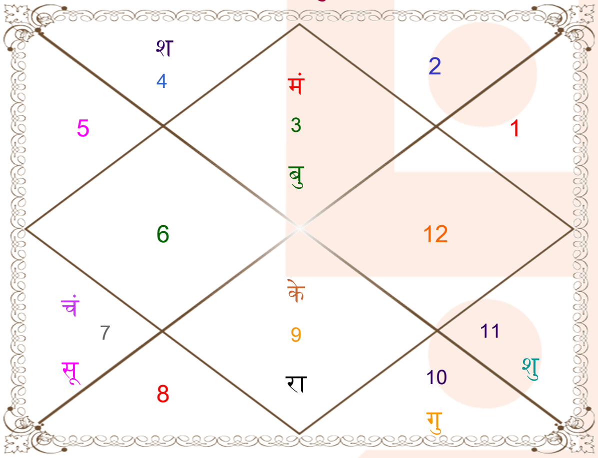


ज्ञानविचारः

षष्ठांश कुंडली

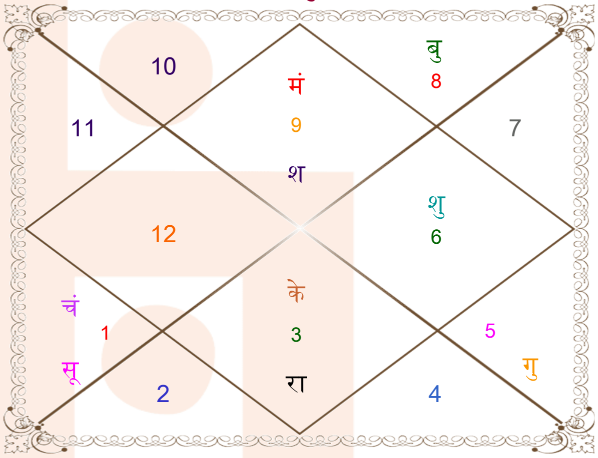


रिपुज्ञानम्

सप्तमांश कुंडली

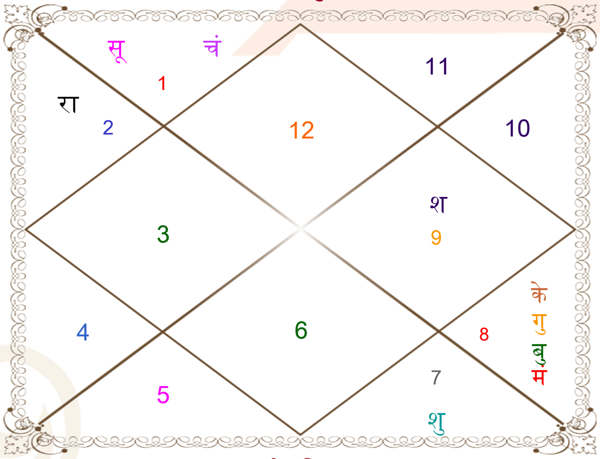


पुत्रपौत्रादिज्ञानम्

अष्टमांश कुंडली

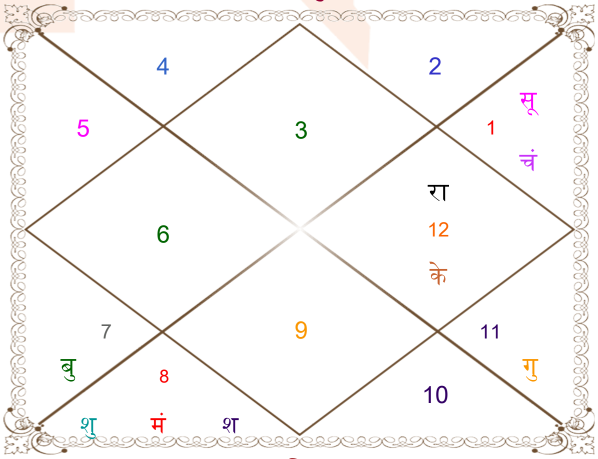


आयुविचारः

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# षोडशवर्ग चक्र

नवमांश कुंडली

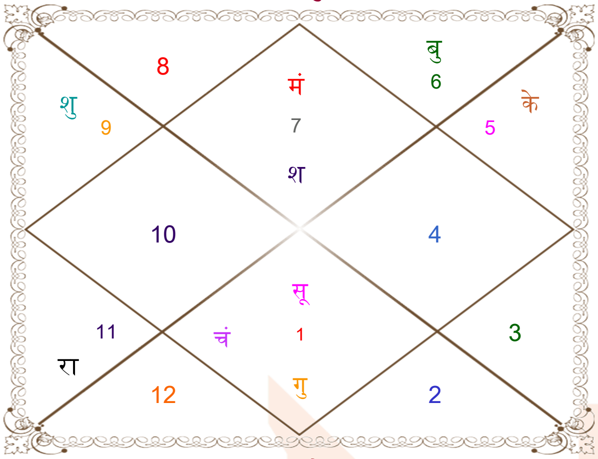


कलत्र सौख्यम

दशमांश कुंडली

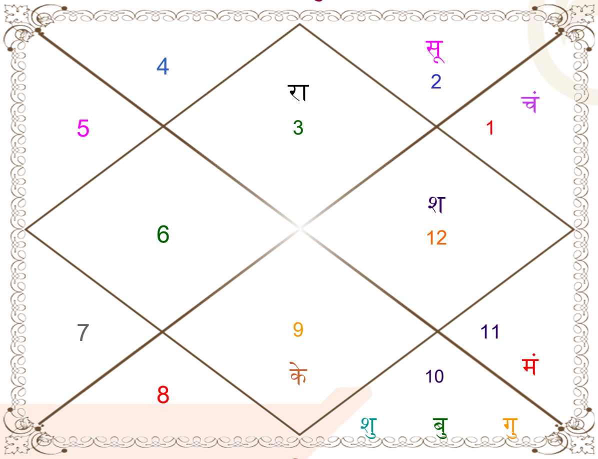


राज्यविचारः

एकादशांश कुंडली

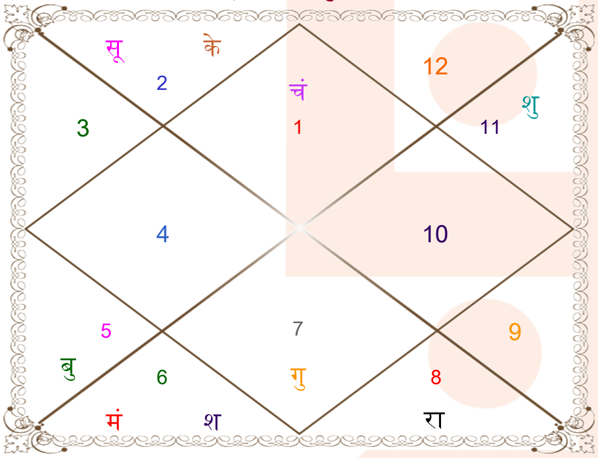


लाभविचारः

द्वादशांश कुंडली

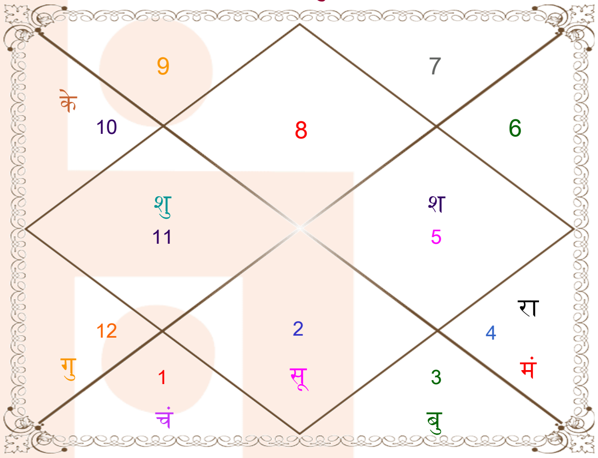


पितृसौख्यम

षोडशांश कुंडली

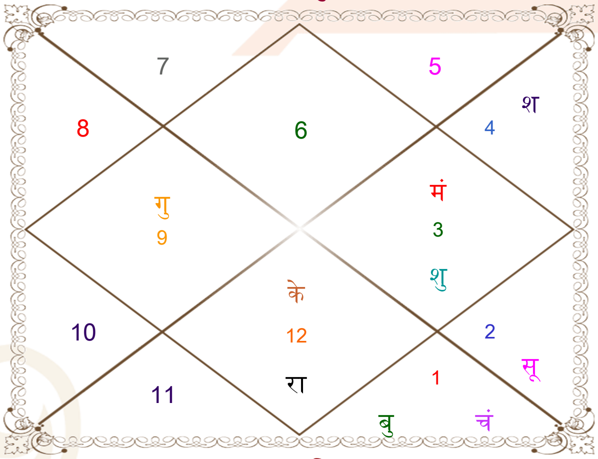


वाहनसुखविचारः

विंशांश कुंडली

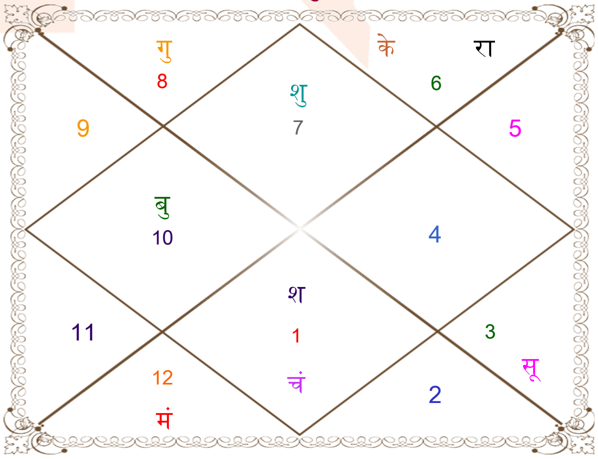


उपासनाज्ञानम्

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# षोडशवर्ग चक्र

चतुर्विंशांश कुंडली

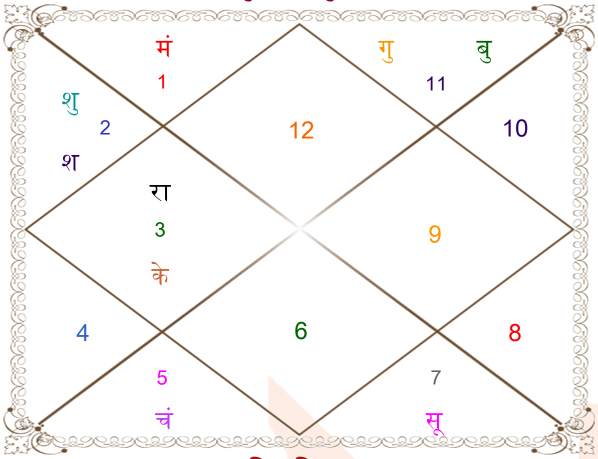


विद्याविचारः

सप्तविंशांश कुंडली

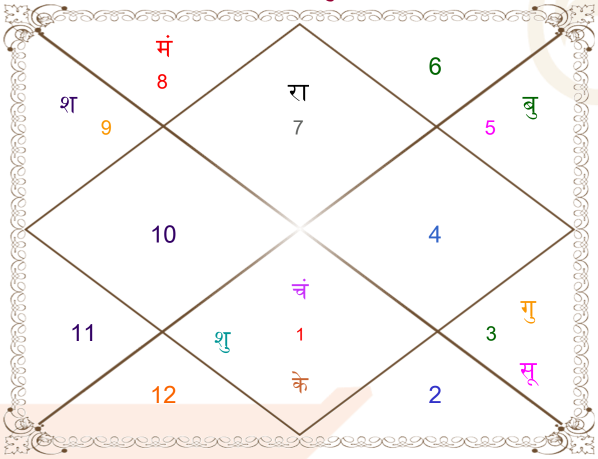


बलाबलज्ञानम्

त्रिंशांश कुंडली

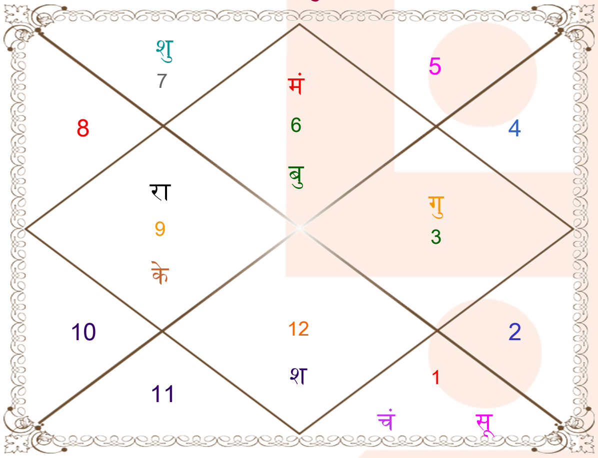


अरिष्टज्ञानम्

खवेदांश कुंडली

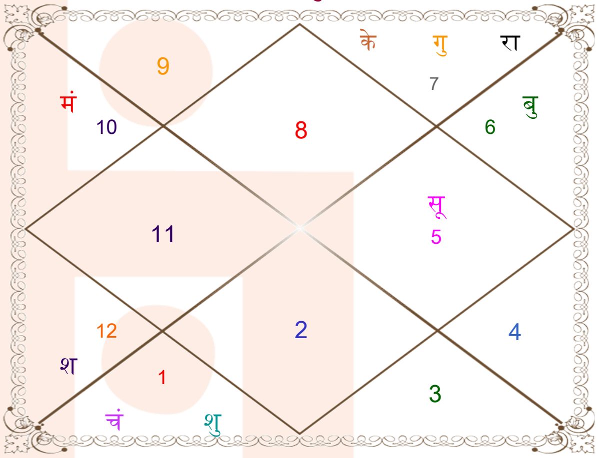


शुभाशुभज्ञानम्

अक्षवेदांश कुंडली

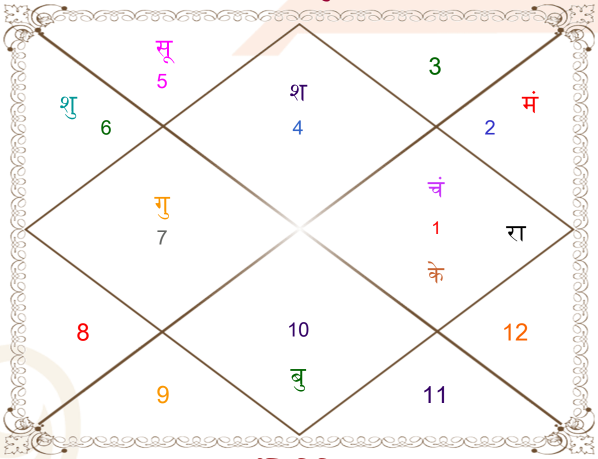


सर्वास्थितिविचारः

षष्ट्यंश कुंडली

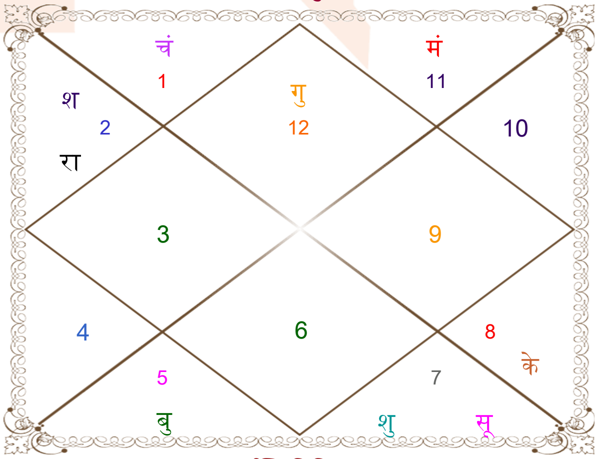


सर्वास्थितिविचारः

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# षोडशवर्ग सारणियां

## षोडशवर्ग सारिणी

| | लग्न | सूर्य | चन्द्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| राशि | कर्क | मेष | मेष | मीन | मीन | मिथु | मेष | मीन | कुंभ | सिंह |
| होरा | कर्क | सिंह | सिंह | कर्क | कर्क | कर्क | कर्क | कर्क | सिंह | सिंह |
| द्रेष्काण | वृश्चि | मेष | मेष | कर्क | मीन | कुंभ | धनु | कर्क | मिथु | धनु |
| चतुर्थांश | तुला | मेष | मेष | मिथु | मिथु | मीन | मक | मिथु | वृष | वृश्चि |
| सप्तमांश | मीन | मेष | मेष | वृश्चि | वृश्चि | वृश्चि | तुला | धनु | वृष | वृश्चि |
| नवमांश | तुला | मेष | मेष | तुला | कन्या | मेष | धनु | तुला | कुंभ | सिंह |
| दशमांश | मिथु | वृष | मेष | कुंभ | मक | मक | मक | मीन | मिथु | धनु |
| द्वादशांश | वृश्चि | वृष | मेष | कर्क | मिथु | मीन | कुंभ | सिंह | कर्क | मक |
| षोडशांश | कन्या | वृष | मेष | मिथु | मेष | धनु | मिथु | कर्क | मीन | मीन |
| विंशांश | तुला | मिथु | मेष | मीन | मक | वृश्चि | तुला | मेष | कन्या | कन्या |
| चतुर्विंशांश | मीन | तुला | सिंह | मेष | कुंभ | कुंभ | वृष | वृष | मिथु | मिथु |
| सप्तविंशांश | तुला | मिथु | मेष | वृश्चि | सिंह | मिथु | मेष | धनु | तुला | मेष |
| त्रिंशांश | कन्या | मेष | मेष | कन्या | कन्या | मिथु | तुला | मीन | धनु | धनु |
| खवेदांश | वृश्चि | सिंह | मेष | मक | कन्या | तुला | मेष | मीन | तुला | तुला |
| अक्षवेदांश | कर्क | सिंह | मेष | वृष | मक | तुला | कन्या | कर्क | मेष | मेष |
| षष्ट्यंश | मीन | तुला | मेष | कुंभ | सिंह | मीन | तुला | वृष | वृष | वृश्चि |

## वर्ग भेद

| | षडवर्ग | सप्तवर्ग | दशवर्ग | षोडशवर्ग |
|---|---|---|---|---|
| सूर्य | 5 छत्र | 6 कुण्डल | 6 पारवत | 9 पूर्णचन्द |
| चन्द्र | 0 --- | 0 --- | 0 --- | 0 --- |
| मंगल | 0 --- | 1 --- | 1 --- | 4 नागपुष्प |
| बुध | 3 व्यंजन | 3 व्यंजन | 3 उत्तम | 5 कन्दुक |
| गुरु | 2 किंसुक | 2 किंसुक | 4 गोपुर | 5 कन्दुक |
| शुक्र | 1 --- | 2 किंसुक | 3 उत्तम | 5 कन्दुक |
| शनि | 1 --- | 1 --- | 1 --- | 1 --- |
| राहु | 1 --- | 1 --- | 2 पारिजात | 4 नागपुष्प |
| केतु | 2 किंसुक | 2 किंसुक | 4 गोपुर | 4 नागपुष्प |

## विंशोपक बल

| | सूर्य | चन्द्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| षडवर्ग | 16.90 | 14.50 | 16.60 | 16.50 | 14.80 | 14.55 | 13.75 | 15.25 | 7.50 |
| सप्तवर्ग | 16.90 | 14.50 | 16.93 | 15.38 | 15.35 | 15.18 | 13.93 | 15.40 | 7.63 |
| दशवर्ग | 11.98 | 14.63 | 12.40 | 14.70 | 16.55 | 16.93 | 14.48 | 14.70 | 9.63 |
| षोडशवर्ग | 13.18 | 14.63 | 12.60 | 15.00 | 16.00 | 16.73 | 14.50 | 15.18 | 8.98 |

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# मैत्री सारिणी

## नैसर्गिक मैत्री

| ग्रह | सूर्य | चन्द्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य | --- | मित्र | मित्र | सम | मित्र | शत्रु | शत्रु | शत्रु | शत्रु |
| चन्द्र | मित्र | --- | सम | मित्र | सम | सम | सम | शत्रु | शत्रु |
| मंगल | मित्र | मित्र | --- | शत्रु | मित्र | सम | सम | शत्रु | मित्र |
| बुध | मित्र | शत्रु | सम | --- | सम | मित्र | सम | सम | सम |
| गुरु | मित्र | मित्र | मित्र | शत्रु | --- | शत्रु | सम | सम | सम |
| शुक्र | शत्रु | शत्रु | सम | मित्र | सम | --- | मित्र | मित्र | मित्र |
| शनि | शत्रु | शत्रु | शत्रु | मित्र | सम | मित्र | --- | मित्र | शत्रु |
| राहु | शत्रु | शत्रु | शत्रु | सम | सम | मित्र | मित्र | --- | शत्रु |
| केतु | शत्रु | शत्रु | मित्र | सम | सम | मित्र | शत्रु | शत्रु | --- |

## तात्कालिक मैत्री

| ग्रह | सूर्य | चन्द्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य | --- | शत्रु | मित्र | मित्र | मित्र | शत्रु | मित्र | मित्र | शत्रु |
| चन्द्र | शत्रु | --- | मित्र | मित्र | मित्र | शत्रु | मित्र | मित्र | शत्रु |
| मंगल | मित्र | मित्र | --- | शत्रु | मित्र | मित्र | शत्रु | मित्र | शत्रु |
| बुध | मित्र | मित्र | शत्रु | --- | मित्र | मित्र | शत्रु | मित्र | शत्रु |
| गुरु | मित्र | मित्र | मित्र | मित्र | --- | मित्र | मित्र | शत्रु | मित्र |
| शुक्र | शत्रु | शत्रु | मित्र | मित्र | मित्र | --- | मित्र | मित्र | शत्रु |
| शनि | मित्र | मित्र | शत्रु | शत्रु | मित्र | मित्र | --- | मित्र | शत्रु |
| राहु | मित्र | मित्र | मित्र | मित्र | शत्रु | मित्र | मित्र | --- | शत्रु |
| केतु | शत्रु | शत्रु | शत्रु | शत्रु | मित्र | शत्रु | शत्रु | शत्रु | --- |

## पंचधा मैत्री

| ग्रह | सूर्य | चन्द्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य | --- | सम | अतिमित्र | मित्र | अतिमित्र | अधिशत्रु | सम | सम | अधिशत्रु |
| चन्द्र | सम | --- | मित्र | अतिमित्र | मित्र | शत्रु | मित्र | सम | अधिशत्रु |
| मंगल | अतिमित्र | अतिमित्र | --- | अधिशत्रु | अतिमित्र | मित्र | शत्रु | सम | सम |
| बुध | अतिमित्र | सम | शत्रु | --- | मित्र | अतिमित्र | शत्रु | मित्र | शत्रु |
| गुरु | अतिमित्र | अतिमित्र | अतिमित्र | सम | --- | सम | मित्र | शत्रु | मित्र |
| शुक्र | अधिशत्रु | अधिशत्रु | मित्र | अतिमित्र | मित्र | --- | अतिमित्र | अतिमित्र | सम |
| शनि | सम | सम | अधिशत्रु | सम | मित्र | अतिमित्र | --- | अतिमित्र | अधिशत्रु |
| राहु | सम | सम | सम | मित्र | शत्रु | अतिमित्र | अतिमित्र | --- | अधिशत्रु |
| केतु | अधिशत्रु | अधिशत्रु | सम | शत्रु | मित्र | सम | अधिशत्रु | अधिशत्रु | --- |

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# षट्बल तथा भावबल सारिणी

## षट्बल

| | सूर्य | चन्द्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| उच्च बल | 58 | 49 | 45 | 2 | 56 | 50 | 12 |
| सप्तवर्गज बल | 144 | 98 | 137 | 131 | 128 | 129 | 90 |
| ओजयुग्मक बल | 30 | 0 | 15 | 0 | 30 | 0 | 15 |
| केन्द्र बल | 60 | 60 | 15 | 15 | 15 | 60 | 15 |
| द्रेष्काण बल | 15 | 0 | 0 | 0 | 0 | 15 | 15 |
| कुल स्थान बल | 307 | 207 | 212 | 148 | 228 | 254 | 147 |
| कुल दिग्बल | 60 | 1 | 53 | 19 | 54 | 8 | 39 |
| नतोन्नत बल | 60 | 0 | 0 | 60 | 60 | 60 | 0 |
| पक्ष बल | 59 | 118 | 59 | 59 | 1 | 1 | 59 |
| त्रिभाग बल | 60 | 0 | 0 | 0 | 60 | 0 | 0 |
| अब्द बल | 0 | 0 | 0 | 0 | 15 | 0 | 0 |
| मास बल | 0 | 0 | 0 | 30 | 0 | 0 | 0 |
| वार बल | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 45 | 0 |
| होरा बल | 60 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अयन बल | 88 | 18 | 33 | 32 | 59 | 54 | 26 |
| युद्ध बल | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| कुल कालबल | 326 | 136 | 92 | 181 | 194 | 159 | 85 |
| कुल चेष्टाबल | 0 | 0 | 10 | 43 | 28 | 17 | 6 |
| कुल नैसर्गिक बल | 60 | 51 | 17 | 26 | 34 | 43 | 9 |
| कुल दृग्बल | 2 | 3 | 13 | 13 | -48 | -6 | 12 |
| कुल षट्बल | 756 | 398 | 397 | 430 | 492 | 475 | 299 |
| रूप षट्बल | 12.6 | 6.6 | 6.6 | 7.2 | 8.2 | 7.9 | 5.0 |
| न्यूनतम आवश्यकता | 5 | 6 | 5 | 7 | 7 | 6 | 5 |
| अनुपात | 2.5 | 1.1 | 1.3 | 1.0 | 1.3 | 1.4 | 1.0 |
| संबंधित पद | 1 | 5 | 3 | 6 | 4 | 2 | 7 |

## इष्ट फल

| | सूर्य | चन्द्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| इष्ट फल | 47.49 | 6.81 | 21.26 | 9.41 | 39.85 | 29.03 | 8.43 |
| कष्ट फल | 6.96 | 25.40 | 26.97 | 31.10 | 11.26 | 20.89 | 50.88 |

## भाव बल

| | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| भावाधिपति बल | 398 | 756 | 430 | 475 | 397 | 492 | 299 | 299 | 492 | 397 | 475 | 430 |
| भावदिग्बल | 30 | 20 | 40 | 30 | 40 | 10 | 30 | 10 | 10 | 60 | 50 | 50 |
| भावदृष्टि बल | -4 | 4 | 60 | 36 | 50 | 34 | 40 | 40 | 53 | 10 | 7 | 3 |
| कुल भाव बल | 424 | 780 | 530 | 541 | 487 | 535 | 369 | 348 | 555 | 467 | 532 | 484 |
| रूप भाव बल | 7.1 | 13.0 | 8.8 | 9.0 | 8.1 | 8.9 | 6.1 | 5.8 | 9.2 | 7.8 | 8.9 | 8.1 |
| संबंधित पद | 10 | 1 | 6 | 3 | 7 | 4 | 11 | 12 | 2 | 9 | 5 | 8 |

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# षट्बल ग्राफ

### स्थान बल

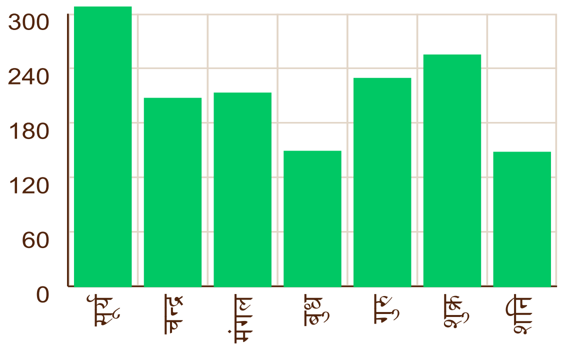


### दिग्बल

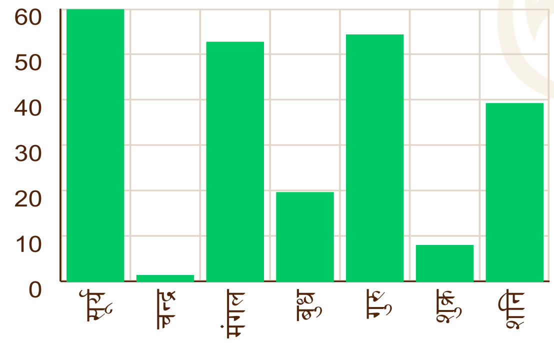


### कालबल

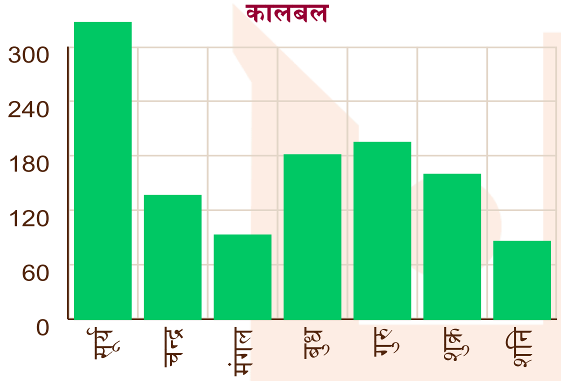


### चेष्टाबल

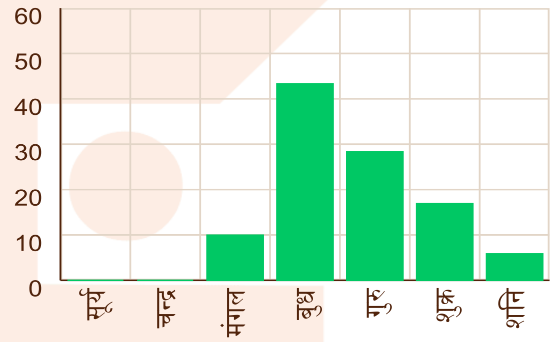


### नैसर्गिक बल

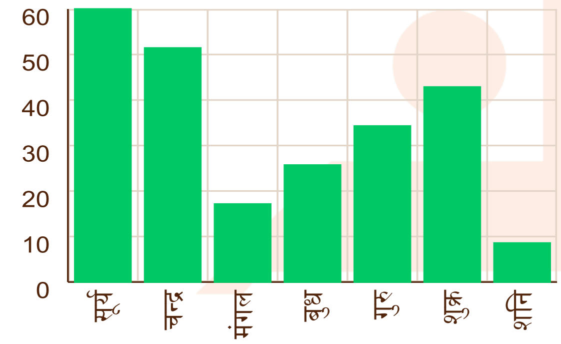


### दृग्बल

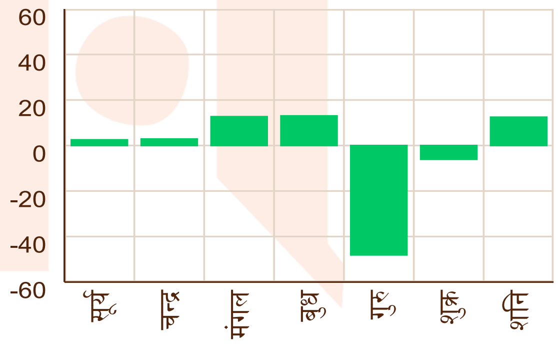


### रूप षट्बल

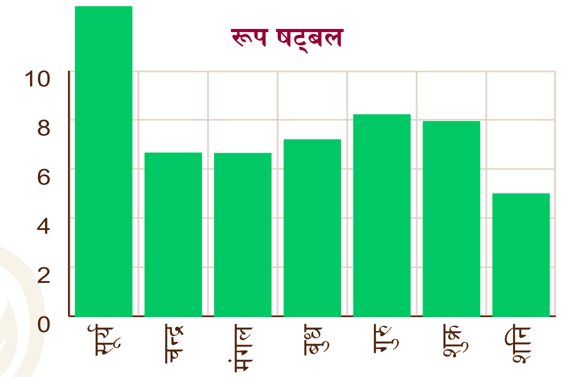


### न्यूनतम षट्बल

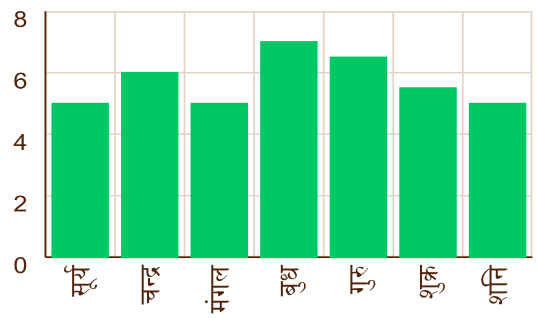



**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# भाव बल ग्राफ

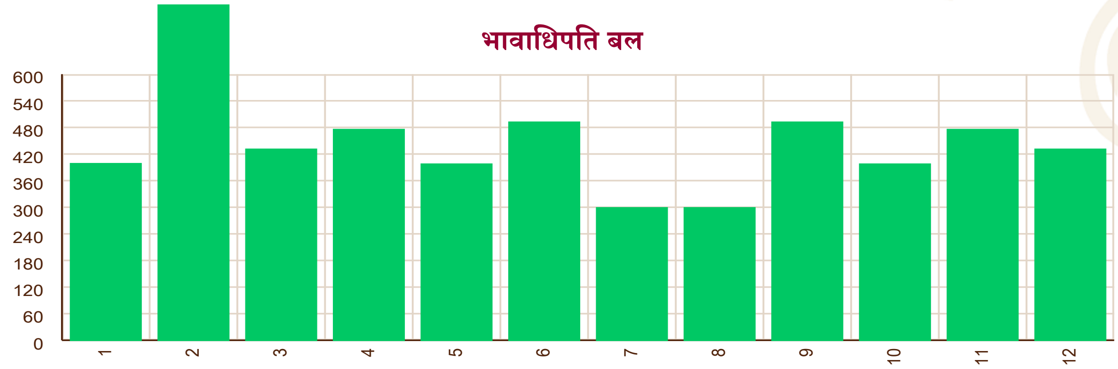


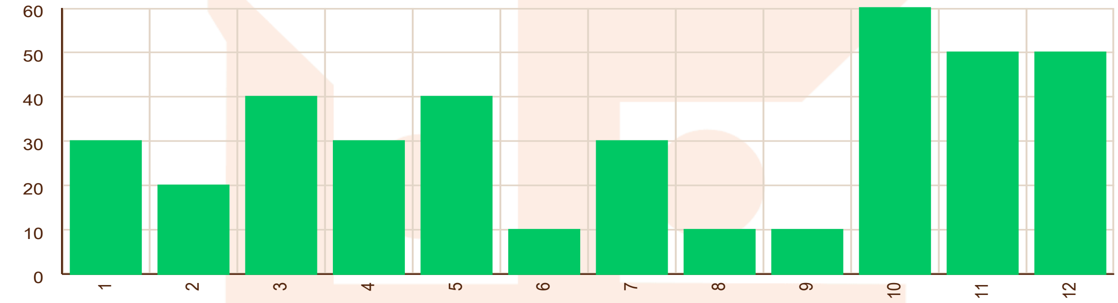


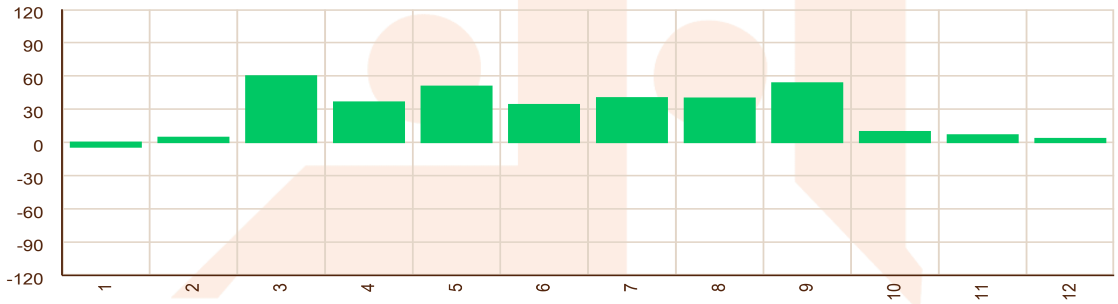


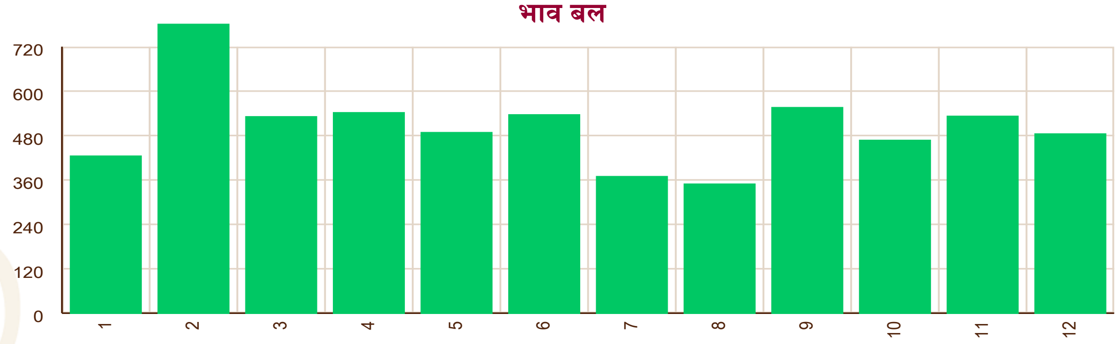


**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# षट्बल तथा भावबल ग्राफ

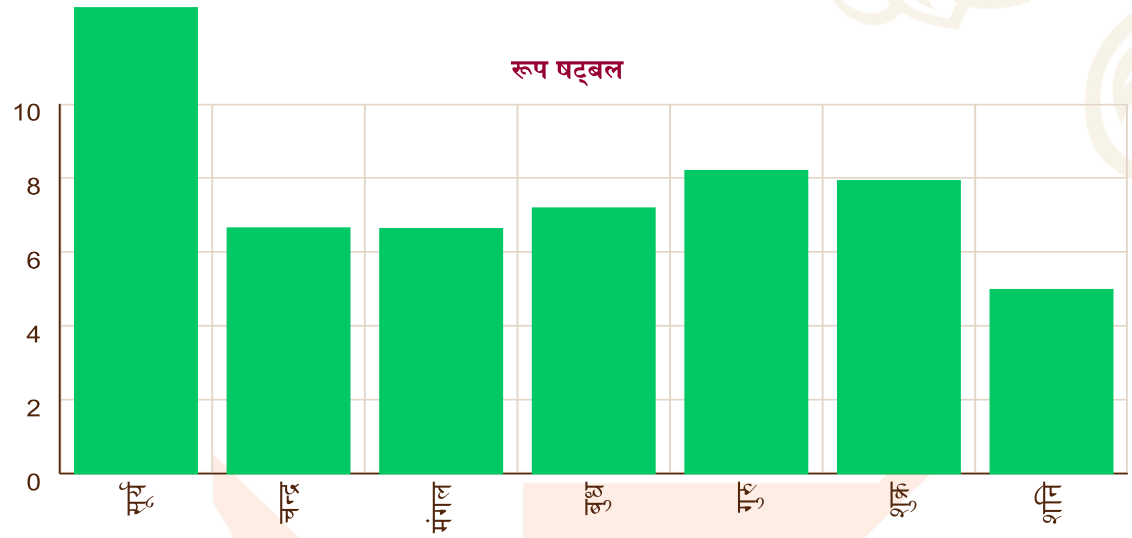


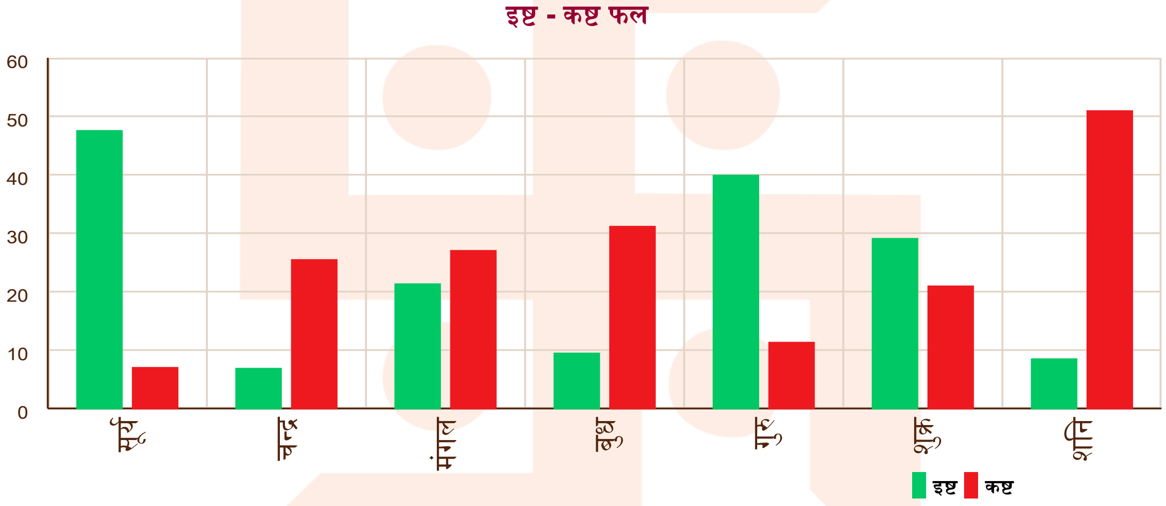


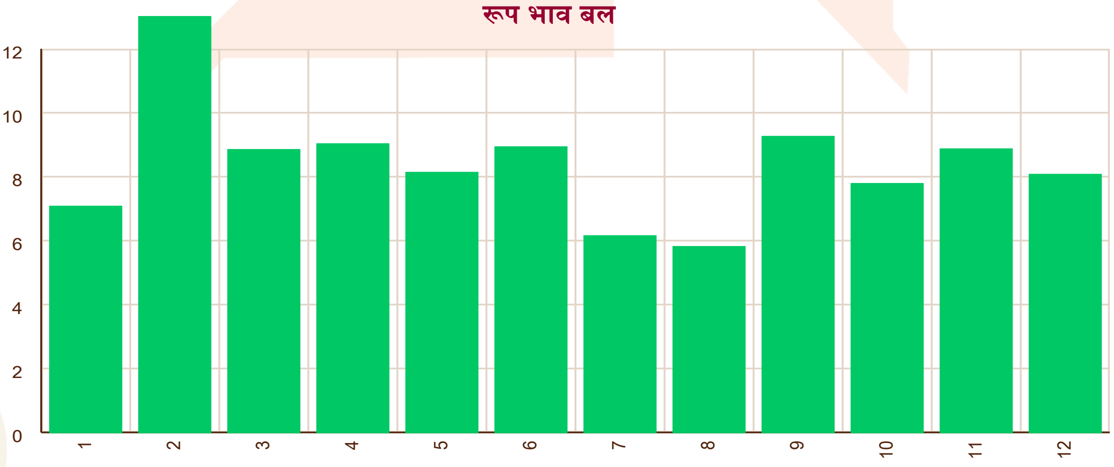


**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# उपग्रह एवं आरूढ़

| उपग्रह | संक्षि | राशि | अंश | उच्च | स्थिति | नक्षत्र | पद | नं. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | ल | कर्क | 10:28:17 | -- | -- | पुष्य | 3 | 8 |
| गुलिक | गु | वृष | 27:11:08 | -- | -- | मृगशिरा | 2 | 5 |
| काल | का | मिथु | 19:01:41 | -- | -- | आद्रा | 4 | 6 |
| मृत्यु | मृ | सिंह | 00:44:18 | -- | -- | मघा | 1 | 10 |
| यमघंटक | यम | कन्या | 12:56:18 | -- | -- | हस्त | 1 | 13 |
| अर्द्धप्रहर | अर्द्ध | सिंह | 21:35:44 | -- | -- | पू.फ़ाल्गुनी | 3 | 11 |
| धूम | धू | सिंह | 16:23:17 | उच्च | -- | पू.फ़ाल्गुनी | 1 | 11 |
| व्यतिपात | व्य | वृश्चि | 13:36:43 | उच्च | -- | अनुराधा | 4 | 17 |
| परिवेश | परि | वृष | 13:36:43 | -- | -- | रोहिणी | 2 | 4 |
| इन्द्रचाप | इ | कुंभ | 16:23:17 | -- | -- | शतभिषा | 3 | 24 |
| उपकेतु | उप | मीन | 03:03:17 | -- | -- | पू.भाद्रपद | 4 | 25 |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प्राणपद | : | कन्या | 02:45:12 | कारकांश लग्न | : | धनु | 06:29:17 |
| भाव लग्न | : | तुला | 17:57:23 | होरा लग्न | : | मक | 25:26:29 |
| घटी लग्न | : | सिंह | 10:28:46 | वर्णद लग्न | : | कुंभ | 24:05:14 |

### उपग्रह कुंडली

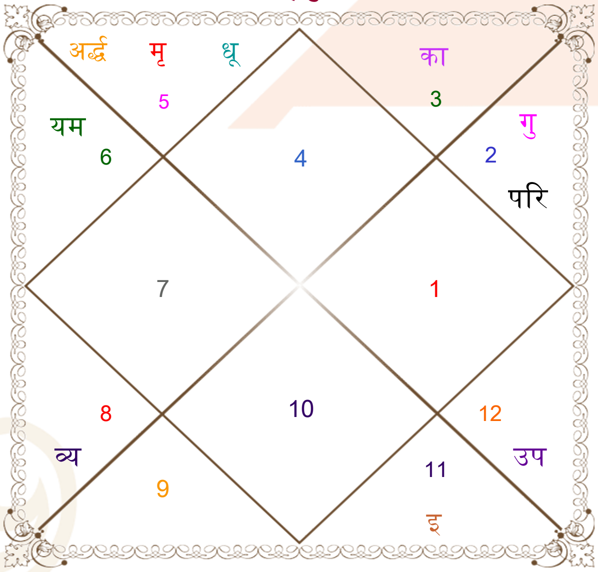


### आरूढ़ कुंडली

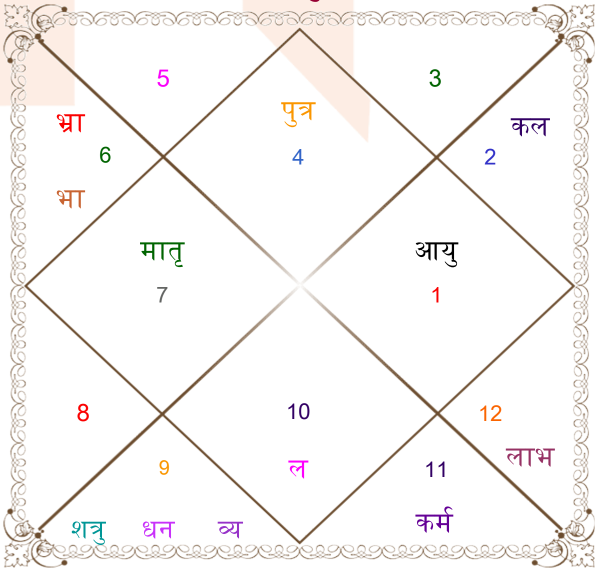



**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

## षण्नाड़ी चक्र

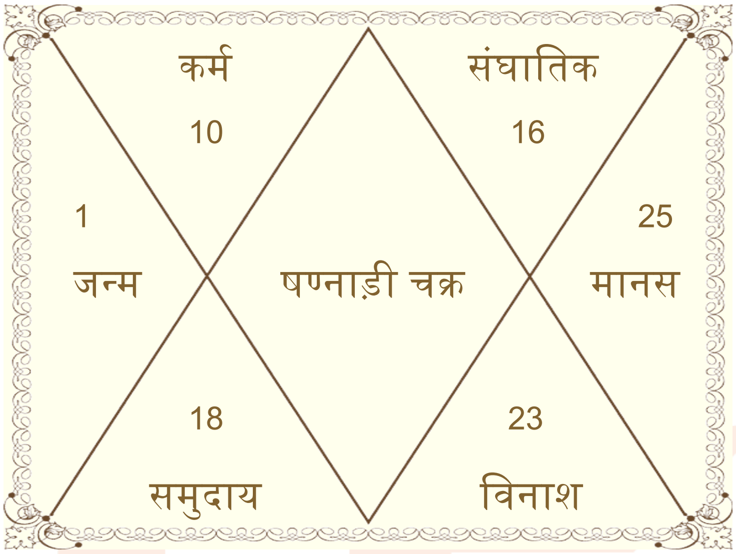


## त्रिपाप चक्र

| | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प्रथम चक्र | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
| द्वितीय चक्र | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 |
| तृतीय चक्र | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 |
| केतु पताकी | केतु | शुक्र | सूर्य | चन्द्र | मंगल | बुध | शनि | गुरु | राहु | केतु | शुक्र | सूर्य |
| केतु कुण्डली | सूर्य | केतु | बुध | मंगल | केतु | गुरु | चन्द्र | केतु | शुक्र | राहु | केतु | शनि |
| गुरु कुण्डली | केतु | चन्द्र | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु | सूर्य | मंगल | केतु | चन्द्र | बुध |

| | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प्रथम चक्र | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 |
| द्वितीय चक्र | 49 | 50 | 51 | 52 | 53 | 54 | 55 | 56 | 57 | 58 | 59 | 60 |
| तृतीय चक्र | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 | 91 | 92 | 93 | 94 | 95 | 96 |
| केतु पताकी | चन्द्र | मंगल | बुध | शनि | गुरु | राहु | केतु | शुक्र | सूर्य | चन्द्र | मंगल | बुध |
| केतु कुण्डली | सूर्य | केतु | बुध | मंगल | केतु | गुरु | चन्द्र | केतु | शुक्र | राहु | केतु | शनि |
| गुरु कुण्डली | गुरु | शुक्र | शनि | राहु | सूर्य | मंगल | केतु | चन्द्र | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |

| | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प्रथम चक्र | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 |
| द्वितीय चक्र | 61 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 |
| तृतीय चक्र | 97 | 98 | 99 | 100 | 101 | 102 | 103 | 104 | 105 | 106 | 107 | 108 |
| केतु पताकी | शनि | गुरु | राहु | केतु | शुक्र | सूर्य | चन्द्र | मंगल | बुध | शनि | गुरु | राहु |
| केतु कुण्डली | सूर्य | केतु | बुध | मंगल | केतु | गुरु | चन्द्र | केतु | शुक्र | राहु | केतु | शनि |
| गुरु कुण्डली | राहु | सूर्य | मंगल | केतु | चन्द्र | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु | सूर्य | मंगल |

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# प्रस्ताराष्टकवर्ग सारिणी

### सूर्य का अष्टकवर्ग

| | मे | वृ | मि | कर्क | सि | कं | तु | वृश्चि | ध | म | कुं | मी | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शनि | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 8 |
| गुरु | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 4 |
| मंगल | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 8 |
| सूर्य | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 8 |
| शुक्र | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 3 |
| बुध | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 7 |
| चन्द्र | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 4 |
| लग्न | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 6 |
| **कुल** | **5** | **3** | **4** | **2** | **1** | **5** | **6** | **5** | **5** | **5** | **4** | **3** | **48** |

### चंद्र का अष्टकवर्ग

| | मे | वृ | मि | कर्क | सि | कं | तु | वृश्चि | ध | म | कुं | मी | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शनि | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 4 |
| गुरु | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 7 |
| मंगल | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 6 |
| सूर्य | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 6 |
| शुक्र | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 7 |
| बुध | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 8 |
| चन्द्र | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 7 |
| लग्न | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 4 |
| **कुल** | **4** | **4** | **5** | **5** | **3** | **5** | **4** | **1** | **6** | **7** | **3** | **2** | **49** |

### मंगल का अष्टकवर्ग

| | मी | मे | वृ | मि | कर्क | सि | कं | तु | वृश्चि | ध | म | कुं | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शनि | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 7 |
| गुरु | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 4 |
| मंगल | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 7 |
| सूर्य | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 5 |
| शुक्र | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 4 |
| बुध | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 4 |
| चन्द्र | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 3 |
| लग्न | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 5 |
| **कुल** | **4** | **3** | **3** | **4** | **2** | **2** | **6** | **2** | **3** | **3** | **4** | **3** | **39** |

### बुध का अष्टकवर्ग

| | मी | मे | वृ | मि | कर्क | सि | कं | तु | वृश्चि | ध | म | कुं | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शनि | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 8 |
| गुरु | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 4 |
| मंगल | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 8 |
| सूर्य | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 5 |
| शुक्र | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 8 |
| बुध | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 8 |
| चन्द्र | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 6 |
| लग्न | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 7 |
| **कुल** | **4** | **5** | **5** | **3** | **4** | **4** | **4** | **3** | **6** | **6** | **5** | **5** | **54** |

### गुरु का अष्टकवर्ग

| | मि | कर्क | सि | कं | तु | वृश्चि | ध | म | कुं | मी | मे | वृ | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शनि | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 4 |
| गुरु | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 8 |
| मंगल | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 7 |
| सूर्य | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 9 |
| शुक्र | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 6 |
| बुध | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 8 |
| चन्द्र | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 5 |
| लग्न | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 9 |
| **कुल** | **4** | **5** | **6** | **3** | **4** | **3** | **7** | **6** | **4** | **4** | **5** | **5** | **56** |

### शुक्र का अष्टकवर्ग

| | मे | वृ | मि | कर्क | सि | कं | तु | वृश्चि | ध | म | कुं | मी | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शनि | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 7 |
| गुरु | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 5 |
| मंगल | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 6 |
| सूर्य | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 3 |
| शुक्र | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 9 |
| बुध | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 5 |
| चन्द्र | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 9 |
| लग्न | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 8 |
| **कुल** | **3** | **6** | **4** | **5** | **5** | **1** | **3** | **7** | **3** | **5** | **6** | **4** | **52** |

### शनि का अष्टकवर्ग

| | मी | मे | वृ | मि | कर्क | सि | कं | तु | वृश्चि | ध | म | कुं | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शनि | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 4 |
| गुरु | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 4 |
| मंगल | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 6 |
| सूर्य | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 7 |
| शुक्र | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 3 |
| बुध | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 6 |
| चन्द्र | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 3 |
| लग्न | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 6 |
| **कुल** | **1** | **3** | **5** | **1** | **4** | **3** | **3** | **4** | **3** | **3** | **4** | **5** | **39** |

### लग्न का अष्टकवर्ग

| | कर्क | सि | कं | तु | वृश्चि | ध | म | कुं | मी | मे | वृ | मि | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शनि | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 6 |
| गुरु | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 9 |
| मंगल | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 5 |
| सूर्य | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 6 |
| शुक्र | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 7 |
| बुध | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 7 |
| चन्द्र | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 5 |
| लग्न | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 4 |
| **कुल** | **3** | **4** | **4** | **2** | **2** | **6** | **5** | **3** | **6** | **4** | **4** | **6** | **49** |


**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# अष्टकवर्ग सारिणी

## सर्वाष्टकवर्ग सारिणी

| | मे | वृ | मि | कं | सि | कं | तु | वृश्चि | ध | म | कुं | मी | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शनि | 3 | 5 | 1 | 4 | 3 | 3 | 4 | 3 | 3 | 4 | 5 | 1 | 39 |
| गुरु | 5 | 5 | 4 | 5 | 6 | 3 | 4 | 3 | 7 | 6 | 4 | 4 | 56 |
| मंगल | 3 | 3 | 4 | 2 | 2 | 6 | 2 | 3 | 3 | 4 | 3 | 4 | 39 |
| सूर्य | 5 | 3 | 4 | 2 | 1 | 5 | 6 | 5 | 5 | 5 | 4 | 3 | 48 |
| शुक्र | 3 | 6 | 4 | 5 | 5 | 1 | 3 | 7 | 3 | 5 | 6 | 4 | 52 |
| बुध | 5 | 5 | 3 | 4 | 4 | 4 | 3 | 6 | 6 | 5 | 5 | 4 | 54 |
| चन्द्र | 4 | 4 | 5 | 5 | 3 | 5 | 4 | 1 | 6 | 7 | 3 | 2 | 49 |
| बिन्दु | 28 | 31 | 25 | 27 | 24 | 27 | 26 | 28 | 33 | 36 | 30 | 22 | 337 |
| रेखा | 28 | 25 | 31 | 29 | 32 | 29 | 30 | 28 | 23 | 20 | 26 | 34 | 335 |

## त्रिकोण शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग सारिणी

| | मे | वृ | मि | कं | सि | कं | तु | वृश्चि | ध | म | कुं | मी | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शनि | 0 | 2 | 0 | 3 | 0 | 0 | 3 | 2 | 0 | 1 | 4 | 0 | 15 |
| गुरु | 0 | 2 | 0 | 2 | 1 | 0 | 0 | 0 | 2 | 3 | 0 | 1 | 11 |
| मंगल | 1 | 0 | 2 | 0 | 0 | 3 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 2 | 12 |
| सूर्य | 4 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 | 2 | 3 | 4 | 2 | 0 | 1 | 18 |
| शुक्र | 0 | 5 | 1 | 1 | 2 | 0 | 0 | 3 | 0 | 4 | 3 | 0 | 19 |
| बुध | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 | 2 | 1 | 2 | 0 | 9 |
| चन्द्र | 1 | 0 | 2 | 4 | 0 | 1 | 1 | 0 | 3 | 3 | 0 | 1 | 16 |
| रेखा | 7 | 10 | 5 | 10 | 3 | 6 | 6 | 11 | 12 | 15 | 10 | 5 | 100 |

## एकाधिपत्य शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग सारिणी

| | मे | वृ | मि | कं | सि | कं | तु | वृश्चि | ध | म | कुं | मी | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शनि | 0 | 2 | 0 | 3 | 0 | 0 | 1 | 2 | 0 | 1 | 3 | 0 | 12 |
| गुरु | 0 | 2 | 0 | 2 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 3 | 0 | 1 | 10 |
| मंगल | 1 | 0 | 2 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 | 6 |
| सूर्य | 4 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 | 2 | 0 | 3 | 2 | 0 | 1 | 14 |
| शुक्र | 0 | 5 | 1 | 1 | 2 | 0 | 0 | 3 | 0 | 1 | 3 | 0 | 16 |
| बुध | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 2 | 1 | 1 | 0 | 7 |
| चन्द्र | 1 | 0 | 2 | 4 | 0 | 0 | 1 | 0 | 2 | 3 | 0 | 1 | 14 |
| रेखा | 7 | 10 | 5 | 10 | 3 | 3 | 4 | 6 | 8 | 11 | 7 | 5 | 79 |

## शोध्य पिंड

| | सूर्य | चन्द्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| राशि पिंड | 101 | 91 | 52 | 59 | 74 | 144 | 93 |
| ग्रह पिंड | 86 | 55 | 73 | 17 | 18 | 10 | 0 |
| शोध्य पिंड | 187 | 146 | 125 | 76 | 92 | 154 | 93 |

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# अष्टकवर्ग सारिणी

सर्वाष्टकवर्ग

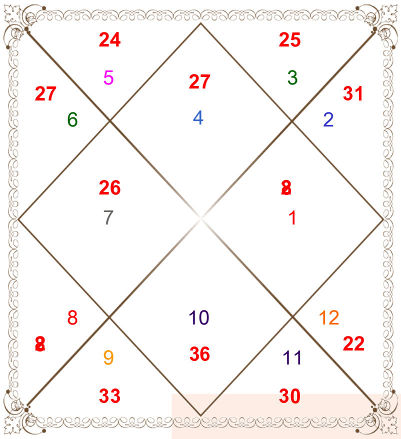


सूर्य का अष्टकवर्ग

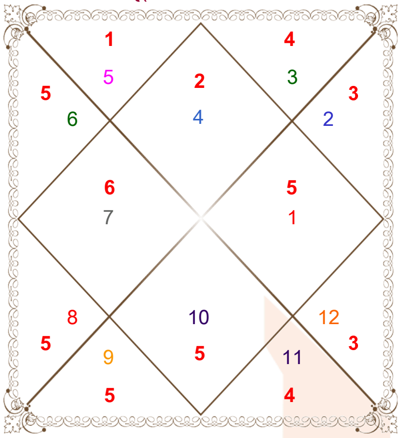


चंद्र का अष्टकवर्ग

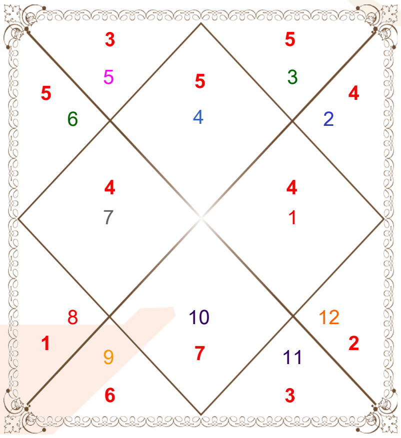


मंगल का अष्टकवर्ग

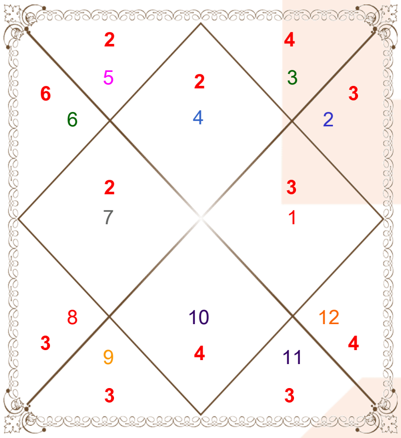


बुध का अष्टकवर्ग

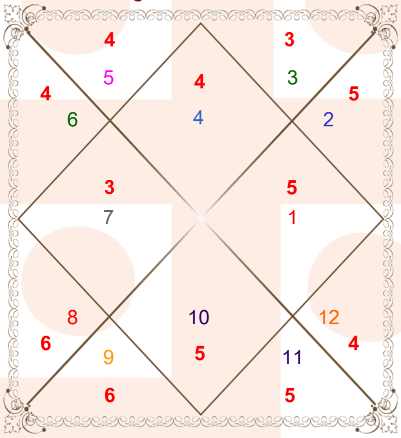


गुरु का अष्टकवर्ग

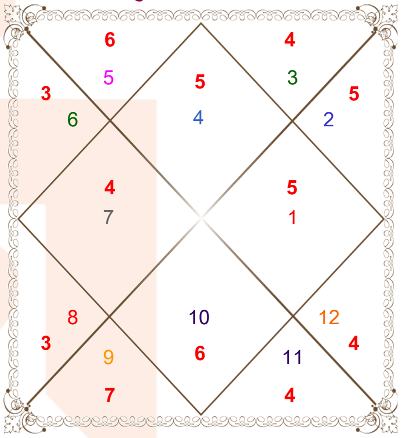


शुक्र का अष्टकवर्ग

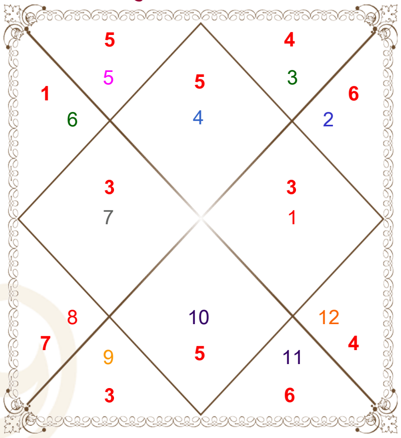


शनि का अष्टकवर्ग

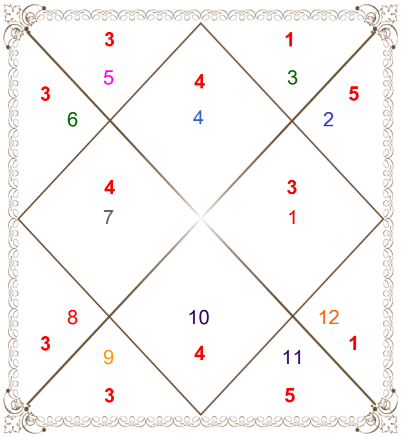


लग्न का अष्टकवर्ग

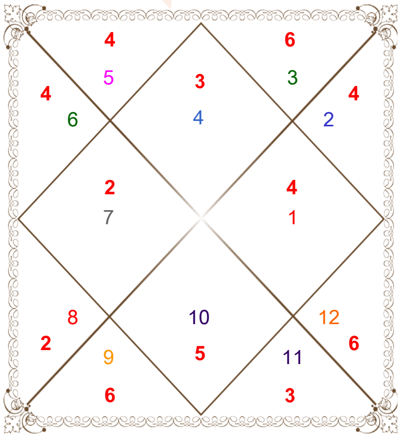



**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# भिन्नाष्टक ग्राफ

सूर्य

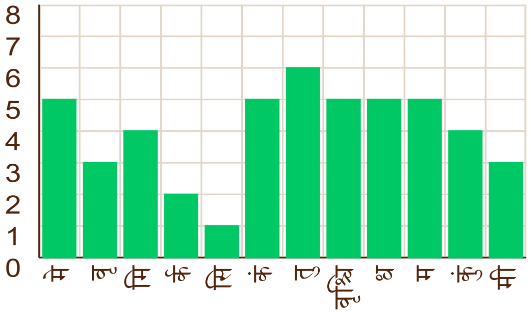

चन्द्र

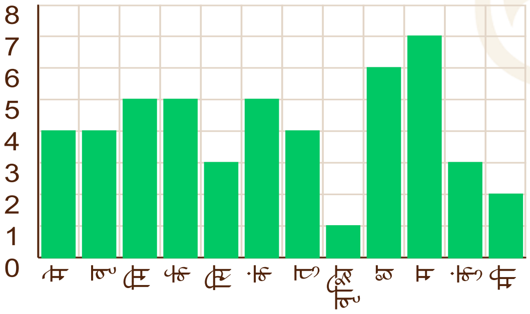

मंगल

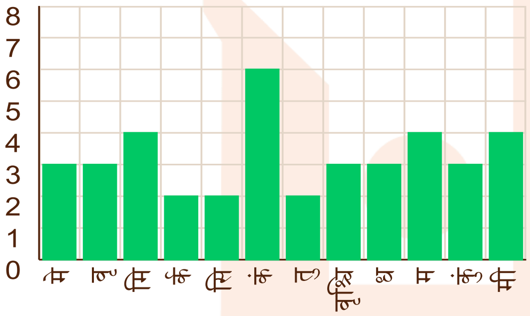

बुध

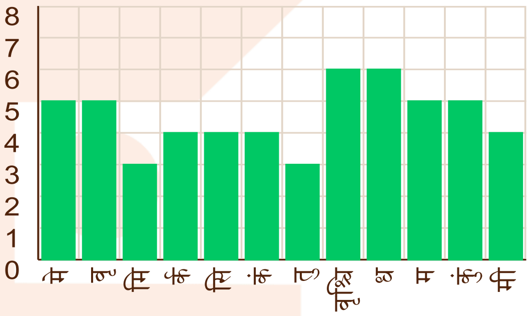

गुरु

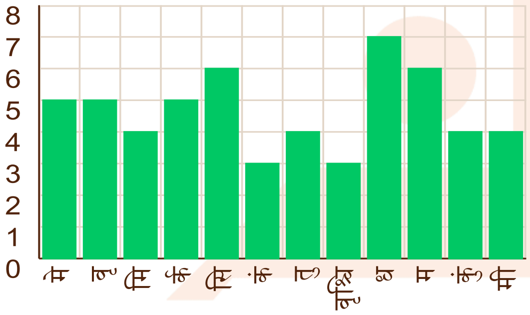

शुक्र

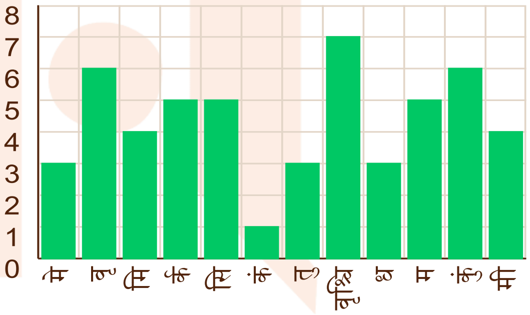

शनि

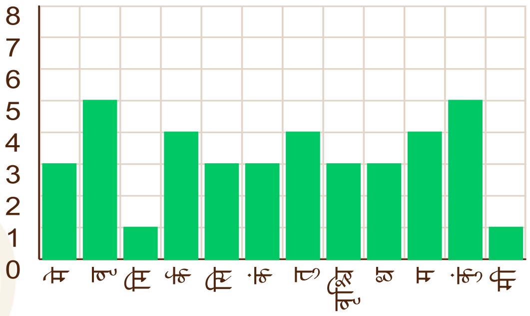

लग्न

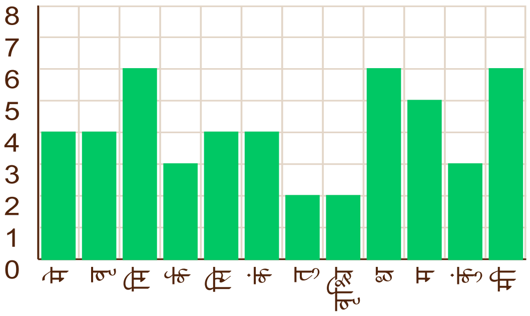

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# अष्टकवर्ग ग्राफ

## सर्वाष्टकवर्ग

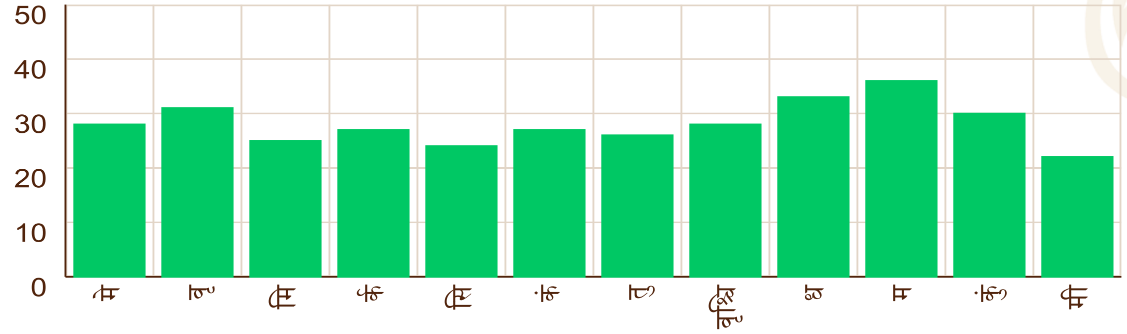


## त्रिकोण शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग

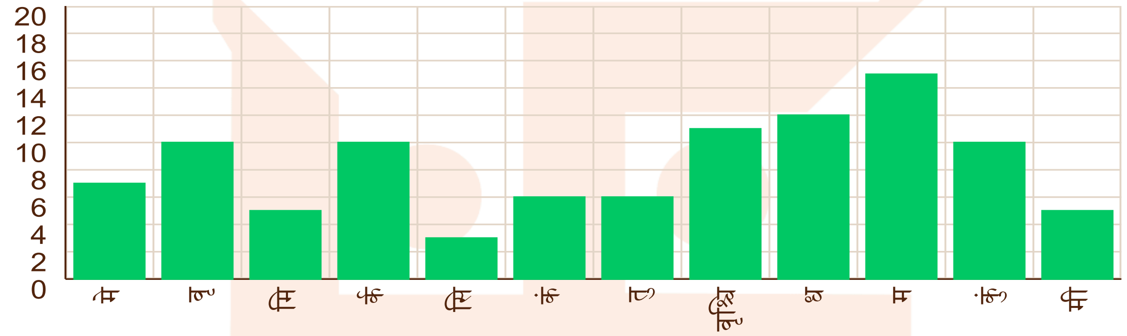


## एकाधिपत्य शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग

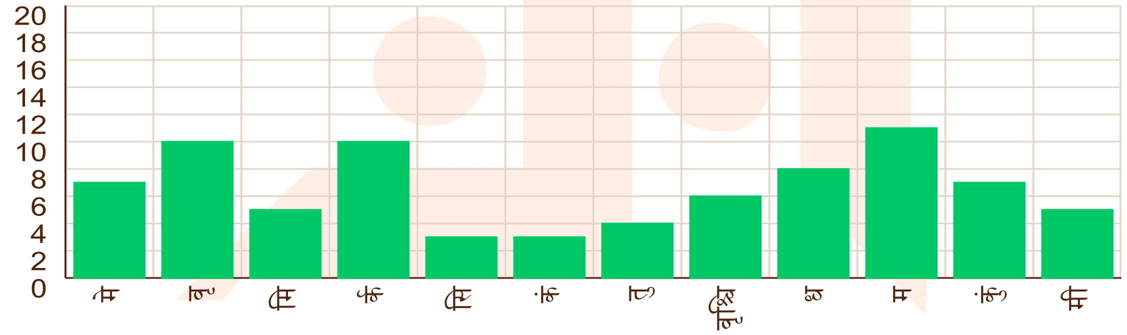


## शोध्य पिंड

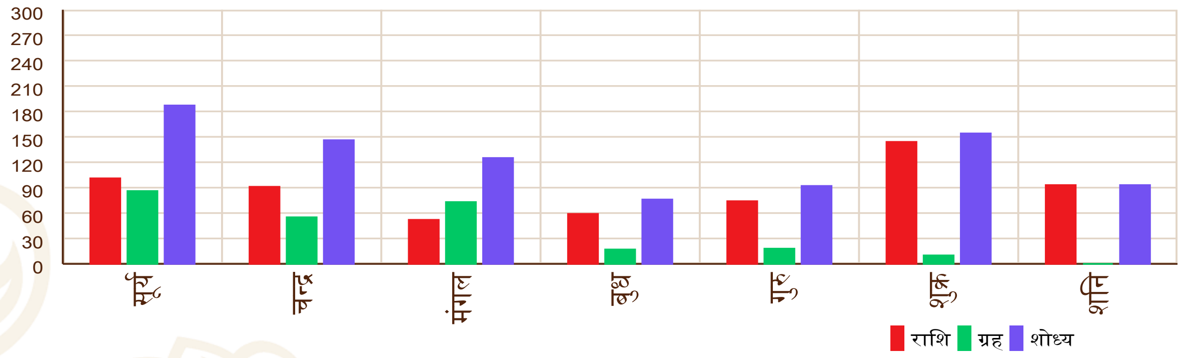



**Mukesh Kumar Shakya**

A3 Ring Road New Delhi

8178141028

mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 10 मास 8 दिन

| केतु 7 वर्ष | | शुक्र 20 वर्ष | | सूर्य 6 वर्ष | | चन्द्र 10 वर्ष | | मंगल 7 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 17/04/2026 | | 05/2033 | | 05/2053 | | 06/2059 | | 05/2069 | |
| 05/2033 | | 05/2053 | | 06/2059 | | 05/2069 | | 05/2076 | |
| केतु | 008/2026 | शुक्र | 057/2036 | सूर्य | 206/2053 | चन्द्र | 041/2060 | मंगल | 018/2069 |
| शुक्र | 010/2027 | सूर्य | 057/2037 | चन्द्र | 212/2053 | मंगल | 048/2060 | राहु | 208/2070 |
| सूर्य | 062/2028 | चन्द्र | 063/2039 | मंगल | 204/2054 | राहु | 032/2062 | गुरु | 207/2071 |
| चन्द्र | 079/2028 | मंगल | 055/2040 | राहु | 243/2055 | गुरु | 056/2063 | शनि | 049/2072 |
| मंगल | 032/2029 | राहु | 065/2043 | गुरु | 101/2056 | शनि | 031/2065 | बुध | 019/2073 |
| राहु | 202/2030 | गुरु | 041/2046 | शनि | 212/2056 | बुध | 056/2066 | केतु | 231/2074 |
| गुरु | 231/2031 | शनि | 053/2049 | बुध | 290/2057 | केतु | 041/2067 | शुक्र | 303/2075 |
| शनि | 083/2032 | बुध | 041/2052 | केतु | 053/2058 | शुक्र | 049/2068 | सूर्य | 058/2075 |
| बुध | 053/2033 | केतु | 053/2053 | शुक्र | 063/2059 | सूर्य | 053/2069 | चन्द्र | 053/2076 |

| राहु 8 वर्ष | | गुरु 16 वर्ष | | शनि 19 वर्ष | | बुध 17 वर्ष | | केतु 7 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 05/2076 | | 05/2094 | | 06/2010 | | 06/2029 | | 06/2046 | |
| 05/2094 | | 06/2010 | | 06/2029 | | 06/2046 | | 00/00/0000 | |
| राहु | 161/2078 | गुरु | 204/2096 | शनि | 098/2113 | बुध | 038/2131 | केतु | 104/2146 |
| गुरु | 104/2081 | शनि | 041/2098 | बुध | 171/2115 | केतु | 307/2132 | | 000/0000 |
| शनि | 102/2084 | बुध | 102/2101 | केतु | 262/2116 | शुक्र | 305/2135 | | 000/0000 |
| बुध | 049/2086 | केतु | 101/2102 | शुक्र | 262/2120 | सूर्य | 054/2136 | | 000/0000 |
| केतु | 239/2087 | शुक्र | 109/2104 | सूर्य | 072/2121 | चन्द्र | 059/2137 | | 000/0000 |
| शुक्र | 229/2090 | सूर्य | 067/2105 | चन्द्र | 089/2122 | मंगल | 029/2138 | | 000/0000 |
| सूर्य | 108/2091 | चन्द्र | 051/2106 | मंगल | 180/2123 | राहु | 203/2141 | | 000/0000 |
| चन्द्र | 152/2093 | मंगल | 120/2107 | राहु | 248/2126 | गुरु | 206/2143 | | 000/0000 |
| मंगल | 053/2094 | राहु | 063/2110 | गुरु | 063/2129 | शनि | 063/2146 | | 000/0000 |

- उपरोक्त दशा चन्द्रमा के अंशों के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 10 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

| केतु - केतु | | केतु - शुक्र | | केतु - सूर्य | | केतु - चन्द्र | | केतु - मंगल | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **17/04/2026** | | **0/2026** | | **02/10/2027** | | **06/02/202** | | **07/09/202** | |
| **0/2026** | | **02/10/2027** | | **06/02/202** | | **07/09/202** | | **0/02/2029** | |
| | 000/0000 | शुक्र | /120/2026 | सूर्य | 080/2027 | चन्द्र | 242/2028 | मंगल | /109/2028 |
| | 000/0000 | सूर्य | 021/2026 | चन्द्र | /110/2027 | मंगल | 083/2028 | राहु | 080/2028 |
| | /104/2026 | चन्द्र | 012/2026 | मंगल | 210/2027 | राहु | 094/2028 | गुरु | 280/2028 |
| चन्द्र | 284/2026 | मंगल | 011/2027 | राहु | /111/2027 | गुरु | 075/2028 | शनि | 201/2028 |
| मंगल | 075/2026 | राहु | 063/2027 | गुरु | 012/2027 | शनि | /106/2028 | बुध | /112/2028 |
| राहु | 295/2026 | गुरु | 025/2027 | शनि | 222/2027 | बुध | /107/2028 | केतु | 202/2028 |
| गुरु | /106/2026 | शनि | 087/2027 | बुध | 091/2028 | केतु | 227/2028 | शुक्र | /101/2029 |
| शनि | /107/2026 | बुध | 079/2027 | केतु | /101/2028 | शुक्र | 278/2028 | सूर्य | 201/2029 |
| बुध | 028/2026 | केतु | 020/2027 | शुक्र | 062/2028 | सूर्य | 079/2028 | चन्द्र | 032/2029 |

| केतु - राहु | | केतु - गुरु | | केतु - शनि | | केतु - बुध | | शुक्र - शुक्र | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **0/02/2029** | | **20/02/20** | | **2/01/2031** | | **0/03/2032** | | **0/2033** | |
| **20/02/20** | | **2/01/2031** | | **0/03/2032** | | **0/2033** | | **06/07/20** | |
| राहु | 014/2029 | गुरु | 084/2030 | शनि | 024/2031 | बुध | 284/2032 | शुक्र | 209/2033 |
| गुरु | 225/2029 | शनि | 016/2030 | बुध | 305/2031 | केतु | /105/2032 | सूर्य | 241/2033 |
| शनि | 227/2029 | बुध | /107/2030 | केतु | 226/2031 | शुक्र | /107/2032 | चन्द्र | 053/2034 |
| बुध | /109/2029 | केतु | 088/2030 | शुक्र | 298/2031 | सूर्य | 068/2032 | मंगल | /105/2034 |
| केतु | 010/2029 | शुक्र | 010/2030 | सूर्य | /108/2031 | चन्द्र | 059/2032 | राहु | /111/2034 |
| शुक्र | /102/2029 | सूर्य | 210/2030 | चन्द्र | 220/2031 | मंगल | 209/2032 | गुरु | 254/2035 |
| सूर्य | 212/2029 | चन्द्र | /118/2030 | मंगल | /111/2031 | राहु | /101/2032 | शनि | 011/2035 |
| चन्द्र | 301/2030 | मंगल | 082/2030 | राहु | /101/2032 | गुरु | 071/2033 | बुध | 254/2036 |
| मंगल | 202/2030 | राहु | 281/2031 | गुरु | 083/2032 | शनि | 053/2033 | केतु | 057/2036 |

| शुक्र - सूर्य | | शुक्र - चन्द्र | | शुक्र - मंगल | | शुक्र - राहु | | शुक्र - गुरु | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **06/07/20** | | **05/07/20** | | **06/2039** | | **05/05/2040** | | **06/05/204** | |
| **05/07/20** | | **06/2039** | | **05/05/2040** | | **06/05/204** | | **04/01/2046** | |
| सूर्य | 287/2036 | चन्द्र | 258/2037 | मंगल | 303/2039 | राहु | /110/2040 | गुरु | /109/2043 |
| चन्द्र | 228/2036 | मंगल | 209/2037 | राहु | 026/2039 | गुरु | /103/2041 | शनि | /102/2044 |
| मंगल | /109/2036 | राहु | 292/2037 | गुरु | 297/2039 | शनि | 019/2041 | बुध | 017/2044 |
| राहु | 061/2036 | गुरु | 203/2038 | शनि | 050/2039 | बुध | 032/2042 | केतु | 268/2044 |
| गुरु | 252/2036 | शनि | 256/2038 | बुध | 042/2039 | केतु | 084/2042 | शुक्र | 052/2045 |
| शनि | 202/2037 | बुध | /109/2038 | केतु | 292/2039 | शुक्र | 070/2042 | सूर्य | 253/2045 |
| बुध | /104/2037 | केतु | 250/2038 | शुक्र | 093/2040 | सूर्य | 012/2042 | चन्द्र | /106/2045 |
| केतु | 055/2037 | शुक्र | 032/2039 | सूर्य | 303/2040 | चन्द्र | 033/2043 | मंगल | /108/2045 |
| शुक्र | 057/2037 | सूर्य | 063/2039 | चन्द्र | 055/2040 | मंगल | 065/2043 | राहु | 041/2046 |

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

| शुक्र - शनि | | शुक्र - बुध | | शुक्र - केतु | | सूर्य - सूर्य | | सूर्य - चन्द्र | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 04/01/2046 | | 06/52049 | | 04/01/2052 | | 06/52053 | | 2/06/2053 | |
| 06/52049 | | 04/01/2052 | | 06/52053 | | 2/06/2053 | | 22/12/205 | |
| शनि | /0067/2046 | बुध | /3007/2049 | केतु | 2091/2052 | सूर्य | /1013/2053 | चन्द्र | /0087/2053 |
| बुध | /1172/2046 | केतु | 2089/2049 | शुक्र | /0094/2052 | चन्द्र | 2003/2053 | मंगल | /1097/2053 |
| केतु | 2022/2047 | शुक्र | 2003/2050 | सूर्य | /3004/2052 | मंगल | 2063/2053 | राहु | /1058/2053 |
| शुक्र | /0039/2047 | सूर्य | /1005/2050 | चन्द्र | /0056/2052 | राहु | /1024/2053 | गुरु | /0089/2053 |
| सूर्य | /3110/2047 | चन्द्र | /0058/2050 | मंगल | /3006/2052 | गुरु | 2064/2053 | शनि | /0170/2053 |
| चन्द्र | /0042/2048 | मंगल | /0140/2050 | राहु | /0019/2052 | शनि | /1045/2053 | बुध | /0121/2053 |
| मंगल | /1014/2048 | राहु | /0083/2051 | गुरु | 2180/2052 | बुध | 2095/2053 | केतु | /1131/2053 |
| राहु | /0120/2048 | गुरु | 2047/2051 | शनि | /0041/2053 | केतु | /0046/2053 | शुक्र | /1132/2053 |
| गुरु | /0053/2049 | शनि | /0041/2052 | बुध | /0053/2053 | शुक्र | 2036/2053 | सूर्य | 2122/2053 |

| सूर्य - मंगल | | सूर्य - राहु | | सूर्य - गुरु | | सूर्य - शनि | | सूर्य - बुध | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 22/12/205 | | 29/04/2054 | | 24/2055 | | 10/01/2056 | | 22/12/2056 | |
| 29/04/2054 | | 24/2055 | | 10/01/2056 | | 22/12/2056 | | 29/10/2057 | |
| मंगल | /3102/2053 | राहु | /1076/2054 | गुरु | /0025/2055 | शनि | /0053/2056 | बुध | /0042/2057 |
| राहु | /1081/2054 | गुरु | /3017/2054 | शनि | /1076/2055 | बुध | 2034/2056 | केतु | 2022/2057 |
| गुरु | /0042/2054 | शनि | 2019/2054 | बुध | 2097/2055 | केतु | /1035/2056 | शुक्र | /1054/2057 |
| शनि | 2042/2054 | बुध | /0171/2054 | केतु | /1058/2055 | शुक्र | /1007/2056 | सूर्य | /3004/2057 |
| बुध | /1043/2054 | केतु | 2161/2054 | शुक्र | /0120/2055 | सूर्य | 2087/2056 | चन्द्र | 2065/2057 |
| केतु | 2023/2054 | शुक्र | 2001/2055 | सूर्य | /1170/2055 | चन्द्र | 2068/2056 | मंगल | /1036/2057 |
| शुक्र | /1024/2054 | सूर्य | /0052/2055 | चन्द्र | /1101/2055 | मंगल | /1039/2056 | राहु | /3007/2057 |
| सूर्य | /1094/2054 | चन्द्र | /0053/2055 | मंगल | 2171/2055 | राहु | /0161/2056 | गुरु | /0099/2057 |
| चन्द्र | 2094/2054 | मंगल | 2043/2055 | राहु | /1001/2056 | गुरु | 2122/2056 | शनि | 2190/2057 |

| सूर्य - केतु | | सूर्य - शुक्र | | चन्द्र - चन्द्र | | चन्द्र - मंगल | | चन्द्र - राहु | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 29/10/2057 | | 06/52058 | | 06/62059 | | 04/01/2060 | | 04/42060 | |
| 06/52058 | | 06/62059 | | 04/01/2060 | | 04/42060 | | 0/02/2062 | |
| केतु | /0151/2057 | शुक्र | /0055/2058 | चन्द्र | /3013/2059 | मंगल | /1061/2060 | राहु | 2150/2060 |
| शुक्र | 2161/2057 | सूर्य | 2045/2058 | मंगल | /1084/2059 | राहु | /1072/2060 | गुरु | /0061/2061 |
| सूर्य | /0132/2057 | चन्द्र | 2036/2058 | राहु | /0026/2059 | गुरु | /1073/2060 | शनि | /0034/2061 |
| चन्द्र | /1132/2057 | मंगल | /1047/2058 | गुरु | /1037/2059 | शनि | 2004/2060 | बुध | 2006/2061 |
| मंगल | 2112/2057 | राहु | /0079/2058 | शनि | /3008/2059 | बुध | 2005/2060 | केतु | 2027/2061 |
| राहु | /0091/2058 | गुरु | 2160/2058 | बुध | /1120/2059 | केतु | /1016/2060 | शुक्र | 2110/2061 |
| गुरु | 2061/2058 | शनि | 2132/2058 | केतु | /3010/2059 | शुक्र | /1077/2060 | सूर्य | /1171/2061 |
| शनि | /1052/2058 | बुध | /1022/2059 | शुक्र | 2102/2059 | सूर्य | /1077/2060 | चन्द्र | /0021/2062 |
| बुध | /0053/2058 | केतु | /0063/2059 | सूर्य | /0041/2060 | चन्द्र | /1048/2060 | मंगल | /0032/2062 |

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

| चन्द्र - गुरु | चन्द्र - शनि | चन्द्र - बुध | चन्द्र - केतु | चन्द्र - शुक्र |
|---|---|---|---|---|
| 0/02/2062 | 05/06/206 | 0/01/2065 | 05/06/2066 | 04/01/2067 |
| 05/06/206 | 0/01/2065 | 05/06/2066 | 04/01/2067 | 04/09/206 |
| गुरु /094/2062 | शनि /059/2063 | बुध /183/2065 | केतु /176/2066 | शुक्र /154/2067 |
| शनि 256/2062 | बुध 251/2063 | केतु /174/2065 | शुक्र 237/2066 | सूर्य /165/2067 |
| बुध /029/2062 | केतु 292/2063 | शुक्र /127/2065 | सूर्य /028/2066 | चन्द्र /057/2067 |
| केतु 309/2062 | शुक्र /044/2064 | सूर्य /078/2065 | चन्द्र 208/2066 | मंगल /108/2067 |
| शुक्र 212/2062 | सूर्य /025/2064 | चन्द्र /199/2065 | मंगल /019/2066 | राहु /091/2067 |
| सूर्य /141/2063 | चन्द्र 206/2064 | मंगल /190/2065 | राहु /030/2066 | गुरु 291/2068 |
| चन्द्र 232/2063 | मंगल 237/2064 | राहु /051/2066 | गुरु /011/2066 | शनि /055/2068 |
| मंगल 243/2063 | राहु /180/2064 | गुरु /153/2066 | शनि /052/2066 | बुध 307/2068 |
| राहु /056/2063 | गुरु /031/2065 | शनि /056/2066 | बुध /041/2067 | केतु /049/2068 |

| चन्द्र - सूर्य | मंगल - मंगल | मंगल - राहु | मंगल - गुरु | मंगल - शनि |
|---|---|---|---|---|
| 04/09/206 | 05/2069 | 0/2069 | 2/2070 | 27/07/2071 |
| 05/2069 | 0/2069 | 2/2070 | 27/07/2071 | 04/09/2072 |
| सूर्य /139/2068 | मंगल /143/2069 | राहु 289/2069 | गुरु /140/2070 | शनि 299/2071 |
| चन्द्र 289/2068 | राहु /054/2069 | गुरु /181/2069 | शनि 271/2070 | बुध 251/2071 |
| मंगल /190/2068 | गुरु 254/2069 | शनि /131/2070 | बुध /151/2071 | केतु /192/2071 |
| राहु /051/2068 | शनि /195/2069 | बुध /133/2070 | केतु /032/2071 | शुक्र 242/2072 |
| गुरु 291/2068 | बुध /096/2069 | केतु /044/2070 | शुक्र /014/2071 | सूर्य /153/2072 |
| शनि 282/2068 | केतु /186/2069 | शुक्र /076/2070 | सूर्य /184/2071 | चन्द्र /184/2072 |
| बुध 231/2069 | शुक्र /127/2069 | सूर्य 266/2070 | चन्द्र /175/2071 | मंगल /125/2072 |
| केतु /032/2069 | सूर्य 207/2069 | चन्द्र 287/2070 | मंगल /066/2071 | राहु /127/2072 |
| शुक्र /053/2069 | चन्द्र /018/2069 | मंगल 208/2070 | राहु 207/2071 | गुरु /049/2072 |

| मंगल - बुध | मंगल - केतु | मंगल - शुक्र | मंगल - सूर्य | मंगल - चन्द्र |
|---|---|---|---|---|
| 04/09/2072 | 01/09/207 | 2/01/2074 | 30/03/2075 | 05/2075 |
| 01/09/207 | 2/01/2074 | 30/03/2075 | 05/2075 | 05/2076 |
| बुध 250/2072 | केतु /099/2073 | शुक्र /094/2074 | सूर्य /054/2075 | चन्द्र 238/2075 |
| केतु /151/2072 | शुक्र /040/2073 | सूर्य 304/2074 | चन्द्र /164/2075 | मंगल /049/2075 |
| शुक्र /141/2073 | सूर्य /120/2073 | चन्द्र /056/2074 | मंगल 234/2075 | राहु /060/2075 |
| सूर्य /012/2073 | चन्द्र 240/2073 | मंगल 306/2074 | राहु /135/2075 | गुरु /031/2075 |
| चन्द्र /043/2073 | मंगल /021/2073 | राहु /019/2074 | गुरु 305/2075 | शनि /072/2075 |
| मंगल 253/2073 | राहु 241/2073 | गुरु 280/2074 | शनि /196/2075 | बुध /061/2076 |
| राहु /135/2073 | गुरु /142/2073 | शनि /041/2075 | बुध /077/2075 | केतु /191/2076 |
| गुरु /057/2073 | शनि /071/2074 | बुध /053/2075 | केतु /157/2075 | शुक्र 232/2076 |
| शनि /019/2073 | बुध 281/2074 | केतु 303/2075 | शुक्र /058/2075 | सूर्य /053/2076 |

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

| राहु - राहु | राहु - गुरु | राहु - शनि | राहु - बुध | राहु - केतु |
|---|---|---|---|---|
| **05/2076** | **86/11/207** | **81/04/20** | **86/02/20** | **06/09/20** |
| **86/11/207** | **81/04/20** | **86/02/20** | **06/09/20** | **2/09/2087** |
| राहु 307/2076 | गुरु /103/2079 | शनि 229/2081 | बुध 226/2084 | केतु 289/2086 |
| गुरु 092/2076 | शनि 307/2079 | बुध /102/2082 | केतु 208/2084 | शुक्र 291/2086 |
| शनि /105/2077 | बुध 012/2079 | केतु /104/2082 | शुक्र 221/2085 | सूर्य /112/2086 |
| बुध 010/2077 | केतु 201/2080 | शुक्र 090/2082 | सूर्य /103/2085 | चन्द्र /101/2087 |
| केतु 281/2077 | शुक्र /105/2080 | सूर्य 301/2082 | चन्द्र 205/2085 | मंगल /102/2087 |
| शुक्र /105/2078 | सूर्य 297/2080 | चन्द्र 252/2083 | मंगल 207/2085 | राहु 094/2087 |
| सूर्य 296/2078 | चन्द्र /110/2080 | मंगल 274/2083 | राहु 062/2085 | गुरु 305/2087 |
| चन्द्र 209/2078 | मंगल 301/2080 | राहु 309/2083 | गुरु /104/2086 | शनि 307/2087 |
| मंगल /161/2078 | राहु /104/2081 | गुरु /162/2084 | शनि 049/2086 | बुध 209/2087 |

| राहु - शुक्र | राहु - सूर्य | राहु - चन्द्र | राहु - मंगल | गुरु - गुरु |
|---|---|---|---|---|
| **2/09/2087** | **22/09/2090** | **8/2091** | **35/02/209** | **05/2094** |
| **22/09/2090** | **8/2091** | **35/02/209** | **05/2094** | **2/04/2096** |
| शुक्र 203/2088 | सूर्य 090/2090 | चन्द्र 020/2091 | मंगल 093/2093 | गुरु /106/2094 |
| सूर्य /105/2088 | चन्द्र 051/2090 | मंगल 031/2091 | राहु 065/2093 | शनि /190/2094 |
| चन्द्र /108/2088 | मंगल 241/2090 | राहु 241/2092 | गुरु 266/2093 | बुध 062/2095 |
| मंगल /190/2088 | राहु /131/2091 | गुरु 064/2092 | शनि 268/2093 | केतु 233/2095 |
| राहु 024/2089 | गुरु 252/2091 | शनि 027/2092 | बुध /190/2093 | शुक्र 307/2095 |
| गुरु 268/2089 | शनि /104/2091 | बुध /109/2092 | केतु /101/2093 | सूर्य 089/2095 |
| शनि /152/2090 | बुध 046/2091 | केतु /190/2092 | शुक्र /131/2094 | चन्द्र /121/2095 |
| बुध 207/2090 | केतु 236/2091 | शुक्र /131/2093 | सूर्य 012/2094 | मंगल 282/2095 |
| केतु 229/2090 | शुक्र /108/2091 | सूर्य /152/2093 | चन्द्र 053/2094 | राहु 234/2096 |

| गुरु - शनि | गुरु - बुध | गुरु - केतु | गुरु - शुक्र | गुरु - सूर्य |
|---|---|---|---|---|
| **2/04/2096** | **04/11/209** | **10/02/2101** | **17/01/2102** | **17/09/2104** |
| **04/11/209** | **10/02/2101** | **17/01/2102** | **17/09/2104** | **06/07/2105** |
| शनि /189/2096 | बुध 013/2099 | केतु 023/2101 | शुक्र 286/2102 | सूर्य 010/2104 |
| बुध 251/2097 | केतु /104/2099 | शुक्र 274/2101 | सूर्य /108/2102 | चन्द्र 260/2104 |
| केतु 203/2097 | शुक्र 039/2099 | सूर्य /105/2101 | चन्द्र 051/2102 | मंगल /121/2104 |
| शुक्र 208/2097 | सूर्य /150/2099 | चन्द्र /126/2101 | मंगल 011/2103 | राहु 262/2104 |
| सूर्य 070/2097 | चन्द्र 232/2099 | मंगल 027/2101 | राहु 275/2103 | गुरु 022/2105 |
| चन्द्र 232/2097 | मंगल 092/2100 | राहु 208/2101 | गुरु 040/2103 | शनि 203/2105 |
| मंगल /152/2098 | राहु /136/2100 | गुरु 060/2101 | शनि 063/2104 | बुध 015/2105 |
| राहु 047/2098 | गुरु 020/2100 | शनि 291/2101 | बुध 227/2104 | केतु /105/2105 |
| गुरु 041/2098 | शनि /102/2101 | बुध /101/2102 | केतु /109/2104 | शुक्र 067/2105 |

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

| गुरु - चन्द्र | गुरु - मंगल | गुरु - राहु | शनि - शनि | शनि - बुध |
|---|---|---|---|---|
| 06/07/2105 | 05/11/2106 | 12/10/2107 | 06/2010 | 09/2013 |
| 05/11/2106 | 12/10/2107 | 06/2010 | 09/2013 | 17/11/2115 |
| चन्द्र /108/2105 | मंगल 251/2106 | राहु 202/2108 | शनि 208/2110 | बुध 267/2113 |
| मंगल /109/2105 | राहु /151/2107 | गुरु /166/2108 | बुध 301/2111 | केतु 229/2113 |
| राहु 251/2105 | गुरु /013/2107 | शनि /021/2108 | केतु /044/2111 | शुक्र /053/2114 |
| गुरु 291/2106 | शनि 244/2107 | बुध /063/2109 | शुक्र /040/2111 | सूर्य 234/2114 |
| शनि /164/2106 | बुध /126/2107 | केतु 264/2109 | सूर्य 281/2111 | चन्द्र /147/2114 |
| बुध 246/2106 | केतु /027/2107 | शुक्र /199/2109 | चन्द्र 282/2112 | मंगल /009/2114 |
| केतु 227/2106 | शुक्र 278/2107 | सूर्य /021/2109 | मंगल /025/2112 | राहु /042/2115 |
| शुक्र /120/2106 | सूर्य /139/2107 | चन्द्र /141/2110 | राहु /140/2112 | गुरु /156/2115 |
| सूर्य /051/2106 | चन्द्र /120/2107 | मंगल /063/2110 | गुरु /098/2113 | शनि /171/2115 |

| शनि - केतु | शनि - शुक्र | शनि - सूर्य | शनि - चन्द्र | शनि - मंगल |
|---|---|---|---|---|
| 17/11/2115 | 26/12/2116 | 26/02/2120 | 07/02/2121 | 0/09/2122 |
| 26/12/2116 | 26/02/2120 | 07/02/2121 | 0/09/2122 | 8/10/2123 |
| केतु /112/2115 | शुक्र /007/2117 | सूर्य /143/2120 | चन्द्र 273/2121 | मंगल /020/2122 |
| शुक्र /162/2116 | सूर्य /039/2117 | चन्द्र /124/2120 | मंगल 304/2121 | राहु /012/2122 |
| सूर्य /083/2116 | चन्द्र /082/2117 | मंगल /025/2120 | राहु 257/2121 | गुरु 241/2123 |
| चन्द्र /104/2116 | मंगल /142/2118 | राहु 236/2120 | गुरु /110/2121 | शनि 298/2123 |
| मंगल /045/2116 | राहु /068/2118 | गुरु /098/2120 | शनि /101/2122 | बुध 265/2123 |
| राहु /047/2116 | गुरु /071/2119 | शनि /030/2120 | बुध /024/2122 | केतु /136/2123 |
| गुरु 278/2116 | शनि /097/2119 | बुध 211/2120 | केतु /065/2122 | शुक्र 258/2123 |
| शनि 310/2116 | बुध 202/2119 | केतु /112/2120 | शुक्र /108/2122 | सूर्य /149/2123 |
| बुध 262/2116 | केतु 262/2120 | शुक्र /072/2121 | सूर्य /089/2122 | चन्द्र /180/2123 |

| शनि - राहु | शनि - गुरु | बुध - बुध | बुध - केतु | बुध - शुक्र |
|---|---|---|---|---|
| 8/10/2123 | 24/2026 | 06/2029 | 0/08/2131 | 30/07/2132 |
| 24/2026 | 06/2029 | 0/08/2131 | 30/07/2132 | 31/05/2135 |
| राहु 223/2124 | गुरु 252/2126 | बुध /097/2129 | केतु 248/2131 | शुक्र /181/2133 |
| गुरु /088/2124 | शनि 215/2127 | केतु 298/2129 | शुक्र 230/2131 | सूर्य /103/2133 |
| शनि 201/2125 | बुध 299/2127 | शुक्र 231/2130 | सूर्य /101/2131 | चन्द्र /056/2133 |
| बुध /106/2125 | केतु 221/2127 | सूर्य /083/2130 | चन्द्र /112/2131 | मंगल /058/2133 |
| केतु /108/2125 | शुक्र 244/2128 | चन्द्र 205/2130 | मंगल /011/2132 | राहु /071/2134 |
| शुक्र /052/2126 | सूर्य /096/2128 | मंगल /107/2130 | राहु 242/2132 | गुरु 255/2134 |
| सूर्य 298/2126 | चन्द्र 258/2128 | राहु /191/2130 | गुरु /124/2132 | शनि /051/2134 |
| चन्द्र 246/2126 | मंगल /180/2128 | गुरु /173/2131 | शनि /096/2132 | बुध 303/2135 |
| मंगल 248/2126 | राहु /063/2129 | शनि /038/2131 | बुध 307/2132 | केतु 305/2135 |


**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

| केतु - केतु - चन्द्र | |
|---|---|
| 17/04/2026 12:24 | |
| 2/04/2026 08:00 | |
| | /104/2026 12:24 |
| | /104/2026 15:58 |
| राहु | /194/2026 12:43 |
| गुरु | 204/2026 04:29 |
| शनि | 234/2026 03:43 |
| बुध | 244/2026 21:59 |
| केतु | 254/2026 15:23 |
| शुक्र | 274/2026 17:05 |
| सूर्य | 284/2026 08:00 |

| केतु - केतु - मंगल | |
|---|---|
| 2/04/2026 08:00 | |
| 07/05/2026 00:4 | |
| मंगल | 284/2026 20:11 |
| राहु | 304/2026 03:30 |
| गुरु | 005/2026 07:21 |
| शनि | 025/2026 16:24 |
| बुध | 035/2026 21:59 |
| केतु | 045/2026 10:10 |
| शुक्र | 055/2026 20:58 |
| सूर्य | 065/2026 07:24 |
| चन्द्र | 075/2026 00:48 |

| केतु - केतु - राहु | |
|---|---|
| 07/05/2026 00:4 | |
| 29/05/2026 09:4 | |
| राहु | /105/2026 09:21 |
| गुरु | /135/2026 08:56 |
| शनि | /165/2026 21:57 |
| बुध | 205/2026 02:00 |
| केतु | 215/2026 09:20 |
| शुक्र | 235/2026 02:49 |
| सूर्य | 265/2026 05:40 |
| चन्द्र | 285/2026 02:24 |
| मंगल | 295/2026 09:43 |

| केतु - केतु - गुरु | |
|---|---|
| 29/05/2026 09:4 | |
| 8/06/2026 06:59 | |
| गुरु | 006/2026 01:21 |
| शनि | 046/2026 04:55 |
| बुध | 076/2026 00:32 |
| केतु | 086/2026 04:23 |
| शुक्र | /106/2026 11:55 |
| सूर्य | /126/2026 11:47 |
| चन्द्र | /146/2026 03:33 |
| मंगल | /156/2026 07:24 |
| राहु | /186/2026 06:59 |

| केतु - केतु - शनि | |
|---|---|
| 8/06/2026 06:59 | |
| 11/07/2026 21:44 | |
| शनि | 226/2026 00:43 |
| बुध | 256/2026 09:00 |
| केतु | 266/2026 18:04 |
| शुक्र | 306/2026 16:32 |
| सूर्य | 017/2026 20:52 |
| चन्द्र | 037/2026 20:05 |
| मंगल | 057/2026 05:09 |
| राहु | 087/2026 18:10 |
| गुरु | /107/2026 21:44 |

| केतु - केतु - बुध | |
|---|---|
| 11/07/2026 21:44 | |
| 02/2026 00:49 | |
| बुध | /147/2026 21:34 |
| केतु | /167/2026 03:09 |
| शुक्र | /197/2026 15:40 |
| सूर्य | 207/2026 17:01 |
| चन्द्र | 227/2026 11:16 |
| मंगल | 237/2026 16:51 |
| राहु | 267/2026 20:55 |
| गुरु | 297/2026 16:32 |
| शनि | 028/2026 00:49 |

| केतु - शुक्र - शुक्र | |
|---|---|
| 02/2026 00:49 | |
| 12/10/2026 01:19 | |
| शुक्र | /138/2026 20:54 |
| सूर्य | /108/2026 10:08 |
| चन्द्र | 238/2026 08:10 |
| मंगल | 208/2026 11:36 |
| राहु | 009/2026 03:16 |
| गुरु | /109/2026 14:32 |
| शनि | 209/2026 20:25 |
| बुध | 010/2026 21:53 |
| केतु | /110/2026 01:19 |

| केतु - शुक्र - सूर्य | |
|---|---|
| 12/10/2026 01:19 | |
| 0401/2026 0 | |
| सूर्य | /130/2026 02:53 |
| चन्द्र | /140/2026 21:30 |
| मंगल | /160/2026 03:20 |
| राहु | /190/2026 08:02 |
| गुरु | 210/2026 04:13 |
| शनि | 250/2026 13:10 |
| बुध | 280/2026 13:37 |
| केतु | 290/2026 19:27 |
| शुक्र | 011/2026 08:40 |

| केतु - शुक्र - चन्द्र | |
|---|---|
| 0401/2026 0 | |
| 07/12/2026 20:55 | |
| चन्द्र | 051/2026 07:41 |
| मंगल | 071/2026 09:24 |
| राहु | /121/2026 17:14 |
| गुरु | /171/2026 10:52 |
| शनि | 231/2026 01:49 |
| बुध | 281/2026 02:33 |
| केतु | 301/2026 04:16 |
| शुक्र | 062/2026 02:18 |
| सूर्य | 072/2026 20:55 |

| केतु - शुक्र - मंगल | |
|---|---|
| 07/12/2026 20:55 | |
| 00/01/2027 17: | |
| मंगल | 092/2026 07:43 |
| राहु | /132/2026 01:12 |
| गुरु | /162/2026 08:45 |
| शनि | 202/2026 07:12 |
| बुध | 232/2026 19:43 |
| केतु | 252/2026 06:31 |
| शुक्र | 292/2026 09:57 |
| सूर्य | 302/2026 15:47 |
| चन्द्र | 001/2027 17:30 |

| केतु - शुक्र - राहु | |
|---|---|
| 00/01/2027 17: | |
| 06/2027 15:33 | |
| राहु | /101/2027 07:36 |
| गुरु | /191/2027 20:08 |
| शनि | 291/2027 23:02 |
| बुध | 082/2027 00:21 |
| केतु | /102/2027 17:51 |
| शुक्र | 202/2027 09:31 |
| सूर्य | 252/2027 14:13 |
| चन्द्र | 023/2027 22:03 |
| मंगल | 063/2027 15:33 |

| केतु - शुक्र - गुरु | |
|---|---|
| 06/2027 15:33 | |
| 02/05/2027 11:09 | |
| गुरु | /143/2027 05:21 |
| शनि | 233/2027 05:16 |
| बुध | 303/2027 06:26 |
| केतु | 034/2027 13:59 |
| शुक्र | /134/2027 01:15 |
| सूर्य | /154/2027 21:26 |
| चन्द्र | 204/2027 15:04 |
| मंगल | 234/2027 22:36 |
| राहु | 025/2027 11:09 |

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

**केतु - शुक्र - शनि**

**02/05/2027 11:09**
**0/07/2027 22:25**

| | |
|---|---|
| शनि | /105/2027 03:32 |
| बुध | 205/2027 16:56 |
| केतु | 205/2027 15:23 |
| शुक्र | 006/2027 21:16 |
| सूर्य | /106/2027 06:14 |
| चन्द्र | /156/2027 21:10 |
| मंगल | /196/2027 19:37 |
| राहु | 296/2027 22:31 |
| गुरु | 087/2027 22:25 |

**केतु - शुक्र - बुध**

**0/07/2027 22:25**
**07/09/2027 07:15**

| | |
|---|---|
| बुध | /107/2027 11:40 |
| केतु | 217/2027 00:11 |
| शुक्र | 317/2027 01:39 |
| सूर्य | 038/2027 02:06 |
| चन्द्र | 088/2027 02:50 |
| मंगल | /108/2027 15:21 |
| राहु | 208/2027 16:40 |
| गुरु | 288/2027 17:51 |
| शनि | 079/2027 07:15 |

**केतु - शुक्र - केतु**

**07/09/2027 07:15**
**02490/2027 0**

| | |
|---|---|
| केतु | /089/2027 18:03 |
| शुक्र | /129/2027 21:28 |
| सूर्य | /149/2027 03:18 |
| चन्द्र | /169/2027 05:01 |
| मंगल | /179/2027 15:49 |
| राहु | 209/2027 09:18 |
| गुरु | 249/2027 16:51 |
| शनि | 289/2027 15:18 |
| बुध | 020/2027 03:49 |

**केतु - सूर्य - सूर्य**

**02490/2027 0**
**0/10/2027 13:13**

| | |
|---|---|
| सूर्य | 020/2027 11:29 |
| चन्द्र | 030/2027 00:16 |
| मंगल | 030/2027 09:13 |
| राहु | 040/2027 08:14 |
| गुरु | 050/2027 04:41 |
| शनि | 060/2027 04:58 |
| बुध | 070/2027 02:42 |
| केतु | 070/2027 11:39 |
| शुक्र | 080/2027 13:13 |

**केतु - सूर्य - चन्द्र**

**0/10/2027 13:13**
**19/10/2027 04:54**

| | |
|---|---|
| चन्द्र | 090/2027 10:32 |
| मंगल | /100/2027 01:27 |
| राहु | /110/2027 15:48 |
| गुरु | /130/2027 01:53 |
| शनि | /140/2027 18:22 |
| बुध | /160/2027 06:35 |
| केतु | /160/2027 21:30 |
| शुक्र | /180/2027 16:07 |
| सूर्य | /190/2027 04:54 |

**केतु - सूर्य - मंगल**

**19/10/2027 04:54**
**26/10/2027 15:52**

| | |
|---|---|
| मंगल | /190/2027 15:20 |
| राहु | 200/2027 18:11 |
| गुरु | 210/2027 18:03 |
| शनि | 220/2027 22:23 |
| बुध | 230/2027 23:44 |
| केतु | 240/2027 10:11 |
| शुक्र | 250/2027 16:00 |
| सूर्य | 260/2027 00:57 |
| चन्द्र | 260/2027 15:52 |

**केतु - सूर्य - राहु**

**26/10/2027 15:52**
**14/11/2027 20:05**

| | |
|---|---|
| राहु | 290/2027 12:54 |
| गुरु | 011/2027 02:16 |
| शनि | 041/2027 03:08 |
| बुध | 061/2027 20:20 |
| केतु | 071/2027 23:11 |
| शुक्र | /111/2027 03:53 |
| सूर्य | /121/2027 02:53 |
| चन्द्र | /131/2027 17:14 |
| मंगल | /141/2027 20:05 |

**केतु - सूर्य - गुरु**

**14/11/2027 20:05**
**01/12/2027 21:10**

| | |
|---|---|
| गुरु | /171/2027 02:38 |
| शनि | /191/2027 19:24 |
| बुध | 221/2027 05:21 |
| केतु | 231/2027 05:13 |
| शुक्र | 261/2027 01:24 |
| सूर्य | 261/2027 21:51 |
| चन्द्र | 281/2027 07:56 |
| मंगल | 291/2027 07:48 |
| राहु | 012/2027 21:10 |

**केतु - सूर्य - शनि**

**01/12/2027 21:10**
**22/12/2027 02:57**

| | |
|---|---|
| शनि | 052/2027 02:05 |
| बुध | 072/2027 22:54 |
| केतु | 092/2027 03:14 |
| शुक्र | /112/2027 12:12 |
| सूर्य | /132/2027 12:29 |
| चन्द्र | /152/2027 04:58 |
| मंगल | /162/2027 09:19 |
| राहु | /192/2027 10:11 |
| गुरु | 212/2027 02:57 |

**केतु - सूर्य - बुध**

**22/12/2027 02:57**
**0906132802**

| | |
|---|---|
| बुध | 242/2027 16:31 |
| केतु | 252/2027 17:53 |
| शुक्र | 282/2027 18:19 |
| सूर्य | 292/2027 16:03 |
| चन्द्र | 312/2027 04:16 |
| मंगल | 001/2028 05:38 |
| राहु | 031/2028 22:49 |
| गुरु | 061/2028 08:47 |
| शनि | 091/2028 05:36 |

**केतु - सूर्य - केतु**

**0906132802**
**3606132402**

| | |
|---|---|
| केतु | 091/2028 16:02 |
| शुक्र | /101/2028 21:52 |
| सूर्य | /101/2028 06:49 |
| चन्द्र | /101/2028 21:44 |
| मंगल | /121/2028 08:10 |
| राहु | /131/2028 11:01 |
| गुरु | /141/2028 10:53 |
| शनि | /151/2028 15:13 |
| बुध | /161/2028 16:34 |

**केतु - सूर्य - शुक्र**

**3606132402**
**0620255802**

| | |
|---|---|
| शुक्र | 201/2028 05:48 |
| सूर्य | 201/2028 07:22 |
| चन्द्र | 231/2028 01:58 |
| मंगल | 241/2028 07:48 |
| राहु | 271/2028 12:30 |
| गुरु | 301/2028 08:41 |
| शनि | 022/2028 17:39 |
| बुध | 052/2028 18:05 |
| केतु | 062/2028 23:55 |

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

| केतु - चन्द्र - चन्द्र | |
|---|---|
| 06/02/5802 | |
| 24/02/2202 | |
| चन्द्र | /082/2028 11:26 |
| मंगल | /092/2028 12:17 |
| राहु | /102/2028 04:12 |
| गुरु | /142/2028 13:01 |
| शनि | /172/2028 08:29 |
| बुध | /192/2028 20:52 |
| केतु | 202/2028 21:43 |
| शुक्र | 232/2028 20:44 |
| सूर्य | 242/2028 18:03 |

| केतु - चन्द्र - मंगल | |
|---|---|
| 24/02/2202 | |
| 6/03/2028 04:20 | |
| मंगल | 252/2028 11:27 |
| राहु | 272/2028 08:11 |
| गुरु | 282/2028 23:57 |
| शनि | /013/2028 23:11 |
| बुध | /033/2028 17:27 |
| केतु | /043/2028 10:51 |
| शुक्र | /063/2028 12:34 |
| सूर्य | /073/2028 03:28 |
| चन्द्र | /083/2028 04:20 |

| केतु - चन्द्र - राहु | |
|---|---|
| 6/03/2028 04:20 | |
| 09/04/4202 | |
| राहु | /123/2028 23:23 |
| गुरु | /173/2028 05:39 |
| शनि | 223/2028 07:06 |
| बुध | 263/2028 19:46 |
| केतु | 283/2028 16:30 |
| शुक्र | /034/2028 00:21 |
| सूर्य | /044/2028 14:42 |
| चन्द्र | /074/2028 06:37 |
| मंगल | /094/2028 03:21 |

| केतु - चन्द्र - गुरु | |
|---|---|
| 09/04/4202 | |
| 07/05/5202 | |
| गुरु | /124/2028 22:16 |
| शनि | /174/2028 10:13 |
| बुध | 214/2028 10:48 |
| केतु | 234/2028 02:34 |
| शुक्र | 274/2028 20:12 |
| सूर्य | 294/2028 06:18 |
| चन्द्र | /015/2028 15:07 |
| मंगल | /035/2028 06:53 |
| राहु | /075/2028 13:09 |

| केतु - चन्द्र - शनि | |
|---|---|
| 07/05/5202 | |
| 30/06/4202 | |
| शनि | /125/2028 21:21 |
| बुध | /175/2028 16:03 |
| केतु | /195/2028 15:17 |
| शुक्र | 235/2028 06:13 |
| सूर्य | 265/2028 22:42 |
| चन्द्र | 295/2028 18:10 |
| मंगल | 315/2028 17:24 |
| राहु | /056/2028 18:50 |
| गुरु | /106/2028 06:48 |

| केतु - चन्द्र - बुध | |
|---|---|
| 30/06/4202 | |
| 30/07/1202 | |
| बुध | /146/2028 13:25 |
| केतु | /166/2028 07:41 |
| शुक्र | 216/2028 08:25 |
| सूर्य | 226/2028 20:38 |
| चन्द्र | 256/2028 09:00 |
| मंगल | 276/2028 03:15 |
| राहु | /017/2028 15:55 |
| गुरु | /057/2028 16:30 |
| शनि | /107/2028 11:12 |

| केतु - चन्द्र - केतु | |
|---|---|
| 30/07/1202 | |
| 22/07/3202 | |
| केतु | /117/2028 04:36 |
| शुक्र | /137/2028 06:19 |
| सूर्य | /137/2028 21:14 |
| चन्द्र | /147/2028 22:06 |
| मंगल | /157/2028 15:30 |
| राहु | /177/2028 12:14 |
| गुरु | /197/2028 04:00 |
| शनि | 217/2028 03:14 |
| बुध | 227/2028 21:30 |

| केतु - चन्द्र - शुक्र | |
|---|---|
| 22/07/3202 | |
| 27/2028 09:45 | |
| शुक्र | 287/2028 19:32 |
| सूर्य | 307/2028 14:09 |
| चन्द्र | /028/2028 13:10 |
| मंगल | /048/2028 14:53 |
| राहु | /098/2028 22:43 |
| गुरु | /148/2028 16:21 |
| शनि | 208/2028 07:18 |
| बुध | 258/2028 08:02 |
| केतु | 278/2028 09:45 |

| केतु - चन्द्र - सूर्य | |
|---|---|
| 27/2028 09:45 | |
| 07/09/2502 | |
| सूर्य | 278/2028 22:32 |
| चन्द्र | 288/2028 19:50 |
| मंगल | 298/2028 10:45 |
| राहु | 318/2028 01:06 |
| गुरु | /019/2028 11:11 |
| शनि | /039/2028 03:40 |
| बुध | /049/2028 15:53 |
| केतु | /059/2028 06:48 |
| शुक्र | /079/2028 01:25 |

| केतु - मंगल - मंगल | |
|---|---|
| 07/09/2502 | |
| 15/09/1202 | |
| मंगल | /079/2028 13:36 |
| राहु | /089/2028 20:55 |
| गुरु | /109/2028 00:46 |
| शनि | /119/2028 09:49 |
| बुध | /129/2028 15:24 |
| केतु | /139/2028 03:35 |
| शुक्र | /149/2028 14:23 |
| सूर्य | /159/2028 00:49 |
| चन्द्र | /159/2028 18:13 |

| केतु - मंगल - राहु | |
|---|---|
| 15/09/1202 | |
| 6/10/2028 03:08 | |
| राहु | /199/2028 02:45 |
| गुरु | 229/2028 02:21 |
| शनि | 259/2028 15:21 |
| बुध | 289/2028 19:25 |
| केतु | 309/2028 02:44 |
| शुक्र | /010/2028 20:14 |
| सूर्य | /040/2028 23:04 |
| चन्द्र | /060/2028 19:49 |
| मंगल | /080/2028 03:08 |

| केतु - मंगल - गुरु | |
|---|---|
| 6/10/2028 03:08 | |
| 2/10/2028 00:24 | |
| गुरु | /110/2028 18:46 |
| शनि | /130/2028 22:20 |
| बुध | /160/2028 17:57 |
| केतु | /170/2028 21:47 |
| शुक्र | 210/2028 05:20 |
| सूर्य | 220/2028 05:12 |
| चन्द्र | 230/2028 20:58 |
| मंगल | 250/2028 00:48 |
| राहु | 280/2028 00:24 |

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

| केतु - मंगल - शनि | |
|---|---|
| 8/10/2028 00:24 | |
| 20/15/10202 | |
| शनि | /310/2028 18:08 |
| बुध | /0141/2028 02:25 |
| केतु | /0151/2028 11:29 |
| शुक्र | /0191/2028 09:56 |
| सूर्य | /1101/2028 14:17 |
| चन्द्र | /1121/2028 13:30 |
| मंगल | /1131/2028 22:34 |
| राहु | /1171/2028 11:35 |
| गुरु | /2101/2028 15:09 |

| केतु - मंगल - बुध | |
|---|---|
| 20/15/10202 | |
| 811/821/2402 | |
| बुध | /2131/2028 14:59 |
| केतु | /2141/2028 20:34 |
| शुक्र | /2181/2028 09:05 |
| सूर्य | /2191/2028 10:26 |
| चन्द्र | /012/2028 04:41 |
| मंगल | /012/2028 10:16 |
| राहु | /052/2028 14:20 |
| गुरु | /082/2028 09:57 |
| शनि | /112/2028 18:14 |

| केतु - मंगल - केतु | |
|---|---|
| 811/821/2402 | |
| 20/112/0202 | |
| केतु | /112/2028 06:25 |
| शुक्र | /132/2028 17:13 |
| सूर्य | /142/2028 03:39 |
| चन्द्र | /142/2028 21:03 |
| मंगल | /152/2028 09:14 |
| राहु | /162/2028 16:33 |
| गुरु | /172/2028 20:24 |
| शनि | /192/2028 05:27 |
| बुध | /202/2028 11:02 |

| केतु - मंगल - शुक्र | |
|---|---|
| 20/112/0202 | |
| 36/01/2029 07: | |
| शुक्र | /242/2028 14:28 |
| सूर्य | /252/2028 20:17 |
| चन्द्र | /272/2028 22:00 |
| मंगल | /292/2028 08:48 |
| राहु | /021/2029 02:18 |
| गुरु | /051/2029 09:50 |
| शनि | /091/2029 08:18 |
| बुध | /121/2029 20:48 |
| केतु | /141/2029 07:36 |

| केतु - मंगल - सूर्य | |
|---|---|
| 36/01/2029 07: | |
| 2136/1/2029 1 | |
| सूर्य | /141/2029 16:33 |
| चन्द्र | /151/2029 07:28 |
| मंगल | /151/2029 17:55 |
| राहु | /161/2029 20:45 |
| गुरु | /171/2029 20:37 |
| शनि | /191/2029 00:57 |
| बुध | /201/2029 02:19 |
| केतु | /201/2029 12:45 |
| शुक्र | /211/2029 18:35 |

| केतु - मंगल - चन्द्र | |
|---|---|
| 2136/1/2029 1 | |
| 0/02/2029 04:52 | |
| चन्द्र | /221/2029 19:26 |
| मंगल | /231/2029 12:50 |
| राहु | /251/2029 09:35 |
| गुरु | /271/2029 01:21 |
| शनि | /291/2029 00:35 |
| बुध | /301/2029 18:50 |
| केतु | /311/2029 12:14 |
| शुक्र | /012/2029 13:57 |
| सूर्य | /032/2029 04:52 |

| केतु - राहु - राहु | |
|---|---|
| 0/02/2029 04:52 | |
| 01/04/2029 17: | |
| राहु | /102/2029 19:58 |
| गुरु | /192/2029 12:03 |
| शनि | /282/2029 14:39 |
| बुध | /083/2029 18:15 |
| केतु | /123/2029 02:47 |
| शुक्र | /203/2029 16:53 |
| सूर्य | /243/2029 13:55 |
| चन्द्र | /293/2029 08:59 |
| मंगल | /014/2029 17:31 |

| केतु - राहु - गुरु | |
|---|---|
| 01/04/2029 17: | |
| 22/05/2029 20:45 | |
| गुरु | /084/2029 13:09 |
| शनि | /164/2029 15:27 |
| बुध | /234/2029 21:19 |
| केतु | /264/2029 20:54 |
| शुक्र | /055/2029 09:27 |
| सूर्य | /075/2029 22:48 |
| चन्द्र | /125/2029 05:05 |
| मंगल | /155/2029 04:40 |
| राहु | /225/2029 20:45 |

| केतु - राहु - शनि | |
|---|---|
| 22/05/2029 20:45 | |
| 22/07/2029 14:06 | |
| शनि | /016/2029 11:30 |
| बुध | /106/2029 01:57 |
| केतु | /136/2029 14:58 |
| शुक्र | /236/2029 17:52 |
| सूर्य | /266/2029 18:44 |
| चन्द्र | /017/2029 20:10 |
| मंगल | /057/2029 09:11 |
| राहु | /147/2029 11:47 |
| गुरु | /227/2029 14:06 |

| केतु - राहु - बुध | |
|---|---|
| 22/07/2029 14:06 | |
| 34/09/2029 22:0 | |
| बुध | /307/2029 06:50 |
| केतु | /028/2029 10:53 |
| शुक्र | /118/2029 12:13 |
| सूर्य | /148/2029 05:25 |
| चन्द्र | /188/2029 18:04 |
| मंगल | /218/2029 22:08 |
| राहु | /308/2029 01:44 |
| गुरु | /069/2029 07:35 |
| शनि | /149/2029 22:03 |

| केतु - राहु - केतु | |
|---|---|
| 34/09/2029 22:0 | |
| 07/10/2029 06:5 | |
| केतु | /169/2029 05:22 |
| शुक्र | /199/2029 22:51 |
| सूर्य | /209/2029 01:42 |
| चन्द्र | /229/2029 22:26 |
| मंगल | /249/2029 05:46 |
| राहु | /279/2029 14:18 |
| गुरु | /309/2029 13:53 |
| शनि | /010/2029 02:54 |
| बुध | /070/2029 06:58 |

| केतु - राहु - शुक्र | |
|---|---|
| 07/10/2029 06:5 | |
| 10/12/2029 05:01 | |
| शुक्र | /170/2029 22:38 |
| सूर्य | /210/2029 03:20 |
| चन्द्र | /260/2029 11:11 |
| मंगल | /300/2029 04:40 |
| राहु | /081/2029 18:46 |
| गुरु | /171/2029 07:19 |
| शनि | /271/2029 10:12 |
| बुध | /062/2029 11:31 |
| केतु | /102/2029 05:01 |

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# विंशोत्तरी दशा - प्राण

| केतु - केतु - चन्द्र - मंगल | | केतु - केतु - चन्द्र - राहु | | केतु - केतु - चन्द्र - गुरु | | केतु - केतु - चन्द्र - शनि | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 17/04/2026 12:24 | | 87/04/2026 15:5 | | 39/04/2026 12:4 | | 21/04/2026 04:29 | |
| 87/04/2026 15:5 | | 39/04/2026 12:4 | | 21/04/2026 04:29 | | 2/04/2026 03:43 | |
| | 000/0000 00:00 | | /074/2026 22:41 | गुरु | /094/2026 18:01 | शनि | 214/2026 11:58 |
| | 000/0000 00:00 | गुरु | /084/2026 04:39 | शनि | 204/2026 00:19 | बुध | 214/2026 18:39 |
| | 000/0000 00:00 | शनि | /084/2026 11:44 | बुध | 204/2026 05:57 | केतु | 214/2026 21:25 |
| | 000/0000 00:00 | बुध | /084/2026 18:04 | केतु | 204/2026 08:16 | शुक्र | 224/2026 05:17 |
| | 000/0000 00:00 | केतु | /084/2026 20:41 | शुक्र | 204/2026 14:54 | सूर्य | 224/2026 07:39 |
| | /074/2026 12:24 | शुक्र | /094/2026 04:09 | सूर्य | 204/2026 16:53 | चन्द्र | 224/2026 11:35 |
| | /074/2026 13:39 | सूर्य | /094/2026 06:23 | चन्द्र | 204/2026 20:12 | मंगल | 224/2026 14:20 |
| | /074/2026 14:31 | चन्द्र | /094/2026 10:06 | मंगल | 204/2026 22:31 | राहु | 224/2026 21:25 |
| | /074/2026 15:58 | मंगल | /094/2026 12:43 | राहु | 214/2026 04:29 | गुरु | 234/2026 03:43 |

| केतु - केतु - चन्द्र - बुध | | केतु - केतु - चन्द्र - केतु | | केतु - केतु - चन्द्र - शुक्र | | केतु - केतु - चन्द्र - सूर्य | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2/04/2026 03:43 | | 24/04/2026 21:59 | | 25/04/2026 15:2 | | 27/04/2026 17:05 | |
| 24/04/2026 21:59 | | 25/04/2026 15:2 | | 27/04/2026 17:05 | | 8/04/2026 08:00 | |
| बुध | 234/2026 09:42 | केतु | 244/2026 22:59 | शुक्र | 254/2026 23:40 | सूर्य | 274/2026 17:50 |
| केतु | 234/2026 12:10 | शुक्र | 254/2026 01:53 | सूर्य | 264/2026 02:09 | चन्द्र | 274/2026 19:05 |
| शुक्र | 234/2026 19:13 | सूर्य | 254/2026 02:46 | चन्द्र | 264/2026 06:17 | मंगल | 274/2026 19:57 |
| सूर्य | 234/2026 21:20 | चन्द्र | 254/2026 04:13 | मंगल | 264/2026 09:11 | राहु | 274/2026 22:11 |
| चन्द्र | 244/2026 00:51 | मंगल | 254/2026 05:14 | राहु | 264/2026 16:39 | गुरु | 284/2026 00:10 |
| मंगल | 244/2026 03:19 | राहु | 254/2026 07:50 | गुरु | 264/2026 23:17 | शनि | 284/2026 02:32 |
| राहु | 244/2026 09:39 | गुरु | 254/2026 10:09 | शनि | 274/2026 07:09 | बुध | 284/2026 04:39 |
| गुरु | 244/2026 15:17 | शनि | 254/2026 12:55 | बुध | 274/2026 14:11 | केतु | 284/2026 05:31 |
| शनि | 244/2026 21:59 | बुध | 254/2026 15:23 | केतु | 274/2026 17:05 | शुक्र | 284/2026 08:00 |

| केतु - केतु - मंगल - मंगल | | केतु - केतु - मंगल - राहु | | केतु - केतु - मंगल - गुरु | | केतु - केतु - मंगल - शनि | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8/04/2026 08:00 | | 8/04/2026 20:11 | | 30/04/2026 03:30 | | 01/05/2026 07:21 | |
| 8/04/2026 20:11 | | 30/04/2026 03:30 | | 01/05/2026 07:21 | | 02/05/2026 16:24 | |
| मंगल | 284/2026 08:43 | राहु | 294/2026 00:53 | गुरु | 304/2026 07:13 | शनि | 015/2026 12:35 |
| राहु | 284/2026 10:33 | गुरु | 294/2026 05:04 | शनि | 304/2026 11:37 | बुध | 015/2026 17:16 |
| गुरु | 284/2026 12:10 | शनि | 294/2026 10:01 | बुध | 304/2026 15:34 | केतु | 015/2026 19:11 |
| शनि | 284/2026 14:06 | बुध | 294/2026 14:27 | केतु | 304/2026 17:12 | शुक्र | 025/2026 00:42 |
| बुध | 284/2026 15:49 | केतु | 294/2026 16:17 | शुक्र | 304/2026 21:50 | सूर्य | 025/2026 02:21 |
| केतु | 284/2026 16:32 | शुक्र | 294/2026 21:30 | सूर्य | 304/2026 23:13 | चन्द्र | 025/2026 05:07 |
| शुक्र | 284/2026 18:34 | सूर्य | 294/2026 23:04 | चन्द्र | 015/2026 01:33 | मंगल | 025/2026 07:02 |
| सूर्य | 284/2026 19:10 | चन्द्र | 304/2026 01:41 | मंगल | 015/2026 03:10 | राहु | 025/2026 12:00 |
| चन्द्र | 284/2026 20:11 | मंगल | 304/2026 03:30 | राहु | 015/2026 07:21 | गुरु | 025/2026 16:24 |

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# विंशोत्तरी दशा - प्राण

**केतु - केतु - मंगल - बुध**

**02/05/2026 16:24**
**03/05/2026 21:59**

| | |
|---|---|
| बुध | 02/05/2026 20:36 |
| केतु | 02/05/2026 22:19 |
| शुक्र | 03/05/2026 03:15 |
| सूर्य | 03/05/2026 04:44 |
| चन्द्र | 03/05/2026 07:12 |
| मंगल | 03/05/2026 08:55 |
| राहु | 03/05/2026 13:21 |
| गुरु | 03/05/2026 17:18 |
| शनि | 03/05/2026 21:59 |

**केतु - केतु - मंगल - केतु**

**03/05/2026 21:59**
**04/05/2026 10:10**

| | |
|---|---|
| केतु | 03/05/2026 22:42 |
| शुक्र | 04/05/2026 00:44 |
| सूर्य | 04/05/2026 01:20 |
| चन्द्र | 04/05/2026 02:21 |
| मंगल | 04/05/2026 03:04 |
| राहु | 04/05/2026 04:53 |
| गुरु | 04/05/2026 06:31 |
| शनि | 04/05/2026 08:26 |
| बुध | 04/05/2026 10:10 |

**केतु - केतु - मंगल - शुक्र**

**04/05/2026 10:10**
**05/05/2026 20:5**

| | |
|---|---|
| शुक्र | 04/05/2026 15:58 |
| सूर्य | 04/05/2026 17:42 |
| चन्द्र | 04/05/2026 20:36 |
| मंगल | 04/05/2026 22:38 |
| राहु | 05/05/2026 03:51 |
| गुरु | 05/05/2026 08:30 |
| शनि | 05/05/2026 14:00 |
| बुध | 05/05/2026 18:56 |
| केतु | 05/05/2026 20:58 |

**केतु - केतु - मंगल - सूर्य**

**05/05/2026 20:5**
**06/05/2026 07:24**

| | |
|---|---|
| सूर्य | 05/05/2026 21:29 |
| चन्द्र | 05/05/2026 22:21 |
| मंगल | 05/05/2026 22:58 |
| राहु | 06/05/2026 00:32 |
| गुरु | 06/05/2026 01:55 |
| शनि | 06/05/2026 03:35 |
| बुध | 06/05/2026 05:03 |
| केतु | 06/05/2026 05:40 |
| शुक्र | 06/05/2026 07:24 |

**केतु - केतु - मंगल - चन्द्र**

**06/05/2026 07:24**
**07/05/2026 00:4**

| | |
|---|---|
| चन्द्र | 06/05/2026 08:51 |
| मंगल | 06/05/2026 09:52 |
| राहु | 06/05/2026 12:29 |
| गुरु | 06/05/2026 14:48 |
| शनि | 06/05/2026 17:33 |
| बुध | 06/05/2026 20:01 |
| केतु | 06/05/2026 21:02 |
| शुक्र | 06/05/2026 23:56 |
| सूर्य | 07/05/2026 00:48 |

**केतु - केतु - राहु - राहु**

**07/05/2026 00:4**
**10/05/2026 09:21**

| | |
|---|---|
| राहु | 07/05/2026 12:53 |
| गुरु | 07/05/2026 23:37 |
| शनि | 08/05/2026 12:23 |
| बुध | 08/05/2026 23:47 |
| केतु | 09/05/2026 04:29 |
| शुक्र | 09/05/2026 17:54 |
| सूर्य | 09/05/2026 21:56 |
| चन्द्र | 10/05/2026 04:39 |
| मंगल | 10/05/2026 09:21 |

**केतु - केतु - राहु - गुरु**

**10/05/2026 09:21**
**13/05/2026 08:56**

| | |
|---|---|
| गुरु | 10/05/2026 18:53 |
| शनि | 11/05/2026 06:13 |
| बुध | 11/05/2026 16:22 |
| केतु | 11/05/2026 20:32 |
| शुक्र | 12/05/2026 08:28 |
| सूर्य | 12/05/2026 12:03 |
| चन्द्र | 12/05/2026 18:01 |
| मंगल | 12/05/2026 22:12 |
| राहु | 13/05/2026 08:56 |

**केतु - केतु - राहु - शनि**

**13/05/2026 08:56**
**16/05/2026 21:57**

| | |
|---|---|
| शनि | 13/05/2026 22:24 |
| बुध | 14/05/2026 10:26 |
| केतु | 14/05/2026 15:24 |
| शुक्र | 15/05/2026 05:34 |
| सूर्य | 15/05/2026 09:49 |
| चन्द्र | 15/05/2026 16:54 |
| मंगल | 15/05/2026 21:51 |
| राहु | 16/05/2026 10:37 |
| गुरु | 16/05/2026 21:57 |

**केतु - केतु - राहु - बुध**

**16/05/2026 21:57**
**20/05/2026 02:00**

| | |
|---|---|
| बुध | 17/05/2026 08:43 |
| केतु | 17/05/2026 13:09 |
| शुक्र | 18/05/2026 01:50 |
| सूर्य | 18/05/2026 05:38 |
| चन्द्र | 18/05/2026 11:59 |
| मंगल | 18/05/2026 16:25 |
| राहु | 19/05/2026 03:49 |
| गुरु | 19/05/2026 13:58 |
| शनि | 20/05/2026 02:00 |

**केतु - केतु - राहु - केतु**

**20/05/2026 02:00**
**21/05/2026 09:20**

| | |
|---|---|
| केतु | 20/05/2026 03:50 |
| शुक्र | 20/05/2026 09:03 |
| सूर्य | 20/05/2026 10:37 |
| चन्द्र | 20/05/2026 13:14 |
| मंगल | 20/05/2026 15:03 |
| राहु | 20/05/2026 19:45 |
| गुरु | 20/05/2026 23:56 |
| शनि | 21/05/2026 04:53 |
| बुध | 21/05/2026 09:20 |

**केतु - केतु - राहु - शुक्र**

**21/05/2026 09:20**
**25/05/2026 02:49**

| | |
|---|---|
| शुक्र | 22/05/2026 00:15 |
| सूर्य | 22/05/2026 04:43 |
| चन्द्र | 22/05/2026 12:10 |
| मंगल | 22/05/2026 17:24 |
| राहु | 23/05/2026 06:49 |
| गुरु | 23/05/2026 18:45 |
| शनि | 24/05/2026 08:55 |
| बुध | 24/05/2026 21:36 |
| केतु | 25/05/2026 02:49 |

**केतु - केतु - राहु - सूर्य**

**25/05/2026 02:49**
**26/05/2026 05:40**

| | |
|---|---|
| सूर्य | 25/05/2026 04:09 |
| चन्द्र | 25/05/2026 06:24 |
| मंगल | 25/05/2026 07:58 |
| राहु | 25/05/2026 11:59 |
| गुरु | 25/05/2026 15:34 |
| शनि | 25/05/2026 19:49 |
| बुध | 25/05/2026 23:37 |
| केतु | 26/05/2026 01:11 |
| शुक्र | 26/05/2026 05:40 |

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# षोडशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : मंगल 11 वर्ष 9 मास 8 दिन

| मंगल 12 वर्ष | गुरु 3 वर्ष | शनि 14 वर्ष | केतु 15 वर्ष | चन्द्र 16 वर्ष |
|---|---|---|---|---|
| **17/04/2026** | **0/02/2038** | **0/02/2051** | **0/02/2065** | **0/02/2080** |
| **0/02/2038** | **0/02/2051** | **0/02/2065** | **0/02/2080** | **0/02/2096** |
| मंगल /005/2027 | गुरु 2007/2039 | शनि /1120/2052 | केतु /1021/2067 | चन्द्र 2004/2082 |
| गुरु /059/2028 | शनि /1022/2041 | केतु /058/2054 | चन्द्र /062/2069 | बुध 2038/2084 |
| शनि /1062/2030 | केतु /1190/2042 | चन्द्र /1007/2056 | बुध 2004/2071 | शुक्र /1062/2087 |
| केतु /059/2031 | चन्द्र /048/2044 | बुध 2097/2058 | शुक्र /1078/2073 | सूर्य 2038/2088 |
| चन्द्र /025/2033 | बुध /017/2046 | शुक्र /309/2060 | सूर्य /1081/2075 | मंगल 2004/2090 |
| बुध /032/2035 | शुक्र /077/2048 | सूर्य 2081/2062 | मंगल /078/2076 | गुरु /032/2092 |
| शुक्र /1142/2036 | सूर्य /309/2049 | मंगल /1017/2063 | गुरु /1034/2078 | शनि /091/2094 |
| सूर्य /032/2038 | मंगल /032/2051 | गुरु /032/2065 | शनि /032/2080 | केतु /032/2096 |

| बुध 17 वर्ष | शुक्र 8 वर्ष | सूर्य 11 वर्ष | मंगल 12 वर्ष |
|---|---|---|---|
| **0/02/2096** | **04/02/211** | **04/02/21** | **04/02/2142** |
| **04/02/211** | **04/02/21** | **04/02/2142** | **00/00/0000** |
| बुध /018/2098 | शुक्र 211/2115 | सूर्य 2002/2132 | मंगल /1034/2142 |
| शुक्र 2033/2101 | सूर्य /058/2117 | मंगल /1014/2133 | 000/0000 |
| सूर्य /021/2102 | मंगल /1066/2119 | गुरु /057/2134 | 000/0000 |
| मंगल /058/2104 | गुरु 2026/2121 | शनि /021/2135 | 000/0000 |
| गुरु /027/2106 | शनि 2058/2123 | केतु /054/2137 | 000/0000 |
| शनि 2007/2108 | केतु 2122/2125 | चन्द्र /1110/2138 | 000/0000 |
| केतु /010/2110 | चन्द्र /1066/2128 | बुध 2015/2140 | 000/0000 |
| चन्द्र /042/2113 | बुध /042/2131 | शुक्र /042/2142 | 000/0000 |

**नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।**
**षोडशोत्तरी दशा पूरे 116 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।**

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

| मंगल - मंगल | मंगल - गुरु | मंगल - शनि | मंगल - केतु | मंगल - चन्द्र |
|---|---|---|---|---|
| **17/04/2026** | **02/05/2027** | **05/09/202** | **36/02/20** | **05/09/20** |
| **02/05/2027** | **05/09/202** | **36/02/20** | **05/09/20** | **02/05/20** |
| /104/2026 | गुरु 206/2027 | शनि 071/2028 | केतु 304/2030 | चन्द्र 218/2031 |
| गुरु /105/2026 | शनि 208/2027 | केतु /101/2029 | चन्द्र /107/2030 | बुध 202/2032 |
| शनि 057/2026 | केतु 210/2027 | चन्द्र 208/2029 | बुध 018/2030 | शुक्र 208/2032 |
| केतु 029/2026 | चन्द्र 031/2028 | बुध /106/2029 | शुक्र 001/2031 | सूर्य 207/2032 |
| चन्द्र 0141/2026 | बुध /103/2028 | शुक्र 009/2029 | सूर्य 202/2031 | मंगल 209/2032 |
| बुध 091/2027 | शुक्र 305/2028 | सूर्य 210/2029 | मंगल 206/2031 | गुरु 012/2032 |
| शुक्र 203/2027 | सूर्य /107/2028 | मंगल /118/2029 | गुरु 209/2031 | शनि /102/2033 |
| सूर्य 025/2027 | मंगल 059/2028 | गुरु /102/2030 | शनि 059/2031 | केतु 025/2033 |

| मंगल - बुध | मंगल - शुक्र | मंगल - सूर्य | गुरु - गुरु | गुरु - शनि |
|---|---|---|---|---|
| **02/05/20** | **0/02/2035** | **36/12/20** | **0/02/2038** | **20/07/20** |
| **0/02/2035** | **36/12/20** | **0/02/2038** | **20/07/20** | **12/02/2041** |
| बुध 048/2033 | शुक्र 205/2035 | सूर्य 231/2037 | गुरु 004/2038 | शनि 209/2039 |
| शुक्र /121/2033 | सूर्य 207/2035 | मंगल 073/2037 | शनि 076/2038 | केतु /102/2039 |
| सूर्य /121/2034 | मंगल 020/2035 | गुरु 204/2037 | केतु /108/2038 | चन्द्र 202/2040 |
| मंगल /108/2034 | गुरु /112/2035 | शनि /106/2037 | चन्द्र 210/2038 | बुध 205/2040 |
| गुरु 305/2034 | शनि 083/2036 | केतु 048/2037 | बुध /131/2039 | शुक्र /108/2040 |
| शनि /108/2034 | केतु 046/2036 | चन्द्र 010/2037 | शुक्र 064/2039 | सूर्य /120/2040 |
| केतु 071/2034 | चन्द्र 069/2036 | बुध 301/2037 | सूर्य 205/2039 | मंगल /102/2040 |
| चन्द्र 032/2035 | बुध /142/2036 | शुक्र 032/2038 | मंगल 207/2039 | गुरु /102/2041 |

| गुरु - केतु | गुरु - चन्द्र | गुरु - बुध | गुरु - शुक्र | गुरु - सूर्य |
|---|---|---|---|---|
| **12/02/2041** | **19/10/2042** | **04/2044** | **01/07/2046** | **07/07/204** |
| **19/10/2042** | **04/2044** | **01/07/2046** | **07/07/204** | **30/09/2049** |
| केतु 035/2041 | चन्द्र /107/2043 | बुध /141/2044 | शुक्र 210/2046 | सूर्य /108/2048 |
| चन्द्र 207/2041 | बुध 204/2043 | शुक्र 023/2045 | सूर्य 011/2047 | मंगल 010/2048 |
| बुध 210/2041 | शुक्र 038/2043 | सूर्य 075/2045 | मंगल /108/2047 | गुरु 231/2048 |
| शुक्र 201/2042 | सूर्य 010/2043 | मंगल /107/2045 | गुरु 096/2047 | शनि /107/2049 |
| सूर्य 203/2042 | मंगल /112/2043 | गुरु 010/2045 | शनि 069/2047 | केतु /106/2049 |
| मंगल 205/2042 | गुरु 202/2044 | शनि 212/2045 | केतु /102/2047 | चन्द्र /105/2049 |
| गुरु 068/2042 | शनि /105/2044 | केतु 203/2046 | चन्द्र 203/2048 | बुध 207/2049 |
| शनि /119/2042 | केतु 048/2044 | चन्द्र 017/2046 | बुध 077/2048 | शुक्र 309/2049 |


**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

| गुरु - मंगल | | शनि - शनि | | शनि - केतु | | शनि - चन्द्र | | शनि - बुध | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 30/09/2049 | | 0/02/2051 | | 12/10/2052 | | 0/52054 | | 10/07/2056 | |
| 0/02/2051 | | 12/10/2052 | | 0/52054 | | 10/07/2056 | | 29/07/205 | |
| मंगल | 201/2049 | शनि | /104/2051 | केतु | 061/2053 | चन्द्र | /101/2054 | बुध | 280/2056 |
| गुरु | /141/2050 | केतु | 077/2051 | चन्द्र | 074/2053 | बुध | 202/2055 | शुक्र | 202/2057 |
| शनि | /143/2050 | चन्द्र | 010/2051 | बुध | /137/2053 | शुक्र | /106/2055 | सूर्य | 035/2057 |
| केतु | /105/2050 | बुध | 302/2051 | शुक्र | 240/2053 | सूर्य | /108/2055 | मंगल | 207/2057 |
| चन्द्र | 237/2050 | शुक्र | 044/2052 | सूर्य | 252/2053 | मंगल | 290/2055 | गुरु | /120/2057 |
| बुध | 030/2050 | सूर्य | 016/2052 | मंगल | 043/2054 | गुरु | /161/2056 | शनि | /101/2058 |
| शुक्र | /192/2050 | मंगल | 048/2052 | गुरु | /105/2054 | शनि | /104/2056 | केतु | /104/2058 |
| सूर्य | 032/2051 | गुरु | /120/2052 | शनि | 058/2054 | केतु | /107/2056 | चन्द्र | 297/2058 |

| शनि - शुक्र | | शनि - सूर्य | | शनि - मंगल | | शनि - गुरु | | केतु - केतु | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 29/07/205 | | 30/09/2060 | | 2/01/2062 | | 31/07/206 | | 0/02/2065 | |
| 30/09/2060 | | 2/01/2062 | | 31/07/206 | | 0/02/2065 | | 12/01/2067 | |
| शुक्र | 291/2058 | सूर्य | /151/2060 | मंगल | 203/2062 | गुरु | /109/2063 | केतु | 055/2065 |
| सूर्य | /102/2059 | मंगल | 041/2061 | गुरु | 225/2062 | शनि | 211/2063 | चन्द्र | /108/2065 |
| मंगल | 065/2059 | गुरु | 202/2061 | शनि | 247/2062 | केतु | 032/2064 | बुध | 231/2065 |
| गुरु | 038/2059 | शनि | 204/2061 | केतु | 010/2062 | चन्द्र | 224/2064 | शुक्र | /103/2066 |
| शनि | 061/2059 | केतु | 286/2061 | चन्द्र | /112/2062 | बुध | /157/2064 | सूर्य | /195/2066 |
| केतु | /102/2060 | चन्द्र | 039/2061 | बुध | 282/2063 | शुक्र | /120/2064 | मंगल | 307/2066 |
| चन्द्र | 056/2060 | बुध | /131/2061 | शुक्र | 205/2063 | सूर्य | 052/2064 | गुरु | /190/2066 |
| बुध | 309/2060 | शुक्र | 281/2062 | सूर्य | /107/2063 | मंगल | 032/2065 | शनि | /121/2067 |

| केतु - चन्द्र | | केतु - बुध | | केतु - शुक्र | | केतु - सूर्य | | केतु - मंगल | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 12/01/2067 | | 06/02/2069 | | 20/04/2071 | | 8/72073 | | 8/01/2075 | |
| 06/02/2069 | | 20/04/2071 | | 8/72073 | | 8/01/2075 | | 0/72076 | |
| चन्द्र | 264/2067 | बुध | 046/2069 | शुक्र | 308/2071 | सूर्य | 050/2073 | मंगल | /103/2075 |
| बुध | /158/2067 | शुक्र | 060/2069 | सूर्य | /181/2071 | मंगल | 281/2073 | गुरु | 205/2075 |
| शुक्र | /102/2067 | सूर्य | 212/2069 | मंगल | /102/2072 | गुरु | 251/2074 | शनि | 287/2075 |
| सूर्य | 202/2068 | मंगल | /103/2070 | गुरु | 205/2072 | शनि | 293/2074 | केतु | 090/2075 |
| मंगल | 085/2068 | गुरु | /126/2070 | शनि | 308/2072 | केतु | 046/2074 | चन्द्र | 262/2075 |
| गुरु | 018/2068 | शनि | /109/2070 | केतु | /182/2072 | चन्द्र | /158/2074 | बुध | /198/2076 |
| शनि | 310/2068 | केतु | 302/2070 | चन्द्र | /104/2073 | बुध | 300/2074 | शुक्र | /106/2076 |
| केतु | 062/2069 | चन्द्र | 204/2071 | बुध | /108/2073 | शुक्र | /101/2075 | सूर्य | 078/2076 |

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

| केतु - गुरु | केतु - शनि | चन्द्र - चन्द्र | चन्द्र - बुध | चन्द्र - शुक्र |
|---|---|---|---|---|
| 07/2076 | 3/04/2078 | 0/02/2080 | 20/04/20 | 2/08/2084 |
| 3/04/2078 | 0/02/2080 | 20/04/20 | 2/08/2084 | 16/02/20 |
| गुरु /10/2076 | शनि /07/2078 | चन्द्र 25/2080 | बुध 23/2082 | शुक्र /01/2085 |
| शनि 28/2076 | केतु 29/2078 | बुध 29/2080 | शुक्र /01/2083 | सूर्य /04/2085 |
| केतु /03/2077 | चन्द्र 22/2078 | शुक्र 21/2081 | सूर्य 23/2083 | मंगल /07/2085 |
| चन्द्र /06/2077 | बुध /04/2079 | सूर्य /04/2081 | मंगल 26/2083 | गुरु /10/2085 |
| बुध /09/2077 | शुक्र /07/2079 | मंगल /07/2081 | गुरु 29/2083 | शनि /02/2086 |
| शुक्र /12/2077 | सूर्य /09/2079 | गुरु 39/2081 | शनि /01/2084 | केतु /06/2086 |
| सूर्य /02/2078 | मंगल 21/2079 | शनि /01/2082 | केतु 24/2084 | चन्द्र /10/2086 |
| मंगल /04/2078 | गुरु /02/2080 | केतु 24/2082 | चन्द्र 23/2084 | बुध /02/2087 |

| चन्द्र - सूर्य | चन्द्र - मंगल | चन्द्र - गुरु | चन्द्र - शनि | चन्द्र - केतु |
|---|---|---|---|---|
| 16/02/20 | 2/08/2088 | 20/04/2090 | 0/02/2092 | 09/01/2094 |
| 2/08/2088 | 20/04/2090 | 0/02/2092 | 09/01/2094 | 0/02/2096 |
| सूर्य /04/2087 | मंगल 21/2088 | गुरु /07/2090 | शनि 29/2092 | केतु /04/2094 |
| मंगल /06/2087 | गुरु 32/2088 | शनि /09/2090 | केतु 27/2092 | चन्द्र 37/2094 |
| गुरु /08/2087 | शनि /03/2089 | केतु /12/2090 | चन्द्र /01/2092 | बुध /11/2094 |
| शनि /10/2087 | केतु 35/2089 | चन्द्र /03/2091 | बुध /02/2093 | शुक्र /03/2095 |
| केतु 22/2087 | चन्द्र 23/2089 | बुध /06/2091 | शुक्र /06/2093 | सूर्य 25/2095 |
| चन्द्र /03/2088 | बुध /11/2089 | शुक्र 29/2091 | सूर्य /08/2093 | मंगल /08/2095 |
| बुध 25/2088 | शुक्र 22/2090 | सूर्य 21/2091 | मंगल 22/2093 | गुरु /11/2095 |
| शुक्र 23/2088 | सूर्य 24/2090 | मंगल /02/2092 | गुरु /01/2094 | शनि /02/2096 |

| बुध - बुध | बुध - शुक्र | बुध - सूर्य | बुध - मंगल | बुध - गुरु |
|---|---|---|---|---|
| 0/02/2096 | 0/12098 | 2/03/2101 | 02/11/2102 | 05/2104 |
| 0/12098 | 2/03/2101 | 02/11/2102 | 05/2104 | 02/07/2106 |
| बुध /06/2096 | शुक्र 22/2098 | सूर्य /05/2101 | मंगल /01/2103 | गुरु 22/2104 |
| शुक्र /11/2096 | सूर्य 33/2099 | मंगल /07/2101 | गुरु 23/2103 | शनि /01/2105 |
| सूर्य 21/2097 | मंगल /07/2099 | गुरु 29/2101 | शनि /06/2103 | केतु /04/2105 |
| मंगल /05/2097 | गुरु 21/2099 | शनि /02/2101 | केतु 28/2103 | चन्द्र /07/2105 |
| गुरु /08/2097 | शनि /12/2100 | केतु /12/2102 | चन्द्र 21/2103 | बुध 29/2105 |
| शनि /12/2097 | केतु 26/2100 | चन्द्र /05/2102 | बुध 22/2104 | शुक्र /02/2106 |
| केतु 23/2098 | चन्द्र /01/2100 | बुध /08/2102 | शुक्र /06/2104 | सूर्य 24/2106 |
| चन्द्र /08/2098 | बुध 23/2101 | शुक्र /01/2102 | सूर्य /08/2104 | मंगल /07/2106 |

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

| बुध - शनि | | बुध - केतु | | बुध - चन्द्र | | शुक्र - शुक्र | | शुक्र - सूर्य | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 02/07/2106 | | 80/07/210 | | 01/10/2110 | | 04/02/211 | | 21/11/2115 | |
| 80/07/210 | | 01/10/2110 | | 04/02/211 | | 21/11/2115 | | 05/2017 | |
| शनि | /309/2106 | केतु | /011/2108 | चन्द्र | /271/2111 | शुक्र | /127/2113 | सूर्य | /191/2116 |
| केतु | /051/2107 | चन्द्र | /202/2109 | बुध | /026/2111 | सूर्य | /170/2113 | मंगल | /233/2116 |
| चन्द्र | /194/2107 | बुध | /186/2109 | शुक्र | /130/2111 | मंगल | /301/2114 | गुरु | /016/2116 |
| बुध | /068/2107 | शुक्र | /200/2109 | सूर्य | /021/2112 | गुरु | /255/2114 | शनि | /168/2116 |
| शुक्र | /012/2107 | सूर्य | /041/2110 | मंगल | /313/2112 | शनि | /259/2114 | केतु | /011/2116 |
| सूर्य | /102/2108 | मंगल | /283/2110 | गुरु | /057/2112 | केतु | /042/2115 | चन्द्र | /291/2117 |
| मंगल | /274/2108 | गुरु | /266/2110 | शनि | /160/2112 | चन्द्र | /246/2115 | बुध | /015/2117 |
| गुरु | /207/2108 | शनि | /010/2110 | केतु | /042/2113 | बुध | /211/2115 | शुक्र | /058/2117 |

| शुक्र - मंगल | | शुक्र - गुरु | | शुक्र - शनि | | शुक्र - केतु | | शुक्र - चन्द्र | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 05/2017 | | 16/06/2119 | | 22/06/2121 | | 85/2023 | | 22/12/2125 | |
| 16/06/2119 | | 22/06/2121 | | 85/2023 | | 22/12/2125 | | 86/06/212 | |
| मंगल | /150/2117 | गुरु | /079/2119 | शनि | /269/2121 | केतु | /132/2123 | चन्द्र | /264/2126 |
| गुरु | /312/2117 | शनि | /052/2119 | केतु | /071/2122 | चन्द्र | /034/2124 | बुध | /069/2126 |
| शनि | /223/2118 | केतु | /093/2120 | चन्द्र | /264/2122 | बुध | /108/2124 | शुक्र | /251/2127 |
| केतु | /136/2118 | चन्द्र | /196/2120 | बुध | /208/2122 | शुक्र | /202/2124 | सूर्य | /214/2127 |
| चन्द्र | /209/2118 | बुध | /050/2120 | शुक्र | /212/2122 | सूर्य | /103/2125 | मंगल | /237/2127 |
| बुध | /282/2118 | शुक्र | /271/2121 | सूर्य | /073/2123 | मंगल | /076/2125 | गुरु | /021/2127 |
| शुक्र | /134/2119 | सूर्य | /074/2121 | मंगल | /285/2123 | गुरु | /109/2125 | शनि | /192/2128 |
| सूर्य | /166/2119 | मंगल | /226/2121 | गुरु | /258/2123 | शनि | /222/2125 | केतु | /166/2128 |

| शुक्र - बुध | | सूर्य - सूर्य | | सूर्य - मंगल | | सूर्य - गुरु | | सूर्य - शनि | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 86/06/212 | | 04/02/21 | | 29/02/21 | | 33/04/21 | | 05/07/21 | |
| 04/02/21 | | 29/02/21 | | 33/04/21 | | 05/07/21 | | 03/11/21 | |
| बुध | /041/2128 | सूर्य | /123/2131 | मंगल | /034/2132 | गुरु | /305/2133 | शनि | /029/2134 |
| शुक्र | /024/2129 | मंगल | /214/2131 | गुरु | /205/2132 | शनि | /257/2133 | केतु | /031/2134 |
| सूर्य | /037/2129 | गुरु | /026/2131 | शनि | /097/2132 | केतु | /209/2133 | चन्द्र | /091/2135 |
| मंगल | /110/2129 | शनि | /187/2131 | केतु | /019/2132 | चन्द्र | /221/2133 | बुध | /213/2135 |
| गुरु | /261/2130 | केतु | /069/2131 | चन्द्र | /218/2132 | बुध | /271/2134 | शुक्र | /046/2135 |
| शनि | /235/2130 | चन्द्र | /280/2131 | बुध | /282/2132 | शुक्र | /074/2134 | सूर्य | /207/2135 |
| केतु | /249/2130 | बुध | /232/2131 | शुक्र | /023/2133 | सूर्य | /205/2134 | मंगल | /099/2135 |
| चन्द्र | /042/2131 | शुक्र | /202/2132 | सूर्य | /104/2133 | मंगल | /057/2134 | गुरु | /021/2135 |

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# त्रिभगी दशा

## भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 7 मास 2 दिन

| केतु 5 वर्ष | | शुक्र 3 वर्ष | | सूर्य 4 वर्ष | | चन्द्र 7 वर्ष | | मंगल 5 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 17/04/2026 | | 8/11/2030 | | 3/9/2044 | | 3/9/2048 | | 8/11/2054 | |
| 8/11/2030 | | 3/9/2044 | | 3/9/2048 | | 8/11/2054 | | 20/07/2059 | |
| केतु | 206/2026 | शुक्र | /002/2033 | सूर्य | /305/2044 | चन्द्र | /080/2048 | मंगल | 262/2055 |
| शुक्र | /004/2027 | सूर्य | /080/2033 | चन्द्र | /309/2044 | मंगल | 202/2049 | राहु | /081/2055 |
| सूर्य | /007/2027 | चन्द्र | /181/2034 | मंगल | 242/2044 | राहु | 202/2050 | गुरु | 226/2056 |
| चन्द्र | 201/2027 | मंगल | 298/2035 | राहु | /307/2045 | गुरु | /181/2051 | शनि | /193/2057 |
| मंगल | 282/2028 | राहु | 298/2037 | गुरु | /102/2046 | शनि | /082/2052 | बुध | /161/2057 |
| राहु | /091/2028 | गुरु | /096/2039 | शनि | /309/2046 | बुध | /171/2053 | केतु | 232/2058 |
| गुरु | 256/2029 | शनि | /197/2041 | बुध | 254/2047 | केतु | /096/2053 | शुक्र | /042/2058 |
| शनि | 223/2030 | बुध | /096/2043 | केतु | 207/2047 | शुक्र | /197/2054 | सूर्य | 282/2059 |
| बुध | /181/2030 | केतु | /193/2044 | शुक्र | /193/2048 | सूर्य | /181/2054 | चन्द्र | 207/2059 |

| राहु 12 वर्ष | | गुरु 11 वर्ष | | शनि 3 वर्ष | | बुध 11 वर्ष | | केतु 5 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 20/07/2059 | | 20/07/2071 | | 2/2082 | | 8/11/2094 | | 2/2006 | |
| 20/07/2071 | | 2/2082 | | 8/11/2094 | | 2/2006 | | 00/00/0000 | |
| राहु | /005/2061 | गुरु | 202/2072 | शनि | 213/2084 | बुध | 206/2096 | केतु | /184/2106 |
| गुरु | /112/2062 | शनि | 298/2074 | बुध | /061/2086 | केतु | 232/2097 | | /000/0000 |
| शनि | /051/2064 | बुध | /003/2076 | केतु | /020/2086 | शुक्र | /141/2099 | | /000/0000 |
| बुध | /197/2066 | केतु | /160/2076 | शुक्र | /121/2088 | सूर्य | /098/2099 | | /000/0000 |
| केतु | /004/2067 | शुक्र | 207/2078 | सूर्य | /007/2089 | चन्द्र | 207/2100 | | /000/0000 |
| शुक्र | /004/2069 | सूर्य | /002/2079 | चन्द्र | 217/2090 | मंगल | /183/2101 | | /000/0000 |
| सूर्य | /061/2069 | चन्द्र | 292/2079 | मंगल | /104/2091 | राहु | 291/2102 | | /000/0000 |
| चन्द्र | /061/2070 | मंगल | /128/2080 | राहु | /103/2093 | गुरु | /036/2104 | | /000/0000 |
| मंगल | 207/2071 | राहु | 203/2082 | गुरु | /181/2094 | शनि | 213/2106 | | /000/0000 |

**नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।**
**त्रिभगी दशा पूरे 80 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।**

# त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

| केतु - केतु | केतु - शुक्र | केतु - सूर्य | केतु - चन्द्र | केतु - मंगल |
|---|---|---|---|---|
| 17/04/2026 | 27/06/2026 | 07/04/2027 | 01/07/2027 | 20/11/2027 |
| 27/06/2026 | 07/04/2027 | 01/07/2027 | 20/11/2027 | 8/02/2028 |
| /000/0000 | शुक्र /1038/2026 | सूर्य /1014/2027 | चन्द्र /1037/2027 | मंगल 2161/2027 |
| /000/0000 | सूर्य 2038/2026 | चन्द्र /1084/2027 | मंगल 2017/2027 | राहु /1112/2027 |
| /1074/2026 | चन्द्र 2009/2026 | मंगल 2034/2027 | राहु /1028/2027 | गुरु 2142/2027 |
| चन्द्र 2044/2026 | मंगल /0170/2026 | राहु /0065/2027 | गुरु /3018/2027 | शनि /0091/2028 |
| मंगल /3004/2026 | राहु /1181/2026 | गुरु /1085/2027 | शनि 2029/2027 | बुध 2031/2028 |
| राहु /1055/2026 | गुरु 2162/2026 | शनि /3015/2027 | बुध /1120/2027 | केतु 2091/2028 |
| गुरु 2085/2026 | शनि /0092/2027 | बुध /1026/2027 | केतु 2110/2027 | शुक्र /1052/2028 |
| शनि /1036/2026 | बुध 2023/2027 | केतु /1076/2027 | शुक्र /1131/2027 | सूर्य 2002/2028 |
| बुध 2076/2026 | केतु /0074/2027 | शुक्र /0017/2027 | सूर्य 2101/2027 | चन्द्र 2082/2028 |

| केतु - राहु | केतु - गुरु | केतु - शनि | केतु - बुध | शुक्र - शुक्र |
|---|---|---|---|---|
| 8/02/2028 | 09/11/202 | 25/06/2029 | 3/2/2030 | 8/11/2030 |
| 09/11/202 | 25/06/2029 | 3/2/2030 | 8/11/2030 | 03/02/20 |
| राहु /0064/2028 | गुरु /1102/2028 | शनि /0068/2029 | बुध 2054/2030 | शुक्र /0024/2031 |
| गुरु /1005/2028 | शनि /1051/2029 | बुध /1049/2029 | केतु /0095/2030 | सूर्य /1035/2031 |
| शनि 2006/2028 | बुध /1062/2029 | केतु 2099/2029 | शुक्र /1086/2030 | चन्द्र 2007/2031 |
| बुध 2067/2028 | केतु /0013/2029 | शुक्र /1131/2029 | सूर्य /3006/2030 | मंगल /0059/2031 |
| केतु /1008/2028 | शुक्र /0084/2029 | सूर्य 2171/2029 | चन्द्र 2007/2030 | राहु /0051/2032 |
| शुक्र 2019/2028 | सूर्य /1094/2029 | चन्द्र /1192/2029 | मंगल /0038/2030 | गुरु 2024/2032 |
| सूर्य /0140/2028 | चन्द्र /0085/2029 | मंगल /0041/2030 | राहु /0099/2030 | शनि 2038/2032 |
| चन्द्र 2160/2028 | मंगल 2025/2029 | राहु /1042/2030 | गुरु /1110/2030 | बुध 2112/2032 |
| मंगल /0091/2028 | राहु 2056/2029 | गुरु 2023/2030 | शनि /1181/2030 | केतु /0072/2033 |

| शुक्र - सूर्य | शुक्र - चन्द्र | शुक्र - मंगल | शुक्र - राहु | शुक्र - गुरु |
|---|---|---|---|---|
| 03/02/20 | 8/10/2033 | 8/11/2034 | 29/2035 | 29/2037 |
| 8/10/2033 | 8/11/2034 | 29/2035 | 29/2037 | 09/06/20 |
| सूर्य /1092/2033 | चन्द्र /1111/2033 | मंगल /0152/2034 | राहु /1172/2035 | गुरु 2131/2037 |
| चन्द्र /1003/2033 | मंगल /0152/2033 | राहु /1061/2035 | गुरु 2033/2036 | शनि /0063/2038 |
| मंगल 2053/2033 | राहु /0042/2034 | गुरु 2032/2035 | शनि /1077/2036 | बुध /0066/2038 |
| राहु /0015/2033 | गुरु /3003/2034 | शनि /0094/2035 | बुध 2180/2036 | केतु /1047/2038 |
| गुरु /0026/2033 | शनि /0026/2034 | बुध /1095/2035 | केतु /1102/2036 | शुक्र /3010/2038 |
| शनि /1017/2033 | बुध 2097/2034 | केतु /0056/2035 | शुक्र /1014/2037 | सूर्य /0122/2038 |
| बुध /1048/2033 | केतु 2028/2034 | शुक्र 2027/2035 | सूर्य /1075/2037 | चन्द्र 2051/2039 |
| केतु 2098/2033 | शुक्र 2190/2034 | सूर्य /0068/2035 | चन्द्र /1077/2037 | मंगल /0043/2039 |
| शुक्र /0180/2033 | सूर्य /1181/2034 | चन्द्र 2098/2035 | मंगल 2098/2037 | राहु /0096/2039 |

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

| शुक्र - शनि | | शुक्र - बुध | | शुक्र - केतु | | सूर्य - सूर्य | | सूर्य - चन्द्र | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 09/06/20 | | 19/07/2041 | | 09/06/204 | | 39/2044 | | 31/05/2044 | |
| 19/07/2041 | | 09/06/204 | | 39/2044 | | 31/05/2044 | | 30/09/2044 | |
| शनि | /0190/2039 | बुध | 2150/2041 | केतु | 2066/2043 | सूर्य | 2033/2044 | चन्द्र | /1006/2044 |
| बुध | 2061/2040 | केतु | /0142/2041 | शुक्र | /1028/2043 | चन्द्र | 2093/2044 | मंगल | /1076/2044 |
| केतु | /1013/2040 | शुक्र | 2093/2042 | सूर्य | 2068/2043 | मंगल | 0024/2044 | राहु | 0067/2044 |
| शुक्र | /1087/2040 | सूर्य | /0035/2042 | चन्द्र | /1099/2043 | राहु | /1034/2044 | गुरु | 2027/2044 |
| सूर्य | 2058/2040 | चन्द्र | 2096/2042 | मंगल | /0150/2043 | गुरु | 2034/2044 | शनि | /1008/2044 |
| चन्द्र | 2190/2040 | मंगल | /0088/2042 | राहु | /1171/2043 | शनि | 0045/2044 | बुध | 2078/2044 |
| मंगल | /1132/2040 | राहु | 2101/2042 | गुरु | 2152/2043 | बुध | /1035/2044 | केतु | 0049/2044 |
| राहु | /0074/2041 | गुरु | 2002/2043 | शनि | /0082/2044 | केतु | /1095/2044 | शुक्र | 2049/2044 |
| गुरु | /1097/2041 | शनि | /0096/2043 | बुध | /1093/2044 | शुक्र | 3015/2044 | सूर्य | 3009/2044 |

| सूर्य - मंगल | | सूर्य - राहु | | सूर्य - गुरु | | सूर्य - शनि | | सूर्य - बुध | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 30/09/2044 | | 24/12/2044 | | 31/07/2045 | | 11/02/2046 | | 30/09/2046 | |
| 24/12/2044 | | 31/07/2045 | | 11/02/2046 | | 30/09/2046 | | 25/04/2047 | |
| मंगल | /0150/2044 | राहु | 2061/2045 | गुरु | 2068/2045 | शनि | 2003/2046 | बुध | 3010/2046 |
| राहु | /1180/2044 | गुरु | 2042/2045 | शनि | 2089/2045 | बुध | 2014/2046 | केतु | /1111/2046 |
| गुरु | 2190/2044 | शनि | 3013/2045 | बुध | 2140/2045 | केतु | /0055/2046 | शुक्र | /1152/2046 |
| शनि | /1121/2044 | बुध | /0015/2045 | केतु | /0141/2045 | शुक्र | /1036/2046 | सूर्य | 2162/2046 |
| बुध | 2141/2044 | केतु | /1045/2045 | शुक्र | /0172/2045 | सूर्य | 2046/2046 | चन्द्र | /1021/2047 |
| केतु | 2191/2044 | शुक्र | /1096/2045 | सूर्य | /1162/2045 | चन्द्र | /1037/2046 | मंगल | 2041/2047 |
| शुक्र | /1132/2044 | सूर्य | 3006/2045 | चन्द्र | /0011/2046 | मंगल | 2077/2046 | राहु | 2042/2047 |
| सूर्य | /1172/2044 | चन्द्र | /1087/2045 | मंगल | /1031/2046 | राहु | 3018/2046 | गुरु | 2043/2047 |
| चन्द्र | 2142/2044 | मंगल | 3017/2045 | राहु | /1012/2046 | गुरु | 3009/2046 | शनि | 2054/2047 |

| सूर्य - केतु | | सूर्य - शुक्र | | चन्द्र - चन्द्र | | चन्द्र - मंगल | | चन्द्र - राहु | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 25/04/2047 | | 20/07/2047 | | 39/2048 | | 0/10/2048 | | 27/02/2049 | |
| 20/07/2047 | | 39/2048 | | 0/10/2048 | | 27/02/2049 | | 27/02/2050 | |
| केतु | 3004/2047 | शुक्र | 2098/2047 | चन्द्र | /0054/2048 | मंगल | /1160/2048 | राहु | 2034/2049 |
| शुक्र | /1035/2047 | सूर्य | /1009/2047 | मंगल | /1074/2048 | राहु | /0171/2048 | गुरु | /1016/2049 |
| सूर्य | /1095/2047 | चन्द्र | /0110/2047 | राहु | /1075/2048 | गुरु | 2161/2048 | शनि | /0078/2049 |
| चन्द्र | 2065/2047 | मंगल | /1150/2047 | गुरु | /1036/2048 | शनि | /1182/2048 | बुध | 2089/2049 |
| मंगल | 3015/2047 | राहु | 2101/2047 | शनि | /1057/2048 | बुध | /0071/2049 | केतु | /1190/2049 |
| राहु | /1036/2047 | गुरु | 2132/2047 | बुध | /1038/2048 | केतु | /1051/2049 | शुक्र | /1192/2049 |
| गुरु | 2046/2047 | शनि | 3001/2048 | केतु | 2058/2048 | शुक्र | /0082/2049 | सूर्य | /0071/2050 |
| शनि | /0087/2047 | बुध | /0053/2048 | शुक्र | 2089/2048 | सूर्य | /1052/2049 | चन्द्र | /0062/2050 |
| बुध | 2007/2047 | केतु | /1093/2048 | सूर्य | /0180/2048 | चन्द्र | 2072/2049 | मंगल | 2072/2050 |

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

| चन्द्र - गुरु | चन्द्र - शनि | चन्द्र - बुध | चन्द्र - केतु | चन्द्र - शुक्र |
|---|---|---|---|---|
| 27/02/2050 | 8/01/2051 | 0/02/2052 | 37/01/205 | 09/06/205 |
| 8/01/2051 | 0/02/2052 | 37/01/205 | 09/06/205 | 19/07/2054 |
| गुरु /1024/2050 | शनि 2003/2051 | बुध 2073/2052 | केतु 2061/2053 | शुक्र /1058/2053 |
| शनि /0026/2050 | बुध /1045/2051 | केतु /1074/2052 | शुक्र /1032/2053 | सूर्य /0049/2053 |
| बुध /1087/2050 | केतु /0056/2051 | शुक्र /1036/2052 | सूर्य 2062/2053 | चन्द्र /0180/2053 |
| केतु /0068/2050 | शुक्र /0088/2051 | सूर्य 3006/2052 | चन्द्र /0093/2053 | मंगल /0111/2053 |
| शुक्र 2099/2050 | सूर्य 2088/2051 | चन्द्र 2097/2052 | मंगल /1083/2053 | राहु /0011/2054 |
| सूर्य /1150/2050 | चन्द्र 2099/2051 | मंगल /1088/2052 | राहु /0084/2053 | गुरु 2042/2054 |
| चन्द्र /1111/2050 | मंगल 2110/2051 | राहु /0190/2052 | गुरु 2074/2053 | शनि 2094/2054 |
| मंगल /3101/2050 | राहु /1182/2051 | गुरु 2141/2052 | शनि /1095/2053 | बुध 2066/2054 |
| राहु /1081/2051 | गुरु /0082/2052 | शनि /1071/2053 | बुध /0096/2053 | केतु /1097/2054 |

| चन्द्र - सूर्य | मंगल - मंगल | मंगल - राहु | मंगल - गुरु | मंगल - शनि |
|---|---|---|---|---|
| 19/07/2054 | 8/11/2054 | 26/02/2055 | 0/11/2055 | 22/06/2056 |
| 8/11/2054 | 26/02/2055 | 0/11/2055 | 22/06/2056 | 39/2057 |
| सूर्य 2057/2054 | मंगल 2141/2054 | राहु /0054/2055 | गुरु /0192/2055 | शनि /0048/2056 |
| चन्द्र /0058/2054 | राहु /0192/2054 | गुरु /0095/2055 | शनि /1031/2056 | बुध /1019/2056 |
| मंगल /1028/2054 | गुरु 2122/2054 | शनि /1086/2055 | बुध /1052/2056 | केतु 2079/2056 |
| राहु /3008/2054 | शनि /0071/2055 | बुध 2057/2055 | केतु 2082/2056 | शुक्र /1111/2056 |
| गुरु /1059/2054 | बुध 2011/2055 | केतु /0098/2055 | शुक्र /0064/2056 | सूर्य 2151/2056 |
| शनि /0140/2054 | केतु 2071/2055 | शुक्र 2009/2055 | सूर्य /1074/2056 | चन्द्र /1172/2056 |
| बुध 2120/2054 | शुक्र /1022/2055 | सूर्य /0130/2055 | चन्द्र /0065/2056 | मंगल /0021/2057 |
| केतु 2190/2054 | सूर्य /1072/2055 | चन्द्र 2140/2055 | मंगल /1095/2056 | राहु /1012/2057 |
| शुक्र /1181/2054 | चन्द्र 2062/2055 | मंगल /0181/2055 | राहु 2026/2056 | गुरु /1093/2057 |

| मंगल - बुध | मंगल - केतु | मंगल - शुक्र | मंगल - सूर्य | मंगल - चन्द्र |
|---|---|---|---|---|
| 39/2057 | 16/11/2057 | 2/02/2058 | 04/12/205 | 8/02/2059 |
| 16/11/2057 | 2/02/2058 | 04/12/205 | 8/02/2059 | 20/07/2059 |
| बुध 2034/2057 | केतु 2121/2057 | शुक्र /1024/2058 | सूर्य /0192/2058 | चन्द्र /1013/2059 |
| केतु /0075/2057 | शुक्र /0182/2057 | सूर्य 2064/2058 | चन्द्र /1162/2058 | मंगल 2003/2059 |
| शुक्र /1066/2057 | सूर्य /1132/2057 | चन्द्र /1095/2058 | मंगल 2112/2058 | राहु /1004/2059 |
| सूर्य 2086/2057 | चन्द्र 2112/2057 | मंगल /0056/2058 | राहु /0021/2059 | गुरु 2094/2059 |
| चन्द्र /1087/2057 | मंगल 2172/2057 | राहु /1087/2058 | गुरु /1041/2059 | शनि 2015/2059 |
| मंगल /0018/2057 | राहु /1011/2058 | गुरु 2058/2058 | शनि 2071/2059 | बुध /1016/2059 |
| राहु /0089/2057 | गुरु 2041/2058 | शनि /0190/2058 | बुध /0082/2059 | केतु /1096/2059 |
| गुरु /0190/2057 | शनि /0092/2058 | बुध /1181/2058 | केतु /1032/2059 | शुक्र /1027/2059 |
| शनि /1161/2057 | बुध 2032/2058 | केतु /0142/2058 | शुक्र 2082/2059 | सूर्य 2007/2059 |

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

| राहु - राहु | |
|---|---|
| 20/07/2059 | 07/05/2061 |
| राहु | 216/2059 |
| गुरु | 221/2060 |
| शनि | 005/2060 |
| बुध | 008/2060 |
| केतु | /109/2060 |
| शुक्र | 001/2061 |
| सूर्य | 002/2061 |
| चन्द्र | 303/2061 |
| मंगल | 005/2061 |

| राहु - गुरु | |
|---|---|
| 07/05/2061 | 12/12/2062 |
| गुरु | 247/2061 |
| शनि | 240/2061 |
| बुध | /151/2062 |
| केतु | /182/2062 |
| शुक्र | 205/2062 |
| सूर्य | 256/2062 |
| चन्द्र | /138/2062 |
| मंगल | /169/2062 |
| राहु | /112/2062 |

| राहु - शनि | |
|---|---|
| 12/12/2062 | 05/11/2064 |
| शनि | 014/2063 |
| बुध | 097/2063 |
| केतु | /188/2063 |
| शुक्र | /112/2063 |
| सूर्य | /151/2064 |
| चन्द्र | /133/2064 |
| मंगल | 234/2064 |
| राहु | 058/2064 |
| गुरु | 051/2064 |

| राहु - बुध | |
|---|---|
| 05/11/2064 | 19/07/2066 |
| बुध | 012/2065 |
| केतु | /103/2065 |
| शुक्र | 216/2065 |
| सूर्य | 227/2065 |
| चन्द्र | /129/2065 |
| मंगल | /180/2065 |
| राहु | /191/2066 |
| गुरु | /124/2066 |
| शनि | /197/2066 |

| राहु - केतु | |
|---|---|
| 19/07/2066 | 01/04/2067 |
| केतु | 038/2066 |
| शुक्र | /159/2066 |
| सूर्य | 289/2066 |
| चन्द्र | /190/2066 |
| मंगल | 031/2066 |
| राहु | /112/2066 |
| गुरु | /141/2067 |
| शनि | 242/2067 |
| बुध | 014/2067 |

| राहु - शुक्र | |
|---|---|
| 01/04/2067 | 01/04/2069 |
| शुक्र | 018/2067 |
| सूर्य | 069/2067 |
| चन्द्र | 061/2067 |
| मंगल | /192/2067 |
| राहु | 064/2068 |
| गुरु | /137/2068 |
| शनि | 051/2068 |
| बुध | /172/2069 |
| केतु | 014/2069 |

| राहु - सूर्य | |
|---|---|
| 01/04/2069 | 06/11/2069 |
| सूर्य | /104/2069 |
| चन्द्र | 304/2069 |
| मंगल | /135/2069 |
| राहु | /146/2069 |
| गुरु | /147/2069 |
| शनि | /178/2069 |
| बुध | /179/2069 |
| केतु | 309/2069 |
| शुक्र | 061/2069 |

| राहु - चन्द्र | |
|---|---|
| 06/11/2069 | 06/11/2070 |
| चन्द्र | 062/2069 |
| मंगल | 212/2069 |
| राहु | 202/2070 |
| गुरु | /104/2070 |
| शनि | 076/2070 |
| बुध | 287/2070 |
| केतु | /198/2070 |
| शुक्र | /119/2070 |
| सूर्य | 061/2070 |

| राहु - मंगल | |
|---|---|
| 06/11/2070 | 20/07/2071 |
| मंगल | 211/2070 |
| राहु | 292/2070 |
| गुरु | 012/2071 |
| शनि | /143/2071 |
| बुध | /194/2071 |
| केतु | 045/2071 |
| शुक्र | /166/2071 |
| सूर्य | 286/2071 |
| चन्द्र | 207/2071 |

| गुरु - गुरु | |
|---|---|
| 20/07/2071 | 20/12/2072 |
| गुरु | 209/2071 |
| शनि | /182/2071 |
| बुध | 013/2072 |
| केतु | 313/2072 |
| शुक्र | 206/2072 |
| सूर्य | 227/2072 |
| चन्द्र | 039/2072 |
| मंगल | 030/2072 |
| राहु | 202/2072 |

| गुरु - शनि | |
|---|---|
| 20/12/2072 | 89/2074 |
| शनि | 283/2073 |
| बुध | 236/2073 |
| केतु | 297/2073 |
| शुक्र | 091/2073 |
| सूर्य | /102/2073 |
| चन्द्र | 301/2074 |
| मंगल | 073/2074 |
| राहु | 086/2074 |
| गुरु | 298/2074 |

| गुरु - बुध | |
|---|---|
| 89/2074 | 0/03/2076 |
| बुध | /151/2074 |
| केतु | /172/2074 |
| शुक्र | /193/2075 |
| सूर्य | /164/2075 |
| चन्द्र | 016/2075 |
| मंगल | 037/2075 |
| राहु | 249/2075 |
| गुरु | 062/2075 |
| शनि | 033/2076 |

| गुरु - केतु | |
|---|---|
| 0/03/2076 | 16/10/2076 |
| केतु | /163/2076 |
| शुक्र | 234/2076 |
| सूर्य | 045/2076 |
| चन्द्र | 235/2076 |
| मंगल | 066/2076 |
| राहु | /107/2076 |
| गुरु | 098/2076 |
| शनि | /149/2076 |
| बुध | /160/2076 |

| गुरु - शुक्र | |
|---|---|
| 16/10/2076 | 87/07/207 |
| शुक्र | 012/2077 |
| सूर्य | 063/2077 |
| चन्द्र | 294/2077 |
| मंगल | 066/2077 |
| राहु | /109/2077 |
| गुरु | 072/2077 |
| शनि | 203/2078 |
| बुध | 206/2078 |
| केतु | 207/2078 |

| गुरु - सूर्य | |
|---|---|
| 87/07/207 | 07/02/2079 |
| सूर्य | 068/2078 |
| चन्द्र | 228/2078 |
| मंगल | 039/2078 |
| राहु | 020/2078 |
| गुरु | 280/2078 |
| शनि | 281/2078 |
| बुध | 252/2078 |
| केतु | 061/2079 |
| शुक्र | 072/2079 |


**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

| गुरु - चन्द्र | गुरु - मंगल | गुरु - राहु | शनि - शनि | शनि - बुध |
|---|---|---|---|---|
| 07/02/2079 | 29/12/2079 | 8/12080 | 20/2082 | 2/12084 |
| 29/12/2079 | 8/12080 | 20/2082 | 2/12084 | 06/01/20 |
| चन्द्र /063/2079 | मंगल /1011/2080 | राहु /081/2080 | शनि /1047/2082 | बुध /226/2084 |
| मंगल 2053/2079 | राहु /1042/2080 | गुरु 2051/2081 | बुध 2150/2082 | केतु /307/2084 |
| राहु /1035/2079 | गुरु /1063/2080 | शनि 2074/2081 | केतु /012/2082 | शुक्र /1161/2084 |
| गुरु 2056/2079 | शनि 2014/2080 | बुध /1097/2081 | शुक्र /084/2083 | सूर्य /1192/2084 |
| शनि /1068/2079 | बुध 2035/2080 | केतु 2028/2081 | सूर्य /1035/2083 | चन्द्र /1022/2085 |
| बुध /010/2079 | केतु /056/2080 | शुक्र 2181/2081 | चन्द्र /1057/2083 | मंगल 2023/2085 |
| केतु 2100/2079 | शुक्र /1037/2080 | सूर्य 2172/2081 | मंगल 2078/2083 | राहु 2036/2085 |
| शुक्र /1132/2079 | सूर्य 2047/2080 | चन्द्र /1042/2082 | राहु /1142/2083 | गुरु 2049/2085 |
| सूर्य 2192/2079 | चन्द्र /1028/2080 | मंगल 2003/2082 | गुरु 2013/2084 | शनि /061/2086 |

| शनि - केतु | शनि - शुक्र | शनि - सूर्य | शनि - चन्द्र | शनि - मंगल |
|---|---|---|---|---|
| 06/01/20 | 06/10/20 | 18/11/20 | 09/07/20 | 21/07/2090 |
| 06/10/20 | 18/11/20 | 09/07/20 | 21/07/2090 | 17/04/2091 |
| केतु 2011/2086 | शुक्र /082/2087 | सूर्य 2131/2088 | चन्द्र /028/2089 | मंगल /068/2090 |
| शुक्र /073/2086 | सूर्य /1083/2087 | चन्द्र /1122/2088 | मंगल 2048/2089 | राहु /1069/2090 |
| सूर्य 2013/2086 | चन्द्र 2025/2087 | मंगल 2162/2088 | राहु 2110/2089 | गुरु 2120/2090 |
| चन्द्र /1024/2086 | मंगल /067/2087 | राहु 3001/2089 | गुरु /1122/2089 | शनि /032/2090 |
| मंगल 2084/2086 | राहु 2190/2087 | गुरु /013/2089 | शनि /1012/2090 | बुध /1011/2091 |
| राहु /076/2086 | गुरु /092/2088 | शनि /074/2089 | बुध /064/2090 | केतु 2061/2091 |
| गुरु /1037/2086 | शनि /1006/2088 | बुध /1005/2089 | केतु 2094/2090 | शुक्र /1023/2091 |
| शनि 2058/2086 | बुध 2089/2088 | केतु 2035/2089 | शुक्र /027/2090 | सूर्य 2063/2091 |
| बुध /020/2086 | केतु /1121/2088 | शुक्र /017/2089 | सूर्य 2017/2090 | चन्द्र /1074/2091 |

| शनि - राहु | शनि - गुरु | बुध - बुध | बुध - केतु | बुध - शुक्र |
|---|---|---|---|---|
| 17/04/2091 | 3/12093 | 8/11/2094 | 27/06/2096 | 2/02/2097 |
| 3/12093 | 8/11/2094 | 27/06/2096 | 2/02/2097 | 14/01/2099 |
| राहु 3007/2091 | गुरु /016/2093 | बुध /092/2095 | केतु /1017/2096 | शुक्र /1086/2097 |
| गुरु 3110/2091 | शनि /079/2093 | केतु /1053/2095 | शुक्र 2008/2096 | सूर्य 2027/2097 |
| शनि /1082/2092 | बुध /042/2093 | शुक्र 2016/2095 | सूर्य /019/2096 | चन्द्र /1089/2097 |
| बुध 2065/2092 | केतु /091/2094 | सूर्य 2007/2095 | चन्द्र 2019/2096 | मंगल 2180/2097 |
| केतु /067/2092 | शुक्र 2014/2094 | चन्द्र /079/2095 | मंगल /050/2096 | राहु /092/2098 |
| शुक्र 2190/2092 | सूर्य 2025/2094 | मंगल /1120/2095 | राहु /1101/2096 | गुरु /1025/2098 |
| सूर्य /032/2092 | चन्द्र /1037/2094 | राहु /071/2096 | गुरु /1132/2096 | शनि 2098/2098 |
| चन्द्र 3001/2093 | मंगल /1038/2094 | गुरु 2063/2096 | शनि 2001/2097 | बुध /052/2098 |
| मंगल /1013/2093 | राहु /1181/2094 | शनि 2076/2096 | बुध 2032/2097 | केतु /1041/2099 |


**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# अष्टोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : शुक्र 10 वर्ष 4 मास 8 दिन

| शुक्र 21 वर्ष | सूर्य 6 वर्ष | चन्द्र 15 वर्ष | मंगल 8 वर्ष | बुध 17 वर्ष |
|---|---|---|---|---|
| **17/04/2026** | **36/09/20** | **15/09/2042** | **14/09/2057** | **14/09/2065** |
| **36/09/20** | **15/09/2042** | **14/09/2057** | **14/09/2065** | **85/09/20** |
| /000/0000 | सूर्य /1041/2037 | चन्द्र /1150/2044 | मंगल /1094/2058 | बुध /1095/2068 |
| /000/0000 | चन्द्र /1141/2037 | मंगल 2141/2045 | बुध 2037/2059 | शनि /1152/2069 |
| /000/0000 | मंगल 2064/2038 | बुध 0054/2048 | शनि /1084/2060 | गुरु /1112/2072 |
| /104/2026 | बुध 0064/2039 | शनि 2058/2049 | गुरु /1049/2061 | राहु 011/2074 |
| बुध 2049/2028 | शनि 2160/2039 | गुरु /1054/2052 | राहु 0058/2062 | शुक्र 2002/2078 |
| शनि 0059/2030 | गुरु /1141/2040 | राहु /1152/2053 | शुक्र 2042/2064 | सूर्य 3011/2079 |
| गुरु /1065/2034 | राहु /1067/2041 | शुक्र /1141/2056 | सूर्य 0058/2064 | चन्द्र /1026/2081 |
| राहु /1049/2036 | शुक्र /1059/2042 | सूर्य /1049/2057 | चन्द्र /1049/2065 | मंगल /1059/2082 |

| शनि 10 वर्ष | गुरु 19 वर्ष | राहु 12 वर्ष | शुक्र 21 वर्ष |
|---|---|---|---|
| **85/09/20** | **14/09/2092** | **16/09/2111** | **36/09/212** |
| **14/09/2092** | **16/09/2111** | **36/09/212** | **00/00/0000** |
| शनि /1098/2083 | गुरु /1081/2096 | राहु /1051/2113 | शुक्र /1160/2127 |
| गुरु 2025/2085 | राहु 2072/2098 | शुक्र /1075/2115 | सूर्य /1152/2128 |
| राहु 0027/2086 | शुक्र 091/2101 | सूर्य /1061/2116 | चन्द्र /1161/2131 |
| शुक्र /1016/2088 | सूर्य 2191/2102 | चन्द्र /1059/2117 | मंगल 0066/2133 |
| सूर्य 3112/2088 | चन्द्र 2007/2105 | मंगल 0068/2118 | बुध /1084/2134 |
| चन्द्र 2035/2090 | मंगल /1162/2106 | बुध 2066/2120 | /000/0000 |
| मंगल /1072/2091 | बुध /1122/2109 | शनि 0068/2121 | /000/0000 |
| बुध /1049/2092 | शनि /1069/2111 | गुरु /1069/2123 | /000/0000 |

**नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।**
**अष्टोत्तरी दशा पूरे 108 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।**

# अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

| शुक्र - बुध | शुक्र - शनि | शुक्र - गुरु | शुक्र - राहु | सूर्य - सूर्य |
|---|---|---|---|---|
| **17/04/2026** | **84/09/202** | **06/09/20** | **36/05/20** | **36/09/20** |
| **84/09/202** | **06/09/20** | **36/05/20** | **36/09/20** | **37/01/20** |
| 000/0000 | शनि 291/2028 | गुरु 304/2031 | राहु 108/2034 | सूर्य 209/2036 |
| /104/2026 | गुरु 034/2029 | राहु 209/2031 | शुक्र 301/2035 | चन्द्र 080/2036 |
| गुरु 011/2026 | राहु 216/2029 | शुक्र 156/2032 | सूर्य 203/2035 | मंगल 110/2036 |
| राहु 153/2027 | शुक्र 061/2029 | सूर्य 298/2032 | चन्द्र 167/2035 | बुध 051/2036 |
| शुक्र 051/2027 | सूर्य 152/2029 | चन्द्र 053/2033 | मंगल 109/2035 | शनि 161/2036 |
| सूर्य 101/2028 | चन्द्र 243/2030 | मंगल 136/2033 | बुध 291/2036 | गुरु 082/2036 |
| चन्द्र 206/2028 | मंगल 165/2030 | बुध 101/2034 | शनि 104/2036 | राहु 212/2036 |
| मंगल 249/2028 | बुध 059/2030 | शनि 165/2034 | गुरु 149/2036 | शुक्र 101/2037 |

| सूर्य - चन्द्र | सूर्य - मंगल | सूर्य - बुध | सूर्य - शनि | सूर्य - गुरु |
|---|---|---|---|---|
| **37/01/20** | **37/11/20** | **28/04/20** | **09/04/20** | **20/10/20** |
| **37/11/20** | **28/04/20** | **09/04/20** | **20/10/20** | **14/11/2040** |
| चन्द्र 252/2037 | मंगल 261/2037 | बुध 196/2038 | शनि 204/2039 | गुरु 011/2040 |
| मंगल 203/2037 | बुध 212/2037 | शनि 217/2038 | गुरु 305/2039 | राहु 132/2040 |
| बुध 005/2037 | शनि 061/2038 | गुरु 209/2038 | राहु 226/2039 | शुक्र 204/2040 |
| शनि 046/2037 | गुरु 032/2038 | राहु 280/2038 | शुक्र 307/2039 | सूर्य 205/2040 |
| गुरु 207/2037 | राहु 222/2038 | शुक्र 031/2039 | सूर्य 108/2039 | चन्द्र 127/2040 |
| राहु 308/2037 | शुक्र 253/2038 | सूर्य 221/2039 | चन्द्र 099/2039 | मंगल 108/2040 |
| शुक्र 280/2037 | सूर्य 034/2038 | चन्द्र 103/2039 | मंगल 249/2039 | बुध 090/2040 |
| सूर्य 141/2037 | चन्द्र 264/2038 | मंगल 064/2039 | बुध 260/2039 | शनि 141/2040 |

| सूर्य - राहु | सूर्य - शुक्र | चन्द्र - चन्द्र | चन्द्र - मंगल | चन्द्र - बुध |
|---|---|---|---|---|
| **14/11/2040** | **16/07/2041** | **15/09/2042** | **15/10/2044** | **24/11/2045** |
| **16/07/2041** | **15/09/2042** | **15/10/2044** | **24/11/2045** | **05/04/204** |
| राहु 112/2040 | शुक्र 060/2041 | चन्द्र 292/2042 | मंगल 141/2044 | बुध 094/2046 |
| शुक्र 271/2041 | सूर्य 300/2041 | मंगल 242/2043 | बुध 171/2045 | शनि 286/2046 |
| सूर्य 102/2041 | चन्द्र 282/2041 | बुध 246/2043 | शनि 232/2045 | गुरु 271/2046 |
| चन्द्र 163/2041 | मंगल 291/2042 | शनि 029/2043 | गुरु 065/2045 | राहु 033/2047 |
| मंगल 034/2041 | बुध 064/2042 | गुरु 141/2044 | राहु 206/2045 | शुक्र 108/2047 |
| बुध 105/2041 | शनि 135/2042 | राहु 074/2044 | शुक्र 079/2045 | सूर्य 040/2047 |
| शनि 036/2041 | गुरु 297/2042 | शुक्र 029/2044 | सूर्य 299/2045 | चन्द्र 012/2048 |
| गुरु 167/2041 | राहु 159/2042 | सूर्य 115/2044 | चन्द्र 241/2045 | मंगल 054/2048 |

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

| चन्द्र - शनि | चन्द्र - गुरु | चन्द्र - राहु | चन्द्र - शुक्र | चन्द्र - सूर्य |
|---|---|---|---|---|
| 805/04/204 | 852049 | 15/04/2052 | 35/12/205 | 14/11/2056 |
| 852049 | 15/04/2052 | 35/12/205 | 14/11/2056 | 14/09/2057 |
| शनि 225/2048 | गुरु /102/2050 | राहु 226/2052 | शुक्र /107/2054 | सूर्य 012/2056 |
| गुरु /198/2048 | राहु 295/2050 | शुक्र /180/2052 | सूर्य 079/2054 | चन्द्र /121/2057 |
| राहु /140/2048 | शुक्र 012/2050 | सूर्य 211/2052 | चन्द्र 022/2055 | मंगल 042/2057 |
| शुक्र 201/2049 | सूर्य 251/2051 | चन्द्र /132/2053 | मंगल 224/2055 | बुध 243/2057 |
| सूर्य /182/2049 | चन्द्र 086/2051 | मंगल 303/2053 | बुध 070/2055 | शनि 214/2057 |
| चन्द्र 304/2049 | मंगल /188/2051 | बुध 047/2053 | शनि /131/2056 | गुरु /136/2057 |
| मंगल 066/2049 | बुध /171/2052 | शनि 308/2053 | गुरु /197/2056 | राहु /107/2057 |
| बुध 258/2049 | शनि /154/2052 | गुरु /152/2053 | राहु /141/2056 | शुक्र /149/2057 |

| मंगल - मंगल | मंगल - बुध | मंगल - शनि | मंगल - गुरु | मंगल - राहु |
|---|---|---|---|---|
| 14/09/2057 | 89/04/205 | 2/07/2059 | 8/04/2060 | 14/09/2061 |
| 89/04/205 | 2/07/2059 | 8/04/2060 | 14/09/2061 | 052062 |
| मंगल 309/2057 | बुध 306/2058 | शनि /108/2059 | गुरु /187/2060 | राहु 210/2061 |
| बुध 041/2057 | शनि /128/2058 | गुरु 030/2059 | राहु /139/2060 | शुक्र 232/2061 |
| शनि 241/2057 | गुरु 011/2058 | राहु 031/2059 | शुक्र 222/2060 | सूर्य /101/2062 |
| गुरु 001/2058 | राहु 222/2058 | शुक्र 252/2059 | सूर्य /191/2061 | चन्द्र 242/2062 |
| राहु 251/2058 | शुक्र 203/2059 | सूर्य 091/2060 | चन्द्र 014/2061 | मंगल 208/2062 |
| शुक्र 083/2058 | सूर्य /164/2059 | चन्द्र /162/2060 | मंगल 095/2061 | बुध /105/2062 |
| सूर्य 203/2058 | चन्द्र /196/2059 | मंगल 073/2060 | बुध 297/2061 | शनि 096/2062 |
| चन्द्र /194/2058 | मंगल 237/2059 | बुध /184/2060 | शनि /149/2061 | गुरु 058/2062 |

| मंगल - शुक्र | मंगल - सूर्य | मंगल - चन्द्र | बुध - बुध | बुध - शनि |
|---|---|---|---|---|
| 052062 | 24/02/2064 | 052064 | 14/09/2065 | 89/05/206 |
| 24/02/2064 | 052064 | 14/09/2065 | 89/05/206 | 15/12/2069 |
| शुक्र 241/2062 | सूर्य 043/2064 | चन्द्र 309/2064 | बुध /152/2066 | शनि /107/2068 |
| सूर्य 252/2062 | चन्द्र 273/2064 | मंगल 310/2064 | शनि /175/2066 | गुरु 210/2068 |
| चन्द्र /143/2063 | मंगल 084/2064 | बुध 021/2065 | गुरु 051/2066 | राहु 232/2068 |
| मंगल 254/2063 | बुध 035/2064 | शनि 082/2065 | राहु 212/2067 | शुक्र /144/2069 |
| बुध 247/2063 | शनि /185/2064 | गुरु 214/2065 | शुक्र 308/2067 | सूर्य /165/2069 |
| शनि /149/2063 | गुरु /166/2064 | राहु 056/2065 | सूर्य 240/2067 | चन्द्र 048/2069 |
| गुरु 232/2063 | राहु 047/2064 | शुक्र 238/2065 | चन्द्र 073/2068 | मंगल /159/2069 |
| राहु 242/2064 | शुक्र 058/2064 | सूर्य /149/2065 | मंगल /195/2068 | बुध /152/2069 |


**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

| बुध - गुरु | बुध - राहु | बुध - शुक्र | बुध - सूर्य | बुध - चन्द्र |
|---|---|---|---|---|
| **15/12/2069** | **11/12/2072** | **01/11/2074** | **20/02/207** | **31/01/2079** |
| **11/12/2072** | **01/11/2074** | **20/02/207** | **31/01/2079** | **32/06/20** |
| गुरु 256/2070 | राहु 262/2073 | शुक्र 246/2075 | सूर्य /123/2078 | चन्द्र 305/2079 |
| राहु 240/2070 | शुक्र /107/2073 | सूर्य 308/2075 | चन्द्र 234/2078 | मंगल 038/2079 |
| शुक्र 255/2071 | सूर्य /108/2073 | चन्द्र /142/2076 | मंगल 245/2078 | बुध /112/2079 |
| सूर्य 247/2071 | चन्द्र 211/2073 | मंगल /135/2076 | बुध /107/2078 | शनि 063/2080 |
| चन्द्र 232/2071 | मंगल /101/2074 | बुध /191/2076 | शनि /108/2078 | गुरु 048/2080 |
| मंगल /133/2072 | बुध 304/2074 | शनि /103/2077 | गुरु /118/2078 | राहु 081/2080 |
| बुध 019/2072 | शनि 037/2074 | गुरु 090/2077 | राहु 251/2078 | शुक्र 254/2081 |
| शनि /112/2072 | गुरु 011/2074 | राहु 202/2078 | शुक्र 301/2079 | सूर्य /126/2081 |

| बुध - मंगल | शनि - शनि | शनि - गुरु | शनि - राहु | शनि - शुक्र |
|---|---|---|---|---|
| **32/06/20** | **35/09/20** | **392083** | **25/05/20** | **06/07/20** |
| **35/09/20** | **392083** | **25/05/20** | **06/07/20** | **38/06/20** |
| मंगल /167/2081 | शनि /110/2082 | गुरु /112/2083 | राहु 027/2085 | शुक्र /171/2086 |
| बुध 269/2081 | गुरु /142/2082 | राहु /192/2084 | शुक्र 239/2085 | सूर्य 212/2086 |
| शनि 081/2081 | राहु 201/2083 | शुक्र 236/2084 | सूर्य /110/2085 | चन्द्र 044/2087 |
| गुरु 281/2082 | शुक्र 283/2083 | सूर्य 297/2084 | चन्द्र /112/2085 | मंगल 205/2087 |
| राहु 203/2082 | सूर्य /164/2083 | चन्द्र 210/2084 | मंगल /101/2086 | बुध /169/2087 |
| शुक्र /106/2082 | चन्द्र 026/2083 | मंगल /112/2084 | बुध /153/2086 | शनि 211/2087 |
| सूर्य /137/2082 | मंगल 206/2083 | बुध 243/2085 | शनि 224/2086 | गुरु 253/2088 |
| चन्द्र /159/2082 | बुध /198/2083 | शनि 225/2085 | गुरु 027/2086 | राहु /106/2088 |

| शनि - सूर्य | शनि - चन्द्र | शनि - मंगल | शनि - बुध | गुरु - गुरु |
|---|---|---|---|---|
| **38/06/20** | **31/12/2088** | **2/05/2090** | **17/02/2091** | **14/09/2092** |
| **31/12/2088** | **2/05/2090** | **17/02/2091** | **14/09/2092** | **8/01/2096** |
| सूर्य 236/2088 | चन्द्र /123/2089 | मंगल /126/2090 | बुध /195/2091 | गुरु /174/2093 |
| चन्द्र 207/2088 | मंगल /134/2089 | बुध 247/2090 | शनि /107/2091 | राहु 318/2093 |
| मंगल 058/2088 | बुध 027/2089 | शनि /168/2090 | गुरु 210/2091 | शुक्र 254/2094 |
| बुध 069/2088 | शनि 238/2089 | गुरु 050/2090 | राहु 232/2091 | सूर्य 027/2094 |
| शनि 259/2088 | गुरु 201/2089 | राहु 041/2090 | शुक्र /134/2092 | चन्द्र /182/2094 |
| गुरु 310/2088 | राहु /161/2090 | शुक्र 212/2090 | सूर्य /155/2092 | मंगल /193/2095 |
| राहु 221/2088 | शुक्र 254/2090 | सूर्य /101/2091 | चन्द्र 038/2092 | बुध 279/2095 |
| शुक्र 312/2088 | सूर्य 235/2090 | चन्द्र /102/2091 | मंगल /149/2092 | शनि /181/2096 |

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

**गुरु - राहु**

8/01/2096 – 87/02/209

| | |
|---|---|
| राहु | /134/2096 |
| शुक्र | /109/2096 |
| सूर्य | 213/2096 |
| चन्द्र | /072/2097 |
| मंगल | /054/2097 |
| बुध | /048/2097 |
| शनि | /114/2097 |
| गुरु | 272/2098 |

**गुरु - शुक्र**

87/02/209 – 09/11/2101

| | |
|---|---|
| शुक्र | /171/2098 |
| सूर्य | 301/2099 |
| चन्द्र | /068/2099 |
| मंगल | /141/2099 |
| बुध | /146/2100 |
| शनि | /117/2100 |
| गुरु | /126/2101 |
| राहु | 091/2101 |

**गुरु - सूर्य**

09/11/2101 – 29/11/2102

| | |
|---|---|
| सूर्य | 301/2101 |
| चन्द्र | 221/2102 |
| मंगल | 202/2102 |
| बुध | 224/2102 |
| शनि | 275/2102 |
| गुरु | 038/2102 |
| राहु | /159/2102 |
| शुक्र | 291/2102 |

**गुरु - चन्द्र**

29/11/2102 – 20/07/2105

| | |
|---|---|
| चन्द्र | /124/2103 |
| मंगल | 226/2103 |
| बुध | 211/2103 |
| शनि | /182/2104 |
| गुरु | 068/2104 |
| राहु | 211/2104 |
| शुक्र | 275/2105 |
| सूर्य | 207/2105 |

**गुरु - मंगल**

20/07/2105 – 16/12/2106

| | |
|---|---|
| मंगल | 278/2105 |
| बुध | /161/2105 |
| शनि | 031/2106 |
| गुरु | 034/2106 |
| राहु | 305/2106 |
| शुक्र | 079/2106 |
| सूर्य | 060/2106 |
| चन्द्र | /162/2106 |

**गुरु - बुध**

16/12/2106 – 12/12/2109

| | |
|---|---|
| बुध | 066/2107 |
| शनि | /159/2107 |
| गुरु | 253/2108 |
| राहु | 257/2108 |
| शुक्र | 222/2109 |
| सूर्य | 244/2109 |
| चन्द्र | 229/2109 |
| मंगल | /112/2109 |

**गुरु - शनि**

12/12/2109 – 16/09/2111

| | |
|---|---|
| शनि | /102/2110 |
| गुरु | 036/2110 |
| राहु | /138/2110 |
| शुक्र | /162/2110 |
| सूर्य | 211/2111 |
| चन्द्र | 204/2111 |
| मंगल | 076/2111 |
| बुध | /169/2111 |

**राहु - राहु**

16/09/2111 – 35/01/211

| | |
|---|---|
| राहु | 091/2111 |
| शुक्र | /122/2112 |
| सूर्य | /103/2112 |
| चन्द्र | /165/2112 |
| मंगल | 216/2112 |
| बुध | 089/2112 |
| शनि | 210/2112 |
| गुरु | /151/2113 |

**राहु - शुक्र**

35/01/211 – 17/05/2115

| | |
|---|---|
| शुक्र | 306/2113 |
| सूर्य | /168/2113 |
| चन्द्र | /122/2113 |
| मंगल | /132/2114 |
| बुध | 286/2114 |
| शनि | /159/2114 |
| गुरु | /102/2115 |
| राहु | /175/2115 |

**राहु - सूर्य**

17/05/2115 – 16/01/2116

| | |
|---|---|
| सूर्य | 305/2115 |
| चन्द्र | 047/2115 |
| मंगल | 227/2115 |
| बुध | 298/2115 |
| शनि | 209/2115 |
| गुरु | 021/2115 |
| राहु | 291/2115 |
| शुक्र | /161/2116 |

**राहु - चन्द्र**

16/01/2116 – 15/09/2117

| | |
|---|---|
| चन्द्र | 094/2116 |
| मंगल | 245/2116 |
| बुध | 288/2116 |
| शनि | 240/2116 |
| गुरु | 082/2117 |
| राहु | /164/2117 |
| शुक्र | /138/2117 |
| सूर्य | /159/2117 |

**राहु - मंगल**

15/09/2117 – 862018

| | |
|---|---|
| मंगल | 090/2117 |
| बुध | 301/2117 |
| शनि | 302/2117 |
| गुरु | 252/2118 |
| राहु | 024/2118 |
| शुक्र | 046/2118 |
| सूर्य | 226/2118 |
| चन्द्र | 068/2118 |

**राहु - बुध**

862018 – 26/06/2120

| | |
|---|---|
| बुध | 231/2118 |
| शनि | 261/2119 |
| गुरु | 275/2119 |
| राहु | /128/2119 |
| शुक्र | 242/2119 |
| सूर्य | 301/2120 |
| चन्द्र | 065/2120 |
| मंगल | 266/2120 |

**राहु - शनि**

26/06/2120 – 862021

| | |
|---|---|
| शनि | 038/2120 |
| गुरु | /113/2120 |
| राहु | 271/2120 |
| शुक्र | /142/2121 |
| सूर्य | 098/2121 |
| चन्द्र | 045/2121 |
| मंगल | 036/2121 |
| बुध | 068/2121 |

**राहु - गुरु**

862021 – 36/09/212

| | |
|---|---|
| गुरु | /192/2121 |
| राहु | /153/2122 |
| शुक्र | /128/2122 |
| सूर्य | 249/2122 |
| चन्द्र | 091/2123 |
| मंगल | 073/2123 |
| बुध | 077/2123 |
| शनि | /169/2123 |

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# योगिनी दशा

## भोग्य दशा काल : भ्रामरी 3 वर्ष 11 मास 6 दिन

| भ्रामरी 4 वर्ष | भद्रिका 5 वर्ष | उल्का 6 वर्ष | सिद्धा 7 वर्ष | संकटा 8 वर्ष |
|---|---|---|---|---|
| **17/04/2026** | **2/4/2030** | **2/4/2035** | **2/03/2041** | **2/03/2048** |
| **2/4/2030** | **2/4/2035** | **2/03/2041** | **2/03/2048** | **2/03/2056** |
| भ्राम 029/2026 | भद्रि 012/2030 | उल्क 233/2036 | सिद्ध 008/2042 | संक 011/2050 |
| भद्रि 243/2027 | उल्क 010/2031 | सिद्ध 235/2037 | संक 222/2044 | मंग 243/2050 |
| उल्क 221/2027 | सिद्ध 229/2032 | संक 229/2038 | मंग 005/2044 | पिंग 029/2050 |
| सिद्ध 019/2028 | संक 021/2033 | मंग 221/2038 | पिंग 229/2044 | धांय 005/2051 |
| संक 237/2029 | मंग 222/2033 | पिंग 243/2039 | धांय 234/2045 | भ्राम 233/2052 |
| मंग 029/2029 | पिंग 034/2034 | धांय 239/2039 | भ्राम 012/2046 | भद्रि 005/2053 |
| पिंग 221/2029 | धांय 029/2034 | भ्राम 235/2040 | भद्रि 221/2047 | उल्क 029/2054 |
| धांय 243/2030 | भ्राम 243/2035 | भद्रि 233/2041 | उल्क 233/2048 | सिद्ध 233/2056 |

| मंगला 1 वर्ष | पिंगला 2 वर्ष | धान्या 3 वर्ष | भ्रामरी 4 वर्ष | भद्रिका 5 वर्ष |
|---|---|---|---|---|
| **2/03/2056** | **2/03/2057** | **2/4/2059** | **2/4/2062** | **2/4/2066** |
| **2/03/2057** | **2/4/2059** | **2/4/2062** | **2/4/2066** | **2/4/2071** |
| मंग 024/2056 | पिंग 005/2057 | धांय 236/2059 | भ्राम 029/2062 | भद्रि 012/2066 |
| पिंग 234/2056 | धांय 037/2057 | भ्राम 230/2059 | भद्रि 243/2063 | उल्क 010/2067 |
| धांय 235/2056 | भ्राम 229/2057 | भद्रि 233/2060 | उल्क 221/2063 | सिद्ध 229/2068 |
| भ्राम 037/2056 | भद्रि 011/2058 | उल्क 229/2060 | सिद्ध 019/2064 | संक 021/2069 |
| भद्रि 228/2056 | उल्क 005/2058 | सिद्ध 234/2061 | संक 237/2065 | मंग 222/2069 |
| उल्क 220/2056 | सिद्ध 229/2058 | संक 222/2061 | मंग 029/2065 | पिंग 034/2070 |
| सिद्ध 011/2057 | संक 043/2059 | मंग 221/2062 | पिंग 221/2065 | धांय 029/2070 |
| संक 233/2057 | मंग 243/2059 | पिंग 243/2062 | धांय 243/2066 | भ्राम 243/2071 |

**नोट :- योगिनियों के स्वामी नीचे दिए गए हैं :-**

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मंगला | : चन्द्र | पिंगला | : सूर्य | धान्या | : गुरु | भ्रामरी | : मंगल |
| भद्रिका | : बुध | उल्का | : शनि | सिद्धा | : शुक्र | संकटा | : राहु/केतु |

**उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।**
**योगिनी दशा 36 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।**

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# योगिनी दशा

| उल्का 6 वर्ष | सिद्धा 7 वर्ष | संकटा 8 वर्ष | मंगला 1 वर्ष | पिंगला 2 वर्ष |
|---|---|---|---|---|
| **2/42071** | **2/03/2077** | **2/03/2084** | **2/03/2092** | **2/03/2093** |
| **2/03/2077** | **2/03/2084** | **2/03/2092** | **2/03/2093** | **2/42095** |
| उल्क 203/2072 | सिद्ध 008/2078 | संक 001/2086 | मंग 024/2092 | पिंग 005/2093 |
| सिद्ध 205/2073 | संक 202/2080 | मंग 243/2086 | पिंग 234/2092 | धांय 007/2093 |
| संक 209/2074 | मंग 005/2080 | पिंग 009/2086 | धांय 205/2092 | भ्राम 209/2093 |
| मंग 221/2074 | पिंग 209/2080 | धांय 005/2087 | भ्राम 007/2092 | भद्रि 001/2094 |
| पिंग 243/2075 | धांय 234/2081 | भ्राम 233/2088 | भद्रि 208/2092 | उल्क 005/2094 |
| धांय 209/2075 | भ्राम 002/2082 | भद्रि 005/2089 | उल्क 220/2092 | सिद्ध 209/2094 |
| भ्राम 205/2076 | भद्रि 221/2083 | उल्क 009/2090 | सिद्ध 001/2093 | संक 043/2095 |
| भद्रि 203/2077 | उल्क 203/2084 | सिद्ध 203/2092 | संक 203/2093 | मंग 243/2095 |

| धान्या 3 वर्ष | भ्रामरी 4 वर्ष | भद्रिका 5 वर्ष | उल्का 6 वर्ष | सिद्धा 7 वर्ष |
|---|---|---|---|---|
| **2/42095** | **2/42098** | **2/52002** | **2/52007** | **2/42013** |
| **2/42098** | **2/52002** | **2/52007** | **2/42013** | **2/42020** |
| धांय 206/2095 | भ्राम 009/2098 | भद्रि 032/2102 | उल्क 243/2108 | सिद्ध 048/2114 |
| भ्राम 230/2095 | भद्रि 243/2099 | उल्क 040/2103 | सिद्ध 245/2109 | संक 232/2116 |
| भद्रि 203/2096 | उल्क 221/2099 | सिद्ध 239/2104 | संक 239/2110 | मंग 045/2116 |
| उल्क 209/2096 | सिद्ध 009/2100 | संक 031/2105 | मंग 231/2110 | पिंग 239/2116 |
| सिद्ध 234/2097 | संक 247/2101 | मंग 232/2105 | पिंग 253/2111 | धांय 244/2117 |
| संक 222/2097 | मंग 039/2101 | पिंग 044/2106 | धांय 249/2111 | भ्राम 002/2118 |
| मंग 221/2098 | पिंग 231/2101 | धांय 039/2106 | भ्राम 245/2112 | भद्रि 231/2119 |
| पिंग 243/2098 | धांय 253/2102 | भ्राम 253/2107 | भद्रि 243/2113 | उल्क 243/2120 |

| संकटा 8 वर्ष | मंगला 1 वर्ष | पिंगला 2 वर्ष | धान्या 3 वर्ष | भ्रामरी 4 वर्ष |
|---|---|---|---|---|
| **2/42020** | **2/42028** | **2/42029** | **2/52031** | **2/52034** |
| **2/42028** | **2/42029** | **2/52031** | **2/52034** | **00/00/0000** |
| संक 021/2122 | मंग 034/2128 | पिंग 045/2129 | धांय 246/2131 | भ्राम /104/2134 |
| मंग 253/2122 | पिंग 244/2128 | धांय 047/2129 | भ्राम 240/2131 | 000/0000 |
| पिंग 039/2122 | धांय 245/2128 | भ्राम 239/2129 | भद्रि 243/2132 | 000/0000 |
| धांय 045/2123 | भ्राम 047/2128 | भद्रि 021/2130 | उल्क 239/2132 | 000/0000 |
| भ्राम 243/2124 | भद्रि 238/2128 | उल्क 045/2130 | सिद्ध 244/2133 | 000/0000 |
| भद्रि 045/2125 | उल्क 230/2128 | सिद्ध 239/2130 | संक 232/2133 | 000/0000 |
| उल्क 039/2126 | सिद्ध 021/2129 | संक 053/2131 | मंग 231/2134 | 000/0000 |
| सिद्ध 243/2128 | संक 243/2129 | मंग 253/2131 | पिंग 253/2134 | 000/0000 |

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# योगिनी दशा - प्रत्यन्तर

| भ्राम - भ्राम | भ्राम - भद्रि | भ्राम - उल्क | भ्राम - सिद्ध | भ्राम - संक |
|---|---|---|---|---|
| **17/04/2026** | **02/09/2026** | **24/2027** | **22/11/2027** | **01/09/202** |
| **02/09/2026** | **24/2027** | **22/11/2027** | **01/09/202** | **2/07/2029** |
| /104/2026 | भद्रि /309/2026 | उल्क /005/2027 | सिद्ध /101/2028 | संक /131/2028 |
| भद्रि /005/2026 | उल्क /031/2026 | सिद्ध 206/2027 | संक 203/2028 | मंग 221/2028 |
| उल्क 305/2026 | सिद्ध /122/2026 | संक /108/2027 | मंग 203/2028 | पिंग /102/2028 |
| सिद्ध /007/2026 | संक 201/2027 | मंग 208/2027 | पिंग /124/2028 | धांय /061/2029 |
| संक /008/2026 | मंग /012/2027 | पिंग /029/2027 | धांय /065/2028 | भ्राम /102/2029 |
| मंग /108/2026 | पिंग /122/2027 | धांय 209/2027 | भ्राम /076/2028 | भद्रि 203/2029 |
| पिंग /198/2026 | धांय /013/2027 | भ्राम 210/2027 | भद्रि /167/2028 | उल्क 205/2029 |
| धांय /029/2026 | भ्राम 203/2027 | भद्रि 221/2027 | उल्क /019/2028 | सिद्ध 207/2029 |

| भ्राम - मंग | भ्राम - पिंग | भ्राम - धांय | भद्रि - भद्रि | भद्रि - उल्क |
|---|---|---|---|---|
| **2/07/2029** | **02/09/2029** | **22/11/2029** | **24/2030** | **02/12/20** |
| **02/09/2029** | **22/11/2029** | **24/2030** | **02/12/20** | **0/10/2031** |
| मंग 207/2029 | पिंग /069/2029 | धांय /012/2029 | भद्रि 204/2030 | उल्क 221/2031 |
| पिंग 207/2029 | धांय /109/2029 | भ्राम /162/2029 | उल्क /096/2030 | सिद्ध 203/2031 |
| धांय 307/2029 | भ्राम 209/2029 | भद्रि /011/2030 | सिद्ध 207/2030 | संक 205/2031 |
| भ्राम /008/2029 | भद्रि /030/2029 | उल्क 221/2030 | संक 209/2030 | मंग /066/2031 |
| भद्रि /008/2029 | उल्क /170/2029 | सिद्ध /142/2030 | मंग 309/2030 | पिंग 206/2031 |
| उल्क /108/2029 | सिद्ध /021/2029 | संक /103/2030 | पिंग /140/2030 | धांय /107/2031 |
| सिद्ध 208/2029 | संक 201/2029 | मंग /103/2030 | धांय /041/2030 | भ्राम 208/2031 |
| संक /029/2029 | मंग 221/2029 | पिंग 203/2030 | भ्राम /012/2030 | भद्रि /030/2031 |

| भद्रि - सिद्ध | भद्रि - संक | भद्रि - मंग | भद्रि - पिंग | भद्रि - धांय |
|---|---|---|---|---|
| **0/10/2031** | **22/09/20** | **02/11/20** | **22/12/20** | **0/04/2034** |
| **22/09/20** | **02/11/20** | **22/12/20** | **0/04/2034** | **02/09/20** |
| सिद्ध /112/2031 | संक 212/2032 | मंग /031/2033 | पिंग 282/2033 | धांय /154/2034 |
| संक 202/2032 | मंग /011/2033 | पिंग /061/2033 | धांय /051/2034 | भ्राम /025/2034 |
| मंग /008/2032 | पिंग 201/2033 | धांय /101/2033 | भ्राम /101/2034 | भद्रि 205/2034 |
| पिंग 203/2032 | धांय 202/2033 | भ्राम /161/2033 | भद्रि 301/2034 | उल्क /106/2034 |
| धांय 204/2032 | भ्राम /104/2033 | भद्रि 231/2033 | उल्क /102/2034 | सिद्ध /107/2034 |
| भ्राम /056/2032 | भद्रि /086/2033 | उल्क /012/2033 | सिद्ध /008/2034 | संक 208/2034 |
| भद्रि 257/2032 | उल्क /158/2033 | सिद्ध /112/2033 | संक 303/2034 | मंग 258/2034 |
| उल्क 209/2032 | सिद्ध /021/2033 | संक 212/2033 | मंग /034/2034 | पिंग /029/2034 |

# योगिनी दशा - प्रत्यन्तर

| भद्रि - भ्राम | | उल्क - उल्क | | उल्क - सिद्ध | | उल्क - संक | | उल्क - मंग | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 04/09/20 | | 2/4/2035 | | 2/03/2036 | | 2/05/2037 | | 28/09/20 | |
| 2/4/2035 | | 2/03/2036 | | 2/05/2037 | | 28/09/20 | | 28/11/20 | |
| भ्राम | 259/2034 | उल्क | 245/2035 | सिद्ध | /146/2036 | संक | 099/2037 | मंग | 249/2038 |
| भद्रि | 230/2034 | सिद्ध | 038/2035 | संक | /179/2036 | मंग | 229/2037 | पिंग | 279/2038 |
| उल्क | 261/2034 | संक | 230/2035 | मंग | 299/2036 | पिंग | /119/2037 | धांय | 020/2038 |
| सिद्ध | 041/2035 | मंग | 021/2035 | पिंग | 220/2036 | धांय | 291/2037 | भ्राम | 090/2038 |
| संक | /182/2035 | पिंग | 221/2035 | धांय | 271/2036 | भ्राम | 221/2038 | भद्रि | /180/2038 |
| मंग | 242/2035 | धांय | 232/2035 | भ्राम | /131/2037 | भद्रि | 303/2038 | उल्क | 280/2038 |
| पिंग | 073/2035 | भ्राम | 012/2036 | भद्रि | /133/2037 | उल्क | 206/2038 | सिद्ध | 091/2038 |
| धांय | 243/2035 | भद्रि | 233/2036 | उल्क | 235/2037 | सिद्ध | 229/2038 | संक | 221/2038 |

| उल्क - पिंग | | उल्क - धांय | | उल्क - भ्राम | | उल्क - भद्रि | | सिद्ध - सिद्ध | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 28/11/20 | | 2/4/2039 | | 2/09/2039 | | 2/05/2040 | | 2/03/2041 | |
| 2/4/2039 | | 2/09/2039 | | 2/05/2040 | | 2/03/2041 | | 0/08/2042 | |
| पिंग | 291/2038 | धांय | 084/2039 | भ्राम | 210/2039 | भद्रि | 047/2040 | सिद्ध | 286/2041 |
| धांय | 012/2038 | भ्राम | 284/2039 | भद्रि | 221/2039 | उल्क | 248/2040 | संक | /170/2041 |
| भ्राम | 232/2038 | भद्रि | 245/2039 | उल्क | 021/2040 | सिद्ध | 220/2040 | मंग | 310/2041 |
| भद्रि | 091/2039 | उल्क | 236/2039 | सिद्ध | /132/2040 | संक | 292/2040 | पिंग | 271/2041 |
| उल्क | 291/2039 | सिद्ध | 297/2039 | संक | /124/2040 | मंग | 061/2041 | धांय | 071/2042 |
| सिद्ध | 212/2039 | संक | 079/2039 | मंग | /194/2040 | पिंग | 231/2041 | भ्राम | 043/2042 |
| संक | 213/2039 | मंग | /129/2039 | पिंग | 035/2040 | धांय | /132/2041 | भद्रि | /125/2042 |
| मंग | 243/2039 | पिंग | 239/2039 | धांय | 235/2040 | भ्राम | 233/2041 | उल्क | 038/2042 |

| सिद्ध - संक | | सिद्ध - मंग | | सिद्ध - पिंग | | सिद्ध - धांय | | सिद्ध - भ्राम | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 0/08/2042 | | 22/02/2044 | | 0/05/2044 | | 22/09/2044 | | 2/04/2045 | |
| 22/02/2044 | | 0/05/2044 | | 22/09/2044 | | 2/04/2045 | | 01/02/2046 | |
| संक | 012/2042 | मंग | 242/2044 | पिंग | /115/2044 | धांय | /110/2044 | भ्राम | 245/2045 |
| मंग | 232/2042 | पिंग | 282/2044 | धांय | 225/2044 | भ्राम | 021/2044 | भद्रि | 037/2045 |
| पिंग | 231/2043 | धांय | 053/2044 | भ्राम | 076/2044 | भद्रि | 012/2044 | उल्क | /198/2045 |
| धांय | /123/2043 | भ्राम | /123/2044 | भद्रि | 276/2044 | उल्क | 061/2045 | सिद्ध | /110/2045 |
| भ्राम | /145/2043 | भद्रि | 223/2044 | उल्क | 217/2044 | सिद्ध | /172/2045 | संक | /162/2045 |
| भद्रि | 018/2043 | उल्क | 034/2044 | सिद्ध | /178/2044 | संक | 054/2045 | मंग | 232/2045 |
| उल्क | 031/2043 | सिद्ध | /174/2044 | संक | /189/2044 | मंग | /114/2045 | पिंग | 081/2046 |
| सिद्ध | 222/2044 | संक | 035/2044 | मंग | 229/2044 | पिंग | 234/2045 | धांय | 012/2046 |

# कालचक्र दशा

**भोग्य दशा काल : मेष 0 वर्ष 3 मास 29 दिन**

**कुल दशाकाल : 100 वर्ष**

**तिथि : अश्विनी - 1 सव्य**

**देह : मेष जीव : धनु**

| मेष 7 वर्ष | वृष 16 वर्ष | मिथुन 9 वर्ष | कर्क 21 वर्ष | सिंह 5 वर्ष |
|---|---|---|---|---|
| **17/04/2026** | **86/2026** | **86/2042** | **86/2051** | **85/2072** |
| **86/2026** | **86/2042** | **86/2051** | **85/2072** | **86/2077** |
| /000/0000 | वृष /083/2029 | मिथु /086/2043 | कर्क /131/2056 | सिंह /151/2072 |
| /000/0000 | मिथु /108/2030 | कर्क /284/2045 | सिंह /301/2057 | कन्या /284/2073 |
| /000/0000 | कर्क /252/2033 | सिंह /110/2045 | कन्या /212/2058 | तुला /142/2074 |
| /000/0000 | सिंह /130/2034 | कन्या /018/2046 | तुला /025/2062 | वृश्चि /226/2074 |
| /000/0000 | कन्या /223/2036 | तुला /091/2048 | वृश्चि /210/2063 | धनु /222/2074 |
| /000/0000 | तुला /130/2038 | वृश्चि /268/2048 | धनु /261/2065 | मेष /294/2075 |
| /000/0000 | वृश्चि /261/2039 | धनु /217/2049 | मेष /175/2067 | वृष /152/2076 |
| /174/2026 | धनु /037/2041 | मेष /083/2050 | वृष /259/2070 | मिथु /287/2076 |
| धनु /168/2026 | मेष /168/2042 | वृष /168/2051 | मिथु /158/2072 | कर्क /168/2077 |

| कन्या 9 वर्ष | तुला 16 वर्ष | वृश्चिक 7 वर्ष | धनु 10 वर्ष | मेष 7 वर्ष |
|---|---|---|---|---|
| **86/2077** | **86/2086** | **87/2002** | **87/2009** | **87/2019** |
| **86/2086** | **87/2002** | **87/2009** | **87/2019** | **8/04/2126** |
| कन्या /086/2078 | तुला /083/2089 | वृश्चि /122/2103 | धनु /178/2110 | मेष /122/2120 |
| तुला /161/2079 | वृश्चि /214/2090 | धनु /260/2103 | मेष /304/2111 | वृष /273/2121 |
| वृश्चि /037/2080 | धनु /261/2091 | मेष /224/2104 | वृष /142/2112 | मिथु /121/2121 |
| धनु /275/2081 | मेष /091/2093 | वृष /056/2105 | मिथु /290/2113 | कर्क /035/2123 |
| मेष /121/2082 | वृष /028/2095 | मिथु /211/2106 | कर्क /152/2115 | सिंह /089/2123 |
| वृष /226/2083 | मिथु /091/2097 | कर्क /127/2107 | सिंह /046/2116 | कन्या /254/2124 |
| मिथु /134/2084 | कर्क /215/2100 | सिंह /171/2107 | कन्या /294/2117 | तुला /086/2125 |
| कर्क /053/2086 | सिंह /093/2101 | कन्या /047/2108 | तुला /152/2118 | वृश्चि /142/2125 |
| सिंह /168/2086 | कन्या /178/2102 | तुला /178/2109 | वृश्चि /178/2119 | धनु /134/2126 |

**नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।**

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# कालचक्र दशा - प्रत्यन्तर

| मेष - धनु | वृष - वृष | वृष - मिथु | वृष - कर्क | वृष - सिंह |
|---|---|---|---|---|
| 17/04/2026 | 8/6/2026 | 8/03/2029 | 8/6/2030 | 25/12/20 |
| 8/6/2026 | 8/03/2029 | 8/6/2030 | 25/12/20 | 3/10/2034 |
| /000/0000 | वृष /131/2027 | मिथु 2044/2029 | कर्क /015/2031 | सिंह /091/2034 |
| /000/0000 | मिथु /074/2027 | कर्क /138/2029 | सिंह /017/2031 | कन्या /042/2034 |
| /000/0000 | कर्क 210/2027 | सिंह /089/2029 | कन्या 210/2031 | तुला 233/2034 |
| /104/2026 | सिंह /062/2027 | कन्या 250/2029 | तुला /035/2032 | वृश्चि /124/2034 |
| कर्क /135/2026 | कन्या 282/2028 | तुला /181/2030 | वृश्चि 287/2032 | धनु /125/2034 |
| सिंह 265/2026 | तुला 277/2028 | वृश्चि 232/2030 | धनु 281/2032 | मेष /016/2034 |
| कन्या /186/2026 | वृश्चि 309/2028 | धनु /104/2030 | मेष 212/2033 | वृष /187/2034 |
| तुला 297/2026 | धनु /021/2029 | मेष 245/2030 | वृष /069/2033 | मिथु /138/2034 |
| वृश्चि /168/2026 | मेष /083/2029 | वृष /168/2030 | मिथु 252/2033 | कर्क /110/2034 |

| वृष - कन्या | वृष - तुला | वृष - वृश्चि | वृष - धनु | वृष - मेष |
|---|---|---|---|---|
| 3/10/2034 | 2/2/2036 | 3/10/2038 | 28/11/20 | 8/07/2041 |
| 2/2/2036 | 3/10/2038 | 28/11/20 | 8/07/2041 | 8/6/2042 |
| कन्या 301/2034 | तुला /198/2036 | वृश्चि /111/2038 | धनु 241/2040 | मेष /018/2041 |
| तुला 222/2035 | वृश्चि 210/2036 | धनु 212/2038 | मेष /053/2040 | वृष /050/2041 |
| वृश्चि 303/2035 | धनु 251/2037 | मेष 201/2039 | वृष /066/2040 | मिथु /111/2041 |
| धनु 225/2035 | मेष 303/2037 | वृष 263/2039 | मिथु 297/2040 | कर्क /052/2042 |
| मेष 286/2035 | वृष 288/2037 | मिथु /025/2039 | कर्क 291/2040 | सिंह 252/2042 |
| वृष 209/2035 | मिथु 201/2037 | कर्क 207/2039 | सिंह 282/2040 | कन्या /034/2042 |
| मिथु /071/2035 | कर्क /056/2038 | सिंह /168/2039 | कन्या /182/2041 | तुला /076/2042 |
| कर्क 252/2036 | सिंह 217/2038 | कन्या 229/2039 | तुला 235/2041 | वृश्चि /067/2042 |
| सिंह 223/2036 | कन्या /110/2038 | तुला 261/2039 | वृश्चि /037/2041 | धनु /168/2042 |

| मिथु - मिथु | मिथु - कर्क | मिथु - सिंह | मिथु - कन्या | मिथु - तुला |
|---|---|---|---|---|
| 8/6/2042 | 8/06/2043 | 2/04/2045 | 10/10/2045 | 8/1/2046 |
| 8/06/2043 | 2/04/2045 | 10/10/2045 | 8/1/2046 | 09/01/204 |
| मिथु /129/2042 | कर्क 310/2043 | सिंह /065/2045 | कन्या /051/2045 | तुला 250/2046 |
| कर्क /131/2042 | सिंह /012/2043 | कन्या 215/2045 | तुला 212/2045 | वृश्चि 301/2046 |
| सिंह 281/2042 | कन्या /042/2044 | तुला /106/2045 | वृश्चि /121/2046 | धनु 221/2047 |
| कन्या 212/2042 | तुला 255/2044 | वृश्चि 286/2045 | धनु /102/2046 | मेष 282/2047 |
| तुला /092/2043 | वृश्चि /127/2044 | धनु /147/2045 | मेष /033/2046 | वृष 235/2047 |
| वृश्चि /023/2043 | धनु /199/2044 | मेष 267/2045 | वृष 204/2046 | मिथु /097/2047 |
| धनु /014/2043 | मेष /071/2044 | वृष 218/2045 | मिथु /165/2046 | कर्क 280/2047 |
| मेष 214/2043 | वृष 252/2045 | मिथु /039/2045 | कर्क /187/2046 | सिंह 231/2047 |
| वृष /086/2043 | मिथु 284/2045 | कर्क /110/2045 | सिंह /018/2046 | कन्या /091/2048 |

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# कालचक्र दशा - प्रत्यन्तर

| मिथु - वृश्चि | | मिथु - धनु | | मिथु - मेष | | मिथु - वृष | | कर्क - कर्क | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 09/01/204 | | 26/2048 | | 21/07/2049 | | 6/03/2050 | | 86/2051 | |
| 26/2048 | | 21/07/2049 | | 6/03/2050 | | 86/2051 | | 3/01/2056 | |
| वृश्चि | 251/2048 | धनु | 289/2048 | मेष | 068/2049 | वृष | 315/2050 | कर्क | 197/2052 |
| धनु | 172/2048 | मेष | 210/2048 | वृष | 129/2049 | मिथु | 187/2050 | सिंह | 080/2052 |
| मेष | 053/2048 | वृष | 132/2048 | मिथु | 030/2049 | कर्क | 051/2050 | कन्या | 023/2053 |
| वृष | 104/2048 | मिथु | 101/2049 | कर्क | 201/2049 | सिंह | 012/2050 | तुला | 151/2053 |
| मिथु | 015/2048 | कर्क | 223/2049 | सिंह | 012/2049 | कन्या | 181/2051 | वृश्चि | 073/2054 |
| कर्क | 186/2048 | सिंह | 074/2049 | कन्या | 222/2049 | तुला | 124/2051 | धनु | 168/2054 |
| सिंह | 306/2048 | कन्या | 075/2049 | तुला | 281/2050 | वृश्चि | 195/2051 | मेष | 062/2054 |
| कन्या | 217/2048 | तुला | 286/2049 | वृश्चि | 132/2050 | धनु | 107/2051 | वृष | 218/2055 |
| तुला | 268/2048 | वृश्चि | 217/2049 | धनु | 083/2050 | मेष | 168/2051 | मिथु | 131/2056 |

| कर्क - सिंह | | कर्क - कन्या | | कर्क - तुला | | कर्क - वृश्चि | | कर्क - धनु | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3/01/2056 | | 30/01/2057 | | 82/12/205 | | 02/05/2062 | | 21/10/206 | |
| 30/01/2057 | | 82/12/205 | | 02/05/2062 | | 21/10/206 | | 26/11/2065 | |
| सिंह | 012/2056 | कन्या | 034/2057 | तुला | 067/2059 | वृश्चि | 096/2062 | धनु | 061/2064 |
| कन्या | 073/2056 | तुला | 227/2057 | वृश्चि | 309/2059 | धनु | 018/2062 | मेष | 282/2064 |
| तुला | 075/2056 | वृश्चि | 089/2057 | धनु | 311/2060 | मेष | 089/2062 | वृष | 306/2064 |
| वृश्चि | 086/2056 | धनु | 161/2057 | मेष | 264/2060 | वृष | 032/2062 | मिथु | 079/2064 |
| धनु | 107/2056 | मेष | 041/2058 | वृष | 081/2060 | मिथु | 201/2063 | कर्क | 152/2065 |
| मेष | 078/2056 | वृष | 244/2058 | मिथु | 272/2061 | कर्क | 135/2063 | सिंह | 263/2065 |
| वृष | 010/2056 | मिथु | 256/2058 | कर्क | 1111/2061 | सिंह | 096/2063 | कन्या | 036/2065 |
| मिथु | 1111/2056 | कर्क | 171/2058 | सिंह | 121/2062 | कन्या | 207/2063 | तुला | 030/2065 |
| कर्क | 301/2057 | सिंह | 212/2058 | कन्या | 025/2062 | तुला | 210/2063 | वृश्चि | 261/2065 |

| कर्क - मेष | | कर्क - वृष | | कर्क - मिथु | | सिंह - सिंह | | सिंह - कन्या | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 26/11/2065 | | 17/05/2067 | | 25/09/2070 | | 85/2072 | | 15/11/2072 | |
| 17/05/2067 | | 25/09/2070 | | 85/2072 | | 15/11/2072 | | 8/04/2073 | |
| मेष | 031/2066 | वृष | 291/2067 | मिथु | 261/2070 | सिंह | 208/2072 | कन्या | 301/2072 |
| वृष | 298/2066 | मिथु | 198/2068 | कर्क | 204/2071 | कन्या | 288/2072 | तुला | 262/2072 |
| मिथु | 105/2066 | कर्क | 012/2068 | सिंह | 255/2071 | तुला | 129/2072 | वृश्चि | 061/2073 |
| कर्क | 079/2066 | सिंह | 012/2069 | कन्या | 267/2071 | वृश्चि | 189/2072 | धनु | 231/2073 |
| सिंह | 030/2066 | कन्या | 225/2069 | तुला | 131/2071 | धनु | 279/2072 | मेष | 032/2073 |
| कन्या | 211/2066 | तुला | 052/2069 | वृश्चि | 011/2072 | मेष | 040/2072 | वृष | 023/2073 |
| तुला | 152/2067 | वृश्चि | 013/2070 | धनु | 103/2072 | वृष | 180/2072 | मिथु | 163/2073 |
| वृश्चि | 243/2067 | धनु | 017/2070 | मेष | 274/2072 | मिथु | 210/2072 | कर्क | 204/2073 |
| धनु | 105/2067 | मेष | 259/2070 | वृष | 158/2072 | कर्क | 151/2072 | सिंह | 284/2073 |

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# चर दशा

## भोग्य दशा काल : कर्क 3 वर्ष 0 मास 0 दिन

**कर्क 3 वर्ष**

| 17/04/2026 | 17/04/2029 |
|---|---|
| मिथु | /07/2026 |
| वृष | /10/2026 |
| मेष | /01/2027 |
| मीन | /04/2027 |
| कुंभ | /07/2027 |
| मक | /10/2027 |
| धनु | /01/2028 |
| वृश्चि | /04/2028 |
| तुला | /07/2028 |
| कन्या | /10/2028 |
| सिंह | /01/2029 |
| कर्क | /04/2029 |

**मिथुन 9 वर्ष**

| 17/04/2029 | 38/04/20 |
|---|---|
| वृष | /01/2030 |
| मेष | /10/2030 |
| मीन | /07/2031 |
| कुंभ | /04/2032 |
| मक | /01/2033 |
| धनु | /10/2033 |
| वृश्चि | /07/2034 |
| तुला | /04/2035 |
| कन्या | /01/2036 |
| सिंह | /10/2036 |
| कर्क | /07/2037 |
| मिथु | /04/2038 |

**वृष 11 वर्ष**

| 38/04/20 | 17/04/2049 |
|---|---|
| मेष | /03/2039 |
| मीन | /02/2040 |
| कुंभ | /01/2041 |
| मक | /12/2041 |
| धनु | /11/2042 |
| वृश्चि | /10/2043 |
| तुला | /09/2044 |
| कन्या | /08/2045 |
| सिंह | /07/2046 |
| कर्क | /06/2047 |
| मिथु | /05/2048 |
| वृष | /04/2049 |

**मेष 11 वर्ष**

| 17/04/2049 | 17/04/2060 |
|---|---|
| वृष | /03/2050 |
| मिथु | /02/2051 |
| कर्क | /01/2052 |
| सिंह | /12/2052 |
| कन्या | /11/2053 |
| तुला | /10/2054 |
| वृश्चि | /09/2055 |
| धनु | /08/2056 |
| मक | /07/2057 |
| कुंभ | /06/2058 |
| मीन | /05/2059 |
| मेष | /04/2060 |

**मीन 9 वर्ष**

| 17/04/2060 | 17/04/2069 |
|---|---|
| मेष | /01/2061 |
| वृष | /10/2061 |
| मिथु | /07/2062 |
| कर्क | /04/2063 |
| सिंह | /01/2064 |
| कन्या | /10/2064 |
| तुला | /07/2065 |
| वृश्चि | /04/2066 |
| धनु | /01/2067 |
| मक | /10/2067 |
| कुंभ | /07/2068 |
| मीन | /04/2069 |

**कुम्भ 11 वर्ष**

| 17/04/2069 | 80/04/20 |
|---|---|
| मीन | /03/2070 |
| मेष | /02/2071 |
| वृष | /01/2072 |
| मिथु | /12/2072 |
| कर्क | /11/2073 |
| सिंह | /10/2074 |
| कन्या | /09/2075 |
| तुला | /08/2076 |
| वृश्चि | /07/2077 |
| धनु | /06/2078 |
| मक | /05/2079 |
| कुंभ | /04/2080 |

**मकर 10 वर्ष**

| 80/04/20 | 17/04/2090 |
|---|---|
| धनु | /02/2081 |
| वृश्चि | /12/2081 |
| तुला | /10/2082 |
| कन्या | /08/2083 |
| सिंह | /06/2084 |
| कर्क | /04/2085 |
| मिथु | /02/2086 |
| वृष | /12/2086 |
| मेष | /10/2087 |
| मीन | /08/2088 |
| कुंभ | /06/2089 |
| मक | /04/2090 |

**धनु 6 वर्ष**

| 17/04/2090 | 17/04/2096 |
|---|---|
| वृश्चि | /10/2090 |
| तुला | /04/2091 |
| कन्या | /10/2091 |
| सिंह | /04/2092 |
| कर्क | /10/2092 |
| मिथु | /04/2093 |
| वृष | /10/2093 |
| मेष | /04/2094 |
| मीन | /10/2094 |
| कुंभ | /04/2095 |
| मक | /10/2095 |
| धनु | /04/2096 |

**वृश्चिक 4 वर्ष**

| 17/04/2096 | 8/04/2100 |
|---|---|
| तुला | /08/2096 |
| कन्या | /12/2096 |
| सिंह | /04/2097 |
| कर्क | /08/2097 |
| मिथु | /12/2097 |
| वृष | /04/2098 |
| मेष | /08/2098 |
| मीन | /12/2098 |
| कुंभ | /04/2099 |
| मक | /08/2099 |
| धनु | /12/2099 |
| वृश्चि | /04/2100 |

**तुला 6 वर्ष**

| 8/04/2100 | 8/04/2106 |
|---|---|
| वृश्चि | /10/2100 |
| धनु | /04/2101 |
| मक | /10/2101 |
| कुंभ | /04/2102 |
| मीन | /10/2102 |
| मेष | /04/2103 |
| वृष | /10/2103 |
| मिथु | /04/2104 |
| कर्क | /10/2104 |
| सिंह | /04/2105 |
| कन्या | /10/2105 |
| तुला | /04/2106 |

**कन्या 6 वर्ष**

| 8/04/2106 | 8/04/2112 |
|---|---|
| तुला | /10/2106 |
| वृश्चि | /04/2107 |
| धनु | /10/2107 |
| मक | /04/2108 |
| कुंभ | /10/2108 |
| मीन | /04/2109 |
| मेष | /10/2109 |
| वृष | /04/2110 |
| मिथु | /10/2110 |
| कर्क | /04/2111 |
| सिंह | /10/2111 |
| कन्या | /04/2112 |

**सिंह 4 वर्ष**

| 8/04/2112 | 8/04/2116 |
|---|---|
| कन्या | /08/2112 |
| तुला | /12/2112 |
| वृश्चि | /04/2113 |
| धनु | /08/2113 |
| मक | /12/2113 |
| कुंभ | /04/2114 |
| मीन | /08/2114 |
| मेष | /12/2114 |
| वृष | /04/2115 |
| मिथु | /08/2115 |
| कर्क | /12/2115 |
| सिंह | /04/2116 |

**नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।**

# चर दशा - प्रत्यन्तर

| कर्क - मिथु | |
|---|---|
| 17/04/2026 | |
| 17/07/2026 | |
| वृष | 254/2026 |
| मेष | 005/2026 |
| मीन | 105/2026 |
| कुंभ | 175/2026 |
| मक | 255/2026 |
| धनु | 026/2026 |
| वृश्चि | 096/2026 |
| तुला | 176/2026 |
| कन्या | 256/2026 |
| सिंह | 027/2026 |
| कर्क | 107/2026 |
| मिथु | 177/2026 |

| कर्क - वृष | |
|---|---|
| 17/07/2026 | |
| 17/10/2026 | |
| मेष | 257/2026 |
| मीन | 028/2026 |
| कुंभ | 098/2026 |
| मक | 178/2026 |
| धनु | 248/2026 |
| वृश्चि | 019/2026 |
| तुला | 099/2026 |
| कन्या | 169/2026 |
| सिंह | 249/2026 |
| कर्क | 010/2026 |
| मिथु | 090/2026 |
| वृष | 170/2026 |

| कर्क - मेष | |
|---|---|
| 17/10/2026 | |
| 16/01/2027 | |
| वृष | 240/2026 |
| मिथु | 011/2026 |
| कर्क | 081/2026 |
| सिंह | 161/2026 |
| कन्या | 241/2026 |
| तुला | 012/2026 |
| वृश्चि | 092/2026 |
| धनु | 172/2026 |
| मक | 242/2026 |
| कुंभ | 001/2027 |
| मीन | 081/2027 |
| मेष | 161/2027 |

| कर्क - मीन | |
|---|---|
| 16/01/2027 | |
| 17/04/2027 | |
| मेष | 241/2027 |
| वृष | 301/2027 |
| मिथु | 082/2027 |
| कर्क | 152/2027 |
| सिंह | 232/2027 |
| कन्या | 033/2027 |
| तुला | 103/2027 |
| वृश्चि | 183/2027 |
| धनु | 253/2027 |
| मक | 024/2027 |
| कुंभ | 104/2027 |
| मीन | 174/2027 |

| कर्क - कुंभ | |
|---|---|
| 17/04/2027 | |
| 8/07/2027 | |
| मीन | 254/2027 |
| मेष | 005/2027 |
| वृष | 105/2027 |
| मिथु | 185/2027 |
| कर्क | 255/2027 |
| सिंह | 026/2027 |
| कन्या | 106/2027 |
| तुला | 176/2027 |
| वृश्चि | 256/2027 |
| धनु | 027/2027 |
| मक | 107/2027 |
| कुंभ | 187/2027 |

| कर्क - मक | |
|---|---|
| 8/07/2027 | |
| 17/10/2027 | |
| धनु | 257/2027 |
| वृश्चि | 028/2027 |
| तुला | 098/2027 |
| कन्या | 178/2027 |
| सिंह | 258/2027 |
| कर्क | 019/2027 |
| मिथु | 099/2027 |
| वृष | 169/2027 |
| मेष | 249/2027 |
| मीन | 020/2027 |
| कुंभ | 090/2027 |
| मक | 170/2027 |

| कर्क - धनु | |
|---|---|
| 17/10/2027 | |
| 86/01/202 | |
| वृश्चि | 250/2027 |
| तुला | 011/2027 |
| कन्या | 091/2027 |
| सिंह | 161/2027 |
| कर्क | 241/2027 |
| मिथु | 022/2027 |
| वृष | 092/2027 |
| मेष | 172/2027 |
| मीन | 242/2027 |
| कुंभ | 011/2028 |
| मक | 091/2028 |
| धनु | 161/2028 |

| कर्क - वृश्चि | |
|---|---|
| 86/01/202 | |
| 87/04/202 | |
| तुला | 241/2028 |
| कन्या | 301/2028 |
| सिंह | 082/2028 |
| कर्क | 162/2028 |
| मिथु | 232/2028 |
| वृष | 023/2028 |
| मेष | 093/2028 |
| मीन | 173/2028 |
| कुंभ | 253/2028 |
| मक | 014/2028 |
| धनु | 094/2028 |
| वृश्चि | 174/2028 |

| कर्क - तुला | |
|---|---|
| 87/04/202 | |
| 87/07/202 | |
| वृश्चि | 244/2028 |
| धनु | 025/2028 |
| मक | 095/2028 |
| कुंभ | 175/2028 |
| मीन | 255/2028 |
| मेष | 016/2028 |
| वृष | 096/2028 |
| मिथु | 166/2028 |
| कर्क | 246/2028 |
| सिंह | 027/2028 |
| कन्या | 097/2028 |
| तुला | 177/2028 |

| कर्क - कन्या | |
|---|---|
| 87/07/202 | |
| 86/10/202 | |
| तुला | 247/2028 |
| वृश्चि | 018/2028 |
| धनु | 098/2028 |
| मक | 168/2028 |
| कुंभ | 248/2028 |
| मीन | 318/2028 |
| मेष | 089/2028 |
| वृष | 169/2028 |
| मिथु | 239/2028 |
| कर्क | 010/2028 |
| सिंह | 090/2028 |
| कन्या | 160/2028 |

| कर्क - सिंह | |
|---|---|
| 86/10/202 | |
| 15/01/2029 | |
| कन्या | 240/2028 |
| तुला | 310/2028 |
| वृश्चि | 081/2028 |
| धनु | 161/2028 |
| मक | 231/2028 |
| कुंभ | 012/2028 |
| मीन | 082/2028 |
| मेष | 162/2028 |
| वृष | 242/2028 |
| मिथु | 312/2028 |
| कर्क | 081/2029 |
| सिंह | 151/2029 |

| कर्क - कर्क | |
|---|---|
| 15/01/2029 | |
| 17/04/2029 | |
| मिथु | 231/2029 |
| वृष | 301/2029 |
| मेष | 072/2029 |
| मीन | 152/2029 |
| कुंभ | 232/2029 |
| मक | 023/2029 |
| धनु | 103/2029 |
| वृश्चि | 173/2029 |
| तुला | 253/2029 |
| कन्या | 024/2029 |
| सिंह | 094/2029 |
| कर्क | 174/2029 |

| मिथु - वृष | |
|---|---|
| 17/04/2029 | |
| 36/01/20 | |
| मेष | 105/2029 |
| मीन | 016/2029 |
| कुंभ | 246/2029 |
| मक | 107/2029 |
| धनु | 098/2029 |
| वृश्चि | 019/2029 |
| तुला | 249/2029 |
| कन्या | 160/2029 |
| सिंह | 081/2029 |
| कर्क | 012/2029 |
| मिथु | 242/2029 |
| वृष | 161/2030 |

| मिथु - मेष | |
|---|---|
| 36/01/20 | |
| 37/10/20 | |
| वृष | 082/2030 |
| मिथु | 023/2030 |
| कर्क | 253/2030 |
| सिंह | 174/2030 |
| कन्या | 105/2030 |
| तुला | 026/2030 |
| वृश्चि | 256/2030 |
| धनु | 177/2030 |
| मक | 098/2030 |
| कुंभ | 019/2030 |
| मीन | 249/2030 |
| मेष | 170/2030 |

| मिथु - मीन | |
|---|---|
| 37/10/20 | |
| 8/07/2031 | |
| मेष | 081/2030 |
| वृष | 012/2030 |
| मिथु | 242/2030 |
| कर्क | 161/2031 |
| सिंह | 082/2031 |
| कन्या | 033/2031 |
| तुला | 253/2031 |
| वृश्चि | 174/2031 |
| धनु | 105/2031 |
| मक | 026/2031 |
| कुंभ | 256/2031 |
| मीन | 187/2031 |

# चर दशा - प्रत्यन्तर

### मिथु - कुंभ
**8/07/2031**
**32/04/20**

| | |
|---|---|
| मीन | /098/2031 |
| मेष | /009/2031 |
| वृष | 209/2031 |
| मिथु | /110/2031 |
| कर्क | /091/2031 |
| सिंह | /012/2031 |
| कन्या | 242/2031 |
| तुला | /161/2032 |
| वृश्चि | /082/2032 |
| धनु | /023/2032 |
| मक | 253/2032 |
| कुंभ | /104/2032 |

### मिथु - मक
**32/04/20**
**35/01/20**

| | |
|---|---|
| धनु | /095/2032 |
| वृश्चि | /016/2032 |
| तुला | 246/2032 |
| कन्या | /107/2032 |
| सिंह | /098/2032 |
| कर्क | 318/2032 |
| मिथु | 239/2032 |
| वृष | /110/2032 |
| मेष | /181/2032 |
| मीन | /012/2032 |
| कुंभ | 242/2032 |
| मक | /151/2033 |

### मिथु - धनु
**35/01/20**
**36/10/20**

| | |
|---|---|
| वृश्चि | /002/2033 |
| तुला | /023/2033 |
| कन्या | 253/2033 |
| सिंह | /104/2033 |
| कर्क | /105/2033 |
| मिथु | /006/2033 |
| वृष | 246/2033 |
| मेष | /107/2033 |
| मीन | /098/2033 |
| कुंभ | /009/2033 |
| मक | 209/2033 |
| धनु | /110/2033 |

### मिथु - वृश्चि
**36/10/20**
**34/07/20**

| | |
|---|---|
| तुला | /181/2033 |
| कन्या | /012/2033 |
| सिंह | 242/2033 |
| कर्क | /161/2034 |
| मिथु | /082/2034 |
| वृष | /023/2034 |
| मेष | 253/2034 |
| मीन | /104/2034 |
| कुंभ | /105/2034 |
| मक | /026/2034 |
| धनु | 256/2034 |
| वृश्चि | /107/2034 |

### मिथु - तुला
**34/07/20**
**35/04/20**

| | |
|---|---|
| वृश्चि | /098/2034 |
| धनु | /009/2034 |
| मक | 209/2034 |
| कुंभ | /110/2034 |
| मीन | /181/2034 |
| मेष | /012/2034 |
| वृष | 242/2034 |
| मिथु | /161/2035 |
| कर्क | /082/2035 |
| सिंह | /083/2035 |
| कन्या | 253/2035 |
| तुला | /104/2035 |

### मिथु - कन्या
**35/04/20**
**36/01/20**

| | |
|---|---|
| तुला | /105/2035 |
| वृश्चि | /026/2035 |
| धनु | 256/2035 |
| मक | /187/2035 |
| कुंभ | /098/2035 |
| मीन | /009/2035 |
| मेष | 209/2035 |
| वृष | /110/2035 |
| मिथु | /091/2035 |
| कर्क | /012/2035 |
| सिंह | 242/2035 |
| कन्या | /161/2036 |

### मिथु - सिंह
**36/01/20**
**36/10/20**

| | |
|---|---|
| कन्या | /082/2036 |
| तुला | /023/2036 |
| वृश्चि | 253/2036 |
| धनु | /104/2036 |
| मक | /095/2036 |
| कुंभ | /016/2036 |
| मीन | 246/2036 |
| मेष | /107/2036 |
| वृष | /098/2036 |
| मिथु | 318/2036 |
| कर्क | 239/2036 |
| सिंह | /110/2036 |

### मिथु - कर्क
**36/10/20**
**37/07/20**

| | |
|---|---|
| मिथु | /181/2036 |
| वृष | /012/2036 |
| मेष | 242/2036 |
| मीन | /151/2037 |
| कुंभ | /002/2037 |
| मक | /023/2037 |
| धनु | 253/2037 |
| वृश्चि | /104/2037 |
| तुला | /105/2037 |
| कन्या | /006/2037 |
| सिंह | 246/2037 |
| कर्क | /107/2037 |

### मिथु - मिथु
**37/07/20**
**38/04/20**

| | |
|---|---|
| वृष | /098/2037 |
| मेष | /009/2037 |
| मीन | 209/2037 |
| कुंभ | /110/2037 |
| मक | /181/2037 |
| धनु | /012/2037 |
| वृश्चि | 242/2037 |
| तुला | /161/2038 |
| कन्या | /082/2038 |
| सिंह | /023/2038 |
| कर्क | 253/2038 |
| मिथु | /104/2038 |

### वृष - मेष
**38/04/20**
**8/03/2039**

| | |
|---|---|
| वृष | /135/2038 |
| मिथु | /126/2038 |
| कर्क | /107/2038 |
| सिंह | /078/2038 |
| कन्या | /049/2038 |
| तुला | /010/2038 |
| वृश्चि | 290/2038 |
| धनु | 261/2038 |
| मक | 242/2038 |
| कुंभ | 201/2039 |
| मीन | /182/2039 |
| मेष | /183/2039 |

### वृष - मीन
**8/03/2039**
**16/02/2040**

| | |
|---|---|
| मेष | /154/2039 |
| वृष | /135/2039 |
| मिथु | /106/2039 |
| कर्क | /007/2039 |
| सिंह | /048/2039 |
| कन्या | /009/2039 |
| तुला | 299/2039 |
| वृश्चि | 270/2039 |
| धनु | 241/2039 |
| मक | 212/2039 |
| कुंभ | /191/2040 |
| मीन | /162/2040 |

### वृष - कुंभ
**16/02/2040**
**15/01/2041**

| | |
|---|---|
| मीन | /153/2040 |
| मेष | /104/2040 |
| वृष | /095/2040 |
| मिथु | /066/2040 |
| कर्क | /047/2040 |
| सिंह | /018/2040 |
| कन्या | 298/2040 |
| तुला | 269/2040 |
| वृश्चि | 240/2040 |
| धनु | 211/2040 |
| मक | /192/2040 |
| कुंभ | /151/2041 |

### वृष - मक
**15/01/2041**
**16/12/2041**

| | |
|---|---|
| धनु | /122/2041 |
| वृश्चि | /123/2041 |
| तुला | /094/2041 |
| कन्या | /005/2041 |
| सिंह | /046/2041 |
| कर्क | /027/2041 |
| मिथु | 307/2041 |
| वृष | 278/2041 |
| मेष | 249/2041 |
| मीन | 210/2041 |
| कुंभ | /181/2041 |
| मक | /162/2041 |

### वृष - धनु
**16/12/2041**
**16/11/2042**

| | |
|---|---|
| वृश्चि | /131/2042 |
| तुला | /102/2042 |
| कन्या | /103/2042 |
| सिंह | /074/2042 |
| कर्क | /055/2042 |
| मिथु | /026/2042 |
| वृष | 306/2042 |
| मेष | 277/2042 |
| मीन | 248/2042 |
| कुंभ | 219/2042 |
| मक | /190/2042 |
| धनु | /161/2042 |

### वृष - वृश्चि
**16/11/2042**
**37/10/204**

| | |
|---|---|
| तुला | /142/2042 |
| कन्या | /101/2043 |
| सिंह | /082/2043 |
| कर्क | /083/2043 |
| मिथु | /054/2043 |
| वृष | /025/2043 |
| मेष | 305/2043 |
| मीन | 276/2043 |
| कुंभ | 257/2043 |
| मक | 228/2043 |
| धनु | /199/2043 |
| वृश्चि | /170/2043 |


**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# शुभाशुभ ज्ञानम्

शुभाशुभज्ञान आपको अपने मित्र एवं शत्रु वर्ग का बोध कराता है। मूलांक, भाग्यांक एवं मित्रांको से मित्रता एवं साझेदारी करने से लाभ तथा सहयोग की प्राप्ति होती है। साथ ही शुभ दिन एवं वर्ष उन्नति कारक तथा शुभ ग्रहों की दशाएं लाभदायक होती हैं। इसी प्रकार मित्रलग्न लाभदायक एवं मित्र राशि से घनिष्ठता होती है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न, द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान का दैनिक जीवन में प्रयोग शुभफलदायक सिद्ध हो सकता है।

| | |
|---|---|
| मूलांक | 8 |
| भाग्यांक | 4 |
| मित्र अंक | ,12, 8, 4 |
| शत्रु अंक | ,37, 9 |
| शुभ वर्ष | ,2365,44,53,62 |
| शुभ दिन | मंगल, सोम, गुरु |
| शुभ ग्रह | मंगल, चन्द्र, गुरु |
| मित्र राशि | कर्क, धनु |
| मित्र लग्न | तुला, मीन, वृष |
| अनुकूल देवता | हनुमान |
| शुभ रत्न | मोती |
| शुभ उपरत्न | चन्द्रमणि |
| भाग्य रत्न | पुखराज |
| शुभ धातु | रजत |
| शुभ रंग | श्वेत |
| शुभ दिशा | पश्चिमोत्तर |
| शुभ समय | संध्या |
| दान पदार्थ | शंख, कपूर, श्वेतचन्दन |
| दान अन्न | चावल |
| दान द्रव्य | दही |

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# रत्न चयन

रत्न जीवन में शुभत्व की वृद्धि के लिए धारण किए जाते हैं। वैज्ञानिक रूप से, रत्न अपने ग्रह की राशियों को पूर्णमात्रा में मानव शरीर में प्रवाहित कर ग्रह प्रभाव की वृद्धि करते हैं। यही कारण है कि रत्न केवल शुभ ग्रहों का ही धारण किया जाता है। ग्रह शुभ माना जाता है यदि यह लग्न, त्रिकोण या केन्द्र में स्थापित हो या स्वामी हो। यह अशुभ होता है यदि यह त्रिक भाव से संबंधित हो। मित्रों की युति या दृष्टि भी इसकी शुभता बढ़ाती है। बाधक भाव का स्वामित्व शुभता कम कर देता है। चर लग्नों में एकादश, स्थिर में नवम व द्विस्वभाव में सप्तम भाव की बाधक संज्ञा है। उपरोक्त तथ्य रत्न चयन हेतु ग्रह की शुभता दर्शाते हैं।

नीचे जन्मकुण्डली में ग्रहों की शुभता को सारणी व ग्राफ में दर्शित किया गया है। साथ ही कौन सा ग्रह किस क्षेत्र में कार्य सिद्ध कर सकता है दिया गया है। विभिन्न दशाओं में विभिन्न रत्नों की शुभता भी नीचे तालिका में दी गई है। जिस ग्रह को 75 प्रतिशत शुभता प्राप्त है उसके रत्न हमें सर्वदा बिना दशा विचार के धारण करने चाहिए। जिन्हें 50-75 प्रतिशत शुभता प्राप्त है उन्हें कार्य क्षेत्र अनुसार व अनुकूल दशा में धारण करना चाहिए। जो रत्न केवल 25-50 प्रतिशत शुभता लिए हैं उनके रत्न केवल उनकी या उनके मित्रों की दशा में धारण करने चाहिए। अन्ततः जिन्हें 25 प्रतिशत से भी कम शुभता प्राप्त है वे ग्रह अपने लिए अशुभ ही समझें और उनके रत्नों को पहनने से बचना चाहिए।

| रत्न | ग्रह | शुभता | क्षेत्र |
|---|---|---|---|
| मूंगा | मंगल | 100 | भाग्योदय, व्यावसायिक उन्नति, सन्तति सुख |
| मोती | चन्द्र | 92 | व्यावसायिक उन्नति, स्वास्थ्य |
| माणिक्य | सूर्य | 80 | व्यावसायिक उन्नति, धन |
| हीरा | शुक्र | 66 | व्यावसायिक उन्नति, धनार्जन, सुख |
| लहसुनिया | केतु | 64 | धन, व्यावसायिक उन्नति |
| पुखराज | गुरु | 52 | कम खर्च, शत्रु व रोग मुक्ति, भाग्योदय |
| गोमेद | राहु | 47 | दुर्घटना, नेष्ट भाग्य |
| पन्ना | बुध | 12 | नेष्ट भाग्य, व्यय, पराक्रम हानि |
| नीलम | शनि | 12 | नेष्ट भाग्य, दाम्पत्य कष्ट, दुर्घटना |

रत्न की शुभता

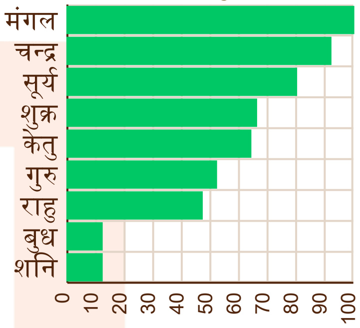


## दशानुसार रत्न विचार

| दशा | समाप्ति | माणिक्य | मोती | मूंगा | पन्ना | पुखराज | हीरा | नीलम | गोमेद | लहसुनिया |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| केतु | 053/2033 | 67 | 80 | 100 | 12 | 52 | 72 | 0% | 22 | 77 |
| शुक्र | 053/2053 | 67 | 80 | 100 | 25 | 52 | 78 | 25 | 55 | 70 |
| सूर्य | 063/2059 | 92 | 98 | 100 | 12 | 58 | 53 | 0% | 22 | 52 |
| चन्द्र | 053/2069 | 86 | 100 | 100 | 25 | 52 | 66 | 12 | 22 | 52 |
| मंगल | 053/2076 | 86 | 98 | 100 | 0% | 58 | 66 | 12 | 22 | 70 |
| राहु | 053/2094 | 67 | 80 | 94 | 12 | 52 | 72 | 25 | 61 | 52 |
| गुरु | 063/2110 | 86 | 98 | 100 | 0% | 64 | 53 | 12 | 47 | 64 |
| शनि | 063/2129 | 67 | 80 | 94 | 25 | 52 | 72 | 38 | 55 | 52 |
| बुध | 063/2146 | 86 | 80 | 100 | 38 | 52 | 72 | 12 | 47 | 64 |

# विस्तृत रत्न विचार

**ओषधिमणिमन्त्राणां ग्रह-नक्षत्रतारकाः।**
**भाग्यकाले भवेत्सिद्धिः अभाग्यं निष्फलं भवेत्॥**

औषधि, मणि एवं मंत्र ग्रह-नक्षत्र जनित रोगों को दूर करते हैं। यदि समय सही हो, तो इनसे उपयुक्त फल प्राप्त होते हैं। विपरीत समय में ये सभी निष्फल हो जाते हैं।

रत्न शरीर की शोभा बढ़ाने के साथ-साथ अपनी चमत्कारिक शक्ति द्वारा ग्रहों के विपरीत प्रभावों को कम करके ग्रह बल को बढ़ाते हैं। रत्न हमारे शरीर में ग्रहों से आ रही किरणों का प्रवाह बढ़ाते हैं। अतः जो ग्रह जातक की कुंडली में शुभ हो लेकिन निर्बल हो, उसका रत्न पहनने से ग्रह की निर्बलता दूर होती है। यही कारण है कि अशुभ ग्रहों के रत्न सर्वदा त्याज्य हैं।

रत्न जितना स्वच्छ और सही कटाव का होगा, उतना ही अधिक रश्मियों को एकत्रित करने में सक्षम होता है। अतः अच्छी गुणवत्ता के रत्न ही पूर्ण फल देने में समर्थ होते हैं। रत्न का वजन, शरीर के वजन और ग्रह की निर्बलता के अनुपात में होना चाहिए। यदि ग्रह बहुत कमजोर है, तो अधिक वजन का रत्न पहनना चाहिए। हीरे को छोड़कर रत्न का शरीर से स्पर्श होना अति आवश्यक है। अंगुली में और विशेष धातु में पहनने से रत्न का प्रभाव अधिकतम होता है।

यदि किसी कारणवश रत्न उतारना पड़े, तो रत्न के वार के दिन ही उसे उतारकर श्रद्धापूर्वक गंगाजल में धोकर सुरक्षित स्थान पर रखना चाहिए। यदि रत्न खो जाए या चोरी हो जाए, तो यह समझना चाहिए कि ग्रह दोष समाप्त हो गया है। यदि रत्न का रंग फीका पड़ जाए, तो यह समझना चाहिए कि ग्रह का अशुभ प्रभाव शांत हो गया है। यदि रत्न में दरार पड़ जाए, तो यह समझना चाहिए कि ग्रह प्रभावशाली है; तब ग्रह की शांति कराएं तथा दूसरा रत्न बनवाकर पुनः धारण करें।

कुंडली में जो ग्रह अशुभ हों, उनके लिए रुद्राक्ष धारण, मंत्र, दान, जल विसर्जन एवं व्रत आदि उपायों से ग्रहों की अशुभता को दूर किया जा सकता है। यदि जातक किसी कारणवश रत्न धारण करने में असमर्थ है, तो वह इन रत्नों के स्थान पर रुद्राक्ष या उपरत्न धारण कर ग्रहों की शुभता प्राप्त कर सकता है, अन्यथा मंत्र जाप करें। दान या व्रत आदि से भी ग्रहों का बलाबल बढ़ाया जा सकता है।

किसी भी कुंडली के लिए लग्नेश 'जीवन रत्न' होता है और इसे धारण करने से जातक को स्वास्थ्य लाभ, व्यक्तित्व विकास व मान-सम्मान प्राप्त होता है। नवमेश का रत्न 'भाग्य रत्न' कहलाता है। इसके धारण करने से भाग्य की बढ़ोत्तरी होती है और यह मान-प्रतिष्ठा भी बढ़ाता है। योगकारक या पंचमेश ग्रह का रत्न 'कारक रत्न' कहलाता है। इसके धारण करने से कार्यों में प्रगति, धन लाभ व चहुंमुखी विकास प्राप्त होता है। जातक को कौन सा रत्न पहनना चाहिए और कौन सा नहीं, इसकी विस्तृत जानकारी नीचे दी जा रही है।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

शुभ रत्न, धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारंभ करने से उसमें इच्छित सफलता प्राप्त होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप करने से मानसिक शांति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ जैसे अन्न, द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से जातक को वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभ ज्ञान सिद्ध हो सकता है।

## आपकी कुण्डली और रत्न

आपके लिए मूंगा, मोती व माणिक्य रत्न धारण करना अति शुभ फलदायक है। यदि आप इन्हें सदैव धारण करेंगे, तो आपके जीवन का चहुंमुखी विकास होगा तथा धन लाभ और व्यावसायिक उन्नति होगी।

मोती आपका जीवन रत्न है। इसे धारण करने से आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, आपके आत्मविश्वास और मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा कार्यक्षेत्र में प्रगति होगी।

मूंगा व माणिक्य आपके कारक रत्न हैं। कारक रत्न धारण करने से व्यावसायिक उन्नति, धन लाभ और सुख-संपत्ति की प्राप्ति होती है। जीवन में नई ऊर्जा का संचार होता है।

अतः आप उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें। इन रत्नों को जीवन पर्यन्त धारण करने से ग्रहों की विशेष शुभता प्राप्त होगी और जीवन सुखमय व प्रगतिशील बनेगा। आप इन्हें बिना किसी दशा या गोचर विचार के धारण कर सकते हैं, क्योंकि ये रत्न आपके लिए अत्यंत शुभ फलदायी हैं।

आपके लिए हीरा, लहसुनिया एवं पुखराज शुभ रत्न हैं, लेकिन ये दशानुसार शुभ या अशुभ फल देने में सक्षम हैं। अतः यदि आप इन्हें स्व-दशा या मित्र दशा में धारण करेंगे, तो ये शुभ फल देंगे। शत्रु दशा में इन्हें धारण न करना ही बेहतर होगा। उस समय इन ग्रहों के उपचार हेतु रुद्राक्ष धारण करना अथवा दान एवं मंत्र जाप करना श्रेष्ठ रहेगा।

गोमेद रत्न आपके लिए अशुभ है, अतः इसे न पहनना ही बेहतर होगा। इसे धारण करने से आपको मानसिक तनाव और स्वास्थ्य हानि हो सकती है। यदि आप इसे धारण करना चाहते हैं, तो इसकी अनुकूलता का परीक्षण अवश्य कर लें। विभिन्न दशाओं में इसकी अनुकूलता की जाँच करते रहें, क्योंकि यह रत्न किसी विशेष दशा या गोचर में आपके लिए कष्टकारी भी हो सकता है।

पन्ना और नीलम रत्न पहनना आपके लिए कष्टकारी सिद्ध हो सकता है, क्योंकि इनके स्वामी ग्रह आपकी कुंडली में बिल्कुल भी शुभ फलदायक नहीं हैं। अतः आपको इन रत्नों का सदैव त्याग करना चाहिए। इन्हें पहनने से आपको सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रतिकूल परिणाम मिल सकते हैं। इससे मान-सम्मान में कमी, धन-धान्य का अभाव तथा उन्नति में बाधा आ सकती है। इन रत्नों का जीवन भर के लिए त्याग करें, क्योंकि ये किसी भी दशा या गोचर में शुभ फलदायी नहीं होंगे।

विभिन्न रत्न आपके लिए किस प्रकार से फलदायी रहेंगे एवं उनकी धारण विधि का विस्तृत विवरण निम्न प्रकार से है :-

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

## मूंगा

आपकी कुंडली में मंगल नवम भाव में स्थित है। मंगल रत्न मूंगा धारण कर आप मंगल ग्रह की शुभता प्राप्त करें। मूंगा रत्न आपकी नेतृत्व शक्ति बढ़ाकर आपको उच्चाधिकारी बनाएगा। मूंगा रत्न से आप स्वाभिमानी बनेंगे। मूंगा रत्न आपको मित्रों में श्रेष्ठ बनाएगा। रत्न की शुभता विदेशी यात्राओं को सफल कर आपको लाभ दिलाएगी। रत्न की शक्तियां आपको आत्मिक रूप से धार्मिक बनाए रखेंगी। यह रत्न आपके पुरुषार्थ भाव को बढ़ाकर आपको साहसपूर्ण कार्य करने की ओर प्रेरित करेगा। मूंगा रत्न धारण करने से भूमि-भवन के कार्य भी पूरे होंगे।

आपकी कर्क लग्न की कुंडली में मंगल पंचम और दशम भाव के स्वामी हैं और साथ ही लग्नेश चंद्रमा के मित्र भी हैं। मंगल योगकारक ग्रह होने के कारण आपके लिए सर्वाधिक शुभ ग्रह है। मंगल का रत्न मूंगा आपके लिए अत्यंत उत्तम है। संतान सुख और शैक्षणिक जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए आपको यह रत्न अवश्य धारण करना चाहिए। मूंगा रत्न आपको संतान प्राप्ति, पिता का सहयोग एवं कार्यक्षेत्र में लाभ दिला सकता है। इस रत्न की शुभता से आपको भूमि, भवन, व्यवसाय और परिश्रम के बल पर मान-सम्मान प्राप्त हो सकता है। मूंगा रत्न आपके गृहस्थ जीवन को भी सुखमय बना सकता है।

मूंगा रत्न अनामिका अंगुली में चांदी धातु में जड़वाकर मंगलवार को प्रातःकाल स्नानादि क्रियाओं से निवृत्त होकर धारण करना चाहिए। इस रत्न को पंचामृत से शुद्ध कर अपने इष्ट देव का पूजन करने के पश्चात धूप-दीप दिखाकर धारण करें। मूंगा रत्न धारण करने के पश्चात मंगल मंत्र 'ॐ अं अंगारकाय नमः' का 1 माला जाप करना चाहिए। इसके पश्चात मंगल ग्रह की वस्तुएं जैसे- गेहूं, गुड़, तांबा, लाल वस्त्र आदि का दान करना चाहिए। मूंगा रत्न कम से कम 6 रत्ती से लेकर अधिकतम 8 रत्ती तक धारण करना शुभ रहता है।

मूंगा रत्न धारण करने के बाद इसके साथ हीरा, गोमेद एवं नीलम रत्न धारण करना अनुकूल नहीं माना गया है। यदि आप इस रत्न को अंगूठी के रूप में धारण न कर पाएं, तो इसे लॉकेट के रूप में या दूसरे हाथ में धारण कर सकते हैं। यह रत्न चांदी के अलावा स्वर्ण धातु में भी धारण किया जा सकता है। मूंगा रत्न धारण न कर पाने की स्थिति में आप इसके उपरत्न लाल हकीक एवं 3 मुखी रुद्राक्ष भी धारण कर सकते हैं।

## मोती

आपकी कुंडली में चन्द्र दशम भाव में स्थित है। आपके लिए चन्द्र रत्न मोती धारण करना शुभ रहेगा। यह रत्न आपको समाज में प्रतिष्ठा दिलाएगा। यह रत्न आपको सफलता तो देगा ही, साथ ही लोगों के बीच आपकी लोकप्रियता भी बढ़ाएगा। मोती रत्न आपकी कार्यकुशलता में निखार लाएगा और जीवन में बड़ी सफलता देगा। रत्न की शुभता से आप दयालु, निर्मल, लोकहितकारी एवं संतोषी व्यक्ति बनेंगे। यह आपको व्यापार और व्यवसाय में सफलता देगा। आपको उच्चाकांक्षी बनाकर उच्च पद प्रदान करेगा।

आपकी कर्क लग्न की कुंडली में चंद्रमा लग्न भाव के स्वामी हैं। लग्नेश चंद्रमा का रत्न मोती धारण कर आप अपने जीवन को दीर्घायु बना सकते हैं। मोती रत्न आपके स्वास्थ्य को अनुकूलता, तेज

Mukesh Kumar Shakya
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

एवं स्फूर्ति प्रदान कर सकता है। मोती रत्न की शुभता से आपको प्रयासों में सफलता और मान-सम्मान मिल सकता है तथा यह आपकी भावुकता में कमी ला सकता है। रत्न की शुभता से आप व्यावहारिक बनेंगे तथा आपका मनोबल उच्च रहेगा। मोती रत्न आपको यशस्वी बनाकर व्यवसाय में सफलता दिला सकता है। इसके साथ ही रत्न की शुभता आपके दांपत्य जीवन को सुखी रख सकती है। आपके स्वभाव की अस्थिरता को नियंत्रित करने में भी मोती रत्न अहम भूमिका निभा सकता है।

मोती रत्न चांदी की अंगूठी में जड़वाकर कनिष्ठिका अंगुली में सोमवार को प्रातःकाल धारण करना शुभ है। प्रातःकाल की सभी क्रियाओं के बाद इस रत्न जड़ित अंगूठी को पंचामृत से स्नान कराकर शुद्ध कर लें। तत्पश्चात इसकी धूप, दीप और पुष्प से पूजा करने के बाद इसे धारण करना चाहिए। रत्न धारण करने के पश्चात चंद्र मंत्र 'ॐ सों सोमाय नमः' का एक माला जाप रुद्राक्ष की माला पर करना चाहिए। तदोपरांत चंद्र वस्तुओं जैसे- चावल, चीनी, चांदी, श्वेत वस्त्र आदि का दान करना चाहिए। मोती रत्न कम से कम 4 रत्ती से 10 रत्ती का धारण करना शुभ फलदायी होता है।

मोती रत्न के साथ नीलम या गोमेद रत्न धारण करने से बचना चाहिए। मोती रत्न को अंगूठी के अलावा लॉकेट, माला, ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण कर सकते हैं। विशेष आवश्यकता होने पर आप मोती रत्न के उपरत्न जैसे- सफेद मूनस्टोन, सफेद हकीक एवं 2 मुखी रुद्राक्ष आदि भी धारण कर सकते हैं।

## माणिक्य

आपकी कुंडली में सूर्य दशम भाव में स्थित है। आपको सूर्य रत्न माणिक्य धारण करना चाहिए। माणिक्य रत्न आपको बुद्धिमान, विद्वान और प्रसिद्ध बनाएगा। इसकी शुभता से आप आत्मविश्वास से भरे हुए आर्थिक रूप से सुदृढ़ व्यक्ति होंगे। रत्न की शक्तियां आपको कार्यक्षेत्र में आधिकारिक अधिकार प्राप्त करने में सहयोग करेंगी। आपको सरकारी क्षेत्र में नौकरी प्राप्त हो सकती है। आजीविका के क्षेत्र में भी आपको उच्चाधिकारियों का सुख-सहयोग सहजता से प्राप्त होगा। यह रत्न आपको कार्यक्षेत्र में बड़ी सफलता दिला सकता है। रत्न की शुभता से नेतृत्व करने की अद्भुत योग्यता सामने आएगी।

आपकी कर्क लग्न की कुंडली में सूर्य द्वितीय भाव के स्वामी हैं। सूर्य लग्नेश चंद्र का मित्र है। सूर्य रत्न माणिक्य धारण कर आप सूर्य की शुभता प्राप्त कर सकते हैं। सूर्य रत्न की शुभता से आपको धन, कुटुंब एवं मान-सम्मान प्राप्त हो सकता है। माणिक्य के प्रभाव से आयु व दैनिक जीवन में सुख-शांति प्राप्त की जा सकती है। यह रत्न बातचीत में राजसी प्रभाव और वाणी में आत्मविश्वास दे सकता है। साथ ही, यह रत्न आपको बैंक, राजस्व, अकाउंट, सात्विक भोजन और कीमती धातुओं जैसे विषयों में शुभता दे सकता है। माणिक्य रत्न धारण करने पर आप छोटे भाई-बहनों की विदेश यात्रा, कर्ज चुकाने, जेल, सजा से मुक्ति, माता को होने वाले लाभ, मामा की यात्राओं, उच्च शिक्षा और ऋणों से निपटने जैसे मामलों में शुभता प्राप्त कर सकते हैं।

यह रत्न अनामिका अंगुली में स्वर्ण धातु में जड़वाकर रविवार को प्रातःकाल स्नानादि से निवृत्त होकर धारण करना चाहिए। पंचामृत से रत्न को शुद्ध करने के पश्चात धूप-दीप दिखाकर इसे धारण करें। धारण करने के पश्चात सूर्य मंत्र 'ॐ घृणि सूर्याय नमः' का कम से कम 1 माला जाप करना

चाहिए। तदुपरांत सूर्य से संबंधित वस्तुएं जैसे- गेहूं, गुड़, चंदन, लाल वस्त्र आदि का दान करना चाहिए। माणिक्य रत्न कम से कम 4 रत्ती से लेकर 8 रत्ती तक धारण करना लाभकारी रहता है।

माणिक्य रत्न के साथ नीलम या गोमेद रत्न धारण करने से बचना चाहिए। अत्यंत आवश्यकता होने पर इन्हें आप लॉकेट के रूप में या दूसरे हाथ में धारण कर सकते हैं। आवश्यकता पड़ने पर यह रत्न चांदी धातु में भी धारण किया जा सकता है। यदि आप माणिक्य रत्न पहनने में असमर्थ हैं, तो आप इसके स्थान पर लाल तुरमली, गुलाबी हकीक, गारनेट एवं एक मुखी रुद्राक्ष भी धारण कर सकते हैं।

## हीरा

आपकी कुंडली में शुक्र दशम भाव में स्थित है। शुक्र रत्न हीरा धारण करना आपके लिए शुभदायक सिद्ध होगा। यह रत्न आपके स्वभाव को शांत और मिलनसार बनाएगा। यह आपको विवादों से दूर रखेगा। इसकी शुभता से आपका नैतिक आचरण अच्छा रहेगा। आप धार्मिक और श्रद्धालु स्वभाव की होंगी। हीरे रत्न की शक्तियां आपकी दान-पुण्य में रुचि बनाए रखेंगी। हीरे के शुभ प्रभाव से आप अच्छी वक्ता होंगी। धन-दौलत की आपको कोई कमी नहीं होगी। पद-प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। गायन, वादन, साहित्य रचना, चित्रकारी जैसी ललित कलाओं में आपकी अच्छी रुचि जागृत होगी।

आपकी कर्क लग्न की कुंडली में शुक्र चतुर्थेश एवं आयेश है। शुक्र ग्रह की शुभता प्राप्त करने के लिए आप हीरा रत्न धारण कर सकते हैं। हीरे की शुभता से आपको घर, जमीन-जायदाद, वाहन, प्रतिष्ठा और माता के सुख प्राप्त हो सकते हैं। शुक्र रत्न हीरा आपके दांपत्य जीवन को सौहार्दपूर्ण बनाए रखने में सहयोग कर सकता है। आय, उन्नति, सफलता के अतिरिक्त यह रत्न आपको बड़ी उम्र के दोस्त, सभी प्रकार के लाभ, इच्छापूर्ति की संभावना, दया, सलाहकार, अनुयायी और उत्तम शुभचिंतक दे सकता है।

हीरा रत्न स्वर्ण की अंगूठी में जड़वाकर शुक्रवार के दिन सूर्योदय के पश्चात स्नानादि क्रियाओं से शुद्ध होकर धारण करें। रत्न जड़ित अंगूठी को दूध, जल, शक्कर, दही और शहद से बने पंचामृत में डुबोकर शुद्ध कर लें। फिर इसे अपने देव स्थान पर रखकर शुक्रदेव और रत्न को धूप, दीप एवं पुष्प दिखाकर अनामिका अंगुली में धारण करें। हीरा धारण करते समय शुक्र मंत्र 'ॐ शुं शुक्राय नमः' का 108 बार जाप करना चाहिए। मंत्र जाप के बाद शुक्र ग्रह की वस्तुएं जैसे- चावल, चांदी, घी, श्वेत वस्त्र आदि का दान करें। हीरा 1 रत्ती से अधिक वजन का धारण करना चाहिए; यह छोटे टुकड़ों में भी पहना जा सकता है।

हीरा रत्न के साथ माणिक्य, मूंगा एवं पुखराज रत्न धारण करना सर्वदा वर्जित है। अंगूठी के रूप में रत्न धारण न कर पाने की स्थिति में इसे लॉकेट, माला, ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण कर सकते हैं। हीरा रत्न के स्थान पर इसके उपरत्न ओपल, जरकन, स्फटिक एवं 6 मुखी रुद्राक्ष धारण किया जा सकता है।

## लहसुनिया

आपकी कुंडली में केतु दूसरे भाव में स्थित है। दूसरे भाव की शुभता प्राप्ति के लिए आपको

केतु रत्न लहसुनिया धारण करना चाहिए। लहसुनिया रत्न आपको सरकारी क्षेत्रों के दंड से बचाव करेगा। वाणी में दार्शनिकता का भाव लाएगा। यह रत्न आपके रोगों में कमी करेगा। पारिवारिक संबंधों में मधुरता लाने में भी लहसुनिया रत्न शुभ फल प्रदान करेगा। धन बढ़ाएगा। पारिवारिक सुखों को बढ़ाएगा। केतु रत्न लहसुनिया आपके लिए शुभत्व प्रदायक रत्न है।

केतु सिंह राशि में स्थित है व इसका स्वामी सूर्य दशम भाव में स्थित है। अतः लहसुनिया रत्न धारण कर आप आजीविका क्षेत्र में चातुर्य से उन्नति प्राप्त करेंगे। यह रत्न आपको कर्मक्षेत्र में उच्च पद, सम्मान एवं अधिकार शक्ति देगा तथा रत्न पहन कर आप व्यवहार कुशल होंगे। रत्न शुभता से आप धनवान, बुद्धिमान और पितृ-सुखयुक्त होंगे। यह रत्न आपको आजीविका क्षेत्र में व्यर्थ विवादों में सम्मिलित होने से बचाएगा। इस रत्न को धारण करने से आपको अधीनस्थों का सुख-सहयोग प्राप्त होगा तथा यह रत्न आपके कार्यभार में कमी करेगा। आपके कार्यों में नियमितता आएगी। न्याय और परिश्रम कुशलता में वृद्धि होगी। आपको उत्तम व्यक्तियों के संपर्क में रहने के अवसर प्राप्त होंगे।

लहसुनिया रत्न को चांदी की धातु में जड़वाकर गुरुवार के दिन सूर्यास्त काल में धारण किया जा सकता है। लहसुनिया रत्न जड़ित अंगूठी को पंचामृत से स्नान कराकर, धूप, दीप और फूलों से पूजन करने के बाद अनामिका अंगुली में धारण करें। रत्न धारण करने के पश्चात केतु रत्न मंत्र 'ॐ कें केतवे नमः' का 1 माला जाप करें। मंत्र जाप के बाद केतु ग्रह की वस्तुओं का दान किसी योग्य व्यक्ति को करना शुभ रहता है। केतु की वस्तुएं इस प्रकार हैं- सप्तधान्य, नारियल और धूम्र वस्त्र। लहसुनिया रत्न का वजन कम से कम 4 रत्ती और अधिकतम 8-10 रत्ती होना चाहिए। अंगूठी के रूप में रत्न धारण करने में किसी प्रकार की असमर्थता होने पर इसे लॉकेट, माला, ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण किया जा सकता है।

लहसुनिया रत्न धारण करते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि इस रत्न के साथ माणिक्य एवं गोमेद रत्न धारण करना प्रतिकूल फल प्रदान कर सकता है।

## पुखराज

आपकी कुंडली में गुरु बारहवें भाव में स्थित है। गुरु ग्रह का पुखराज रत्न आपके लिए शुभ रत्न रहेगा। पुखराज रत्न धारण कर आप धार्मिक आचरण करेंगे। यह आपको परोपकारी प्रवृत्ति प्रदान करेगा। रत्न की शुभता से आप अप्रिय भाषण और व्यर्थ विषयों पर व्यय करने से बचेंगे। पुखराज की शुभता आपको चिकित्सक, लोकसेवक, संपादक, वेदज्ञानी या धर्मगुरु बना सकती है। इसके अतिरिक्त यह रत्न आपको जीवन काल में धन, संपत्ति, स्वर्ण और वस्त्र आदि पर्याप्त मात्रा में देगा। साथ ही दूर प्रदेशों के प्रवास से आपको लाभ और कीर्ति की प्राप्ति होगी।

आपकी कर्क लग्न की कुंडली में गुरु षष्ठ भाव एवं नवम भाव के स्वामी हैं। गुरु लग्नेश चंद्र के मित्र एवं त्रिकोण भाव के स्वामी होने के कारण आपके लिए शुभ ग्रह होते हैं। अतः गुरु रत्न पुखराज धारण करना आपके लिए शुभ फलदायक सिद्ध हो सकता है। पुखराज रत्न धारण कर आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली बन सकता है। आप विद्या, बुद्धि व संतान से युक्त हो सकते हैं। आपके कार्यों में जो बाधाएं आती हैं वह रत्न की शुभता से दूर हो सकती हैं। छठे भाव का रत्न होने के कारण यह रत्न रोग, शत्रु तथा ऋणों पर नियंत्रण बनाए रखने में लाभकारी सिद्ध हो सकता है। शत्रुओं पर विजय, भाग्य

व धर्म को प्रबलता मिल सकती है।

इस रत्न को स्वर्ण धातु में जड़वाकर गुरुवार के दिन प्रातःकाल शुद्ध होने के बाद, धूप-दीप दिखाकर तर्जनी अंगुली में धारण करना चाहिए। पुखराज रत्न धारण करने के बाद 'ॐ बृं बृहस्पतये नमः' का एक माला जाप 5 मुखी रुद्राक्ष की माला पर करना चाहिए। जाप पूर्ण करने के बाद किसी जरूरतमंद को गुरु ग्रह से संबंधित पदार्थों का दान अपने सामर्थ्य के अनुसार करना चाहिए। गुरु ग्रह की वस्तुएं इस प्रकार हैं- चने की दाल, हल्दी और पीले वस्त्र। यह रत्न कम से कम 4 रत्ती से लेकर 8 रत्ती तक धारण किया जा सकता है।

पुखराज रत्न के साथ हीरा और गोमेद रत्न धारण करना अनुकूल नहीं रहता है। विशेष आवश्यकता होने पर आप इस रत्न को लॉकिट, माला, ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण कर सकते हैं। किसी कारणवश यदि पुखराज रत्न आप धारण न कर पाएं, तो आप इसके उपरत्न सुनहला, पीला हकीक, पीताम्बरी रत्न एवं 5 मुखी रुद्राक्ष धारण करें।

## गोमेद

आपकी कुंडली में राहु आठवें भाव में स्थित है। यह ग्रह आपकी कुंडली में पूर्ण शुभ फल देने में असमर्थ है, अतः गोमेद धारण करने पर आपको अपने जन्म स्थान पर रहने के अवसर कम मिल सकते हैं। यह रत्न आपको स्वभाव से जल्दबाज और वाचाल बना सकता है। आपकी भागीदारी ऐसे कार्यों में भी हो सकती है जो धार्मिक या सामाजिक न हों। बातचीत में आप भाषाई मर्यादा का उल्लंघन कर सकते हैं। गोमेद के कारण वृद्धावस्था में आपको सुख की कमी का सामना करना पड़ सकता है और धन हानि के योग भी बन सकते हैं। आपका अधिकांश समय विदेश में व्यतीत हो सकता है।

राहु कुम्भ राशि में स्थित है व इसका स्वामी शनि नवम भाव में स्थित है। अतः गोमेद रत्न धारण करने से आपमें सदाचार भाव कम होगा। आप धर्म एवं संस्कृति के विरोधी होंगे। सुसंस्कृत और ईश्वरवादिता के विरुद्ध आपकी विचारधारा हो सकती है। जीवन में भाग्य और धर्म का सहयोग आपको नहीं मिल पाएगा। यह रत्न धारण करना आपको कर्म भाव से हटा सकता है। आप अपनी सफलता के लिए भाग्य पर आश्रित हो सकते हैं। यह रत्न आपमें अव्यावहारिक प्रवृत्ति का विकास करेगा। आप जीवन में एक समय में अपने धर्म से अधिक दूसरे धर्म में निष्ठा दिखा सकते हैं। इसके कारण आपको समाज में सम्मान की हानि का सामना करना पड़ सकता है।

## पन्ना

आपकी कुंडली में बुध नवम भाव में स्थित है। यह ग्रह आपकी कुंडली में अपने सभी शुभ फल देने में असमर्थ है। अतः बुध रत्न पन्ना धारण करने पर आपको अपने ज्ञान और बुद्धि पर घमंड करने से बचना होगा। यह रत्न आपको ज्ञान, धन और यश का अहंकार दे सकता है। पन्ना रत्न आपकी बुद्धि और तीर्थ यात्राओं के फल में कमी कर सकता है। रत्न के प्रभाव से आपमें वक्ता, संगीतज्ञ, संपादक, लेखक या ज्योतिषी बनने के गुणों में कमी आ सकती है। बुध रत्न पन्ना के प्रभाव से आप धर्म और यज्ञ के विपरीत जाकर कोई काम कर सकते हैं। विभिन्न प्रकार के सुखों में कमी हो सकती है। पन्ना रत्न आपके अपने पिता से संबंध खराब कर सकता है। सज्जनों की संगति के अवसर आपको कम

मिल सकते हैं।

आपकी कर्क लग्न की कुंडली में बुध तीसरे भाव एवं द्वादश भाव के स्वामी हैं। बुध रत्न पन्ना धारण करने पर आपको बंधु-बांधवों का सुख कम प्राप्त हो सकता है। पराक्रम भाव के पक्ष से भी यह रत्न आपके लिए अनुकूल फलदायक नहीं रहेगा। भाई-बहनों से संबंधों की मधुरता में कमी हो सकती है। बौद्धिक बल से धनार्जन करने में पन्ना रत्न आपको सहयोग नहीं करेगा। व्यावसायिक यात्राओं में असफलता का सामना आपको करना पड़ सकता है। पन्ना रत्न आपके भाग्योदय में बाधक का कार्य कर सकता है। रत्न के प्रभाव से आपके व्यय व्यर्थ हो सकते हैं। व्ययों को नियंत्रित रखने में आपको कष्ट हो सकता है। विद्या और बौद्धिक विषयों में आपके साथ परेशानियां बनी रहेंगी।

## नीलम

आपकी कुंडली में शनि नवम भाव में स्थित है। यह ग्रह आपकी कुंडली में अपने सभी शुभ फल देने में असमर्थ है। अतः शनि का नीलम धारण करने पर आपका मन धर्म के क्षेत्र में नहीं लग पाएगा। शनि रत्न आपकी विचारशक्ति को आंशिक रूप से अस्थिर कर सकता है। दूसरों के प्रति आपका व्यवहार रूखा हो सकता है। नीलम रत्न को धारण करने के बाद आप कठोर निर्णय लेने में संकोच नहीं करेंगी। आपको दूसरों के तिरस्कार का सामना करना पड़ सकता है। यह रत्न आपको अवनति के मार्ग पर भी ले जा सकता है। शिक्षक, वकालत और न्याय के क्षेत्रों में आपका आजीविका के रूप में कार्य करना अनुकूल नहीं होगा। यदि आप इन क्षेत्रों में कार्य करती हैं, तो आपको मानसिक कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। रत्न का प्रभाव आपको कंजूस, स्वार्थी, ढोंगी और क्षुद्र बुद्धि बना सकता है।

आपकी कर्क लग्न की कुंडली में शनि सप्तमेश एवं अष्टमेश है। शनि का रत्न नीलम धारण करना आपके लिए सुखद व फलदायक नहीं रहेगा। नीलम रत्न आपके भाग्योदय में रुकावट ला सकता है। रत्न के प्रभाव से संतान, पत्नी व माता के कष्ट बढ़ सकते हैं। यह रत्न आपको मूत्र से संबंधित रोग दे सकता है। शत्रु आपको शारीरिक कष्ट दे सकते हैं। रत्न के प्रभाव से आपका मन चंचल रहेगा और मित्रों से मित्रता बनती-बिगड़ती रहेगी। यह रत्न आपकी आयु में कमी का कारण बन सकता है। आपकी पत्नी का स्वास्थ्य कमजोर होगा और गुप्त रोग भी रत्न के प्रभाव से सक्रिय हो सकते हैं। यह रत्न आपकी शारीरिक अस्वस्थता को बढ़ाएगा और आपके लिए कलह एवं अपयश की स्थिति उत्पन्न कर सकता है।

## दशानुसार रत्न विचार

## केतु

**(17/04/2026 - 05/03/2033)**

केतु की दशा में आपका मूंगा, मोती व लहसुनिया रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

हीरा, माणिक्य व पुखराज रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

गोमेद, पन्ना व नीलम रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है

क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

## शुक्र

**(05/03/2033 - 05/03/2053)**

शुक्र की दशा में आपका मूंगा, मोती व हीरा रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

लहसुनिया, माणिक्य, गोमेद व पुखराज रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

पन्ना व नीलम रत्न नेष्ट हैं नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

## सूर्य

**(05/03/2053 - 06/03/2059)**

सूर्य की दशा में आपका मूंगा, मोती व माणिक्य रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

पुखराज, हीरा व लहसुनिया रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

गोमेद, पन्ना व नीलम रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

## चन्द्र

**(06/03/2059 - 05/03/2069)**

चन्द्र की दशा में आपका मोती, मूंगा व माणिक्य रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

हीरा, पुखराज व लहसुनिया रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

पन्ना रत्न नेष्ट हैं औरगोमेद व नीलम रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

## मंगल

**(05/03/2069 - 05/03/2076)**

मंगल की दशा में आपका मूंगा, मोती व माणिक्य रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

लहसुनिया, हीरा व पुखराज रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

गोमेद, नीलम व पन्ना रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

## राहु

**(05/03/2076 - 05/03/2094)**

राहु की दशा में आपका मूंगा व मोती रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

हीरा, माणिक्य, गोमेद, पुखराज व लहसुनिया रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

नीलम रत्न नेष्ट हैं औरपन्ना रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

## गुरु

**(05/03/2094 - 06/03/2110)**

गुरु की दशा में आपका मूंगा, मोती व माणिक्य रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

पुखराज, लहसुनिया व हीरा रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

गोमेद रत्न नेष्ट हैं औरनीलम व पन्ना रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

## शनि

**(06/03/2110 - 06/03/2129)**

शनि की दशा में आपका मूंगा व मोती रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

हीरा, माणिक्य, गोमेद, पुखराज व लहसुनिया रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त

करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

नीलम व पन्ना रत्न नेष्ट हैं नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

## बुध

**(06/03/2129 - 06/03/2146)**

बुध की दशा में आपका मूंगा, माणिक्य व मोती रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

हीरा, लहसुनिया व पुखराज रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

गोमेद व पन्ना रत्न नेष्ट हैं औरनीलम रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

# दशा ग्राफ

केतु - 05/2033

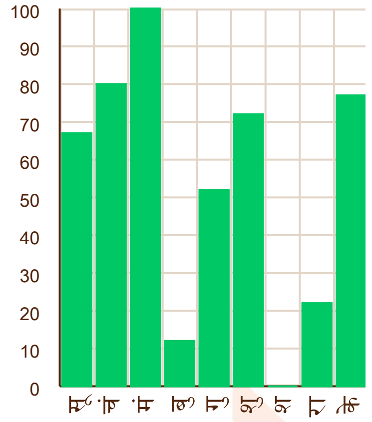

शुक्र - 05/2053

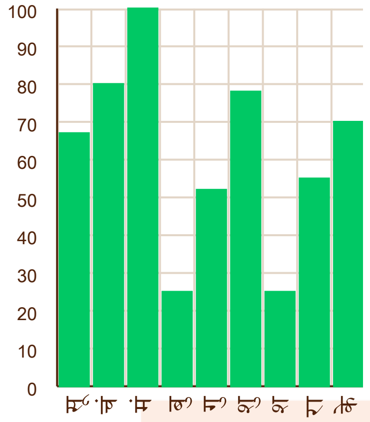

सूर्य - 06/2059

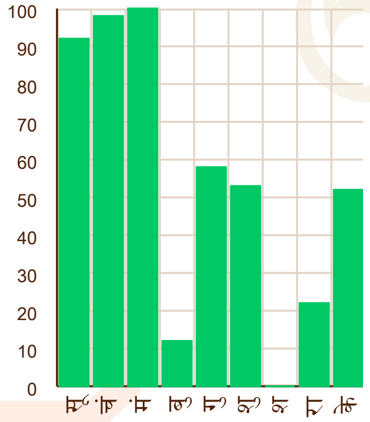

चन्द्र - 05/2069

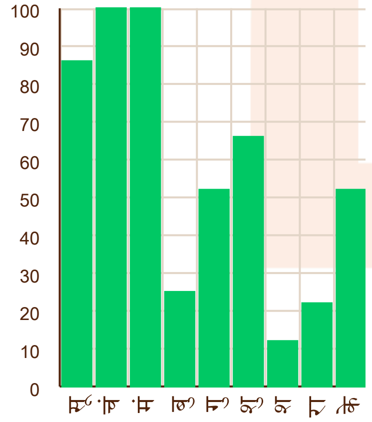

मंगल - 05/2076

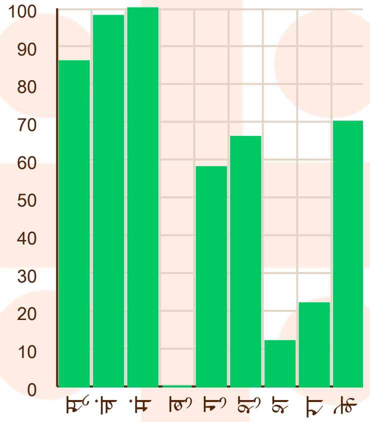

राहु - 05/2094

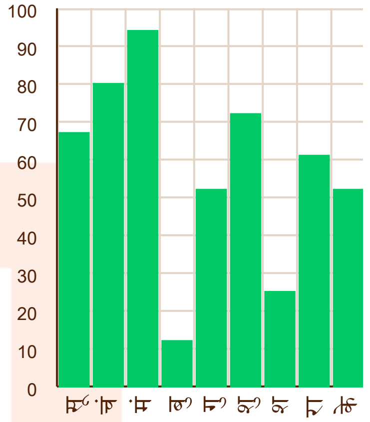

गुरु - 06/2010

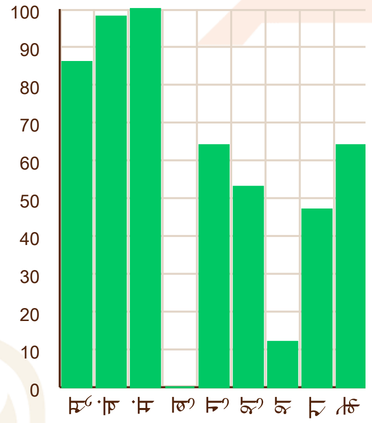

शनि - 06/2029

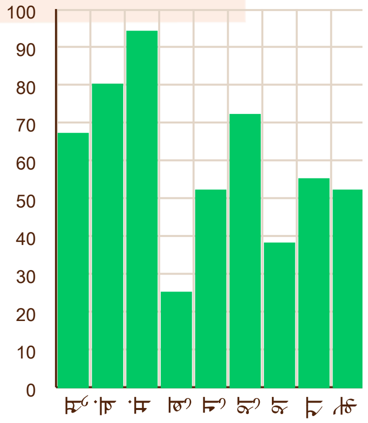

बुध - 06/2046

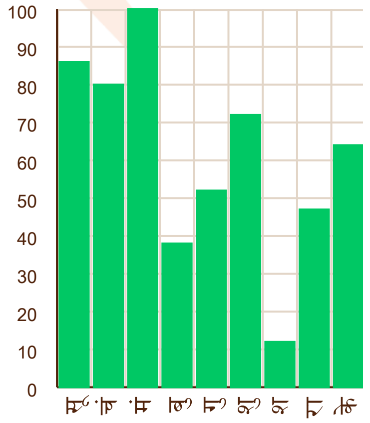

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# शुभ रत्न

आपका शुभ रत्न - मोती

आपका जन्म कर्क राशि के लग्न में हुआ है। इसका स्वामी चंद्रमा होता है। चंद्रमा सबसे अधिक महत्वपूर्ण ग्रह है क्योंकि यह पृथ्वी के सबसे अधिक नजदीक है। किसी भी जातक के लिए लग्न सबसे अधिक महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि इससे जातक की आयु, मान-सम्मान, प्रतिष्ठा, सुख, समृद्धि, स्वभाव, भौतिक संरचना तथा सुख का ज्ञान होता है। यदि किसी व्यक्ति का लग्न बलवान हो तो उस जातक को जीवन में सभी सुखों की प्राप्ति होते हुए अच्छी पद-प्रतिष्ठा एवं मान-सम्मान की प्राप्ति होती है।

अतः कर्क राशि के लग्न वाले जातकों को कर्क राशि के स्वामी ग्रह चंद्रमा को बलवान बनाना, पूजा, अनुष्ठान, मंत्र पूजा आदि करना श्रेष्ठ माना जाता है। चंद्र ग्रह के लिए मोती रत्न धारण किया जाता है। इस रत्न को यदि अंगूठी में धारण किया जाये तो जातक को उपर्युक्त सभी लाभ मिलेंगे अर्थात् जातक सुखी, प्रसन्नचित्त, स्वस्थ जीवन व्यतीत करते हुए आनंदपूर्ण जीवन व्यतीत करता है। वैसे भी चंद्र मंत्री पद व जनता का प्रतिनिधि ग्रह है जिससे जातक को राज-सम्मान की प्राप्ति तथा अपने वरिष्ठ व उच्च पदाधिकारी का सहयोग व उनसे सम्मान प्राप्त होता है।

इस रत्न को धारण करने से जातक को माता का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है। चंद्रमा ग्रह मन एवं माता का प्रतिनिधि ग्रह है। जिस किसी को मानसिक रोग या ठंड से संबंधित रोग हों, उसे भी इस रत्न को धारण करने से लाभ प्राप्त होता है तथा यह डिप्रेशन की स्थिति में उससे मुक्ति दिलाता है।

मोती रत्न को अंगूठी बनाकर सीधे हाथ की कनिष्ठिका उंगली में धारण किया जाता है। क्योंकि कनिष्ठिका उंगली हस्तरेखा शास्त्र में बुध की उंगली मानी जाती है तथा चंद्र ग्रह बुध को अपना मित्र ग्रह मानता है। मोती रत्न चंद्र का रत्न है, अतः इसे इसके वार स्वामी अर्थात सोमवार को ही धारण किया जाता है। इसको धारण करने का उपयुक्त समय प्रातःकाल चंद्र की होरा में श्रेष्ठ होता है। सोमवार के दिन सूर्योदय काल से एक घंटे तक का समय चंद्र की होरा का होता है। मोती को यदि सोमवार के साथ-साथ चंद्र के नक्षत्रों अर्थात रोहिणी, हस्त और श्रवण में धारण किया जाए तो वह और भी उत्तम होता है।

मोती को धारण करने से पूर्व इसे गंगाजल एवं पंचामृत से शुद्ध करके, लकड़ी के एक पटरे पर सफेद रंग के कपड़े पर रखकर इसके सम्मुख धूप, दीप, अगरबत्ती जलाकर, चंद्र के 108 मंत्रों का जाप करके इसे ऊर्जावान बनाकर माथे से लगाकर सीधे हाथ की कनिष्ठिका उंगली में धारण करना चाहिए।

चंद्र का मंत्र - ॐ सों सोमाय नमः

इसको धारण करने के पश्चात यदि चंद्र से संबंधित पदार्थ जैसे चावल, चीनी, दही, सवा मीटर


**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

सफेद कपड़े का दान करें तो मोती रत्न की अंगूठी धारण करना और भी अधिक फलदायी होता है। इसके अतिरिक्त अंगूठी धारण करने के पश्चात भी प्रतिदिन चंद्र का 108 बार स्नानादि के पश्चात मंत्र पाठ करें या शिवलिंग पर जल चढ़ाएं और शिव आराधना करें तो यह मोती रत्न की अंगूठी आपको लगातार शुभ फल देती रहेगी। प्रत्येक सोमवार को शिव चालीसा का पाठ भी इसमें अधिक शुभकारी साबित होता है।

कर्क लग्न वाले जातक यदि मोती रत्न की अंगूठी विधि-विधान के साथ धारण करते हैं एवं मंत्र जाप द्वारा सिद्ध करते रहते हैं, तो वे आजीवन स्वस्थ जीवन का आनंद उठाते हुए पूर्ण मान-सम्मान तथा प्रतिष्ठा युक्त जीवन प्राप्त करते हैं।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# रुद्राक्ष

रुद्राक्ष को भगवान शिव का अश्रु माना जाता है। रुद्राक्ष शब्द दो शब्दों के मेल से बना है - प्रथम 'रुद्र' जिसका अर्थ है भगवान शिव और द्वितीय 'अक्ष' जिसका अर्थ है आंसू। मान्यता है कि रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के आंसुओं से हुई है। रुद्राक्ष भगवान शिव के नेत्रों से प्रकट हुई वे मोती स्वरूप बूंदें हैं, जिन्हें ग्रहण करने से समस्त प्रकृति में अलौकिक शक्ति प्रवाहित हुई तथा मानव हृदय में पहुंचकर उसे जागृत करने में सहायक सिद्ध हुई।

भारतीय ज्योतिष में रुद्राक्ष की अत्यधिक उपयोगिता है। ग्रहों के दुष्प्रभाव को दूर करने के लिए रुद्राक्ष का विशेष रूप से प्रयोग किया जाता है, जो अपने आप में एक अचूक उपाय है। गंभीर रोगों में यदि जन्मकुंडली के अनुसार सही रुद्राक्ष का उपयोग किया जाए, तो आश्चर्यजनक परिणाम देखने को मिलते हैं। रुद्राक्ष की शक्ति और सामर्थ्य उसकी धारीदार मुखों पर निर्भर करती है। रुद्राक्ष सिद्धिदायक, पापनाशक, पुण्यवर्धक, रोगनाशक तथा मोक्ष प्रदान करने वाला है।

मुख्य रूप से एक मुखी से लेकर चौदह मुखी तक रुद्राक्ष पाए जाते हैं। इनकी अलौकिक शक्ति और क्षमता प्रत्येक मुख के अनुसार अलग-अलग होती है। रुद्राक्ष धारण करने से न केवल ग्रहों के अनुकूल फल प्राप्त होते हैं, बल्कि व्यक्ति शारीरिक रूप से भी स्वस्थ रहता है। रुद्राक्ष का स्पर्श, दर्शन, उस पर जप करना या उसकी माला धारण करना समस्त पापों और विघ्नों का नाश करता है - यह भगवान महादेव का वरदान है। हालांकि, इसे धारण करने की विधि उचित और मन की भावना शुद्ध होनी चाहिए।

रुद्राक्ष के दाने पर उभरी हुई धारियों के आधार पर उसके मुख निर्धारित किए जाते हैं। रुद्राक्ष के मध्य में एक सिरे से दूसरे सिरे तक जाने वाली रेखा को 'मुख' कहा जाता है। सामान्यतः रुद्राक्ष में ये रेखाएं 1 से 14 मुखी तक होती हैं, किंतु कभी-कभी 15 से 21 मुखी तक के रुद्राक्ष भी पाए जाते हैं। आधी या टूटी हुई रेखा को मुख नहीं माना जाता है। जितनी रेखाएं पूर्ण और स्पष्ट होती हैं, रुद्राक्ष उतने ही मुखी कहलाता है।

पुराणों में प्रत्येक रुद्राक्ष के अलग-अलग महत्व और उसकी उपयोगिता का सविस्तार उल्लेख किया गया है:

एक मुखी (सूर्य ग्रह): यह उत्तम स्वास्थ्य, सफलता, मान-सम्मान, आत्मविश्वास, आध्यात्मिक उन्नति और प्रसन्नता प्रदान करता है। इससे अचानक धन लाभ, रोगमुक्ति तथा व्यक्तित्व में निखार आता है और शत्रुओं पर विजय प्राप्त होती है।

दो मुखी (चंद्र ग्रह): यह वैवाहिक सुख, मानसिक शांति, सौभाग्य वृद्धि, एकाग्रता, आध्यात्मिक उन्नति और पारिवारिक सौहार्द प्रदान करता है। यह व्यापार में सफलता दिलाने में सहायक है और विशेष रूप से महिलाओं के लिए इसे अत्यंत उपयुक्त माना गया है।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

तीन मुखी (मंगल ग्रह): यह शत्रुओं का शमन करने तथा रक्त संबंधी विकारों को दूर करने में विशेष रूप से सहायक होता है।

चार मुखी (बुध ग्रह): यह शिक्षा, ज्ञान, बुद्धि, विवेक और कार्यक्षमता (जीवनी शक्ति) में वृद्धि प्रदान करता है।

पांच मुखी (गुरु ग्रह): शारीरिक आरोग्यता, आध्यात्मिक उन्नति, मानसिक शांति और प्रसन्नता की प्राप्ति के लिए इसका उपयोग किया जाता है।

छह मुखी (शुक्र ग्रह): यह प्रेम संबंधों, आकर्षण और स्मरण शक्ति में वृद्धि करता है। इसके प्रभाव से बुद्धि तीव्र होती है, कार्यों में पूर्णता आती है और व्यापार में आश्चर्यजनक सफलता प्राप्त होती है।

सात मुखी (शनि ग्रह): यह शनि दोष के निवारण, धन-संपत्ति, कीर्ति और विजय प्राप्ति में सहायक है। यह कार्य-व्यवसाय आदि में उन्नति और बढ़ोतरी कराने वाला माना जाता है।

आठ मुखी (राहु ग्रह): यह राहु ग्रह से संबंधित दोषों की शांति, ज्ञान प्राप्ति, चित्त की एकाग्रता और मुकदमों में विजय प्रदान करता है। यह दुर्घटनाओं व प्रबल शत्रुओं से रक्षा करता है तथा व्यापार में सफलता और उन्नति दिलाता है।

नौ मुखी (केतु ग्रह): यह केतु ग्रह से संबंधित दोषों की शांति, सुख-शांति और व्यापार में वृद्धि करता है। इसे धारण करने वाले की अकाल मृत्यु नहीं होती तथा आकस्मिक दुर्घटनाओं का भय भी दूर होता है।

दस मुखी (भगवान विष्णु/महावीर): यह कार्यक्षेत्र में प्रगति, स्थिरता और वृद्धि प्रदान करता है। इससे मान-सम्मान, कीर्ति, वैभव और धन की प्राप्ति होती है तथा सभी लौकिक और पारलौकिक कामनाएं पूर्ण होती हैं।

11 मुखी एवं इन्द्र ग्रह: आर्थिक लाभ व समृद्धशाली जीवन प्रदान करता है। इससे किसी भी वस्तु का अभाव नहीं रहता तथा सभी संकट और कष्ट दूर हो जाते हैं।

12 मुखी - भगवान विष्णु: यह नेतृत्व शक्ति प्रदान कर व्यक्ति को शक्तिशाली और तेजस्वी बनाता है। यह विदेश यात्रा में सहायक है, ब्रह्मचर्य की रक्षा करता है तथा चेहरे का तेज और ओज बनाए रखता है। इससे शारीरिक एवं मानसिक पीड़ा मिट जाती है।

13 मुखी - इन्द्र ग्रह: यह सर्वजन आकर्षण, यश-कीर्ति, मान-प्रतिष्ठा और मनोकामना प्राप्ति का कारक है। यह कामदेव का प्रतीक माना जाता है। ऊपरी बाधा और नजर दोष से बचाव के लिए

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

यह विशेष रूप से उपयोगी है।

14 मुखी - शनि ग्रह: यह आध्यात्मिक उन्नति, शक्ति और धन प्राप्ति में सहायक है तथा कष्टनिवारक माना जाता है। शनि की साढ़ेसाती या ढैया के समय यह विशेष रूप से कष्टों को दूर करने वाला है।

## आपकी कुण्डली और रुद्राक्ष

आपकी कुंडली कर्क लग्न की है। कर्क लग्न आपको संवेदनशील बना रहा है। चर लग्न आपको लगातार कार्य करने का स्वभाव दे रहा है। आपको जलीय स्थानों के नजदीक रहना अधिक प्रिय हो सकता है। लगातार कार्य करना आपका स्वभाव है, किंतु बिना थके निरंतर कार्य करना आपके स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डालता है। आप भावुक और धैर्यवान हैं और कठिन से कठिन समय में भी घबराते नहीं हैं। कुछ विषयों पर आप जिद्दी भी हो जाते हैं। आपको अपने स्वभाव के नकारात्मक पक्ष को छोड़ने का प्रयास करना चाहिए। साथ ही, आपको अपनी कार्यप्रणाली में सुधार करना चाहिए। कार्य के घंटों में से थोड़ा समय आराम के लिए भी निकालें। आप अत्यधिक भावनात्मक हैं, इसलिए आपके निर्णय कई बार गलत भी हो जाते हैं। फिर भी आप जब किसी काम को करने की ठान लेते हैं, तो उसे करके ही दम लेते हैं।

कुंडली के 6, 8 व 12 भाव त्रिक भाव कहलाते हैं तथा इन भावों के स्वामियों को त्रिक भावेश के नाम से जाना जाता है। त्रिक भाव, भावेश व इन भावों में बैठे ग्रह स्वयं में किसी न किसी प्रकार की अशुभता लिए होते हैं। यही कारण है कि ये सभी आपके जीवन में कष्ट और बाधाओं का कारण बन सकते हैं। इसमें छठा भाव रोग, ऋण और शत्रुओं से कष्ट देता है; इसका स्वामी जिस भाव में जाता है, उसके शुभ फलों में कुछ न कुछ कमी अवश्य करता है। इसके फलस्वरूप आपको षष्ठ भाव के स्वामी या इस भाव में स्थित ग्रहों की महादशा-अंतर्दशा में भाव संबंधित रोग, ऋण या शत्रुओं द्वारा शारीरिक या मानसिक कष्टों का सामना करना पड़ता है।

6, 8 व 12 भावों में अष्टम भाव विशेष अशुभता लिए होता है। इस भाव का स्वामी अष्टमेश जिस भाव में बैठता है, उस भाव के फलों का नाश करता है। अष्टम भाव अशुभता, बाधा और पाप का भाव है और इस भाव या इस भाव के स्वामी से किसी भी भावेश का संबंध होना भावेश की शुभता में कमी कर अशुभता को बढ़ाता है। तीसरा और अंतिम त्रिक भाव द्वादश भाव है जिसे व्यय भाव भी कहा जाता है। द्वादश भाव से हानि, टैक्स, निद्रा, शय्या सुख, कारागार, विदेश यात्रा और मोक्ष का विचार किया जाता है। इस भाव का स्वामी और इस भाव में स्थित ग्रह भी इस भाव के विषयों में अशुभता लाते हैं। इन भावों के स्वामियों और इन भावों में स्थित ग्रहों में अशुभता का अंश पाया जाता है, जिसके फलस्वरूप ये आपके जीवन को समय-समय पर बाधित करते रहते हैं।

आपके लग्न में षष्ठ भाव व नवम भाव के स्वामी गुरु हैं। षष्ठेश गुरु आपका मामा-मौसी से बैर करा सकता है। यह संतान सुख में कमी कर सकता है तथा संतान रोगों के प्रभाव में शीघ्र आ सकती है। बुद्धि और विवेक का समय पर उपयोग नहीं मिल पाता। इसके अतिरिक्त ऋण आदि

विषयों में शत्रु बाधक हो सकते हैं।

सप्तम व अष्टम भाव के शनि की यह स्थिति जीवनसाथी से प्राप्त होने वाले सुखों में कमी, सरकारी क्षेत्रों व आजीविका क्षेत्रों से अल्प लाभ, धन संचय में कठिनाई, कुटुंब का न्यून सुख, विद्या-बुद्धि से अल्प लाभ व संतान सुख में बाधक बनती है।

द्वादश व तृतीय भाव के स्वामी बुध हैं। बुध आपके लग्न के लिए अशुभ ग्रहों की श्रेणी में आते हैं। बुध की यह स्थिति आपको अधिक व्यय से परेशान, पारिवारिक सुख में न्यूनता, धन संचय दुष्कर और शत्रु संघर्ष से हानि के योग बना सकती है।

आपकी कुंडली में राहु अष्टम भाव में स्थित है। यह आपके पारिवारिक सुखों में कमी, पैतृक संपत्ति का नाश, जीवन में संघर्ष और सौतेली माता से मतभेद की स्थिति पैदा कर सकता है। आप अनुचित या अनैतिक तरीकों से लाभ कमाने का प्रयास कर सकते हैं। राहु आपके क्रोध में वृद्धि कर रहा है, इसलिए आपको व्यर्थ के विषयों पर बोलने से बचना चाहिए। कुटुंबियों द्वारा तिरस्कार, कभी अत्यधिक लाभ तो कभी हानि, और स्वजनों से दूरी की संभावनाएं बनी रहेंगी।

गुरु का द्वादश भाव में होना आपमें स्वार्थ की भावना बढ़ा सकता है। यह योग मामा को कष्ट, ऋण की स्थिति और शत्रुओं द्वारा परेशानी का कारण बन सकता है। आपको सट्टे या जुए जैसी आदतों से दूर रहना चाहिए। संपत्ति की हानि और माता-पिता के साथ वैचारिक मतभेद की संभावना भी बनी रहेगी।

इन सभी के फलों में शुभता प्राप्त करने के लिए आपको 4, 5, 7, 8 मुखी रुद्राक्षों का कवच धारण करना चाहिए। यह कवच सफेद धागे में पिरोकर सोमवार को गंगाजल से शुद्ध करके 'ॐ नमः शिवाय' मन्त्र का 108 बार जप कर धारण करना चाहिए। तदोपरान्त शिवजी को कच्चा दूध चढ़ाएं और सामर्थ्यानुसार दान करें। इस प्रकार आपके जीवन में आने वाले कष्टों से छुटकारा मिलेगा एवं विशेष कष्टों में कमी आएगी। कुण्डली के सभी ग्रहों को शुभता प्रदान करने के लिए आप 'शिव कृपा रुद्राक्ष माला' भी धारण कर सकते हैं, जो एक से चौदह मुखी रुद्राक्ष से निर्मित होती है। एक से चौदह मुखी रुद्राक्ष माला अद्भुत व चमत्कारी फल प्रदान करती है।

उपरोक्त कवच आपको दशा या गोचर के विचार के बिना जीवन भर धारण करना चाहिए, क्योंकि यह कवच जन्म लग्न एवं उसमें स्थित ग्रहों के नकारात्मक प्रभावों को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक है।

# साढ़ेसाती विचार

चन्द्रमा से जन्म कुंडली में जब गोचरवश शनि की स्थिति द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय स्थान में होती है तो साढ़ेसाती कहलाती है। शनि की चन्द्रमा से चतुर्थ एवं अष्टम भाव में स्थिति होने पर ढैया शारीरिक, मानसिक या आर्थिक कष्ट देता है। लेकिन कई बार यह आश्चर्यजनक उन्नति भी प्रदान करती है। साढ़ेसाती का प्रभाव सात वर्ष एवं ढैया का प्रभाव ढाई वर्ष रहता है।

सामान्यतया साढ़ेसाती मनुष्य के जीवन में तीन बार आती है। प्रथम बचपन में द्वितीय युवावस्था में तथा तृतीय वृद्धावस्था में आती है। प्रथम साढ़ेसाती का प्रभाव शिक्षा एवं माता-पिता पर पड़ता है। द्वितीय साढ़ेसाती का प्रभाव कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थिति एवं परिवार पर पड़ता है परंतु तृतीय साढ़ेसाती स्वास्थ्य पर अधिक प्रभाव करती है।

निम्नलिखित तालिका में साढ़ेसाती का समय तथा प्रत्येक ढैया का शुभाशुभ फल इंगित किया गया है।

### प्रथम चक्र :

| | | | |
|---|---|---|---|
| साढेसाती प्रथम ढैया | /1074/2026-03/06/2027 | 210/2027-23/02/2028 | -------------------------- |
| साढेसाती द्वितीय ढैया | /036/2027-20/10/2027 | 232/2028-08/08/2029 | /0150/2029-17/04/2030 |
| साढेसाती तृतीय ढैया | /038/2029-05/10/2029 | /1074/2030-31/05/2032 | -------------------------- |
| चतुर्थ स्थानस्थ ढैया | /137/2034-27/08/2036 | -------------------------- | -------------------------- |
| अष्टम स्थानस्थ ढैया | /112/2043-23/06/2044 | 308/2044-08/12/2046 | -------------------------- |

### द्वितीय चक्र :

| | | | |
|---|---|---|---|
| साढेसाती प्रथम ढैया | /145/2054-02/09/2054 | /052/2055-07/04/2057 | -------------------------- |
| साढेसाती द्वितीय ढैया | /074/2057-27/05/2059 | -------------------------- | -------------------------- |
| साढेसाती तृतीय ढैया | 275/2059-11/07/2061 | /132/2062-07/03/2062 | -------------------------- |
| चतुर्थ स्थानस्थ ढैया | 248/2063-06/02/2064 | /095/2064-13/10/2065 | /032/2066-03/07/2066 |
| अष्टम स्थानस्थ ढैया | /052/2073-31/03/2073 | 210/2073-16/01/2076 | /107/2076-11/10/2076 |

### तृतीय चक्र :

| | | | |
|---|---|---|---|
| साढेसाती प्रथम ढैया | 203/2084-21/05/2086 | 215/2086-08/02/2087 | -------------------------- |
| साढेसाती द्वितीय ढैया | 215/2086-21/05/2086 | /082/2087-18/07/2088 | 310/2088-05/04/2089 |
| साढेसाती तृतीय ढैया | /187/2088-31/10/2088 | /054/2089-19/09/2090 | 250/2090-21/05/2091 |
| चतुर्थ स्थानस्थ ढैया | /027/2093-18/08/2095 | -------------------------- | -------------------------- |
| अष्टम स्थानस्थ ढैया | /032/2102-29/11/2105 | -------------------------- | -------------------------- |

### शनि का ढैया फल

| ढैया के प्रकार | फल | क्षेत्र |
|---|---|---|
| साढेसाती प्रथम ढैया | शुभ | भाग्योदय |
| साढेसाती द्वितीय ढैया | सम | व्यावसायिक परेशानी |
| साढेसाती तृतीय ढैया | शुभ | धनार्जन |
| चतुर्थ स्थानस्थ ढैया | अशुभ | बुरा स्वास्थ्य |
| अष्टम स्थानस्थ ढैया | सम | सन्तति कष्ट |

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# साढ़ेसाती के उपाय

शनि की साढ़ेसाती के अशुभ प्रभावों को कम करने के लिये दान, पूजन, व्रत, मंत्र आदि उपाय किये जा सकते हैं। इसके लिये शनिवार को काला कम्बल, उड़द की दाल, काले तिल, चर्म-पादुका, काला कपड़ा, मोटा अनाज, तिल तथा लोहे का दान करना चाहिये। शनिदेव की पूजा एवं शनिवार का व्रत रखना चाहिये। उपवास के दिन उड़द की दाल से बनी वस्तु, चने, बेसन, काले तिल, काला नमक तथा फलों का ही सेवन करना चाहिये। साथ ही स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा शनि के निम्न मंत्र के 19000 जप संपन्न करवाने चाहिये।

**ऊँ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः।।**

शनि की साढ़ेसाती में शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक शान्ति एवं समृद्धि, आर्थिक सुदृढ़ता तथा कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिये निम्नलिखित महामृत्युंजय मंत्र के 125000 जप स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा करवाने चाहिये।

**ऊँ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।**
**उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात्।।**

वैकल्पिक  रूप से निम्नलिखित मंत्र के प्रतिदिन 108 जप किये जा सकते हैं।

**ऊँ हौं जूं सः ऊँ भूर्भुव स्वः ऊँ।।**

शनि की साढ़ेसाती के शुभत्व को बढ़ाने के लिये शनिवार के दिन आप 5 1/4 रत्ती का नीलम रत्न पंचधातु में (सोना, चांदी, तांबा, लोखंड, जस्ता) या घोड़े की नाल या नाव की कील से निर्मित लोहे की अंगूठी धारण करें । लोहे की अंगूठी आप दाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में धारण करें।

अंगूठी शुक्ल पक्ष की शनिवार की सायं सूर्यास्त के समय धारण करें। पुष्य, अनुराधा या उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र अति शुभ हैं। उस दिन शनिवार का उपवास भी करना चाहिए। अंगूठी धारण करने से पूर्व इसे शुद्ध दूध एवं गंगाजल में स्नान कराना चाहिए तथा धूप आदि जलाकर शनि का पूजन करना चाहिए एवं निम्न मंत्र की एक माला या 108 बार जप करना चाहिए। नीलम मध्यमा उंगली में या गले में पेन्डेन्ट बनाकर धारण करें ।

**ऊँ शं शनैश्चराय नमः।**

अंगूठी धारण करने के पश्चात शनि की वस्तुओं का दान देना चाहिए। इससे शनि के अशुभ प्रभाव में कमी आयेगी तथा आपकी सुख शान्ति एवं समृद्धि में वृद्धि होगी।

श्री हनुमान चालीसा एवं श्री हनुमान अष्टक का पाठ करना श्रेष्ठ है ।

# मांगलिक विचार

जब वर या कन्या की कुंडली में मंगल लग्न, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम तथा द्वादश भाव में हो तो मांगलिक दोष कहलाता है। यथोक्तम्-

**लग्ने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।**
**स्त्री भर्तुर्विनाशं च भर्ता च स्त्री विनाशनम्॥**

मांगलिक दोष लग्न से अधिक प्रबल माना जाता है लेकिन चंद्रमा से इसका दोष लग्न की अपेक्षा अल्प होता है। यदि शास्त्रानुसार वर एवं कन्या का मांगलिक दोष भंग हो जाता है तो उनका दांपत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होता है। इसके विपरीत बिना दोष भंग हुए, मांगलिक वर-कन्याओं को जीवन में कई प्रकार की अनावश्यक समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ता है। अतः विवाह से पूर्व शुद्ध कुंडली मिलान से इस दोष का उचित निवारण करके ही दांपत्य जीवन प्रारंभ करना चाहिए, जिससे जीवन में शांति तथा संपन्नता बनी रहे।

************************************

आपके जन्म समय में चंद्र कुंडली में मंगल की स्थिति द्वादश भाव में है। अतः आप एक मांगलिक पुरुष हैं, परन्तु शास्त्रानुसार आपका यह मांगलिक दोष भंग हो रहा है। अतः यह मंगल आपको अशुभ फलों की अपेक्षा शुभ फल ही अधिक मात्रा में प्रदान करेगा। इसके शुभ प्रभाव से आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा स्वभाव व्ययशील होगा, परन्तु अशुभ कार्यों की अपेक्षा आप शुभ कार्यों पर ही अधिक व्यय करेंगे। साथ ही, जीवन में समस्त सांसारिक भोग्य पदार्थों का आप प्रसन्नतापूर्वक उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। आपकी पत्नी का स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा आनंदपूर्वक आप दाम्पत्य सुख का उपभोग करेंगे।

यद्यपि यह मंगल आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा, तथापि इसके प्रभाव से आपके विवाह में थोड़ा विलंब हो सकता है। परन्तु विवाह कार्य अत्यंत ही शांत एवं सुखद वातावरण में संपन्न होगा एवं किसी भी प्रकार की अनावश्यक समस्याओं एवं व्यवधानों का आपको सामना नहीं करना पड़ेगा। विवाह के उपरान्त आपका दाम्पत्य जीवन सुखी एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। इसके अतिरिक्त आप जीवन में आवश्यक सुख संसाधनों तथा भौतिक सामग्री से सुसंपन्न रहेंगे। आपका शत्रु पक्ष भी हमेशा कमजोर रहेगा, अतः शत्रुओं से आपको किसी भी प्रकार की परेशानी या असुविधा नहीं होगी।

आपकी चंद्र कुंडली में मंगल द्वादश भाव में स्थित है। अतः इसके शुभ प्रभाव से आप शुभ कार्यों पर व्यय करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। आप समस्त भोग्य पदार्थों को अर्जित तथा उपभोग करने में भाग्यशाली सिद्ध होंगे। मंगल की तृतीय भाव पर दृष्टि होने से आपके पराक्रम में नित्य वृद्धि होती रहेगी। आत्मविश्वास एवं साहसपूर्वक आप अपने समस्त सांसारिक कार्यों को संपन्न करेंगे। समाज में अपना प्रभाव भी स्थापित करने में सफल रहेंगे। भाई-बहनों से भी आप जीवन में पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। षष्ठ भाव पर मंगल की दृष्टि होने से शत्रु पक्ष प्रायः निर्बल रहेगा एवं वे आपका विरोध करने में सर्वदा असमर्थ रहेंगे। सप्तम भाव पर मंगल की दृष्टि भावी जीवनसाथी के लिए उत्तम

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

रहेगी। अतः आपकी पत्नी का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। स्वभाव में यदा-कदा उग्रता का समावेश होगा, परन्तु आपके प्रति उनके मन में पूर्ण सहयोग तथा समर्पण की भावना रहेगी तथा परस्पर संबंध भी घनिष्ठ एवं प्रेमपूर्वक रहेंगे। अतः आपका दाम्पत्य जीवन अत्यंत ही सुखी एवं आनंदपूर्वक व्यतीत होगा।

अपने दाम्पत्य जीवन को अधिक सुखी एवं आनंदमय बनाने के लिए आपको किसी गैर-मांगलिक या ऐसी मांगलिक कन्या से विवाह करना चाहिए, जिसका मांगलिक दोष उचित रूप से भंग हो रहा हो। इस प्रकार यदि आप अपना वैवाहिक जीवन प्रारंभ करेंगे, तो जीवन में सर्व सौभाग्य, धन-ऐश्वर्य, मान-सम्मान तथा प्रतिष्ठा युक्त होकर समाज में पूर्ण यश अर्जित करने में सफलता प्राप्त करेंगे।

इसके अतिरिक्त जन्म कुंडली मिलान के समय यदि कन्या की कुंडली में भी द्वादश भाव में ही मंगल स्थित हो, तो अत्यावश्यक होने पर ही विवाह करें, अन्यथा उपेक्षा ही करें। क्योंकि समान भावों में मंगल होने से जीवन में अधिक व्यय होने के कारण यदा-कदा अनावश्यक समस्याएं तथा बाधाएं उत्पन्न होंगी, जिससे सुखी दाम्पत्य जीवन में तनाव या कटुता का वातावरण उत्पन्न हो सकता है। अन्य भावों में मंगल स्थित होने से अशुभ फलों का प्रभाव नष्ट हो जाएगा एवं शुभ फलों के प्रभाव में वृद्धि होगी, जिससे आपका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। अतः सोच-समझकर एवं सावधानीपूर्वक विवाह करने के लिए अंतिम निर्णय लेना चाहिए, जिससे भावी दाम्पत्य जीवन में किसी भी प्रकार से अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न न हों।

# कालसर्प योग

**अग्रे राहुः अधः केतुः सर्वे मध्यगताः ग्रहाः।**
**योगाऽयं कालसर्पाख्यो शीघ्रं तं तु विनाशय॥**

## कालसर्प योग का प्रभाव

आपकी जन्मकुंडली में कर्कोटक नामक कालसर्प योग केवल अनुदित रूप में विद्यमान है। अनुदित योग पूर्ण रूप से कालसर्प योग की परिभाषा में नहीं आता, लेकिन फिर भी इसका कुछ फल अवश्य मिलता है। फलस्वरूप जातक के भाग्योदय में आंशिक रूप से व्यवधान उत्पन्न हो जाता है। नौकरी में थोड़ी-बहुत रुकावट आती है या कभी पदावनति होने का भय बना रहता है। प्रायः जातक को पैतृक संपत्ति का मनोवांछित लाभ नहीं मिल पाता है। व्यापार आदि कार्यों में थोड़ा-बहुत नुकसान उठाना पड़ता है और विशेष परिश्रम करने के बावजूद भी उसका सही फल प्राप्त नहीं होता है। कार्यों में अक्सर स्थिरता नहीं आ पाती।

इस योग के प्रभाव से जातक कभी-कभी अपने मित्रों के द्वारा ठगे या छले जा सकते हैं, जिस कारण उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। कभी-कभी जातक का शरीर रोग-व्याधि से ग्रस्त हो जाता है तथा आंशिक रूप से मानसिक परेशानी बनी रहती है। जातक को कुटुंब में अपयश मिलता है एवं आत्मीय परिजनों से अपेक्षित सम्मान प्राप्त नहीं होता है।

इस योग के कारण जातक का अपनी वाणी पर नियंत्रण नहीं रहता और वाणी कभी-कभी दूषित हो जाती है। परिणामस्वरूप जातक का स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है और वह बात-बात पर लड़ाई-झगड़े के लिए तैयार हो जाता है। जातक को आंशिक रूप से आर्थिक हानि उठानी पड़ती है तथा उधार दिया हुआ पैसा प्रायः डूब जाता है। जातक को कभी शस्त्राघात का भय रहता है। जातक के अनेक शत्रु होते हैं जो षड्यंत्र रचते रहते हैं, परंतु वे अपने षड्यंत्रों में सफल नहीं हो पाते। जातक को अकाल मृत्यु का भय बना रहता है।

यदि आप कभी उपरोक्त परेशानियों का अनुभव करते हैं, तो निम्नलिखित उपाय करें, इनसे निश्चित रूप से लाभ प्राप्त होगा।

1- कालसर्प दोष निवारण यंत्र घर में स्थापित करके इसका नियमित पूजन करें।
2- बहते पानी में नारियल के फल को तीन बार शुभ मुहूर्त में प्रवाहित करें।
3- बहते पानी में कोयला शुभ मुहूर्त में तीन बार प्रवाहित करें।
4- किसी जरूरतमंद (हरिजन) को मसूर की दाल तथा द्रव्य (धन) शुभ मुहूर्त में तीन बार दान करें।
5- हनुमान चालीसा का 108 बार पाठ करें।
6- शयन कक्ष में लाल रंग के पर्दे, चादर तथा तकियों का उपयोग करें।
7- कुल देवता की पूजा करें।
8- शुभ मुहूर्त में रात्रि के समय धूम्र-वस्त्र, तिल, कम्बल एवं सप्तधान्य का दान करें।

9- केतु की महादशा में उसकी उपासना अवश्य करें।
10- देवदारु, सरसों तथा लोहबान को उबाल कर एक बार स्नान करें।
11- सवा महीने तक जौ के दाने पक्षियों को खिलाएं।
12- नीला रुमाल, घड़ी का नीला पट्टा, नीला पेन और लोहे की अंगूठी धारण करें।

विशेष ध्यान रखें कि कालसर्प योग का पूजन केवल श्रीखंड चंदन से ही करें। कुंकुम, सिंदूर, रोली आदि का प्रयोग न करें। तिरुपति बालाजी के समीप श्रीकालाहस्ती शिव मंदिर में जाकर कालसर्प योग की शांति का उपाय विधि-विधान से एक बार अवश्य करें, अथवा 12 ज्योतिर्लिंगों में से किसी भी ज्योतिर्लिंग (जैसे कि सौराष्ट्र, गुजरात में सोमनाथ मंदिर; महाराष्ट्र के नासिक में त्रयम्बकेश्वर मंदिर; उज्जैन; भीमाशंकर; नागेश्वर; रामेश्वरम आदि) में जाकर पूजा कराएं।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# पितृदोष विचार

## पितृदोष क्या है?

हमारे पूर्वज या परिवार के सदस्य मृत्योपरांत पितृ संज्ञा प्राप्त करते हैं। पितृ हमारे और भगवान के बीच की कड़ी होते हैं। यदि ये प्रसन्न होते हैं तो जातक सुखी जीवन भोगता है, लेकिन यदि किसी कारणवश ये अप्रसन्न हो जाते हैं तो जातक को अनेक प्रकार की व्याधियाँ व कष्ट झेलने पड़ते हैं।

कालांतर में पितृ या तो मोक्ष को प्राप्त करते हैं, या पृथ्वी लोक पर पुनः जन्म ले लेते हैं। यदि परिवार के सभी पितरों का पुनर्जन्म या मोक्ष हो गया हो तो कुछ समय के लिए उस परिवार के कोई पितृ नहीं होते। ऐसे में जातक सुख दुख अपनी कुंडली अनुसार प्राप्त करता है। अतः परिवार के सदस्यों को चाहिए कि जब तक वे पितृ लोक में हैं तब तक तर्पणादि से उनकी सेवा करें। यदि पितृ प्रसन्न रहते हैं तो आशीर्वाद स्वरूप जातक चहुंमुखी प्रगति प्राप्त करता है।

पितृ अप्रसन्न, दु:खी एवं अतृप्त होते हैं यदि किसी पूर्वज की अंतिम इच्छा पूर्ण न हुई हो, या किसी के द्वारा शापित हों या असामयिक मृत्यु हो गई हो। पितृ योनि में रहते हुए भी उन्हें भोजन की आवश्यकता होती है। यदि परिवार के सदस्य तर्पणादि द्वारा भोजन नहीं देते हैं तो वे भूख से व्याकुल हो जाते हैं। पितृ विभिन्न प्रकार के कष्टों की अनुभूति करते हैं जब तक कि जातक पितरों की शांति हेतु पूजन-पाठ, पिंडदान, तर्पण आदि न करे।

पितृ दोष अपने कर्मों के कारण न हो करके, अपने माता-पिता या पूर्वजों के कर्मों के कारण होते हैं, क्योंकि यह दोष तो जातक के जन्म से जन्मपत्री में विद्यमान होता है जबकि कर्म तो जन्म के बाद ही बनते हैं। अतः पितृदोष ऐसा दोष है जिसका कोई कारण समझ में नहीं आता, केवल लक्षण दर्शित होते हैं। जन्मपत्री में भी शुभ दशा व गोचर के योग होते हुए भी हमें हमारे कर्मों का फल प्राप्त नहीं होता, या घर में सदैव कलह, अशांति, धन की कमी व बीमारी लगी रहती है। संतान नहीं होती या संतान विक्षिप्त होती है, बच्चों के विवाह में अड़चन आती है या उनके विकास में अवरोध आते हैं। अतः जब भी किसी प्रकार की समस्या बार-बार आती है एवं कोई कारण नजर न आता हो तो हमें पितृ दोष की शांति करवानी चाहिए जब तक कि वातावरण और परिस्थितियां अनुकूल न हो जाएं।

## पितृदोष लक्षण

1- परिवार में आकस्मिक मृत्यु या दुर्घटना होना।
2- आनुवंशिक बीमारी होना और लंबी अवधि तक बीमारी का चलना।
3- परिवार में शारीरिक रूप से विकलांग या अनचाहे बच्चे का जन्म होना।
4- परिवार में बच्चों द्वारा अपमान या प्रताड़ना का व्यवहार करना।
5- गर्भ धारण न होना या गर्भपात होना।
6- परिवार के किसी सदस्य का विवाह न होना।
7- परिवार में किसी बात को लेकर झगड़ा-फ़साद होना।
8- कभी खत्म न होने वाली गरीबी परिवार में हो जाना।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

9- बुरी आदतों की लत लग जाना।
10- परिवार में बार-बार केवल कन्या संतान का जन्म होना।
11- शिक्षा में बाधाएं आना।
12- स्वप्न में सांप दिखाई देना।
13- माथे पर गंदी करतूतों का कलंक लगना।
14- परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद होने के पश्चात पीले होने लगना या काली खांसी होना।
15- परिवार के किसी सदस्य को स्वप्न में पूर्वज द्वारा खाना या कपड़े मांगते हुए दिखना।

## पितृ की पहचान :

1- श्रीमद् भगवद् गीता के ग्यारहवें अध्याय का पाठ करें तो आपको कुछ दिनों में ही स्वप्न में पितृ दर्शन होंगे।
2- रात को सोने से पहले हाथ पैर धोकर अपने मन में अपने पितृ से प्रार्थना करें कि जो भी मेरे पितृ हैं वे मुझे दर्शन दें।
3- यदि आपका कोई कार्य अटक रहा है तो अपने पितृ को याद कीजिए और उन्हें कहें कि यदि आप हैं तो मेरा अमुक कार्य हो जाए। मैं आपके लिए शांति पाठ कराऊंगा। आपकी ऐसी प्रार्थना से कार्य सिद्धि हो जाने पर यह प्रमाणित हो जाएगा कि आपको पितृ शांति करवानी चाहिए।

## पितृ दोष उपाय :

1- श्राद्ध पक्ष में मृत्यु तिथि के दिन तर्पण व पिंडदान करें। ब्राह्मण को भोजन कराएं व वस्त्र-दक्षिणा आदि दें।
2- यदि मृत्युतिथि न मालूम हो तो श्राद्ध पक्ष की अमावस्या के दिन तर्पण व पिंडदानादि कर्म करें।
3- प्रत्येक अमावस्या विशेषतः सोमवती अमावस्या को पितृभोग दें। इस दिन गोबर के कंडे जलाकर उसपर क्षीर की आहुति दें। जल के छींटे देकर हाथ जोड़ें व पितृ को नमस्कार करें।
4- सूर्योदय के समय सूर्य को जल दें व गायत्री मंत्र का जप करें।
5- पीपल के पेड़ पर जल, पुष्प, दूध, गंगाजल व काले तिल चढ़ाकर पितृ को याद करें, माफी और आशीष मांगें।
6- रविवार के दिन गाय को गुड़ या गेहूं खिलाएं।
7- लाल किताब के अनुसार परिवार में जहां तक खून का रिश्ता है जैसे दादा, दादी, माता, पिता, चाचा, ताया, बहन, बेटी, बुआ, भाई सबसे बराबर-बराबर धन, 1, 5 या दस रुपए लेकर मंदिर में दान करने से पितृ ऋण से मुक्ति मिलती है।
8- हरिवंश पुराण का श्रवण और गायत्री जप पितृ शांति के लिए लोकप्रसिद्ध है।
9- गया या त्र्यम्बकेश्वर में त्रिपिंडी श्राद्ध या नन्दी श्राद्ध करें।
10- नारायणबलि पूजा करवाएं।
11- पितृ गायत्री का अनुष्ठान करवाएं -

**ॐ देवताभ्यः पितृभ्यश्च महायोगिभ्य एव च।**
**नमः स्वाहायै स्वधायै नित्यमेव नमो नमः॥**

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

12- पितृ दोष निवारण उपायों में गया में पिंडदान, गया श्राद्ध तथा पितृ भोग अर्पण आदि क्रियाएं करते हुए उपरोक्त पितृ गायत्री मंत्र का उच्चारण करना चाहिए।
13- श्री कृष्ण मुखामृत गीता का पाठ करें।

## पितृ पूजा के लिए आवश्यक निर्देश :

1- पितरों को मांस वाला भोजन न अर्पित करें।
2- पूजा के दिन स्वयं भी मांस भक्षण न करें।
3- पितृ पूजा में स्टील, लोहा, प्लास्टिक, शीशे के बर्तन का प्रयोग न करें। मिट्टी या पत्तों के बर्तनों का ही प्रयोग करें।
4- पितृ पूजा में घंटी न बजाएं।
5- पितृ पूजा करने वाले व्यक्ति की पूजा में व्यवधान न डालें।
6- बुजुर्गों का सम्मान करें।
7- पितरों के निमित्त किये जाने वाले गौ-दान से पितृ तृप्त होते हैं।
8- घर में पीने का पानी रखा जाता है उस स्थान पर विशेष पवित्रता रखें। यह स्थान पितृों का स्थान माना जाता है।
9- पितृ कर्म हेतु साल में 12 मृत्यु तिथि, 12 अमावस्या, 12 पूर्णिमा, 12 संक्रांति, 12 वैधृति योग, 24 एकादशी व श्राद्ध के 15 दिन मिलाकर कुल 99 दिन होते हैं।

## आपकी कुण्डली में पितृदोष

- पंचम् भाव के स्वामी पर शनि का प्रभाव है।
- नवम् भाव के स्वामी पर राहु का प्रभाव है।

आपकी कुंडली में मंगल और गुरु के कारण पितृदोष है।

आपकी कुंडली में मंगल पितृदोष कारक ग्रह है, अतः परिवार के किसी पुरुष सदस्य द्वारा क्रोधवश किए गए पापकर्म आपके पितृदोष का कारण हैं। इस दोष के निवारणार्थ आपको नौकरों और छोटे भाइयों को दान देना चाहिए।

Mukesh Kumar Shakya
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

आपकी कुंडली में बृहस्पति पितृदोष कारक ग्रह है, अतः दादाजी द्वारा किए गए पापकर्म आपके पितृदोष का कारण हैं। इस दोष के निवारणार्थ आप विद्वानों, वृद्ध ब्राह्मणों और जीवनसाथी को दान दें। विद्यालय में पुस्तकों का दान करें।

आपकी कुंडली में पितृदोष का योग है, परंतु यदि आपको अपने जीवन में उपरोक्त वर्णित पितृदोष लक्षणों में से किसी प्रकार के कष्ट या परेशानी की अनुभूति नहीं हो रही है, तो आपको पितृदोष संबंधी उपाय करने की आवश्यकता नहीं है। संभव है कि किसी शुभ कार्य के कारण आपके पितृ प्रसन्न हो गए हों व आपको उनकी कृपा प्राप्त हो रही हो या वे मोक्ष को प्राप्त हो गए हों।

**नोट :**

त्रिपिण्डी श्राद्ध एवं नारायण नाग बली पितृदोष के लिए मुख्य उपाय हैं। यह त्र्यम्बकेश्वर में विशेष रूप से कराये जाते हैं। त्रिपिण्डी श्राद्ध में आटे को पानी में मांढ कर पुतले के रूप में पूर्वजों के प्रतीकात्मक पिंड बना लिये जाते हैं, उन पर मंत्रों का पाठ किया जाता है। अंत में अस्थि विसर्जन के समान उनको जल में प्रवाह कर दिया जाता है।

नारायण नागबलि, पूर्वजों के मोक्ष व उनकी इच्छा पूर्ति के लिए कराया जाता है। इसमें दो दिन श्मशान क्रिया होती है व तीसरे दिन मांगलिक पूजा की जाती है। यदि पितृदोष के कारण संतान बाधा या विवाह बाधा आदि होती है तो इस उपाय के पश्चात जातक बाधामुक्त हो जाता है और काम स्वतः बनने लगते हैं।

# अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक 17 है। एक एवं सात के योग से आपका मूलांक 8 होता है। मूलांक आठ का स्वामी शनि है। अंक एक का स्वामी सूर्य तथा सात का भारतीय मत से केतु एवं पाश्चात्य मत से नेपच्यून है। इन तीनों ग्रहों का प्रभाव आपके जीवन में दृष्टिगोचर होगा। मूलांक 8 के स्वामी शनि के प्रभाव से आपकी उन्नति धीरे-धीरे होगी। आपके जीवन में संघर्ष अधिक रहेंगे एवं प्रत्येक कार्य को प्रारंभ करने के बाद अवरोध आएंगे, जिन्हें आप मेहनत एवं धैर्य से पार कर उन्नति का मार्ग प्रशस्त करेंगे।

निराशा एवं आलस्य दो अवगुण आपकी प्रगति के बाधक रहेंगे। अतः किसी भी कार्य की असफलता से निराश न हों तथा दोबारा प्रयत्न करें, सफलता मिलेगी। कार्य में कर्म के सिद्धांत को मानते हुए आलस्य से दूर रहना सफलता की कुंजी रहेगी। अंक एक के स्वामी सूर्य एवं सात के केतु या नेपच्यून के प्रभाव से आपकी कल्पना शक्ति व विचार शक्ति अच्छी रहेगी। आपमें दूसरों को समझने की शक्ति अच्छी होगी। अतींद्रिय ज्ञान भी अच्छा रहेगा। सूर्य के प्रभाव से आपका नाम स्थायी प्रसिद्धि प्राप्त करेगा। समाज के विभिन्न क्षेत्रों में आपको यश तथा लाभ प्राप्त होगा।

उच्च वर्ग में आप लोकप्रिय होंगे एवं उच्च वर्ग से लाभ प्राप्त करेंगे। आपकी इच्छाशक्ति दृढ़ रहेगी एवं अपनी बात पर अडिग रहने की प्रवृत्ति आपमें पाई जाएगी। आप थोड़े हठी होंगे; हठ की यह प्रवृत्ति यदा-कदा आपको हानि भी पहुँचाएगी। अतः जहाँ तक हो सके, आप अपने हठ पर संतुलन रखें एवं क्रोध पर नियंत्रण रखें। सूर्य, केतु और शनि ग्रहों के प्रभाव से आप अपने जीवन में एक सफल व्यक्ति रहेंगे। आपकी ख्याति अच्छी रहेगी तथा दूसरों के लिए उदाहरण का कार्य करेगी।

भाग्यांक चार का स्वामी भारतीय मतानुसार राहु एवं पाश्चात्य मत के अनुसार हर्षल ग्रह को माना गया है। हर्षल ग्रह के प्रभाव से आपका भाग्योदय अचानक होगा। आपके जीवन में कई कार्य ऐसे होंगे जिनमें अथक परिश्रम के बाद भी अपेक्षित समय में सफलता न मिले और कार्य रुक जाएं, परंतु एक दिन अचानक ही वे कार्य बन भी जाया करेंगे। आप अपने कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के हिमायती होंगे और पुरानी मान्यताओं में बदलाव करना आपकी आदत में शुमार होगा। आप रूढ़िवादिता से दूर तथा आधुनिक विचारधारा के होंगे।

ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में आपका रुझान रहेगा एवं ऐसे कार्यों को पूरा करने में आपको आनंद आएगा जिन्हें अन्य लोग कठिन समझते हैं। आपके कार्यों में एक विशेष तीव्रता रहेगी तथा आप अचानक चर्चा में आएंगे, लेकिन यह स्थिति स्थायी नहीं रह पाएगी। बार-बार का परिवर्तन आपकी उन्नति में बाधक बन सकता है। अचानक मिलने वाली सफलता या असफलता से आपको यह सबक लेना होगा कि आपका भाग्य परिवर्तनशील है। अतः आपके लिए विस्फोटक या अत्यधिक जोखिम भरे कार्यों से दूर रहना अथवा सोच-समझकर कार्य करना ही भाग्य में वृद्धि कारक रहेगा।

आपका मूलांक 8 है तथा आपका भाग्यांक 4 है। मूलांक 8 का स्वामी शनि है तथा भाग्यांक 4 का स्वामी हर्षल है। मूलांक 8 और भाग्यांक 4 के बीच मित्रता का संबंध है। इसके प्रभाववश आपको

मूलांक एवं भाग्यांक के पूर्ण फल प्राप्त होंगे। रोजगार-व्यापार के क्षेत्र में आपकी उन्नति धीरे-धीरे प्रारंभ होगी। अपने कार्यक्षेत्र में आपको अत्यधिक परिश्रम करना पड़ेगा। आपकी उन्नति सीढ़ी-दर-सीढ़ी होगी एवं एक सीढ़ी चढ़ने के पश्चात थोड़ा ठहरकर पुनः आपको दूसरी सफलता प्राप्त होगी। आपके अधिकांश कार्य देरी से संपन्न होंगे तथा कार्यों के मध्य अवरोध उत्पन्न होंगे, जिन्हें आप धैर्य एवं अपनी मेहनत के द्वारा पार करने में सफलता प्राप्त करेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति प्रारंभिक काल में विशेष अच्छी नहीं होगी, लेकिन मध्य अवस्था से अंतिम अवस्था तक स्थिति में सुधार होता चला जाएगा। वैसे धन के अभाव में आपका कोई भी महत्वपूर्ण कार्य रुकेगा नहीं। आपके अंदर स्वाभिमान की मात्रा सीमा से अधिक रहेगी तथा आपकी कोशिश अपने द्वारा निर्मित सिद्धांतों पर चलने की रहेगी। आपकी सामाजिक स्थिति अनुकूल रहेगी एवं समाज में आपको समयोचित मान-सम्मान प्राप्त होता रहेगा। जीवन की अंतिम अवस्था भौतिक सुख-संपदाओं से परिपूर्ण रहेगी।

आपका भाग्योदय 22 वर्ष की अवस्था से प्रारंभ होगा तथा 31 वर्ष की अवस्था से आपको विशेष उन्नति प्राप्त होगी एवं 40 वर्ष की अवस्था में आपका पूर्ण भाग्योदय होगा।

आपके मूलांक 8 की अंक 1 एवं 4 से मित्रता है तथा भाग्यांक 4 की 1 एवं 8 से मित्रता है। अतः आपके जीवन में 1, 4, 8 के अंक विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहेंगे। इनसे आपके जीवन में प्रमुख घटनाएं घटित होंगी।

आपके मूलांक की आपके भाग्यांक से मित्रता होने के कारण मूलांक-भाग्यांक के फल आपके अनुकूल रहेंगे। आपके जीवन की प्रमुख घटनाएं इन्हीं अंकों की तारीखों, महीनों, ईस्वी सन् या आयु के वर्षों में घटित होंगी। जब कभी इन अंकों की तारीख या माह के साथ आपके लिए निर्धारित शुभ वार का भी मेल हो, तो वह दिन आपके लिए विशेष फलदायी रहेगा। किसी नए कार्य को प्रारंभ करने, पत्र-लेखन या उच्चाधिकारी से भेंट करने हेतु यह समय अधिक उपयुक्त रहेगा। यदि आप अपने विगत जीवन में घटित घटनाओं का अवलोकन करेंगे, तो पाएंगे कि अधिकांश महत्वपूर्ण घटनाएं इन्हीं अंकों से संबंधित मास, वर्ष या दिन को ही घटित हुई होंगी।

अपने विगत जीवन में उपर्युक्त सभी अंकों का विश्लेषण करने के बाद, जो अंक आपके लिए अधिक अनुकूल सिद्ध हो रहे हों, उन्हीं अंकों के आधार पर भावी योजनाएं बनाना आपके लिए अधिक लाभप्रद रहेगा।

आपके लिए जनवरी, अप्रैल तथा अगस्त के महीने विशेष घटनाक्रम वाले रहेंगे। आप कोई भी नया कार्य उसी दिन प्रारंभ करें, जब दिन, तारीख, मास तथा वर्ष आपके मूलांक तथा भाग्यांक के अंकों से मेल खाते हों और सभी शुभ प्रभाव एक साथ मिल रहे हों। मूलांक 8 एवं भाग्यांक 4 के प्रभावस्वरूप वे ईस्वी सन्, जिनका कुल योग 1, 4 या 8 होता है, आपके लिए विशेष घटनाक्रम वाले रहेंगे।

इस प्रकार आपकी आयु के वे वर्ष, जिनका कुल योग 1, 4 या 8 होता है, आपके लिए विशेष

घटनाक्रम वाले सिद्ध होंगे।

1 - 10, 19, 28, 37, 46, 55, 64, 73
4 - 13, 22, 31, 40, 49, 58, 67
8 - 17, 26, 35, 44, 53, 62, 71

उपर्युक्त वर्ष आपके जीवन में परिवर्तनकारी सिद्ध होंगे तथा इन वर्षों में कुछ ऐसी विशेष घटनाएं घटित होंगी, जो आपके जीवन की दिशा बदल देंगी और स्मरणीय बन जाएंगी।

# अंक ज्योतिष उपाय विचार

## अनुकूल समय

सूर्य दिनांक 23 दिसंबर से 19 फरवरी तक, पाश्चात्य मत से मकर एवं कुंभ राशि में रहता है तथा 14 जनवरी से 13 मार्च तक, भारतीय मत से सूर्य मकर एवं कुंभ राशि में होता है, जो शनि की अपनी राशियां हैं; तथा 17 अक्टूबर से 13 नवंबर तक सूर्य तुला राशि में रहता है, जो शनि की उच्च राशि है। अतः उपर्युक्त समय मूलांक आठ के लिए कोई भी नया कार्य या महत्वपूर्ण कार्य करने के लिए अधिक उपयुक्त रहेगा।

## अनुकूल दिवस

किसी भी माह में पड़ने वाले शनिवार, रविवार एवं सोमवार आपके लिए अनुकूल दिवस हैं। आप अपना कोई भी महत्वपूर्ण कार्य या रोजगार-व्यापार संबंधी कार्य, विशिष्ट अधिकारी से भेंट आदि अपनी शुभ तारीखों में पड़ने वाले उपर्युक्त दिवसों में ही प्रारंभ करेंगे तो आपके लिए विशेष फलदायक रहेगा।

## शुभ तारीखें

आपके लिए कोई भी नया कार्य, महत्वपूर्ण कार्य, रोजगार-व्यापार संबंधी कार्य, पत्र या दस्तावेज लिखवाने हेतु किसी भी अंग्रेजी माह की 1, 4, 8, 10, 13, 17, 19, 22, 26, 28 एवं 31 तारीखें अधिक अनुकूल रहेंगी। अतः आप कोशिश करें कि कोई भी महत्वपूर्ण कार्य उपर्युक्त तारीखों में ही संपन्न हो।

## अशुभ तारीखें

किसी भी अंग्रेजी माह की दिनांक 3, 6, 12, 15, 21, 24 एवं 30 आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगी। इन तारीखों में आप कोई भी नया कार्य, व्यापार, पत्र लेखन एवं उच्च तथा विशिष्ट अधिकारी से मिलने का कार्य न करें।

## मित्रता या साझेदारी

जिन व्यक्तियों का जन्म 1, 4, 8, 10, 13, 17, 19, 22, 26, 28 एवं 31 तारीखों को अथवा 14 जनवरी से 13 मार्च तथा 17 अक्टूबर से 13 नवंबर के बीच हुआ हो, ऐसे व्यक्ति आपके लिए विशेष फलदायी रहेंगे। इनके सहयोग से आपको अच्छी उपलब्धियां प्राप्त होंगी।

## प्रेम संबंध एवं विवाह

आप अपने रोजगार, व्यवसाय या प्रेम, विवाह संबंध इत्यादि में ऐसी स्त्री का चुनाव करें, जिसका मूलांक 1, 4, 8 हो तथा उसका जन्म किसी भी माह की 1, 4, 8, 10, 13, 17, 19, 22, 26, 28 एवं 31 तारीख को हुआ हो। ऐसी महिलाएं आपके रोजगार, व्यवसाय तथा अन्य महत्वपूर्ण कार्यों के लिए भी श्रेष्ठ फलदायक सिद्ध होंगी।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

## अनुकूल रंग

आपके लिए गहरा भूरा, काला, गहरा नीला, कत्थई रंग शुभ होंगे। अपने घर के दरवाजे, पर्दे, चादर आदि का चुनाव भी इन्हीं रंगों के अनुरूप करें। यदि आपका स्वास्थ्य ठीक न हो तब आप इन्हीं रंगों के कपड़े पहनें एवं रूमाल हर समय अपने पास रखें, जिससे आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा। महत्वपूर्ण कार्य करते समय भी इन्हीं रंगों के वस्त्रों को धारण करना आपके लिए विशेष फलदायक रहेगा।

## वास्तु एवं निवास

आप अपने लिए कॉम्प्लेक्स, फ्लैट या मकान का चुनाव पश्चिम दिशा में करें। आपका मूलांक 8 होने से आपके लिए पश्चिम दिशा उपयुक्त रहेगी तथा भवन क्रमांक का योग 8 हो तो अच्छा रहेगा। अतः आप इस दिशा में फ्लैट या मकान खरीद सकते हैं। आप चाहें तो शहर में पश्चिम दिशा, या भवन के पश्चिम क्षेत्र में निवास करें, ऐसा करना आपके लिए लाभकारी रहेगा तथा अपने आवश्यक कार्य भी इसी दिशा की ओर बैठकर संपन्न करेंगे तो लाभ होगा।

## शुभ वाहन नं.

आपके मूलांक 8 के 1 और 4 मित्र हैं। अतः आप जब भी कोई नया वाहन इत्यादि खरीदते हैं तो उसके पंजीकरण का योग इन्हीं अंकों में से एक होना आपके लिए लाभप्रद रहेगा। उदाहरणार्थः वाहन पंजीकरण क्रमांक 5237 = 8। आप यदि वाहन में यात्रा करते हैं तब भी आपके लिए शुभ अंक 1, 4, 8 ही रहेंगे और यदि आप होटल में कमरा आदि बुक करवाते हैं तब उसके लिए आपका कमरा नंबर 107 = 8 का चयन करना ही उचित रहेगा।

## स्वास्थ्य तथा रोग

जब भी आपके जीवन में रोग की स्थिति आएगी तब आपको वायु रोग, वात रोग, शारीरिक क्षीणता, अंग रोग, हृदय की कमजोरी, रक्त की कमी, मलबद्धता, कब्जियत, गठिया, रक्तचाप, सिर की पीड़ा, कुष्ठ रोग, मूत्र के रोग, गंजापन तथा कान-नाक में पीड़ा होगी। रोग होने, अशुभ समय आने, कष्ट तथा विपत्ति के समय आपको शनि की पूजा एवं आराधना करनी चाहिए।

## व्यवसाय

कसरत, खेल-कूद, कूद-फांद, पुलिस और सैन्य विभाग, ठेकेदारी, टीन-चद्दर आदि का कार्य, कुलीगिरी, लघु उद्योग, वकालत, ज्योतिष कार्य, वैज्ञानिक कार्य, मुर्गी पालन, बागबानी, कोयला और लकड़ी का व्यवसाय, झाड़ीसाज, न्यायवेत्ता, नेतृत्व, नीति-निर्धारक, धर्म-कर्म, यज्ञादि कर्त्ता, अध्यापन, संगीतज्ञ आदि कार्य।

## व्रतोपवास

शनिवार को शनि अरिष्ट दोष निवारण हेतु व्रत करें। शनिवार को काले, नीले वस्त्र धारण कर इक्यावन या उन्नीस शनिवारों को व्रत करें। शरीर में तेल मालिश, तेल दान तथा पीपल के वृक्ष की पूजा करें। शनि मंत्र का यथाशक्ति रुद्राक्ष माला पर जप करें।

## अनुकूल रत्न या उपरत्न

आपके लिए नीलम सबसे अधिक लाभकारी रहेगा। इसके न मिलने पर आप बैंकॉक नीलम, लाजवर्त, काला नीली इत्यादि धारण कर सकते हैं। इसे आप शनि के दिन, शुक्ल पक्ष में, चौघड़िया मुहूर्त में, त्रिधातु या चांदी की अंगूठी में सवा तीन से सवा पांच रत्ती का नीलम बनवा कर दाहिने हाथ की मध्यमा उंगली की त्वचा को स्पर्श करता हुआ धारण करें। यह आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा।

## अनुकूल देवता

आप शनि ग्रह की उपासना करें अथवा आपको बटुक भैरव की उपासना करना विशेष लाभप्रद रहेगा। आप नित्य रुद्राक्ष की माला पर बटुक भैरव के मंत्र का एक सौ आठ बार जप किया करें। इससे आपकी सभी समस्याएं, रोग इत्यादि दूर होंगे। बटुक भैरव का मंत्र इस प्रकार है- *ह्रीं बटुकाय आपदुद्धारणाय कुरु-कुरु बटुकाय ह्रीं*। यह इक्कीस अक्षर का मंत्र सर्वसिद्धिदाता है। कृष्ण पक्ष की अष्टमी के दिन बटुक भैरव की उपासना करना विशेष लाभप्रद रहेगा।

## ग्रह गायत्री मंत्र

आपके लिए शनि के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु शनि के गायत्री मंत्र का, प्रातः स्नान के बाद, ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा।

शनि गायत्री मंत्र - ॐ भगभवाय विद्महे मृत्युरूपाय धीमहि तन्नो शनिः प्रचोदयात्॥

## ग्रह ध्यान मंत्र

प्रातःकाल उठ कर आप शनि का ध्यान करें, मन में शनि की मूर्ति प्रतिष्ठित करें और तत्पश्चात् निम्न मंत्र का पाठ करें।

नीलाञ्जनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम्।
छायामार्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम्॥

## ग्रह जप मंत्र

अशुभ शनि को अनुकूल बनाने हेतु शनि के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं। पूरा अनुष्ठान दो सौ तीस माला का है। मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे।

ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः।। जप संख्या 23000।।

## वनस्पति धारण

आप शनिवार के दिन एक इंच लंबी बिच्छू की जड़ लाकर, काले धागे में लपेटकर, दाहिने हाथ में बांधें या शीशे अथवा लोहे के ताबीज में भरकर गले में धारण करें। इससे शनि के अशुभ प्रभाव

Mukesh Kumar Shakya
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

कम होंगे तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

## वनस्पति स्नान

आप प्रत्येक शनिवार को एक बाल्टी या बर्तन के पानी में सुरमा, काले तिल, सौंफ, नागरमोथा और लोध आदि औषधियों का चूर्ण डालकर स्नान करें; यह सभी प्रकार के रोगों से मुक्तिदायक रहेगा। इस हर्बल स्नान से आपकी त्वचा की कांति में वृद्धि होगी। अशुभ शनि के प्रभाव क्षीण होकर आपके तेज एवं प्रभाव में वांछित लाभ प्राप्त होगा। सभी ग्रहों की शांति के लिए आप कूठ, खिल्ला, कांगनी, सरसों, देवदारु, हल्दी, सर्वौषधि तथा लोध को मिलाकर चूर्ण बना लें और उसे किसी तीर्थ के जल में मिलाकर, भगवान का स्मरण करते हुए स्नान करें, तो ग्रहों की शांति और सुख-समृद्धि प्राप्त होगी।

## दान पदार्थ

शनि की शांति के लिए किसी योग्य व्यक्ति को शनि से संबंधित वस्तुओं जैसे— तिल, उड़द, भैंस, लोहा, तेल, काले वस्त्र, नीलम, कुलथी, काली गाय, काले पुष्प, जूते, कस्तूरी, स्वर्ण आदि का दान करना आपके लिए लाभप्रद रहेगा।

## यंत्र

शनि को अनुकूल बनाए रखने हेतु शनि यंत्र को भोजपत्र पर अष्टगंध (केसर, कपूर, अगर, तगर, कस्तूरी, अम्बर, गोरोचन एवं रक्त चंदन या श्वेत चंदन) की स्याही से लिखकर, सोने या तांबे के ताबीज में भरकर तथा धूप-दीप से पूजन कर, सोने की जंजीर या पीले धागे के साथ शनिवार को शुक्ल पक्ष में प्रातःकाल धारण करें।

# लग्न फल

आपका जन्म पुष्य नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ था। उस क्षण क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ तुला राशि का नवांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस लग्न के प्रभाव से यह संकेत मिलता है कि आपका जीवन स्तर अत्यंत समृद्ध, धनवान और सम्मानजनक होगा।

आप ईश्वर के प्रति समर्पित, पूर्ण श्रद्धावान एवं आस्तिक विचारों वाले होंगे। आप धर्म, अध्यात्म एवं दर्शनशास्त्र की शिक्षा ग्रहण करेंगे। आप अपने संपर्क में आने वाले बहुत से व्यक्तियों के बीच प्रसिद्ध होंगे क्योंकि आपकी अभिरुचि स्थायी रूप से धार्मिक है। आप धार्मिक स्थलों की यात्रा एवं दर्शन करेंगे तथा अपना धन लोकहित के कार्यों में दान करेंगे।

वास्तव में आप धन का संचय करना चाहते हैं, परंतु आप केवल ईमानदारी और विश्वसनीयता के साथ ही ऐसा करेंगे। आप 6 वर्ष की आयु से ही प्रगति करते हुए आय अर्जित करना शुरू कर सकते हैं।

आपके रूप का प्रमुख लक्षण आपकी सुंदर आँखों से प्रकट होता है। जिन व्यक्तियों के साथ आप व्यवहार करते हैं, वे आपकी आँखों से प्रभावित होकर आपको और आपके कार्यकलापों को पसंद करते हैं।

यह सच है कि आपकी सम्मोहक आँखें आपको प्रेम संबंधों की ओर आकर्षित कर सकती हैं। इस झुकाव के कारण आपके परिवार की नैया किसी और दिशा में मुड़ सकती है, जिससे आपके परिवार, विशेषकर आपकी पत्नी और बच्चों के सामने गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है।

आपका उत्तेजक स्वभाव आपकी पत्नी के साथ विवाद उत्पन्न कर सकता है। इसके परिणामस्वरूप आप दोनों के बीच वैचारिक मतभेद बढ़ते जाएंगे। अतः आपके लिए यही उत्तम होगा कि आप अपनी इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप जल से संबंधित व्यवसायों को काफी पसंद करते हैं और ऐसे ही व्यापार का चयन करना आपके लिए श्रेष्ठ रहेगा। जलीय क्षेत्रों में करियर बनाकर आप अच्छी उन्नति प्राप्त कर सकते हैं। आपके लिए सिंचाई विभाग, कृषि, जहाजरानी, तटबंध और नहरों से जुड़े कार्य विशेष रूप से अनुकूल रहेंगे।

एक प्रभावशाली व्यक्तित्व पाने के लिए आप राजनीति या प्रशासनिक सेवाओं के क्षेत्र में निरंतर प्रयासरत रह सकते हैं।

आप परिवर्तनशील विचारों वाले व्यक्ति हैं। आप नई खोजों और अपनी दिनचर्या में सकारात्मक बदलाव लाकर अपने जीवन स्तर को सुधार सकते हैं।

आपको समय-समय पर यात्राओं के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। आप बड़ी संख्या में मित्र बनाना पसंद करते हैं और उन्हें अपना शुभचिंतक बनाए रखना चाहते हैं, ताकि वे पूरी निष्ठा से आपका सहयोग कर सकें।

आपमें काफी अधिक व्याकुलता देखी जाती है, जो आपके चिड़चिड़ेपन का प्रतीक है। आपको अपनी इस गंभीर उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति के प्रति सतर्क रहना चाहिए और इसे जल्द से जल्द छोड़ने का प्रयास करना चाहिए, क्योंकि क्रोध के बाद आप जल्दी शांत नहीं हो पाते।

कर्क राशि के प्रभाव के कारण आपको हृदय, पेट और पाचन संबंधी समस्याओं के प्रति पूरी सावधानी बरतनी चाहिए। बाहर के खान-पान और अधिक भोजन करने की आदत से बचें। साथ ही, शराब के अत्यधिक सेवन का त्याग करना भी आपके स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होगा। आपको दमा, थायराइड, गैस, अल्सर और कैंसर जैसी बीमारियों के प्रति हमेशा सचेत रहना चाहिए।

आपके लिए सप्ताह के दिनों में शुक्रवार और शनिवार विशेष आनंददायक नहीं रहेंगे। इसके विपरीत मंगलवार, गुरुवार और सोमवार सफलता दिलाने वाले दिन सिद्ध होंगे। बुधवार का दिन चिंता और खर्चों वाला हो सकता है, जबकि रविवार के दिन आपको काफी सतर्क रहने की आवश्यकता है।

अंक ज्योतिष के अनुसार, आपके लिए 4 और 6 का अंक प्रभावशाली और अनुकूल है, जबकि 3 और 5 के अंक से आपको बचना चाहिए। रंगों की बात करें तो सफेद, क्रीम, लाल और पीला रंग आपके लिए शुभ हैं, लेकिन आपको नीले और हरे रंग का प्रयोग करने से पूरी तरह बचना चाहिए।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# ग्रह फल

## सूर्य

दशम भाव में मेष राशि में उच्च के सूर्य के होने से, आपका समय बहुत अच्छा बीतेगा, संभवतः आप किसी सरकारी संस्थान में उच्च पद पर आसीन होंगे। निष्ठा के साथ कार्य करते हुए, आप अपने वरिष्ठों से प्रशंसा प्राप्त करेंगे, जिसके परिणामस्वरूप आप सरकार द्वारा कृपा प्राप्त करने की अपेक्षा कर सकते हैं। आपको वाहन का लाभ मिलेगा और बहुत सारी यात्राएं होंगी जो लाभदायक भी होंगी। आप पर्याप्त मात्रा में संपत्ति के स्वामी होंगे।

आपकी साख इतनी ऊंची होगी कि कई राजनेता आपसे मित्रता विकसित करेंगे जिससे आपकी सार्वजनिक छवि और निखरेगी।

आपके जन्म काल में सूर्य दशम भाव में स्थित है अतः पिता के आप प्रिय रहेंगे। उनका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा एवं आयु भी दीर्घ होगी। धनैश्वर्य से वे सर्वदा सुसम्पन्न रहेंगे एवं जीवन के अधिकांश महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आपकी उन्नति के लिए अपना पूर्ण आर्थिक तथा अन्य प्रकार से सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही व्यापार तथा आजीविका संबंधी कार्यों में भी उन्हीं की प्रेरणा एवं सहयोग से आप सफलता अर्जित कर सकेंगे।

आपकी भी उनके प्रति पूर्ण श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रहेगी एवं उनकी आज्ञा का पालन करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। आपके परस्पर संबंध मधुर रहेंगे एवं यदा-कदा सैद्धांतिक मतभेद भी उत्पन्न होंगे परंतु वे शीघ्र ही समाप्त हो जाएंगे। इसके साथ ही आप जीवन में उनको आर्थिक तथा अन्य रूप से पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे तथा सुख-दुःख में उनको पूर्ण सहायता तथा सहयोग प्रदान करेंगे।

## चन्द्र

दशम भाव में मेष राशि में चंद्रमा की उपस्थिति आपको राजसी सुख-सुविधाओं का वादा करती है। आपका पेशा चाहे जो भी हो, आप पद और अधिकार की स्थिति तक पहुँचने के प्रति आशावादी हो सकते हैं। इस प्रकार, एक सुखद युवावस्था के बाद, जिसके दौरान आपके पिता ने आपकी बहुत अच्छी देखभाल की होगी, आप जीवन का आनंद लेने की स्थिति में होंगे। लेकिन, ऐसे संकेत हैं कि आप कई बुराइयों को अपना सकते हैं और यह आपके पतन का शुरुआती बिंदु हो सकता है। अंततः, आपको वृद्धावस्था में कष्टदायक समय का अनुभव करना पड़ सकता है। इसलिए, शुरुआती सफलताओं को अपने सिर पर न चढ़ने दें। संयमित जीवन जिएं ताकि बाद में आपकी छवि धूमिल न हो।

आपके जन्म समय में चन्द्रमा दशम भाव में स्थित है। अतः आप माता के प्रिय रहेंगे उनका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं आयु भी दीर्घायु होगी। विभिन्न प्रकार की धन सम्पत्ति तथा सुख-संसाधनों से वे युक्त रहेंगी एवं आपको जीवन में उन सभी सुखों से परिपूर्ण करने के लिए यत्नशील रहेंगी। उनके सहयोग से ही आप जीवन में नौकरी, व्यापार तथा यश को प्राप्त करने में सफल हो

सकेंगे।

आप भी उनके प्रति श्रद्धावान रहेंगे एवं एक आज्ञाकारी पुत्र की तरह उनकी आज्ञा का पूर्ण रूप से अनुपालन करेंगे। जीवन में उनकी सेवा सुविधा का आप पूर्ण ध्यान रखेंगे तथा यत्नपूर्वक उनको वांछित आर्थिक या अन्य प्रकार से सहयोग करते रहेंगे। आपके संबंध भी अच्छे रहेंगे एवं विचारों में विभिन्नता अल्प मात्रा में ही रहेगी। इस प्रकार एक दूसरे के लिए आप सामान्यतया शुभ ही रहेंगे।

## मंगल

आप फिजूलखर्च हैं। आप अपने दृष्टिकोण से मजबूती से जुड़े हुए हैं। जब आप बड़े होंगे, तो आप किसी ऐसे उद्देश्य की तलाश कर सकते हैं जिसका आप बचाव कर सकें। आप केवल मानसिक स्तर पर ही शामिल नहीं होते, बल्कि आप अपने विश्वासों पर कार्य भी करते हैं।

मीन राशि में नौवें भाव में मंगल यह दर्शाता है कि आप धार्मिक अनुष्ठानों और प्राचीन परंपराओं और रीति-रिवाजों में गहरी रुचि दिखाते हैं। आपकी सर्वशक्तिमान में आस्था है। आप प्रतिदिन ईश्वर की पूजा करेंगे। आपकी धर्म, तंत्र-मंत्र और आध्यात्मिक विज्ञान में रुचि है। इन विषयों पर आपका अध्ययन और इन विषयों पर विचारों को प्रस्तुत करने का आपका तरीका आपको ज्ञान देता है। लोग आपकी बातों का सम्मान करेंगे। आप शिष्यों की एक कतार का नेतृत्व करेंगे। वास्तव में, आप जनता को अध्यात्म की ओर ले जाएंगे और इस क्षेत्र में प्रसिद्ध हैं।

आपके जन्म समय में मंगल नवम भाव में स्थित है, अतः आपके भाई-बहनों का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, लेकिन यदा-कदा वे शारीरिक रूप से व्याकुलता की अनुभूति भी करेंगे। आपके प्रति उनका अपनत्व रहेगा एवं वे जीवन के सुख-दुःख में आपका नित्य सहयोग करते रहेंगे। इसके साथ ही आपकी भाग्योन्नति में भी वे वांछित आर्थिक तथा अन्य प्रकार की सहायता अवश्य प्रदान करेंगे। उनके पास धन-संपत्ति का अभाव नहीं रहेगा तथा वे इससे संपन्न रहेंगे।

आप भी उन्हें हृदय से स्नेह एवं सम्मान प्रदान करेंगे एवं सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में उनका सहयोग करते रहेंगे। आपके आपसी संबंधों में मधुरता रहेगी, परन्तु यदा-कदा आपसी सैद्धांतिक मतभेदों के कारण उनमें कटुता भी आएगी, लेकिन यह अस्थायी रहेगी। इसके साथ ही उनकी भाग्योन्नति में भी आप समयानुसार आर्थिक या अन्य प्रकार से अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे एवं सुख-दुःख में उनका पूर्ण साथ देंगे।

## बुध

आपको अपनी प्रगति की राह में बाधाओं का सामना करना पड़ेगा। आप जिस भी चीज़ का अध्ययन करते हैं उसके बारे में बहुत तार्किक रूप से सोचते हैं क्योंकि आप चाहते हैं कि उसका अच्छा तार्किक अर्थ निकले। लेकिन आपको कला, साहित्य और संगीत जैसे विषयों की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए जिन्हें तार्किक रूप से नहीं देखा जा सकता।

नीच राशि का बुध आपको भाग्य के बजाय कर्म को प्राथमिकता देने वाला बनाता है। आप

कुछ संकोच के साथ धर्म, भाग्य और धार्मिक अनुष्ठानों में विश्वास करते हैं। आपका मानना है कि पुरुषार्थ के रूप में कर्म के बिना कुछ भी हासिल नहीं किया जा सकता है। आप वेदों और धार्मिक पुस्तकों के अध्ययन में अधिक रुचि नहीं लेंगे। आपकी राय में, धर्म और अत्यधिक पूजा मनुष्य को कायर बनाती है।

हालाँकि आप यात्रा के शौकीन हो सकते हैं लेकिन आप लंबी यात्राओं में कम रुचि लेंगे क्योंकि आपका मानना है कि उनसे आपको थकान हो सकती है। ऐसा बुध के प्रभाव के कारण है।

हालाँकि कर्क लग्न पोते-पोतियों के माध्यम से सुख का संकेत देता है, लेकिन बुध इस प्रभाव को कम कर देता है और आपको उनके माध्यम से अधिक सुख नहीं मिलेगा और आप उनके कारण चिंतित हो सकते हैं।

## गुरु

आप साधन संपन्न, दयालु, परोपकारी, सहानुभूतिपूर्ण और मानवीय हैं। यह बारहवें भाव में मिथुन राशि में बृहस्पति के स्थित होने के कारण है। इसलिए यह स्वाभाविक है कि आप अपना अधिकांश पैसा दान में और यहाँ तक कि मंदिरों आदि के लिए दान के उद्देश्यों में खर्च करेंगे। शेष पैसा मुकदमों पर खर्च होगा। जो कुछ भी बचेगा, लोग आपकी दयालु प्रकृति को जानकर आपकी लाचारी की कहानियों से आपका फायदा उठाएंगे और आपको ठग लेंगे।

हालांकि कर्क लग्न अस्पताल में भर्ती होने का संकेत नहीं देता है, लेकिन बृहस्पति की इस स्थिति के कारण अस्पताल में लंबे समय तक रुकने का संकेत मिलता है। हालांकि, यह घातक नहीं होगा।

लंबी यात्राओं के संकेत हैं। ये अवकाश यात्राएं होंगी लेकिन बीच में लंबी अवधि तक कोई यात्रा नहीं होगी। विदेश यात्रा निश्चित है, आपके जीवनकाल में कम से कम एक बार।

## शुक्र

दसवें भाव में मेष राशि में शुक्र की उपस्थिति आपके लिए मिश्रित परिणाम दर्शाती है। आपको मिलने वाली बड़ी विरासत के कारण अच्छी शुरुआत मिलने के बाद, आप अपने पेशे में उच्च पद पर पहुँचने की उम्मीद कर सकते हैं, क्योंकि आप बुद्धिमान और मेहनती हैं। लेकिन, जैसे-जैसे उम्र बढ़ेगी, आपको किसी सरकारी विभाग द्वारा उत्पन्न समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, जो पुलिस केस में बदल सकती हैं। इसलिए, विवादों में पड़े बिना सुरक्षित चलें।

## शनि

नौवें भाव में शनि आपको प्रसिद्धि और सम्मान प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। जीवन के प्रति आपका दृष्टिकोण सतर्क और रूढ़िवादी है। आप जीवन की हर समस्या को व्यवस्थित रूप से देखते हैं और व्यावहारिक समाधान ढूंढते हैं।

आप स्वयं को धर्म के विश्वासी के रूप में प्रस्तुत करते हैं और पूरी तरह से भाग्य पर विश्वास नहीं करते हैं। आप कर्म में विश्वास करते हैं। आप अच्छी तरह जानते हैं कि कर्म के बिना कुछ भी हासिल नहीं किया जा सकता।

शनि की उपस्थिति आपको पूजा के बजाय काम को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित करती है। हालाँकि, आप अपने भविष्य के जीवन के लिए कुछ नेक कार्य और नियमित पूजा करेंगे।

सुख और दुख, लाभ और हानि, सफलता और असफलता आपके मार्ग में एक साथ आते हैं। आप तेजी से पैसा कमाते हैं और उतनी ही तेजी से खर्च करते हैं।

यद्यपि कर्क लग्न लंबी यात्राओं का संकेत देता है जो फायदेमंद होंगी, लेकिन शनि आपको उनसे लाभ नहीं होने देता है। लंबी यात्राओं के संकेत हैं, लेकिन आप उनसे कुछ भी हासिल नहीं करेंगे।

## राहु

कुंभ राशि में आठवें भाव में राहु आपकी गुप्त विद्या में रुचि को कम कर देता है। ऐसा इसमें सफलता की कमी के कारण हो सकता है।

आपको कोई संपत्ति विरासत में नहीं मिलेगी जिससे आप अन्य लोगों की संपत्ति को देखकर ईर्ष्या करेंगे। इससे असंतोष पैदा हो सकता है।

विवाह करने पर आपको कोई दहेज नहीं मिलेगा। आप दहेज लेने या देने में विश्वास नहीं करते होंगे, लेकिन जो बात आपको चुभेगी वह यह है कि आपके ससुराल वाले आपको यह स्पष्ट कर देंगे कि इसमें कोई दहेज शामिल नहीं होगा, जबकि ऐसा विचार आपके मन में आया भी नहीं था।

डकैती का संकेत है लेकिन क्योंकि आपने चोरी के खिलाफ बीमा नहीं कराया था, इसलिए आप किसी भी प्रकार का दावा नहीं कर पाएंगे और आप खोया हुआ सामान भी वापस नहीं पा सकेंगे।

आपको वाहन चलाते समय सावधान रहने की सलाह दी जाती है क्योंकि आपकी कुंडली मोटर दुर्घटना का संकेत देती है। आप औसत आयु तक जीवित रहेंगे। एक त्वरित और अचानक मृत्यु का संकेत है। यह दर्दनाक हो सकता है।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

## केतु

सिंह राशि में द्वितीय भाव में केतु वित्तीय परेशानियों और प्रतिष्ठा की हानि का संकेत देता है। आप कर्ज में डूबे रह सकते हैं। लेकिन अनधिकृत स्रोतों और अनुचित साधनों से कुछ धन प्राप्ति का भी संकेत है। शत्रुओं, गिरफ्तारी और युवावस्था में अन्य परेशानियों तथा सरकारी अधिकारियों की नाराजगी से सावधान रहें।


**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# स्वास्थ्य, व्यक्तित्व एवं प्रकृति

आपके जन्म के समय कर्क लग्न का उदय हो रहा था, जो यह दर्शाता है कि आप एक विनम्र व्यक्ति हैं जिनका व्यक्तित्व मध्यम है और आप किसी भी सभा में अनुचित ध्यान आकर्षित नहीं करेंगे। सामान्यतः कर्क राशि के जातक औसत ऊंचाई, छोटे हाथ और पैर, लेकिन चौड़ी छाती वाले होते हैं। गोल चेहरे पर भरे हुए गाल प्रमुख होंगे, जो अच्छे स्वास्थ्य को दर्शाते हैं। फिर भी, चूंकि कर्क राशि छाती और पेट पर शासन करती है, इसलिए आपको अपने पाचन तंत्र और गले का अच्छी तरह से ख्याल रखना होगा। साथ ही, फेफड़ों की संभावित बीमारी, अस्थमा, अपच, गठिया और घबराहट को रोकने के लिए सतर्कता आवश्यक है। ऐसा नहीं है कि ये बीमारियां आपको निश्चित रूप से प्रभावित करेंगी, लेकिन शराब छोड़ कर और उचित आहार का पालन करके इनके प्रति सावधान रहना बुद्धिमानी होगी।

आपका स्वभाव ऐसा है कि आपका मानसिक और नैतिक बल तो मजबूत है, लेकिन आप शारीरिक खतरे के किसी भी संकेत से डरते हैं। आम तौर पर आप बातूनी होते हैं, लेकिन आलोचना के जरा से संकेत पर, आप सतर्क हो जाते हैं और अपने खोल में सिमट जाते हैं। यदि आपको समाज में अपनी पहचान बनानी है, तो इस हीन भावना को अपने भीतर से निकालना होगा। डरपोक दृष्टिकोण को त्यागें और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें जो अत्यधिक लाभकारी सिद्ध होगा। आपको अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना चाहिए जो कभी-कभी बिना किसी उकसावे के अचानक भड़क उठता है। बेशक, आपका गुस्सा ज्यादा देर तक नहीं टिकेगा, क्योंकि आप जल्दी शांत हो जाते हैं।

कर्क राशि के जातकों के लिए यह अच्छा होगा यदि वे अपने भौतिक प्रयासों के साथ-साथ अपने आध्यात्मिक पक्ष को भी विकसित करें। इससे एक ओर जहां उनके अति व्यस्त मन को स्थिर करने में मदद मिलेगी, वहीं दूसरी ओर यह उन्हें एक उच्च स्तर पर ले जाएगा, जहाँ से वे अपने बाद के जीवन में बेहतर शुरुआत कर सकते हैं। चूंकि कर्क राशि छाती और पेट पर शासन करती है, इसलिए शराब से बचने का प्रयास करें और अस्थमा के प्रभावों के प्रति सावधानी बरतें।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# धन, परिवार, आंख एवं वाणी

आपके जन्म के समय दूसरे भाव में सिंह राशि उदित हो रही थी। इस राशि का स्वामी सूर्य होने के कारण यह संकेत मिलता है कि आप बहुत अधिक बात करना पसंद नहीं करेंगे। आपकी मुख्य विशेषता मौन रहने की आदत है। आप सुखद कार्यों और मांगलिक उत्सवों में रुचि रखेंगे। आप बहुत जल्दी क्रोधित हो जाते हैं। आप परिवार में पूर्ण शांति, सद्भाव और सुख बनाए रखने का प्रयास करेंगे।

आपको विरासत में धन मिलेगा और आप कीमती आभूषण, रत्न और अन्य मूल्यवान वस्तुएं प्राप्त करेंगे। आप संपत्ति और एक अच्छा घर प्राप्त करेंगे। आपको अपनी आंखों का ख्याल रखना चाहिए। आपकी दाहिनी आंख प्रभावित होगी। आप अच्छे भोजन और मिठाइयों के शौकीन हैं। आपके पास दूसरों को समझाने की क्षमता है लेकिन आपकी अपनी कुछ सनक भी है। आप पारिवारिक सद्भाव बनाए रखना चाहते हैं और अपने परिवार के कल्याण के लिए पैसा खर्च करते हैं।

सिंह राशि में द्वितीय भाव में केतु वित्तीय परेशानियों और प्रतिष्ठा की हानि का संकेत देता है। आप कर्ज में डूबे रह सकते हैं। लेकिन अनधिकृत स्रोतों और अनुचित साधनों से कुछ धन प्राप्ति का भी संकेत है। शत्रुओं, गिरफ्तारी और युवावस्था में अन्य परेशानियों तथा सरकारी अधिकारियों की नाराजगी से सावधान रहें।

# पराक्रम, सहोदर, प्रकाशन एवं लघुयात्राएं

आपके जन्म के समय कन्या राशि तीसरे भाव में स्थित थी। इस राशि का स्वामी बुध होने के कारण यह संकेत देता है कि आपके पास एक अच्छा, गहन मस्तिष्क है और आप विवरणों पर ध्यान देते हैं। इसलिए आप उन विषयों के बारे में सीख सकते हैं जिनमें सावधानीपूर्वक सोचने और जटिल तकनीकों को सीखने की आवश्यकता होती है। तकनीक जितनी जटिल होगी, आप उसे उतना ही अधिक पसंद करेंगे। इसके अलावा, आपके अपने हाथों के कार्यों में निपुण होने की संभावना है, क्योंकि आप शिल्प कौशल के उच्च स्तर तक पहुँचने के लिए बहुत सावधानी से काम करते हैं।

यदि आप कोई काम अच्छी तरह से नहीं कर सकते हैं, तो आपके उसे बिल्कुल भी न करने की संभावना है। आप जो कुछ भी सीखते हैं, उसे व्यावहारिक उपयोग में लाना चाहते हैं, क्योंकि आप महसूस करते हैं कि आपके द्वारा किया गया हर कार्य किसी काम को पूरा करने के लिए एक उपयोगी उपकरण के रूप में काम करना चाहिए।

आप अपनी पढ़ाई में अच्छे होंगे, क्योंकि आप अपने काम को बहुत सावधानी से करते हैं। जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ेगी, आप विचारों और सूचनाओं के साथ काम करने में बहुत कुशल हो जाएंगे। पुस्तकालय कार्य, विद्वता या किसी भी क्षेत्र जिसमें विचारों और आंकड़ों को व्यवस्थित और वर्गीकृत करने की आवश्यकता होती है, में यह एक बहुत ही उपयोगी क्षमता है। यहाँ तक कि जब आप युवा होते हैं, तब भी आपको टिकट, शंख, सिक्के या इसी तरह की चीज़ों को इकट्ठा करने और वर्गीकृत करने का शौक हो सकता है।

आपकी स्मरण शक्ति अच्छी है। आप दार्शनिक झुकाव वाले बुद्धिमान व्यक्ति हैं। आप कूटनीतिक और पारंपरिक हैं। आपमें नेतृत्व के गुण हैं। आप एक अच्छे वक्ता हैं और भाषा पर आपकी अच्छी पकड़ है।

आप वाहन, डाक सुविधा, टेलीफोन, टेलीविजन और दूरसंचार जैसी संचार सुविधाओं का आनंद लेंगे।

आपको संगीत और गीत पसंद हैं। आपको गायन संगीत में प्रसिद्धि मिल सकती है। आपकी आवाज़ अच्छी है। आप संगीत, गीत, सिनेमा और ओपेरा के साथ अपना मनोरंजन करते हैं।

आप आर्थिक लाभ के लिए अक्सर यात्राएं करेंगे। आप पड़ोसी देशों की यात्रा भी करेंगे।

आपको सार्वजनिक चुनावों के माध्यम से और लेख तथा पुस्तकें लिखने या नए आविष्कारों के माध्यम से प्रसिद्धि मिलेगी। आपको समाचार पत्र, पत्रिकाएं और विभिन्न प्रकार की पुस्तकें पढ़ना पसंद है।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# शिक्षा, माता, वाहन एवं जायदाद

यह एक सामान्य प्रतिरूप है कि वे जातक जिनका जन्म चौथे भाव में तुला राशि के उदय होने के समय हुआ है, वे काफी भाग्यशाली होंगे और सुखी, विलासितापूर्ण जीवन जीने के लिए अनुकूल होंगे। इसलिए, यदि आपकी अपेक्षाएं ऊँची हैं तो आप गलत नहीं होंगे। आपकी प्रगति की नींव आपकी माता द्वारा रखी जाएगी जो न केवल परिवार की अच्छी तरह से देखभाल करेंगी बल्कि सामाजिक गतिविधियों में खुद को संलग्न करने के लिए समय भी निकालेंगी। वह एक सोशलाइट के रूप में लोकप्रिय साबित होंगी क्योंकि वह बुद्धिमान होंगी और प्रभावशाली ढंग से कपड़े पहनेंगी।

आप अपनी माता के प्रयासों के कारण भूमि और खेत सहित पैतृक संपत्ति के साथ-साथ वाहन विरासत में मिलने की आशा कर सकते हैं। वास्तव में, एक चरण में आपके पास एक से अधिक वाहन हो सकते हैं जो उत्कृष्ट स्थिति में होंगे क्योंकि आप उनके रखरखाव पर व्यक्तिगत ध्यान देंगे। ऐसे संकेत हैं कि आप एक बड़े बगीचे वाले आलीशान बंगले में रह सकते हैं। आप अपने घर को सभी प्रकार के गैजेट्स और आधुनिक फर्नीचर से सजाने का आनंद लेंगे जो आपके आगंतुकों पर जबरदस्त प्रभाव डालेंगे।

शिक्षा के दौरान आप जिन विषयों का अध्ययन करेंगे वे प्रशासन, विज्ञान और गणित से संबंधित होंगे, लेकिन बाद में आप कानून के बारे में कुछ सीखेंगे जो आपके लिए फायदेमंद होगा, क्योंकि आप एक विश्लेषणात्मक दिमाग वाले व्यक्ति हैं।

बाद के वर्षों में अत्यधिक धूम्रपान के कारण आपको अस्थमा, छाती में दर्द और शरीर में दर्द होने का खतरा रहेगा।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# प्रणय सम्बन्ध, सन्तान एवं बुद्धि

आपके जन्म के समय पंचम भाव में वृश्चिक राशि उदय हो रही थी। इस राशि का स्वामी मंगल होने के कारण यह संकेत मिलता है कि आपकी कल्पना शक्ति उर्वर है और बुद्धि तीव्र है। वास्तव में, आप अपनी क्षमताओं को पूरी तरह से नहीं जानते हैं। आप किसी भी सिद्धांत को तब तक स्वीकार नहीं करेंगे जब तक कि आप उसका तार्किक और वैज्ञानिक आधार पर परीक्षण न कर लें।

आप रोमांस और प्यार में चतुर रहने की प्रवृत्ति रखते हैं। आप अपनी पत्नी को सभी सुख-सुविधाएं प्रदान करते हैं और अपने परिवार को प्रसन्न और खुशहाल रखने का प्रयास करते हैं। आप अपने परिवार के सम्मान के प्रति विशेष रूप से सचेत रहते हैं। इसलिए, आप पूरी सावधानी बरतेंगे कि अपने पारिवारिक मामलों को किसी के सामने उजागर न करें। आपकी संतानों की संख्या सीमित होगी। आपकी केवल एक ही पुत्र संतान हो सकती है। बच्चे न केवल बुद्धिमान होंगे बल्कि भाग्यशाली भी होंगे।

आपको अपने खान-पान की आदतों को नियंत्रित और नियमित करना चाहिए। आपका पेट बहुत संवेदनशील है और आप पेट के विकारों से पीड़ित हो सकते हैं। 35 वर्ष की आयु के बाद, आपके पेट के फूलने की संभावना है जिससे आपकी फुर्ती कम हो सकती है। आपको सरकारी निकायों से कराधान का कष्ट हो सकता है। आप उच्च शिक्षा, वैदिक ज्ञान और गूढ़ विद्या में रुचि लेंगे।

# रोग, शत्रु, सेवक एवं मामा

आपके जन्म के समय, छठे भाव में धनु राशि स्थित थी। बृहस्पति इस भाव का स्वामी है।

परंपरागत रूप से इसे वह राशि माना गया है जिसमें बृहस्पति सबसे अधिक सहज महसूस करता है, क्योंकि राशि और ग्रह प्रकृति में बहुत समान हैं। यह स्थिति इंगित करती है कि जीवन की शुरुआत में ही, आप मजबूत नैतिक और सदाचारी सिद्धांतों को विकसित करेंगे, हालांकि वे काफी अपरंपरागत हो सकते हैं।

अपने तरीके से, आप जो सही मानते हैं उसके बारे में आप बहुत आत्म-धर्मी हो सकते हैं अन्यथा आप बहुत सहिष्णु हैं, यह जानते हुए कि विभिन्न दृष्टिकोण और जीवन शैली आवश्यक और यहाँ तक कि वांछनीय भी हैं।

आपको जीवन के अधिक से अधिक विभिन्न क्षेत्रों में सीधे अनुभव प्राप्त करने की आवश्यकता है। आप एक स्थान या रहने के एक तरीके तक सीमित नहीं रहना चाहते। जब आप बसेंगे, तो यह अधिक से अधिक विकल्पों को आज़माने के बाद होगा। एक बहुत ही आदर्शवादी व्यक्ति के रूप में, आप जीवन में बहुत पहले ही एक मजबूत आध्यात्मिक भावना विकसित कर लेंगे। आपको ब्रह्मांड में स्वयं से ऊपर कुछ होने का अनुभव करने के लिए किसी चीज़ या किसी व्यक्ति की ओर देखने की आवश्यकता है।

आप शांतिपूर्ण जीवन पसंद करते हैं। साथ ही, आप अपनी प्रतिभा और अच्छे दोस्तों के सहयोग से साहसपूर्वक सभी समस्याओं का समाधान करेंगे और अपने शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे। आप नीतिवादी हैं और कभी भी आसान रास्ता नहीं अपनाएंगे और न ही अपने शत्रुओं को वश में करने के लिए आपराधिक तरीकों का इस्तेमाल करेंगे।

आप घर में शांति बनाए रखेंगे। आपके करीबी रिश्तेदार आपके मार्ग में बाधा डालेंगे लेकिन पराजित होंगे।

आप अपने करियर में बहुत अच्छा करेंगे, लेकिन इसके लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। अपने सहयोगियों और अधीनस्थों के प्रति आपका व्यवहार अच्छा रहेगा। यह सब आपकी प्रतिष्ठा को बढ़ाएगा और आपकी आय बढ़ाने में मदद करेगा।

आपके अपने मामाओं के साथ अच्छे संबंध होंगे जो आपका समर्थन करेंगे। वे आपकी आवश्यकताओं का ध्यान रखेंगे।

आप मुकदमेबाजी में शामिल हो सकते हैं लेकिन ये अंततः आपके पक्ष में जाएंगे। आप बहुत अच्छे सामाजिक स्तर का आनंद लेंगे।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# परिवार, विवाह एवं साझेदार

आपके जन्म के समय मकर राशि सातवें भाव में थी, जो आपको घर में रहने का शौकीन बनाती है। आपके लिए, जीवन का सबसे बड़ा सुख एक सुखद घरेलू वातावरण का होना है। अपनी ओर से आप अपने परिवार के सदस्यों को आरामदायक और खुश रखने के लिए कोई भी त्याग करने के लिए हमेशा तैयार रहेंगे।

वफादार और सच्चे होने के नाते, आप अपनी पत्नी पर अपार प्रेम बरसाएंगे। एक लचीला दृष्टिकोण अपनाते हुए, आप यह देखने के लिए कोई भी आवश्यक समायोजन करने के लिए तैयार रहेंगे कि आपके वैवाहिक संबंध सौहार्दपूर्ण रहें। एक उचित जीवनसाथी खोजने के लिए, बेहतर होगा कि आप कर्क, वृश्चिक या मीन राशि के जातक की तलाश करें।

बाहरी तौर पर आप स्पष्टवादी और मुखर दिखते हैं, लेकिन आप मन में गुप्त विचार रखते हैं जिन्हें आप किसी के साथ साझा नहीं करेंगे। इस वजह से, आप समय-समय पर मूडी हो जाएंगे। यह आवश्यक है कि आप अपनी पत्नी के प्रति अपनी रोमांटिक भावनाओं को खुलकर प्रदर्शित करें, ताकि उनके मन में आपके स्नेह के प्रति कोई शंका न रहे। वास्तव में, आप अपने जीवनसाथी के प्रति इतने समर्पित होंगे कि आपका यौन जीवन लगभग नीरस हो जाएगा।

आप नौकरी या व्यवसाय दोनों में ही चमक सकते हैं। लेकिन बाद वाला विकल्प बेहतर होगा क्योंकि एक व्यावसायिक करियर आपके लिए सबसे उपयुक्त है। आप परिवहन, शिपिंग, यात्रा और आयात-निर्यात का व्यापार कर सकते हैं। सिंचाई, नागरिक अनुबंध, होटल और रेस्तरां से जुड़े व्यवसाय भी लाभकारी रहेंगे। उपलब्ध विकल्पों की इतनी विस्तृत श्रृंखला से भी अधिक, एक क्षेत्र है जो आपके लिए आदर्श होगा, और वह है एक राजनीतिज्ञ बनना।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# आयु, दुर्घटना एवं बीमा

आपके जन्म के समय, कुंभ राशि आठवें भाव में स्थित थी, इस राशि का स्वामी शनि होने के कारण यह संकेत मिलता है कि आपकी गुप्त विज्ञान में रुचि नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि आपका मस्तिष्क व्यावहारिक है और आप अपना सारा समय असंभव सपनों का पीछा करने में नहीं बिताते हैं।

आपको विरासत में संपत्ति मिल सकती है, हालांकि बहुत अधिक नहीं। लेकिन यह पर्याप्त होगी क्योंकि आपके पास पहले से ही पर्याप्त धन और अपनी संपत्ति है।

आप दहेज के संबंध में कोई मांग नहीं करेंगे और न ही आपको कोई दहेज मिलेगा। आप दहेज की पुरातन व्यवस्था में विश्वास नहीं करते हैं और इसे एक सामाजिक बुराई मानते हैं। आपके ससुराल वाले आपके उच्च सिद्धांतों और नेक व्यवहार से इतने प्रसन्न होंगे कि आपके मना करने पर भी वे अपनी ओर से आप पर उपहारों की बौछार करेंगे और जोर देंगे कि इसका दहेज से कोई लेना-देना नहीं है।

आपकी कुंडली चोरी का संकेत देती है लेकिन बड़ी नहीं। और आप शायद पुलिस की मदद से अपना सारा पैसा और जो कुछ भी खोया है उसे वापस पा लेंगे।

हो सकता है कि आपने बीमा न कराया हो क्योंकि शायद आपको इसकी आवश्यकता नहीं लगी और आपने इसे एक अनावश्यक निवेश माना। लेकिन संभवतः चोरी की घटना आपको इस हद तक झकझोर दे कि आप जीवन के काफी अंतिम पड़ाव में इसे करवाएं, लेकिन यह कभी बीमा न कराने से बेहतर है।

आपकी कुंडली में दुर्घटनाओं के संकेत हैं लेकिन यदि आप बहुत सावधान रहते हैं तो ऐसा कोई कारण नहीं है कि आप ऐसी आपदाओं को टाल न सकें। और यदि वे घटित होती हैं, तो वे आपको भविष्य में अधिक सावधान रहना सिखाएंगी।

आप संक्रामक रोगों के प्रति संवेदनशील हैं। आप हृदय रोग, दांत, गले और टॉन्सिल, बाएं कान और आंख की समस्या से पीड़ित हो सकते हैं। आपको मामूली परेशानी या बीमारी की स्थिति में भी तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए ताकि आप जल्दी स्वस्थ हो सकें।

आप एक सामान्य व्यक्ति की औसत आयु जिएंगे। आपकी मृत्यु त्वरित और अचानक होगी इसलिए दर्द लंबे समय तक नहीं रहेगा।

कुंभ राशि में आठवें भाव में राहु आपकी गुप्त विद्या में रुचि को कम कर देता है। ऐसा इसमें सफलता की कमी के कारण हो सकता है।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

आपको कोई संपत्ति विरासत में नहीं मिलेगी जिससे आप अन्य लोगों की संपत्ति को देखकर ईर्ष्या करेंगे। इससे असंतोष पैदा हो सकता है।

विवाह करने पर आपको कोई दहेज नहीं मिलेगा। आप दहेज लेने या देने में विश्वास नहीं करते होंगे, लेकिन जो बात आपको चुभेगी वह यह है कि आपके ससुराल वाले आपको यह स्पष्ट कर देंगे कि इसमें कोई दहेज शामिल नहीं होगा, जबकि ऐसा विचार आपके मन में आया भी नहीं था।

डकैती का संकेत है लेकिन क्योंकि आपने चोरी के खिलाफ बीमा नहीं कराया था, इसलिए आप किसी भी प्रकार का दावा नहीं कर पाएंगे और आप खोया हुआ सामान भी वापस नहीं पा सकेंगे।

आपको वाहन चलाते समय सावधान रहने की सलाह दी जाती है क्योंकि आपकी कुंडली मोटर दुर्घटना का संकेत देती है। आप औसत आयु तक जीवित रहेंगे। एक त्वरित और अचानक मृत्यु का संकेत है। यह दर्दनाक हो सकता है।

# प्रसिद्धि, पूजा, उच्चशिक्षा एवं लम्बी यात्राएं

आपके जन्म के समय मीन राशि नौवें भाव में स्थित थी। इस राशि का स्वामी होने के कारण बृहस्पति यह संकेत देता है कि आप दूसरों की सेवा करेंगे और किसी न किसी तरह से दूसरों के हितों को अपने हितों से ऊपर रखेंगे।

जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ेगी, आपमें एक मजबूत आध्यात्मिक जागरूकता विकसित होगी। यह दुनिया के प्रति आपकी धारणा को बहुत मजबूती से प्रभावित करेगी। आप ब्रह्मांड के उस पहलू से संबंधित होंगे जो रोजमर्रा की भौतिक वास्तविकता से उच्च है।

आप धार्मिक अनुष्ठानों के प्रति पूरी तरह समर्पित हैं। आप संभवतः सूर्य और अन्य देवताओं के भक्त हो सकते हैं। आपको ईश्वर और नियमित पूजा-पाठ में विश्वास है। आप खुद को एक पंडित या वेद के विद्वान के रूप में प्रस्तुत करते हैं। आप इन विषयों में बहुत कुछ बोल सकते हैं। आपको धर्म का अच्छा ज्ञान है। आपके शिष्य श्रद्धापूर्वक आपके चरण स्पर्श करेंगे।

ध्यान के प्रति आपकी रुचि आपकी अंतर्दृष्टि और दूरदर्शिता को बढ़ाएगी। आप गुप्त और आध्यात्मिक अनुभवों में रुचि लेंगे। बृहस्पति संकेत देता है कि आप धर्मशास्त्र के उपदेशक हो सकते हैं। आपकी प्रतिदिन की धार्मिक पूजा आपकी सहज शक्ति को विकसित करेगी। आप भविष्य देख सकते हैं। आप सभी के लिए सटीक भविष्यवाणियां करेंगे।

अपने पिछले जीवन में, आपने संभवतः कुछ नेक और पुण्य कार्य किए थे, जो आपको इस जीवन में अच्छे परिणाम देते हैं। आप अपने देश के अन्य शहरों में किसी धार्मिक समाज का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। इसके अलावा, आप अन्य तरीकों से भी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। नेक और पुण्य कार्य, मानव सेवा और लोगों के हित के प्रति आपका झुकाव आपकी एक अच्छी सार्वजनिक छवि बनाएगा। आप जिस भी पेशे को चुनते हैं, उसमें आप अच्छे हैं।

आपकी उच्च शिक्षा में रुचि है। आप धार्मिक और आध्यात्मिक साहित्य पढ़ेंगे और उसका अध्ययन करेंगे। आप एक अच्छे डॉक्टर भी हैं।

आपको यात्रा करने का शौक है और पेशेवर कारणों तथा शौक के रूप में लंबी यात्राओं के संकेत हैं जो आपके लिए अत्यंत लाभकारी होंगी। लंबी यात्राएं आपको नाम, प्रसिद्धि और धन दिलाएंगी।

आपके पोते-पोतियां/नाती-नातिन अच्छी तरह से शिक्षित और समृद्ध होंगे और उनके माध्यम से सुख का संकेत मिलता है। आपके पोते-पोतियां/नाती-नातिन आपका बहुत सम्मान करेंगे।

आपको अपनी प्रगति की राह में बाधाओं का सामना करना पड़ेगा। आप जिस भी चीज़ का अध्ययन करते हैं उसके बारे में बहुत तार्किक रूप से सोचते हैं क्योंकि आप चाहते हैं कि उसका

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

अच्छा तार्किक अर्थ निकले। लेकिन आपको कला, साहित्य और संगीत जैसे विषयों की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए जिन्हें तार्किक रूप से नहीं देखा जा सकता।

नीच राशि का बुध आपको भाग्य के बजाय कर्म को प्राथमिकता देने वाला बनाता है। आप कुछ संकोच के साथ धर्म, भाग्य और धार्मिक अनुष्ठानों में विश्वास करते हैं। आपका मानना है कि पुरुषार्थ के रूप में कर्म के बिना कुछ भी हासिल नहीं किया जा सकता है। आप वेदों और धार्मिक पुस्तकों के अध्ययन में अधिक रुचि नहीं लेंगे। आपकी राय में, धर्म और अत्यधिक पूजा मनुष्य को कायर बनाती है।

हालाँकि आप यात्रा के शौकीन हो सकते हैं लेकिन आप लंबी यात्राओं में कम रुचि लेंगे क्योंकि आपका मानना है कि उनसे आपको थकान हो सकती है। ऐसा बुध के प्रभाव के कारण है।

हालाँकि कर्क लग्न पोते-पोतियों के माध्यम से सुख का संकेत देता है, लेकिन बुध इस प्रभाव को कम कर देता है और आपको उनके माध्यम से अधिक सुख नहीं मिलेगा और आप उनके कारण चिंतित हो सकते हैं।

# व्यवसाय, पिता एवं सामाजिक स्तर

दशम भाव में मेष राशि के उदय होने पर जन्म लेने वाले जातकों के लिए व्यावसायिक करियर आदर्श है। इस व्यापक श्रेणी में व्यवसायों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है जो मेष राशि के जातक के सामान्य चरित्र के साथ मेल खाती है। इसलिए, आप निर्यात-आयात, एयरलाइंस, शिपिंग, परिवहन, यात्रा, रेस्तरां, भारी मशीनरी, कारखाने, खेल के सामान या सिंचाई से संबंधित व्यवसाय चुन सकते हैं। रक्षा और पुलिस में करियर भी आपके लिए उपयुक्त रहेगा।

चूंकि आप अपने व्यवहार में बहुत कूटनीतिज्ञ हैं, इसलिए आप राजनीति में कदम रख सकते हैं, जहाँ से आप शानदार सफलता के साथ उभरने की आशा कर सकते हैं। एक चतुर व्यक्ति के रूप में, आप जानते हैं कि लोगों के साथ मित्रता कैसे बढ़ाई जाए और उनके साथ कैसे तालमेल बिठाया जाए। यही वह गुण है जो सरकार में अधिकार रखने वाले लोगों के साथ अच्छे संबंध स्थापित करने में आपके काम आएगा। इससे आपको भारी लाभ मिलेगा।

आपका एक और लाभ है। आप पैसे के मामले में बहुत सावधान हैं, क्योंकि आप इसका मूल्य जानते हैं, और आपने इसे कठिन परिश्रम से कमाया है। छोटी राशि भी बर्बाद किए बिना, आप पर्याप्त संचय करेंगे।

आपके गुण आपके पिता के गुणों के बिल्कुल विपरीत हैं। व्यक्तिगत स्वतंत्रता के प्रेमी, आपके पिता किसी की भी गलत बात बर्दाश्त नहीं करते हैं और जल्दी आपा खो देते हैं। अपनी आदतों में आक्रामक और खर्चीले होने के कारण, वे शायद प्रभावशाली संपत्ति जमा न कर पाएं। उनका मुख्य लक्ष्य यह देखना होगा कि उनके बच्चों को न केवल जीवन की आवश्यकताएं, बल्कि अच्छी शिक्षा भी प्रदान की जाए, ताकि वे अपने पैरों पर खड़े हो सकें। इसके लिए उन्हें कितनी भी राशि खर्च करने में कोई आपत्ति नहीं होगी।

दशम भाव में मेष राशि में चंद्रमा की उपस्थिति आपको राजसी सुख-सुविधाओं का वादा करती है। आपका पेशा चाहे जो भी हो, आप पद और अधिकार की स्थिति तक पहुँचने के प्रति आशावादी हो सकते हैं। इस प्रकार, एक सुखद युवावस्था के बाद, जिसके दौरान आपके पिता ने आपकी बहुत अच्छी देखभाल की होगी, आप जीवन का आनंद लेने की स्थिति में होंगे। लेकिन, ऐसे संकेत हैं कि आप कई बुराइयों को अपना सकते हैं और यह आपके पतन का शुरुआती बिंदु हो सकता है। अंततः, आपको वृद्धावस्था में कष्टदायक समय का अनुभव करना पड़ सकता है। इसलिए, शुरुआती सफलताओं को अपने सिर पर न चढ़ने दें। संयमित जीवन जिएं ताकि बाद में आपकी छवि धूमिल न हो।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# लाभ, मित्र, समाज एवं ज्येष्ठ भ्राता

आपके जन्म के समय वृषभ राशि 11वें भाव में स्थित थी। इस राशि का स्वामी शुक्र होने के कारण यह संकेत मिलता है कि आपकी भविष्य के लिए कई इच्छाएं आकांक्षाएं हैं, जिन्हें आप एक बहुत ही दृढ़ निश्चयी परिश्रमी व्यक्ति होने के नाते प्राप्त करेंगे। वित्तीय लाभ का संकेत है। आपका स्वभाव बचत करने वाला है, आप धन संचित जमा करेंगे कभी भी अनावश्यक रूप से फिजूलखर्ची नहीं करेंगे।

आपकी कुंडली इंगित करती है कि आपके अपने बड़े भाइयों की तुलना में अपनी बड़ी बहनों के साथ बेहतर संबंध रहेंगे। जरूरत के समय आपको उनसे हर संभव मदद मिलेगी आप उनके साथ अच्छे संबंध साझा करेंगे।

आप उन दोस्तों के साथ रहना पसंद करते हैं जो मिलनसार सामाजिक हों। गंभीर लोग वे जो मौज-मस्ती करना नहीं जानते, उबाऊ लगते हैं। लेकिन आप उन लोगों की ओर आकर्षित हो सकते हैं जो कलात्मक रूप से बहुत रचनात्मक हैं, ऐसे लोग आपकी नज़र में नीरस हुए बिना गंभीर हो सकते हैं। जब आप वयस्क होंगे, तो आपके मित्रों में कलाकार, संगीतकार लेखक शामिल हो सकते हैं।

आपके मित्र चाहे जो भी हों, आप उनके साथ रहने का आनंद उठाएंगे। आपके पूरे जीवन में, मित्र आनंद मनोरंजन का स्रोत होने चाहिए।

आप एक बहुत ही मिलनसार व्यक्ति हैं जो वास्तव में अच्छी संगत अच्छे समय का आनंद लेते हैं। जब आप अकेले होते हैं, तो आप बहुत जल्दी अकेलापन महसूस करने लगते हैं। इसके साथ ही आप दूसरों के साथ बहुत अच्छे से घुल-मिल जाते हैं। आप एक समूह में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं, आप जिस भी गतिविधि में शामिल होते हैं, चाहे वह खेल हो कार्य परियोजनाएं, आप एक उत्कृष्ट टीम खिलाड़ी होते हैं। दूसरों के साथ तालमेल बिठाने की आपकी चिंता आपको समूह के हितों को अपने हितों से ऊपर रखने के लिए प्रेरित करती है, हालांकि आप आमतौर पर महसूस करते हैं कि वे एक ही हैं।

आप गले की तकलीफ, टॉन्सिल, डिप्थीरिया, पायरिया, सर्दी मूर्च्छा के शिकार हो सकते हैं। उम्र बढ़ने के साथ, आप कब्ज, रक्त की अधिकता इसी तरह की कठिनाइयों से पीड़ित हो सकते हैं। बाएं कान की परेशानियों के संकेत हैं।

# विदेश यात्रा, हानि, बन्धन एवं कर्ज

आपके जन्म के समय, मिथुन राशि बारहवें भाव में स्थित थी। बुध इस राशि का स्वामी है।

सादा जीवन और उच्च विचार आपका आदर्श वाक्य है और आप जीवन भर इस सिद्धांत का कड़ाई से पालन करते हैं।

आप धन के प्रति बहुत सावधान रहते हैं। एक ईमानदार व्यक्ति होने के नाते, आप बेईमानी बर्दाश्त नहीं कर सकते। फिजूलखर्च न होने के कारण, आप अपनी कड़ी मेहनत से धन संचय करते हैं। कुल मिलाकर, आप वित्तीय मामलों में भाग्यशाली हैं।

यह जानकर आश्वस्त रहें कि आपको कभी भी धन की बड़ी समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ेगा। आपकी ज़रूरतें सरल हैं। क्योंकि आप भौतिक सुख-सुविधाओं का लालच नहीं करते और दूसरों की होड़ करने से बचते हैं, इसलिए आप वित्तीय सिरदर्द से बचेंगे। साथ ही, धन संबंधी मामलों में आपका भाग्य त्वरित और सट्टा लाभ के बजाय स्थिर, दीर्घकालिक लाभ की ओर उन्मुख है।

संभवतः आपकी बचत की शुरुआत पहले ही अच्छी हो चुकी है, और आपको धन संचय करना चाहिए। आपको अपने शुरुआती जीवन में खर्च करने के अवसर नहीं मिलेंगे। जब तक आप अपने स्तर पर आगे बढ़ेंगे, आपके पास आरक्षित रूप में एक सुरक्षित जमा पूंजी होगी। आगे की योजना बनाएं कि आप इसका उपयोग कैसे करेंगे। यह या तो एक संक्षिप्त खर्चीला दौर हो सकता है या ठोस निवेश और लंबी अवधि की आय जो आपकी व्यक्तिगत स्वतंत्रता की गारंटी देगा।

अपने परिवार के बाहर, आपको हमेशा एक मित्र और विश्वासपात्र के रूप में पसंद किया जाएगा। आप अपने दयालु, सहानुभूतिपूर्ण स्वभाव के कारण अपने परिचितों को धन, सहायता या उनकी आवश्यकता की किसी भी चीज़ के लिए मना नहीं कर पाएंगे।

आप साधन संपन्न, दयालु, परोपकारी, सहानुभूतिपूर्ण और मानवीय हैं। यह बारहवें भाव में मिथुन राशि में बृहस्पति के स्थित होने के कारण है। इसलिए यह स्वाभाविक है कि आप अपना अधिकांश पैसा दान में और यहाँ तक कि मंदिरों आदि के लिए दान के उद्देश्यों में खर्च करेंगे। शेष पैसा मुकदमों पर खर्च होगा। जो कुछ भी बचेगा, लोग आपकी दयालु प्रकृति को जानकर आपकी लाचारी की कहानियों से आपका फायदा उठाएंगे और आपको ठग लेंगे।

हालांकि कर्क लग्न अस्पताल में भर्ती होने का संकेत नहीं देता है, लेकिन बृहस्पति की इस स्थिति के कारण अस्पताल में लंबे समय तक रुकने का संकेत मिलता है। हालांकि, यह घातक नहीं होगा।

लंबी यात्राओं के संकेत हैं। ये अवकाश यात्राएं होंगी लेकिन बीच में लंबी अवधि तक कोई यात्रा नहीं होगी। विदेश यात्रा निश्चित है, आपके जीवनकाल में कम से कम एक बार।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# नक्षत्रफल

आपका जन्म अश्विनी नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। अतः आपकी जन्म राशि मेष तथा राशि स्वामी मंगल होगा। नक्षत्र के अनुसार आपकी योनि अश्व, गण देव, नाड़ी आद्य, वर्ण क्षत्रिय तथा वर्ग सिंह होगा। अश्विनी के प्रथम चरण में उत्पन्न होने के कारण आपका जन्म नाम चु या चू अक्षर से प्रारम्भ होगा यथा-चुन्नी लाल।

आपका जन्म गण्डमूल नक्षत्र में हुआ है। इसके प्रथम चरण में जन्म होने से जातक पिता के लिये कष्टकारी होता है। अतः इसकी शान्ति अवश्य ही करनी चाहिए। यह कार्य जन्म के 27 दिन के अन्दर सम्पन्न हो जाना चाहिए। इसके लिए आपको इस नक्षत्र के कम से कम 28 हजार जप करवाने चाहिए तथा 27 दिन के बाद जब पुनः यह नक्षत्र आये तो जपे हुए मन्त्रों के दशांश का विधि पूर्वक हवन कराना चाहिए। इस प्रकार शास्त्रीय विधि से उक्त नक्षत्र की शान्ति करने से अशुभ दोष कम हो जाता है तथा शुभ फलों की प्राप्ति होती है। जप अश्विनी नक्षत्र के मन्त्र का करना चाहिए।

अश्विनी प्रथम चरण में उत्पन्न होने के कारण आप श्रृंगार करने में या आभूषणों के प्रति विशेष रूप से आकर्षित रहेंगे। जीवन में आपके सभी कार्य चतुराई एवं बुद्धिमत्ता से सम्पन्न होंगे। सुन्दर एवं रूपवान होने के कारण सभी लोग आपसे आत्मीयता स्थापित करने का प्रयत्न करेंगे। साथ ही आप भाग्यशाली भी होंगे।

**बृहज्जातकम्**

अर्थात् अश्विनी नक्षत्र में उत्पन्न बालक आभूषण प्रिय, रूपवान, भाग्यवान, चतुर तथा बुद्धिमान होता है।

ज्ञान प्राप्त करने में बाल्यकाल से ही आपकी गहन रुचि रहेगी तथा लौकिक व्यवहार सभी के प्रति विनयशील रहेगा। आपका यश दूर-दूर तक फैलेगा। तथा जीवन का अधिकांश भाग सुखपूर्वक व्यतीत होगा। धन, ऐश्वर्य तथा मान सम्मान की आपके पास कभी भी कमी नहीं रहेगी।

**जातक पारिजातः**

अर्थात् अश्विनी में जन्मा जातक अति बुद्धिमान, धनवान, विनयशील, ज्ञानी, यशस्वी तथा सुखी होता है।

सत्य का पालन करना आपके जीवन का प्रमुख ध्येय होगा तथा सेवा भाव स्वाभाविक रूप से आपके मन में विद्यमान रहेगा। सम्पूर्ण प्रकार की भौतिक सम्पत्तियों का स्वामित्व प्राप्त करने का सौभाग्य आपको प्राप्त होगा। साथ ही सुन्दर तथा सुशील पत्नी एवं सद्गुणों से युक्त सुपुत्र आपकी गरिमा की सदैव अभिवृद्धि करेंगे।

**जातकाभरणम्**

अर्थात् अश्विनी नक्षत्र में उत्पन्न जातक सेवाभावयुक्त, विनयशील, सत्य का पालन कर्ता सर्वसम्पत्ति को प्राप्त तथा सुशील पत्नी एवं सुपुत्रों से युक्त होता है।

सांसारिक कार्यों में व्यस्तता के कारण आप अपने शरीर या खानपान का ध्यान नहीं रख पाएंगे फलस्वरूप देह की स्थूलता बढ़ सकती है। अपने ऐश्वर्य, वैभव एवं सद्व्यवहार के कारण समाज में आप विशेष रूप से लोकप्रिय रहेंगे तथा सामान्य एवं विशिष्ट दोनों वर्गों का सहयोग प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे।

**जातक दीपिका**

अर्थात् अश्विनी में उत्पन्न मनुष्य सुन्दर, भाग्यवान, चतुर, स्थूलकाय, धनवान तथा जनता का प्यारा होता है।

ताम्र पाद में उत्पन्न होने के कारण आप राज्य या सरकार से धन लाभ अर्जित करने में हमेशा सफल रहेंगे तथा समाज में दूर-दूर तक आपकी ख्याति व्याप्त रहेगी। देखने में आपका सौन्दर्य आकर्षक रहेगा। आप सन्तोषी प्रवृत्ति के होंगे तथा अनावश्यक इच्छाओं को मन में उत्पन्न नहीं करेंगे। आप श्रेष्ठ आचरण से युक्त रहेंगे तथा सभी लोग आपका आदर-सत्कार करेंगे। विविध प्रकार की धन-सम्पत्तियों तथा सुख-संसाधनों से आप युक्त रहेंगे एवं जीवन में प्रसन्नतापूर्वक इनका उपभोग करेंगे। माता-पिता के प्रति आपकी पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा इनसे भी आप पूर्ण धन-सम्पत्ति को प्राप्त करेंगे। आप एक विद्वान पुरुष होंगे तथा ज्ञानार्जन में आपकी विशेष रुचि रहेगी। आप अपने द्वारा प्रारम्भ कार्यों में शीघ्र ही सफलता अर्जित करेंगे तथा नाना प्रकार के वाहन एवं भूमि से भी युक्त रहकर प्रसन्न रहेंगे। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धाभाव रहेगा। आप एक पराक्रमी पुरुष भी होंगे। आप में परोपकार की भावना भी रहेगी तथा सज्जन पुरुषों का आप नित्य आदर करेंगे। इसके अतिरिक्त आप में दानशीलता का भाव भी विद्यमान रहेगा।

मेष राशि होने के कारण आप अल्प भोजन करने वाले होंगे। आप अपने माता-पिता की इकलौती सन्तान हो सकते हैं। यदि और भाई बहन हुए तो आप निश्चित रूप से उनमें सर्वश्रेष्ठ होंगे।

**जातकपारिजातः**

आपके शरीर का वर्ण गौरवर्ण होगा तथा नेत्र लाली लिये हुए गोल होंगे। किसी आकस्मिक चोट या घाव के कारण आपके सिर में निशान होगा तथा सिर में बाल भी कम होंगे। आपके हाथ तथा पैर विशेष कान्ति से युक्त होंगे। जल से आप स्वभाव से ही भयभीत रहेंगे। साहस का आप में अभाव नहीं होगा तथा जीवन में विषम से विषम परिस्थितियों का सामना करने में आप सफल होंगे। समाज से आपको यथोचित सम्मान की प्राप्ति होगी। आप चंचल बुद्धि के होंगे तथा धन को आवश्यकता से अधिक महत्व प्रदान करेंगे, जिससे कभी-कभी आपको परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। आपके पास मित्रों तथा सहयोगियों की बहुलता रहेगी। पुत्र भी पुत्रियों की अपेक्षा अधिक होंगे। स्त्री जाति आपकी विशेष रूप से कमजोरी रहेगी। लेकिन सभी से स्नेह करना आपके स्वभाव का अंग होगा। फलतः समाज के सभी वर्गों में यथोचित सम्मान अर्जित करने में आप सफल रहेंगे।

**सारावली**

आप की प्रवृति शीघ्र ही प्रसन्न होने वाली होगी। इधर उधर परिभ्रमण करना आपको रुचिकर लगेगा। विशेषतः ऐसे स्थानों की सैर जहाँ के बारे में अन्य लोग आसानी से सोच भी नहीं सकते। आप के हाथ में शौर्य अथवा साहस प्रतीक चिह्न चक्र पताका आदि हो सकते हैं। स्त्री वर्ग में आप विशेष प्रिय तथा सम्मान एवं आदर के पात्र समझे जाएंगे। आपके व्यक्तित्व की जो प्रमुख विशेषता होगी, वह यह कि सेवा या सहयोग का भाव आपके अन्तर्मन में हमेशा विद्यमान रहेगा चाहे आप कैसी भी विषम परिस्थितियों का सामना कर रहे हों।

### बृहज्जातकम्

धन को आवश्यकता से अधिक महत्व देना तथा स्त्रियों के प्रति अधिक आकर्षण रखना आपकी प्रवृति होगी तथा आपकी इस प्रवृति से आपके श्रेष्ठ या सम्मानीय सम्बन्धी असन्तुष्ट होंगे। जिस के कारण आप उनसे या वे आप से अलग हो सकते हैं। चूंकि आपके अधिकांश कार्य स्त्री के कथनानुसार ही सम्पन्न होंगे। अतः आपसी वैमनस्य का यह भी एक प्रमुख कारण रहेगा। धन तथा पुत्र से आप हमेशा युक्त रहेंगे। आपको वैभव की कोई कमी नहीं होगी तथा समाज में अच्छा यश प्राप्त होगा। समयानुसार आप मांस, मदिरा इत्यादि अभक्ष्य पदार्थों का भक्षण या सेवन भी कर सकते हैं।

### जातकाभरणम्

आपके स्वभाव में स्वाभाविक तेज परिलक्षित होगा। यह तेज कभी कभी क्रोध का रूप भी धारण करेगा जिससे समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। प्रकृति आपकी चंचल होगी अतः अवसर पड़ने पर आप मिथ्या भाषण से भी नहीं चूकेंगे।

### फलदीपिका

योगिक क्रियाओं में भी आपकी रुचि रहेगी। सिर से आप गंजे भी हो सकते हैं। गर्म पदार्थों से परहेज रखें तथा दुर्घटनाओं से भी बचने का प्रयत्न करें तथा शरीर का पूर्ण रूप से सावधानी पूर्वक ध्यान रखें अन्यथा मस्तिष्क विकार का भी योग बनता है।

### जातक दीपिका

आपका जन्म देवगण में हुआ है। अतः आपकी वाणी मधुर तथा हमेशा सत्य बोलने वाली होगी। वाणी से आपके द्वारा कभी भी दूसरों को कष्ट नहीं पहुंचेगा। आप सब कुछ सादगी से ग्रहण करने की प्रतिभा से सम्पन्न होंगे। सात्विक तथा अल्प भोजन करना आपको रुचिकर लगेगा। महान लोगों तथा विद्वानों द्वारा वर्णित समस्त गुण आप में विद्यमान रहेंगे। धन, वैभव, ऐश्वर्य एवं भौतिक सम्पदा की आप के पास कमी नहीं होगी तथा इसका स्वामित्व आपको आजीवन प्राप्त होगा।

### मानसागरी

देखने में आपका शरीर सुन्दर तथा स्वस्थ होगा। दान देना आपकी स्वाभाविक प्रवृत्ति होगी तथा जरूरतमन्द लोग तथा संस्थाएं आपकी हृदय से आभारी रहेंगी। आप सादगी पसन्द व्यक्ति होंगे। छल कपट तथा प्रपंच का नाम मात्र का भी आपके अन्दर समावेश नहीं होगा तथा विद्वान योग्य गुणों से सर्वदा युक्त रहेंगे।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

### जातकाभरणम्

अर्थात् देवगण का जातक अच्छी वाणी वाला, सरल बुद्धि से युक्त, अल्प मात्रा में भोजन करने वाला, अन्य जनों के गुणों का ज्ञाता, महान विद्वानों द्वारा वर्णित गुणों से युक्त तथा वैभवशाली होता है।

अश्वयोनि में उत्पन्न होने के कारण आप स्वतंत्र प्रकृति के होंगे तथा प्रत्येक कार्य को आप स्वतंत्रता पूर्वक सम्पन्न करना चाहेंगे। कोई भी बाहरी दबाव या सलाह आपको पसन्द नहीं आएगी। साथ ही आप अच्छे गुणों से युक्त रहेंगे। साहस तथा बहादुरी की आप में कमी नहीं होगी। जो भी कार्य करेंगे उसे साहस तथा बहादुरी के साथ पूर्ण करेंगे। समाज में आपका अच्छा प्रभुत्व रहेगा। सभी लोग दिल से आपका आदर करेंगे। आपका स्वर कभी-कभी थोड़ा घर्घराहट या खरखरापन लिए होगा। आपके अन्दर स्वामीभक्ति के पूर्ण गुण पाए जायेंगे अतः जिसके पास भी या जिसके लिए कार्य करेंगे ईमानदारी के साथ करेंगे आपसे किसी को कभी भी कोई शिकायत नहीं होगी।

### मानसगरी

अर्थात् अश्व योनि में उत्पन्न जातक स्वतन्त्र प्रवृत्ति वाला, सद्गुणी, वीर प्रतापी, घर्घर स्वर वाला तथा मालिक का भक्त होता है।

आपके जन्म समय में चन्द्रमा दशम भाव में स्थित है। अतः आप माता के प्रिय रहेंगे उनका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं आयु भी दीर्घायु होगी। विभिन्न प्रकार की धन सम्पत्ति तथा सुख-संसाधनों से वे युक्त रहेंगी एवं आपको जीवन में उन सभी सुखों से परिपूर्ण करने के लिए यत्नशील रहेंगी। उनके सहयोग से ही आप जीवन में नौकरी, व्यापार तथा यश को प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे।

आप भी उनके प्रति श्रद्धावान रहेंगे एवं एक आज्ञाकारी पुत्र की तरह उनकी आज्ञा का पूर्ण रूप से अनुपालन करेंगे। जीवन में उनकी सेवा सुविधा का आप पूर्ण ध्यान रखेंगे तथा यत्नपूर्वक उनको वांछित आर्थिक या अन्य प्रकार से सहयोग करते रहेंगे। आपके संबंध भी अच्छे रहेंगे एवं विचारों में विभिन्नता अल्प मात्रा में ही रहेगी। इस प्रकार एक दूसरे के लिए आप सामान्यतया शुभ ही रहेंगे।

आपके जन्म काल में सूर्य दशम भाव में स्थित है अतः पिता के आप प्रिय रहेंगे। उनका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा एवं आयु भी दीर्घ होगी। धनैश्वर्य से वे सर्वदा सुसम्पन्न रहेंगे एवं जीवन के अधिकांश महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आपकी उन्नति के लिए अपना पूर्ण आर्थिक तथा अन्य प्रकार से सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही व्यापार तथा आजीविका संबंधी कार्यों में भी उन्हीं की प्रेरणा एवं सहयोग से आप सफलता अर्जित कर सकेंगे।

आपकी भी उनके प्रति पूर्ण श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रहेगी एवं उनकी आज्ञा का पालन करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। आपके परस्पर संबंध मधुर रहेंगे एवं यदा-कदा सैद्धांतिक मतभेद भी उत्पन्न होंगे परंतु वे शीघ्र ही समाप्त हो जाएंगे। इसके साथ ही आप जीवन में उनको आर्थिक तथा

अन्य रूप से पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे तथा सुख-दुःख में उनको पूर्ण सहायता तथा सहयोग प्रदान करेंगे।

आपके जन्म समय में मंगल नवम भाव में स्थित है, अतः आपके भाई-बहनों का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, लेकिन यदा-कदा वे शारीरिक रूप से व्याकुलता की अनुभूति भी करेंगे। आपके प्रति उनका अपनत्व रहेगा एवं वे जीवन के सुख-दुःख में आपका नित्य सहयोग करते रहेंगे। इसके साथ ही आपकी भाग्योन्नति में भी वे वांछित आर्थिक तथा अन्य प्रकार की सहायता अवश्य प्रदान करेंगे। उनके पास धन-संपत्ति का अभाव नहीं रहेगा तथा वे इससे संपन्न रहेंगे।

आप भी उन्हें हृदय से स्नेह एवं सम्मान प्रदान करेंगे एवं सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में उनका सहयोग करते रहेंगे। आपके आपसी संबंधों में मधुरता रहेगी, परन्तु यदा-कदा आपसी सैद्धांतिक मतभेदों के कारण उनमें कटुता भी आएगी, लेकिन यह अस्थायी रहेगी। इसके साथ ही उनकी भाग्योन्नति में भी आप समयानुसार आर्थिक या अन्य प्रकार से अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे एवं सुख-दुःख में उनका पूर्ण साथ देंगे।

आपके लिए कार्तिक मास, प्रतिपदा षष्ठी, एकादशी दोनों शुक्ल पक्ष तथा कृष्ण पक्ष की तिथियां, मघा नक्षत्र, विष्कुम्भ योग, बवकरण, रविवार, प्रथम प्रहर तथा मेष राशि में स्थित चन्द्रमा हमेशा अशुभ फल अर्थात् बुरे फल देने वाले होंगे अतः आप 15 अक्टूबर से 14 नवम्बर के मध्य 1, 6, 11 शुक्ल तथा कृष्ण पक्ष की तिथियों में कोई भी शुभ कार्य, व्यापार प्रारम्भ नवगृहनिर्माण जायदाद का क्रय विक्रय, लेन देन आदि महत्वपूर्ण कार्य न करें अन्यथा अशुभ फल होंगे। इसके अतिरिक्त मघा नक्षत्र, विष्कुम्भ योग, बवकरण, प्रथम प्रहर तथा मेष राशिस्थ चन्द्रमा को भी शुभ कार्यों में त्याग दें अन्यथा लाभ के स्थान पर हानि ही होगी। इन दिनों तथा समय में शारीरिक सुरक्षा का भी ध्यान रखें।

जब आपके लिए समय अनुकूल न चल रहा हो मानसिक परेशानियों में वृद्धि हो रही हो या व्यापार में निरन्तर या अन्तर में नुकसान हो रहा हो या निकट भविष्य में किसी भी प्रकार की हानि की सम्भावना हो रही हो तो उस समय आपको अपने इष्ट श्री हनुमान जी की पूजा करनी चाहिए। साथ ही सोना, ताम्र, गेहूं, गुड़, लालवस्त्र, लालकनेर का फूल, घी इन पदार्थों का यथा शक्ति दान करना चाहिए। इसके अतिरिक्त मंगल के तांत्रीय मंत्र का किसी योग्य आचार्य से कम से कम सात हजार जप करवाने चाहिए। इससे आपको मानसिक शान्ति प्राप्त होगी तथा अशुभ फलों का प्रभाव भी न्यून होगा।

**मंत्र- ओं हूं श्रीं भौमाय नमः।**

# लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुण्डली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुण्डली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उद्धृत किए जाते हैं।

## स्वऋण

ग्रहचाल

जब जन्मकुंडली के खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या इन तीनों में से कोई दो या तीनों स्थित हों, तो स्वऋण होता है।

निशानियाँ

आपको राजभय रहता है, निर्दोष होने पर भी मुकदमे में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। इसके अलावा हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आँखों में कष्ट और जिगर की खराबी जैसी समस्याएँ होती हैं।

घटनाएँ

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है, स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता और पूर्वजों के रीति-रिवाजों के अनुसार नहीं चलता।

## निष्कर्ष

आपकी पत्री स्वऋण से मुक्त है।

## मातृ ऋण

ग्रहचाल

जातक की जन्मकुंडली के चौथे भाव (खाने) में केतु स्थित हो, तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानियाँ:

जातक का कोई सहायक नहीं होता और उसके सभी प्रयास निष्फल होते हैं। उसे सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ सकता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है; दूसरों के सम्मान को ठेस पहुँचाना, ओछी हरकतें करना या चोरी जैसी प्रवृत्तियों में शामिल होना तथा विद्या का लाभ न मिलना

इसके लक्षण हैं। रिश्तेदारों की बीमारियों पर धन का अपव्यय होना जैसे अशुभ फल प्राप्त होते हैं।

घटनाएँ:

मातृ ऋण से प्रभावित जातक अपनी माता से दुर्व्यवहार करता है और उनके सुख-दुःख का ध्यान नहीं रखता। वह माता से दूर रहता है या उन्हें घर से निकाल देता है। मातृ ऋण वाले जातक के घर के पास या घर में कुआँ होता है। घर के पास कोई जलाशय हो सकता है, जिसमें गंदगी डाली जाती हो या जातक स्वयं जलाशय को दूषित करता हो। यह भी संभव है कि जातक के घर के पास बहने वाली नदी या नहर में वह गंदगी डालता हो।

## निष्कर्ष

आपकी कुंडली मातृ ऋण से मुक्त है।

## पारिवारिक ऋण

ग्रह चाल:

यदि जातक की जन्मकुंडली के प्रथम या अष्टम भाव (खाने) में बुध, केतु या ये दोनों स्थित हों, तो जातक पर रिश्तेदारों का ऋण होता है।

निशानियाँ:

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नींव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने वालों से नफरत करना या बच्चों के जन्मदिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएँ :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती में आग लगा देता है।

## निष्कर्ष

आपकी पत्री पारिवारिक ऋण से मुक्त है।

## कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुण्डली में तीसरे या छठे खाने में चन्द्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानियाँ :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासूम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले, ऐसे रहस्यमय आदि काम करना।

घटनाएँ :

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से कड़वे शब्द बोलना तलवार के घाव से भी अधिक गहरा घाव कर सकता है। पुत्र जन्म के समय पिता के धन-दौलत और आयु पर अशुभ प्रभाव हो सकता है या माता को अपने प्राणों का संकट हो सकता है। खुशियों के साथ मातम, ससुराल-ननिहाल पक्ष पर अशुभ फल और वर्ष भर की कमाई का साल के अंत में घाटे में बदल जाना आदि इसके लक्षण हैं।

## निष्कर्ष

आपकी कुंडली कन्या-बहन के ऋण से मुक्त है।

## पितृ ऋण

ग्रह चाल :

जातक की जन्मकुंडली के दूसरे, पाँचवें, नौवें या बारहवें भाव में शुक्र, बुध या राहु में से कोई दो या तीनों ही ग्रह स्थित हों, तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानियाँ :

कुल पुरोहित को बदलना या कुल पुरोहित से संबंध विच्छेद कर लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना, पीपल का पेड़ काटना या पीपल का पेड़ होना आदि इसके संकेत हैं।

घटनाएँ :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद होने के बाद उनमें पीलापन आना, काली खांसी की समस्या होना अथवा माथे पर कलंक लगना आदि घटनाएँ घटित होती हैं।

## निष्कर्ष

>

उपाय :

आपकी कुंडली पितृ ऋण से युक्त है। इसलिए परिवार में जहाँ तक रक्त संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया का परिवार आदि) का प्रश्न है, उन सबसे बराबर-बराबर धन (यथाशक्ति, जैसे एक, पाँच या दस रुपये) लेकर उसी दिन मंदिर में दान कर देना चाहिए।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

## स्त्री ऋण

ग्रह चाल :

जातक की जन्मकुंडली के सातवें भाव में सूर्य, चंद्रमा या राहु स्थित हों, या इनमें से किन्हीं दो या तीनों की युति हो, तो 'स्त्री ऋण' बनता है।

निशानियां :

किसी की आजीविका छीनना, गर्भवती स्त्री या प्रसूता की लालचवश हत्या कर देना। दाँतों वाले जानवरों को पालने से परिवार में वैमनस्य रहना। मकान का मुख्य द्वार दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, धोखे से किसी की संपत्ति या मशीनरी हड़पना और किसी को दाने-दाने का मोहताज कर देना आदि इसके लक्षण हैं।

घटनाएं :

पुत्र संतान का सुख कम होना, त्वचा रोग जैसे कोढ़ या सफेद दाग होना, गुप्तांगों में विकार उत्पन्न होना। परिवार में किसी के विवाह के समय किसी की मृत्यु होना। एक पत्नी के साथ वैवाहिक संबंध टूटना और दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ना या पुनर्विवाह होना आदि।

## निष्कर्ष

आपकी पत्री स्त्री ऋण से मुक्त है।

## निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुण्डली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चन्द्र या मंगल या तीनों में से दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानियाँ :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हॉल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमे लड़ना आदि।

घटनाएँ :

संतान और ससुराल में असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाने के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सीढ़ियाँ मरम्मत करानी पड़ें या तोड़कर दोबारा बनानी पड़ें, सांप और जहर पान की घटनाएँ, हथियार से मौत होना आदि।

## निष्कर्ष

>

उपाय :

आपकी पत्री निर्दयी ऋण से युक्त है, इसलिए परिवार में जहाँ तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई का परिवार, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है, उन सबसे बराबर-बराबर धन लेकर सौ अलग-अलग स्थानों की मछलियों को भोजन खिलाना चाहिए।

## आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य, मंगल या शुक्र या ये तीनों इकट्ठे बैठे हों, तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानियाँ :

बिजली के तार शॉर्ट होना, घर जल जाना, लखपति-करोड़पति व्यक्ति का कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाना, सोना गुम होना या चोरी-ठगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच-समझकर काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारापन, दमा-मिर्गी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे-पीछे कूड़े का ढेर या गंदगी होना।

घटनाएं :

मुकदमे के फैसले पर नकद जुर्माना या कैद होना, ससुराल या दुनिया वालों के साथ ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाए आदि।

## निष्कर्ष

आपकी कुंडली आजन्मकृत ऋण से मुक्त है।

## ईश्वरीय ऋण

परहेज :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानियां :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चे का गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से

बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बीमारियां, अर्धांग (लकवा), ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर ऐतबार किया और उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बर्बाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

## निष्कर्ष

आपकी पत्री ईश्वरीय ऋण से मुक्त है।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# लाल किताब ग्रह फल

## सूर्य

आपकी जन्मकुंडली में सूर्य दसवें खाने में बैठा है। इसकी वजह से आप किसी संस्था के प्रधान, जज, सरपंच, नेता भी हो सकते हैं। आप किसी से धोखा-फरेब नहीं करेंगे। सरकारी विभाग, नौकरी-व्यापार में धन-लाभ, मान-सम्मान मिलेगा। नौकर-चाकरों का अच्छा सुख मिलेगा। राज्य पक्ष से लाभान्वित होंगे। आप बहुत वहम करेंगे। संतान पक्ष कमजोर रहेगा। 19 वर्ष की उम्र के लगभग पिता से दूर होना पड़ सकता है। आपको इज्जत, सेहत और दौलत का सुख मिलेगा। परिवार में कोई व्यक्ति उच्च पद पर संस्था प्रधान या सरकार द्वारा सम्मानित होगा।

यदि आपके मकान का मुख्य दरवाजा पश्चिम दिशा में हुआ, नंगा सिर रखने की आदत रही, अपना भेद दूसरों को बताया तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से 34 वर्ष की आयु तक का समय कष्टमय रहेगा। आप मशीनरी या लकड़ी से संबंधित नौकरी-व्यापार करेंगे तो हानि होगी। खानदानी विरासत और पिता का सुख कम मिलेगा। लकड़ी, लोहा, भैंसों से संबंधित व्यापार या काली चीजों के व्यापार से नुकसान होगा। आपके घुटने में दर्द हो सकता है। आपकी आंखों की नजर और उम्र पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। ससुराल में रहना, ससुराल पक्ष वालों के साथ कोयले, बिजली का धंधा करने से हानि होगी। सत्ता से परेशानियां भी रहेंगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1- अपना भेद किसी को भी न देवें।
2- सूर्य की रोशनी नंगे सिर पर न पड़े।

उपाय :

1- सिर पर सफेद या शरबती पगड़ी या टोपी पहनें।
2- बुजुर्गी मकान में हैंडपंप लगवावें।

## चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली में चंद्रमा दसवें भाव में स्थित है। इसकी वजह से आप अपने कुल का नाम रोशन करेंगे। आपको शल्य चिकित्सा (सर्जरी) या सर्जिकल उपकरणों से अधिक लाभ होगा। आप चिकित्सक की शिक्षा प्राप्त करके भी संभवतः डॉक्टर के रूप में कार्य न करें। यदि आप डॉक्टर बनकर कार्य करते हैं, तो रोगियों को अपने पास से निःशुल्क दवा न दें। आपको माता-पिता का पूर्ण सुख प्राप्त होगा। आपको स्वयं के मकान और ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। व्यापार में उन्नति होगी।

यदि आप डॉक्टर हैं और अपने पास से रोगी को तरल (लिक्विड) दवा देते हैं, समाज विरोधी

कार्यों में लिप्त रहते हैं, बड़े-बुजुर्गों का अपमान करते हैं या रात के समय अपने मकान की नींव रखते हैं, तो आपका चंद्रमा अशुभ फल दे सकता है। चंद्रमा के अशुभ प्रभाव से आपकी प्रेमिका या विधवा स्त्रियों के कारण धन की बर्बादी होगी। आप अपने जीवन में धोखेबाजी कर सकते हैं या दूसरों का अहित कर सकते हैं। आपको दुर्घटना का शिकार भी होना पड़ सकता है। किसी पराई स्त्री के साथ अनैतिक संबंध आपकी बर्बादी का कारण बन सकते हैं। माता के साथ आपके संबंध मधुर नहीं रहेंगे। दवाओं के व्यापार में हानि होगी। आपको चोर-डाकू, जुआरी एवं शराबी लोगों से नुकसान हो सकता है। नौकरी या व्यापार में बार-बार परिवर्तन के योग हैं। आपकी माता को 10 वर्ष तक स्वास्थ्य कष्ट हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आप उपरोक्त कष्टों से ग्रसित हैं, तो निम्नलिखित परहेज और उपाय अपनाएं:

परहेज:

1- चोर-लुटेरों से संबंध न रखें।
2- सूर्यास्त के बाद दूध न पिएं।

उपाय:

1- स्वास्थ्य खराब होने के समय दूध को फाड़कर उसका पानी पिएं।
2- सूर्यास्त के बाद दूध का सेवन न करें।

## मंगल

आपकी जन्मकुंडली के नौवें खाने में मंगल स्थित है। इसकी वजह से आप अत्यंत भाग्यशाली हैं। आपको पैतृक संपत्ति का पूर्ण लाभ प्राप्त होगा। आपकी 13-14 वर्ष की आयु के दौरान आपके पिता को बहुत बड़ा आर्थिक लाभ होगा। 28वें वर्ष की आयु में आप पूर्णतः भाग्यशाली सिद्ध होंगे। आप एक योग्य प्रशासक बनेंगे। आपको धन अर्जित करने के बहुत श्रेष्ठ अवसर प्राप्त होंगे और अच्छी नौकरी या सफल व्यवसाय के माध्यम से आप धन संचित करेंगे। भाई के साथ मिलकर रहना आपके लिए अत्यंत शुभ होगा। आपको अपनी भाभी से भी लाभ प्राप्त होगा। बड़े भाई के साथ व्यवसाय करना आपके लिए हितकारी रहेगा। आपको होटल, मिठाई आदि के व्यवसाय से विशेष लाभ हो सकता है। आपको आर्थिक सहायता के लिए कभी किसी के आगे हाथ नहीं फैलाना पड़ेगा। आपकी माता का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और आपको उनका पूर्ण सुख प्राप्त होगा। आपको विरासत में संपत्ति मिलेगी और आपका स्वास्थ्य श्रेष्ठ रहेगा। आप सत्ता और शासन पक्ष से लाभ प्राप्त करेंगे। धार्मिक कार्यों में संलग्न रहने से आपको शुभ फल मिलेंगे। धर्म का पालन करने और घर में मांगलिक उत्सव मनाने से आपके भाग्य में निरंतर वृद्धि होगी।

यदि आपने अपने पिता से विवाद किया या उनका विरोध किया, धर्म के विरुद्ध कार्य किया, समाज विरोधी गतिविधियों में सम्मिलित हुए अथवा भाई और भाभी से झगड़ा किया, तो आपका मंगल अशुभ फल दे सकता है। मंगल के अशुभ प्रभाव से आप कभी-कभी नास्तिकता का समर्थन करेंगे।

आप पर कोई बड़ा लांछन भी लग सकता है। धार्मिक मान्यताओं के विपरीत आचरण करने से आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा को हानि पहुँच सकती है। विदेश में निवास करना आपके लिए कष्टकारी सिद्ध हो सकता है। आपके पास चाहे कितनी भी शक्ति हो या आप उच्च पद पर आसीन हों, आपको अपने से निम्न स्तर के लोगों के सामने याचक बनना पड़ सकता है; जैसा कि कहा जाता है, 'शेर को गीदड़ से मांगकर खाना पड़ेगा', यह कहावत आप पर चरितार्थ हो सकती है। समाज में आपको अपनी त्रुटियों के कारण अपमानित होना पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आप उपरोक्त कष्टों से पीड़ित हैं, तो निम्नलिखित सावधानियां और उपाय अपनाएं:

सावधानियां (परहेज):

1- परदेश में निवास न करें।

2- भाई से झगड़ा न करें।

उपाय :

1- भाई की पत्नी (भाभी) की सेवा करें।

2- लाल रंग का रुमाल अपने पास रखें।

## बुध

आपकी कुंडली में नौवें घर में बुध बैठा है। इसकी वजह से संगीत या ज्योतिष में रुचि रह सकती है। आप परिवार का भरण-पोषण करते रहेंगे। आपको अपना भाग्य बनाने में अधिक समय लगेगा। धन-दौलत में बरकत होने में समय लगेगा, फिर भी आप खुश रहेंगे। आपके काम-धंधे पर तथा राजदरबार में आपका अच्छा प्रभाव रहेगा। जन्मस्थान से दूर विदेश तक की यात्रा करनी पड़ सकती है, परंतु विदेश प्रवास का फल भी अच्छा या अनुकूल रहेगा।

यदि आपके घर में गाने-बजाने का सामान और रेडियो-घड़ियाँ आदि खराब पड़े होंगे, जुबान में हकलाहट होगी, हरे रंग की चीजें अधिक होंगी या साधु-महात्मा आदि से ताबीज लेकर रखा होगा, तो आपका बुध मंदा हो सकता है। यदि किसी कारणवश बुध मंदा हो गया हो, तो बुध के मंदे असर से आपके कार्यों की वजह से आपके पिता की बदनामी हो सकती है। धोखाधड़ी से कदम-कदम पर मुसीबतें खड़ी हो सकती हैं। गृहस्थ जीवन और संतान के संबंध में परेशानियाँ पैदा होंगी। मुसीबतों का सामना करना पड़ सकता है। अधर्म के कार्य करेंगे तो भाग्य में भी रुकावटें आती रहेंगी। जीवन में उत्थान-पतन से तंग आ जाएंगे। जीवन के हालात से तंग आकर साधु-फकीर बनने की इच्छा होगी, परंतु साधु-फकीर बनना अच्छा नहीं होगा। आप पिता के लिए अशुभ रह सकते हैं। पिता के सुख का अभाव हो सकता है। आप अपने पिता की आयु पर भारी हैं। पिता की नौकरी-व्यापार में बाधा हो सकती है। अपमानजनक और खराब काम करना पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट हैं, तो निम्नलिखित परहेज और उपाय

करें।

परहेज :

1- जल-भभूत और धागे-ताबीज न रखें।
2- मकान की सीढ़ियाँ गिराकर दोबारा न बनवाएं, बल्कि उनकी मरम्मत कराएं।

उपाय :

1- गौ ग्रास (गाय को भोजन) दें।
2- लोहे की गोली पर लाल रंग करके पास रखें।

## गुरु

आपकी कुंडली के बारहवें खाने में बृहस्पति स्थित है, जिसकी वजह से आप उत्तम ज्ञानी होंगे। आप दूसरों का भला करेंगे, इससे आपके भाग्य में वृद्धि होगी। आपका अधिक समय पूजा-पाठ में व्यतीत होगा और पूजा-पाठ से भी आपके भाग्य में वृद्धि होगी। आपको धन से बहुत लगाव नहीं रहेगा, आप त्यागी पुरुष होंगे। अपार धन आपके पास रहेगा मगर आप धन के पीछे नहीं भागेंगे। आपमें सेवा भावना रहेगी। यदि आप ध्यान-समाधि की आदत डालें तो आपके घर सोने की वर्षा होगी। आप हृदय से वैरागी और ज्ञानी होंगे। आपका स्वभाव साधु जैसा होगा। आपका धन शुभ कार्यों में खर्च होगा। आप खर्च के बोझ से दुखी नहीं रहेंगे। आप बुरा कर्म नहीं करेंगे; यदि बुरे काम करने की प्रवृत्ति हुई तो बहुत नुकसान होगा। यदा-कदा संतान के विषय में चिंता होगी। आप धन-दौलत के संबंध में राजा जनक की तरह त्यागी होंगे। गृहस्थ जीवन में हर प्रकार का सुख प्राप्त होगा। आपका परिवार बढ़ेगा और खुशहाल रहेगा। आप स्वयं भी निश्चिंत रहेंगे। आप किसी को आशीर्वाद दें तो उसको आपका आशीर्वाद फलेगा। आपका किसी को कहा गया दुर्वचन नहीं लगेगा। दलाली का काम लाभकारी होगा।

यदि आपने जनता विरोधी कार्य किए, झूठी गवाही दी या किसी से धोखा-फरेब किया, और धन के लिए किसी के आगे हाथ फैलाने की आदत रखी तो आपका बृहस्पति मंदा हो सकता है। यदि किसी कारणवश बृहस्पति मंदा हो गया हो, तो बृहस्पति के मंदे असर से आप दूसरों को सताकर स्वयं कष्ट और मुसीबत में पड़ जाएंगे। आप अधिक न बोला करें, यह आपके लिए अच्छा नहीं है। अध्यात्म का मार्ग आपके लिए नुकसानदेह रहेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट हैं तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1- ऐसे काम न करें जिससे आपका विरोध हो।
2- किसी के साथ धोखा-फरेब न करें।

उपाय :

1- गुरु, पिता और साधु की सेवा करें।
2- पीपल के वृक्ष को जल से सींचें।

## शुक्र

आपकी जन्मकुंडली के दसवें भाव में शुक्र स्थित है। इसकी वजह से आप लोभी, शक्की और दस्तकारी के कार्यों में रुचि लेने वाले होंगे। आप शक्ति संपन्न और कामुक होंगे तथा कामवासना के अधीन रहेंगे। आपकी सेहत अच्छी रहेगी। आप बाग-बगीचों के स्वामी होंगे। आप अपने जीवन में किसी बड़ी दुर्घटना के शिकार नहीं होंगे। आपको अच्छा धन प्राप्त होगा और बुढ़ापा आराम से बीतेगा। आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा। आपकी युवावस्था प्रेम संबंधों में उलझी रह सकती है। आपकी चालाकी और होशियारी से आपको अत्यधिक लाभ प्राप्त होगा। आपकी पत्नी का स्वास्थ्य लगभग ठीक रहेगा। पत्नी के साथ रहते हुए आपके साथ कभी कोई हादसा नहीं होगा।

यदि आपने शराब, बीयर आदि का सेवन किया, मांस-मछली खाई या पराई स्त्री पर अत्यधिक विश्वास किया, तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है। शुक्र के अशुभ प्रभाव के कारण आपको पत्नी के दबाव में रहना पड़ सकता है। पराई स्त्री से संबंध रखने से संतान सुख में बाधा आएगी और संतान को कष्ट होगा। विवाह के 13 वर्ष बाद पत्नी अस्वस्थ रह सकती है, जिसके कारण आपको मानसिक और आर्थिक कष्ट झेलने पड़ सकते हैं। आपको मूत्र संबंधी रोग होने की भी आशंका है।

यदि आपको लगता है कि आप उपरोक्त कष्टों से ग्रसित हैं, तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1- शराब और मांस-मछली का सेवन न करें।
2- विलासी या आशिक मिजाज न बनें।

उपाय :

1- कपिला गाय का दान करें।
2- पत्नी अपने शरीर पर दूध और दही मलकर स्नान करे।

## शनि

आपकी जन्मकुंडली में शनि नौवें खाने में पड़ा है। जिसकी वजह से आप लोगों पर परोपकार करेंगे तथा इसके अच्छे लाभ भी आपको मिलेंगे। आप बड़े परिवार के सदस्य होंगे। आप भाई एवं मित्रों से सहयोग प्राप्त कर धनवान बनेंगे। आपको चलते-फिरते कामों से अधिक लाभ मिलेगा। आपको संतान का सुख होगा। परंतु संतान के सुख प्राप्ति में विलंब हो सकता है। आपकी पत्नी धनी परिवार से होगी। आपके पास प्रचुर मात्रा में धन रहेगा। आप धन के विषय में लापरवाह रहेंगे। आप उदार प्रवृत्ति के, जागीरदार, सदा सुखी होंगे। माता-पिता का उत्तम सुख प्राप्त होगा। आप विद्वान होंगे। आप पर कभी भी कर्ज का बोझ नहीं पड़ेगा। आपका भाग्य अपने माता-पिता के भाग्य से

अच्छा होगा। आपकी पत्नी भाग्यवान और अमीर खानदान की होगी। आप पैसे के प्रति बहुत मोह नहीं करेंगे। तीर्थ यात्रा करेंगे, जिससे भाग्योन्नति होगी और उससे अधिक शुभ फल प्राप्त होते रहेंगे। आप धार्मिक विचार वाले होंगे।

यदि आपने दूसरों के माल पर बुरी नजर रखी, जुआ आदि खेला, बुरे काम किए, लोहा/मशीनरी आदि के कार्य किए, घर में शीशम का पेड़ हो, जब आपके नाम 3 मकान बन जाएं तो आपका शनि मंदा हो सकता है या किसी कारणवश शनि मंदा हो गया हो, तो शनि के मंदे असर से यदि आप ब्याज का धंधा करें तो नुकसान होगा। आपके दिल में दूसरों से बदला लेने की भावना रहती है। अग्निकांड की शंका है। आपको सांस या दमे की बीमारी हो सकती है। संतान सुख में विघ्न या पुत्र-पौत्र संतान की चिंता रहेगी। मंदे कामों से बदनामी भी हो सकती है। आंखों की दृष्टि खराब हो ऐसी आशंका है। अमीरों से धन लूट कर गरीबों में बांटना, ऐसी आपकी सोच रहेगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1- दूसरों के माल पर बदनीयत न रखें।
2- घर की छत पर ईंधन, चौखट आदि न रखें।

उपाय :

1- माथे पर केसर का तिलक लगाएं।
2- घर के अंतिम हिस्से में एक अंधेरा कमरा बनवाएं।

## राहु

आपकी जन्मकुंडली के आठवें भाव में राहु स्थित है। इसकी वजह से आपको अचानक धन का लाभ भी मिलेगा। 28 वर्ष की आयु में भाग्य परिवर्तन के अच्छे योग हैं। आपकी सहायता करने वाला कोई नहीं होगा, परंतु आप स्वयं अपने हौसले, परिश्रम से प्रगति करेंगे। आप साहसी हैं। परिवार में आपका बहुत सम्मान होगा। आपके काम-काज, जीविका के साधन परिवर्तनशील हैं। आप अपनी सहायता स्वयं करेंगे क्योंकि आपका कोई मददगार नहीं होगा। जब आपका सोया हुआ भाग्य जागेगा, तो वह उजड़े हुए खजाने भी भर देगा। ऐशो-आराम की सभी सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

यदि आपने काने, नि:संतान, गंजे, दिव्यांग व्यक्ति से झगड़ा किया, दक्षिण मुखी मकान में निवास किया, या घर में रसोई दक्षिण दिशा में रखी, तो आपका राहु अशुभ फल दे सकता है। राहु के दुष्प्रभाव से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। जन्म के आठवें माह के बाद शारीरिक कष्ट प्रारंभ हो सकता है। धन संबंधी विवादों में हानि हो सकती है। आपको लाचारी, पेट संबंधी रोगों (जैसे कीड़े) की शिकायत हो सकती है। आपके जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहेंगे। बेईमानी से कमाए धन से 8 गुना अधिक हानि होने की आशंका है। अच्छे खानदान में जन्म लेकर भी बुरी संगति से बदनामी मिल सकती है। कई बार प्रतिकूल कार्यों में संलग्न होना पड़ सकता है, जिससे आपकी स्थिति दयनीय हो

सकती है। अचानक धन हानि, बीमारी, दुर्घटनाग्रस्त होने की आशंका है। आपकी अकाल मृत्यु का योग बन सकता है। आपके पिता के लिए यह स्थिति अशुभ है, पैतृक मकान, यात्राओं में भी क्षति की आशंका है। कान, पैर, रीढ़ की हड्डी पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। बिजली, वन विभाग या पुलिस की नौकरी से हानि हो सकती है। आप लोगों का भला करेंगे, परंतु बदले में बुराई ही पाएंगे। गलत कार्यों के कारण कानूनी सजा, कानूनी उलझनों का सामना करना पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आप उपरोक्त कष्टों से प्रभावित हैं, तो निम्नलिखित परहेज, उपाय करें।

परहेज :

1- दक्षिण की दीवार की ओर रसोई न बनाएं।
2- दक्षिण मुखी द्वार वाले मकान में निवास न करें।

उपाय :

1- चांदी का एक चौकोर टुकड़ा सदैव अपने पास रखें।
2- सीसे (लेड) के 8 चौकोर टुकड़े बहते जल में प्रवाहित करें।

## केतु

आपकी जन्मकुंडली के दूसरे भाव में केतु स्थित है। इसके प्रभाव से आप कम उम्र में ही धनोपार्जन करना सीख जाएंगे। आपको सरकार से छात्रवृत्ति या आर्थिक लाभ मिल सकता है। कमीशन एजेंट या खजांची (कैशियर) के रूप में कार्य करना आपके लिए लाभदायक रहेगा। आप एक सफल व्यवसायी या कर्मचारी बनेंगे। व्यवसाय के सिलसिले में की गई यात्राएँ आपके लिए सुखद और लाभकारी सिद्ध होंगी। आप पर्याप्त संपत्ति के स्वामी बनेंगे और आपका धन शुभ कार्यों में व्यय होगा। युवावस्था के बाद का जीवन सुखमय व्यतीत होगा। आपको पैतृक संपत्ति प्राप्त होगी। आपका आर्थिक लेन-देन करोड़ों में होगा, हालांकि आपका लाभांश एक दलाल की तरह सीमित हो सकता है। आप अपने परिश्रम से सम्मानजनक जीवन व्यतीत करेंगे। आपकी चल-अचल संपत्ति सुरक्षित रहेगी और आय का प्रवाह बना रहेगा। आप अपने भाग्य से संतुष्ट रहेंगे और आपको उत्तम गृहस्थ सुख प्राप्त होगा। आप जीवन में निरंतर प्रगति करेंगे और आपका पारिवारिक जीवन सुखी रहेगा। आपको भूमि और भवन का पूर्ण सुख प्राप्त होगा।

यदि आपने दो विवाह किए, किसी अन्य स्त्री से अनैतिक संबंध रखे, नशीले पदार्थों का सेवन किया या जुआ-सट्टा खेला, तो आपका केतु अशुभ फल देने लगेगा। यदि आपका आचरण दूषित होता है, तो वृद्धावस्था कष्टकारी हो सकती है या संतान सुख में कमी आ सकती है। सट्टेबाजी में हानि की प्रबल संभावना है और मदिरापान आपके लिए अत्यंत हानिकारक सिद्ध होगा। जीवन के 16वें और 22वें वर्ष में स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं या जीवन में बड़े उतार-चढ़ाव आने की आशंका है।

यदि आपको लगता है कि आप उपरोक्त कष्टों का सामना कर रहे हैं, तो निम्नलिखित

परहेज और उपाय करें:

परहेज :

1- चाल-चलन ठीक रखें।
2- नकली सोना न पहनें।

उपाय :

1- कन्याओं की सेवा करें।
2- पत्नी की सेवा करें।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# लाल किताब के उपाय

लाल किताब के उपाय कब और कैसे करें !

1- उपाय सूर्य निकलने के बाद सूर्य छिपने तक दिन के समय करें, रात के समय उपाय करना कई बार अशुभ फल दे सकता है। केवल चन्द्र ग्रहण का उपाय रात को किया जा सकता है।

2- उपाय शुरु करने के लिए किसी खास दिन सोमवार या मंगलवार आदि, सक्रांति, अमावस्या या पूर्णिमा आदि का कोई विचार नहीं होगा।

3- आप का कोई खून का संबंधी रिश्तेदार जैसे भाई-बहन, माता-पिता, दादा-दादी, पुत्र-पुत्री आदि में से उपाय कर सकता है जो फलदाई होगा।

4- एक दिन में केवल एक ही उपाय करें, एक दिन में दो उपाय करने से शुभ फल नहीं मिलता या किया हुआ उपाय निष्फल हो सकता है।

5- जो परहेज बताए जाये जैसे मांस-मछली न खावें, मदिरा का सेवन न करें, चाल-चलन ठीक रखें, झूठ न बोलें, जूठन न खावें न खिलावें, नियत में खोट न रखें, परस्त्री-परपुरुष से संबंध न करें, आदि का विशेष ध्यान रखें।

6- जो उपाय जिस समय के लिये लिखा है उसी समय तक करें, आगे यह उपाय बंद कर देवें।

7- यदि किसी कारण उपाय बीच में बंद करना पड़ जाय तो जिस दिन उपाय बन्द करना है उससे एक दिन पहले थोड़े से चावल दूध से धोकर सफेद कपड़े में बांध कर पास रख लें और जब दुबारा उपाय शुरु करना हो वह चावल धर्म स्थान में या चलते पानी में या किसी बाग-बगीचे आदि में गिरा कर उपाय फिर शुरु कर दें। ऐसा करने से उपाय अधूरा नहीं माना जाएगा और पूरा फल मिलेगा।

8- हर उपाय 43 दिन या 43 सप्ताह या 43 मास या 43 वर्ष तक करना होता है, उपाय चलते समय बीच में टूट जाए चाहे 39वां दिन क्यों न हो सब निष्फल हो सकता है या शुभ फल में कमी रह सकती है।

9- जन्म कुण्डली में अशुभ ग्रहों का वर्षफल कुण्डली में उपाय अपने जन्मदिन से लेकर 40-43 दिन के भीतर ही करें।

10- घर में कोई सूतक (बच्चा जन्म हो) या पातक (कोई मर जाय) हो जाय तो 40 दिन उपाय नहीं करने चाहिए।

11- बुजुर्गों के रीति -रिवाजों को न तोडें और संस्कार पूरे करें।

# वार्षिक फलादेश - 2026

इस वर्ष मीन राशि के शनि नवम भाव में रहेंगे। 25 नवम्बर तक कुम्भ राशि के राहु अष्टम भाव में रहेंगे और उसके बाद मकर राशि में सप्तम भाव में गोचर करेंगे। वर्ष के पूर्वार्द्ध में मिथुन राशि के गुरु द्वादश भाव में रहेंगे और 2 जून को कर्क राशि में लग्न स्थान में गोचर करेंगे और फिर से अतिचारी होकर 31 अक्टूबर को सिंह राशि में द्वितीय भाव में प्रवेश कर जाएंगे। इस वर्ष मंगल ग्रह अपनी सरल गति से गोचर करेंगे। वर्षारम्भ से 1 फरवरी तक शुक्र अस्त रहेंगे और अक्टूबर में भी 14 दिन के लिए अस्त होंगे।

## व्यवसाय

व्यापारिक दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्ध मिला-जुला रहेगा। वर्षारंभ में द्वादश भाव में गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से कार्य-व्यवसाय में कुछ विशेष लाभ प्राप्त नहीं होगा। आपको अपने व्यापार में सफलता प्राप्ति के लिए लगातार प्रयास करना पड़ेगा। अष्टम भाव में स्थित राहु के प्रभाव से आपके कार्यों में गुप्त शत्रुओं द्वारा रुकावटें डाली जा सकती हैं। अतः इस समयांतराल में आपको अपना आत्मविश्वास बनाए रखना चाहिए और कोई नया कार्य प्रारंभ नहीं करना चाहिए। पहले से चले आ रहे व्यापार को ही बेहतर ढंग से चलाएं। नौकरीपेशा महिलाओं के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा।

02 जून के बाद समय अनुकूल हो रहा है। सप्तम भाव पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से व्यापार में अच्छा लाभ प्राप्त होगा। आपको अधिकारियों व वरिष्ठ लोगों का भरपूर सहयोग प्राप्त होगा। लग्न स्थान का गुरु नई विचारधारा और नई योजनाओं को जन्म देगा, जिसका लाभ उठाकर आप अपने व्यापार में अच्छी उन्नति करेंगी।

## धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्ध सामान्य रहेगा। द्वादश भाव के गुरु धनागमन में रुकावट उत्पन्न करेंगे, जिससे आर्थिक उन्नति में कमी आ सकती है। इस समयांतराल में आपको निवेश करने या किसी को उधार पैसा देने से बचना चाहिए, अन्यथा धन वापसी की संभावना बहुत कम है। हालांकि, आपको ननिहाल (मातुल) पक्ष से लाभ होगा।

गुरु ग्रह के गोचर के बाद समय अनुकूल हो रहा है। उस समय आपको रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। सप्तम भाव पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से पति या मित्रों से धन लाभ होगा अथवा आर्थिक स्थिति को सुधारने में उनका पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। अपने व्यापार को और आगे बढ़ाने में भी आपका धन व्यय हो सकता है। आप अपनी भौतिक सुख-सुविधाओं पर भी पैसा खर्च करेंगी। 31 अक्टूबर के बाद रत्न, आभूषण आदि वस्तुओं की प्राप्ति होगी और आपको ससुराल पक्ष से भी लाभ प्राप्त होगा।

## घर-परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टि से यह वर्ष सामान्यतः अनुकूल रहेगा। चतुर्थ भाव पर गुरु ग्रह के दृष्टि

प्रभाव से पारिवारिक सौहार्द बना रहेगा। परिवार में एक-दूसरे के प्रति परस्पर सहयोग की भावना उत्पन्न होगी, जिससे आपके परिवार में सुख-शांति का वातावरण बना रहेगा। ननिहाल (मातुल) पक्ष के लोगों के साथ आपका संबंध बहुत उत्तम रहेगा। अष्टम भाव का राहु ससुराल पक्ष के लोगों के साथ वैचारिक मतभेद उत्पन्न कर सकता है।

02 जून के बाद समय काफी अनुकूल हो रहा है। आपके परिवार में संतान का विवाह या कोई मांगलिक कार्य संपन्न होगा, जिसमें आपकी अहम भूमिका होगी। सप्तम भाव पर गुरु के दृष्टि प्रभाव से आपके पति के साथ संबंध मधुर होंगे। सामाजिक पद-प्रतिष्ठा के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा।

## संतान

संतान की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्ध अधिक अनुकूल नहीं रहेगा। द्वादश भाव में स्थित गुरु पर राहु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से संतान संबंधित कुछ चिंताएं हो सकती हैं। आपके बच्चों का स्वास्थ्य व शिक्षा-दीक्षा प्रभावित हो सकती है, अतः उनके स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें।

02 जून के बाद गुरु के गोचरीय प्रभाव से समय काफी अनुकूल हो रहा है। उस समय आपके बच्चे अपने परिश्रम के बल पर आगे बढ़ेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में उनकी रुचि बढ़ेगी। नवविवाहित महिलाओं के लिए गर्भाधान का यह शुभ समय है। यदि आप दूसरे बच्चे के लिए योजना बना रही हैं, तो उसके लिए भी समय बहुत अच्छा है। यदि संतान विवाह योग्य है, तो विवाह भी संपन्न हो सकता है।

## स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्ध सामान्यतः अनुकूल नहीं रहेगा। द्वादश भाव के गुरु आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव की स्थिति बना सकते हैं। मधुमेह रोगियों को अधिक सावधानी और परहेज की आवश्यकता है। गुरु ग्रह के वायु तत्व राशि में होने के कारण संक्रमण, श्वास व पेट संबंधित रोगों का सामना करना पड़ सकता है।

02 जून के बाद गुरु का गोचरीय प्रभाव लग्न भाव में होने से स्वास्थ्य में सुधार आना शुरू हो जाएगा। आप मानसिक रूप से संतुष्ट एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगी।

## करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए वर्ष का पूर्वार्ध बहुत अच्छा रहेगा। छठे भाव पर गुरु एवं शनि की संयुक्त दृष्टि के कारण प्रतियोगी परीक्षार्थियों को मनोनुकूल सफलता मिलेगी। बेरोजगार जातिकाओं को वर्ष के आरंभ में नौकरी मिल सकती है।

02 जून के बाद विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल हो रहा है। आप पढ़ाई-लिखाई में सबसे आगे रहेंगी। यदि आप उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहती हैं, तो किसी अच्छे शैक्षणिक संस्थान में आपका प्रवेश हो सकता है। तकनीकी शिक्षा या व्यावसायिक शिक्षा के लिए भी समय काफी अनुकूल है।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

## यात्रा-तबादला

यात्रा की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्ध अनुकूल है। द्वादश भाव में स्थित गुरु विदेश यात्रा के शुभ योग बना रहे हैं। इस समयांतराल में आपकी विदेश यात्रा होने की प्रबल संभावना है।

02 जून के बाद नवम भाव पर गुरु ग्रह की दृष्टि लंबी यात्रा के योग बना रही है। तृतीय भाव पर शनि ग्रह की दृष्टि छोटी-मोटी यात्राओं के साथ-साथ लंबी यात्राओं के संकेत भी दे रही है।

## धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए वर्ष अनुकूल रहेगा। द्वादश भाव में स्थित गुरु एवं नवम भाव के शनि के प्रभाव से आप दान-पुण्य अधिक करेंगी। 02 जून के बाद गुरु ग्रह का गोचर लग्न भाव में होगा। उस समय नवम एवं पंचम भाव पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आपका आध्यात्मिक ज्ञान बढ़ेगा। आप गुरुजनों का सम्मान करेंगी और उनके द्वारा दिए गए उपदेशों का पालन करेंगी। आप मंत्र जाप के माध्यम से अपनी आध्यात्मिक शक्ति को बढ़ाएंगी।

- माता-पिता, गुरु, साधु, संन्यासी और अपने से बड़े लोगों का आशीर्वाद प्राप्त करें।
- मंदिर या धार्मिक स्थानों पर केला या बेसन के लड्डू वितरित करें।
- बुधवार के दिन गणेशजी को दूर्वा चढ़ाएं।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# मासिक फलादेश

## जनवरी 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए अशुभ फल प्रदान करने वाला होगा, तथापि अल्प मात्रा में शुभ फल भी प्राप्त होते रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा, फलतः शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। साथ ही शत्रु भी आपसे बलवान रहेंगे एवं आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे, जिससे आप उनसे भयभीत तथा चिंतित रहेंगे। इस मास में आपके घर में कोई चोरी भी हो सकती है, अतः सावधान रहना चाहिए। साथ ही नौकरी या व्यवसाय में उच्चाधिकारी वर्ग की उपेक्षा न करें तथा विनम्रतापूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करें, अन्यथा आपको दंडित किया जा सकता है। इस समय आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा धन का व्यय भी अधिक होगा, फलतः आर्थिक दृष्टि से भी आप कष्ट प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को भी संपन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा तथा समाज में भी आपके आदर में कमी आएगी। बंधुओं एवं मित्रों से आपका इस समय मनमुटाव रहेगा तथा मानसिक इच्छाएं अपूर्ण ही रहेंगी। अतः तनाव से बचने के लिए संयमपूर्वक अपने कार्यकलापों को संपन्न करें।

परंतु इस मास में आप शुभ फल भी अर्जित करेंगे। इससे आप श्रेष्ठजनों तथा उच्चाधिकारियों का सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आप नवीन वस्त्र या द्रव्य भी अर्जित कर सकेंगे तथा मानसिक रूप से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

## फरवरी 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा अपनी पत्नी एवं बंधुवर्ग से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे या इन्हें भी किसी प्रकार का कष्ट हो सकता है। साथ ही आपका शत्रु पक्ष भी आपसे बलवान रहेगा, जिससे आपके लिए अनावश्यक समस्याएं तथा बाधाएं उत्पन्न होंगी। अतः इनसे आप काफी असुविधा का सामना करेंगे तथा मानसिक रूप से चिंतित भी रहेंगे। इस मास में आपके उत्साह के भाव में कमी रहेगी तथा धन का व्यय भी अनावश्यक रूप से अधिक होगा, जिससे आर्थिक रूप से भी आप परेशान रहेंगे। इसके साथ ही आपके स्वभाव में लोलुपता के भाव में भी वृद्धि होगी। बंधुओं एवं मित्रों के मध्य आपके अच्छे संबंध नहीं रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग प्राप्त करने में असफल रहेंगे; ऐसे समय में मित्र भी शत्रु की तरह व्यवहार करेंगे। इसके अतिरिक्त परिवार तथा अन्य सामाजिक जनों से भी विवाद आदि होते रहेंगे। अतः संयम एवं बुद्धिमत्तापूर्वक अपने कार्यकलापों को संपन्न करें।

परंतु इस मास में न्यूनाधिक रूप से आप शुभ फल भी अर्जित करेंगे। इससे आप अपनी पत्नी से सहयोग प्राप्त करेंगे तथा अपनी बुद्धिमत्ता के द्वारा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता प्राप्त करेंगे। साथ ही धन तथा सुख प्राप्त करने में भी आपको सफलता मिलेगी। अतः मानसिक रूप से आप अल्प मात्रा में संतुष्ट हो सकेंगे।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

## मार्च 2026 के लिए फलादेश

इस मास में आप सामान्यतः अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे तथा शुभ फल कम रहेंगे। इस समय शत्रु पक्ष के प्रबल होने से आपको उनसे कष्ट प्राप्त होगा और आप चिंतित भी रहेंगे। साथ ही, आपके घर में किसी प्रकार की चोरी भी हो सकती है, अतः सतर्क रहें। इस मास में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य कठिन परिश्रम के बाद भी आंशिक रूप से ही सफल हो सकेंगे और कार्यों में विभिन्न प्रकार के व्यवधान आते रहेंगे। इसके साथ ही, धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा, जिससे आप आर्थिक दृष्टि से भी परेशान रहेंगे। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा देवताओं एवं ब्राह्मणों के प्रति आप उपेक्षा का भाव रखेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा और कई प्रकार के शारीरिक कष्ट हो सकते हैं। साथ ही, आपकी कोई दूर या समीप की यात्रा भी हो सकती है। इसके अतिरिक्त, सांसारिक कार्यों में भी आप असफल रहेंगे तथा किसी मुकदमे आदि में धन-हानि की संभावना रहेगी, जिससे आप मानसिक रूप से असंतुष्ट रहेंगे। अतः सावधानी तथा बुद्धिमत्ता से समय व्यतीत करें।

परंतु इस मास में समय-समय पर आप शुभ फल भी अर्जित कर सकेंगे। इसके प्रभाव से आप अपनी पत्नी का पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। आपकी बुद्धि में निर्मलता बनी रहेगी, जिससे आपके कई कार्य बुद्धिमानी से पूर्ण होंगे और धनोपार्जन में भी आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त, धर्म के प्रति श्रद्धा का भाव रखकर आप समाज में आदर प्राप्त करेंगे।

## अप्रैल 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए सामान्यतः शुभ ही रहेगा, तथापि आंशिक रूप से कुछ अशुभ फल भी मिल सकते हैं। इस समय आपके उच्चाधिकारी आपसे पूर्णतः प्रसन्न तथा संतुष्ट रहेंगे और उनसे आपको पूरा सहयोग तथा सम्मान प्राप्त होगा। इस कारण आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य समय पर सिद्ध होंगे। साथ ही, आप प्रचुर मात्रा में धनोपार्जन करने में भी सफल रहेंगे। इस मास में आपके घर में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी हो सकता है। संतान पक्ष से आप पूर्णतः सुखी रहेंगे। देवताओं एवं ब्राह्मणों के प्रति आपकी अनन्य श्रद्धा बनी रहेगी और आप नियमपूर्वक उनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। समाज में इस समय आपके यश तथा प्रतिष्ठा में सर्वत्र वृद्धि होगी और भाग्योन्नति संबंधी शुभ कार्य भी संपन्न होंगे। आपकी बुद्धि इस समय निर्मल रहेगी और लाभदायक यात्राओं के योग बनेंगे। सरकारी तंत्र से लाभ प्राप्त करने में भी आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त, बंधु एवं मित्र-वर्ग से आपके मधुर संबंध रहेंगे और आप समाज में पूर्ण सम्मान प्राप्त करेंगे।

परंतु इस मास में शुभ फलों के साथ-साथ कभी-कभी आपको अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। आपको गर्मी या पित्त जनित रोगों के कारण शारीरिक कष्ट अनुभव हो सकता है और अन्य कारणों से रक्त विकार की भी संभावना रहेगी। अतः अपने स्वास्थ्य और शारीरिक सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें तथा अपने कार्यों को बुद्धिमानी से संपन्न करें।

## मई 2026 के लिए फलादेश

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

यह मास आपके लिए अत्यंत शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय आप अपने कार्यक्षेत्र में विशेष सफलता प्राप्त करेंगे और आपके उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न तथा संतुष्ट रहेंगे, जिससे आप उन्नति की ओर अग्रसर होंगे। साथ ही, बंधुओं तथा मित्रों के साथ आपके संबंध मधुर और घनिष्ठ रहेंगे; उनसे आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। आप दूसरों की भलाई के कार्यों में भी तत्पर रहेंगे। आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इसी मास में संपन्न होंगे, जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्न तथा संतुष्ट रहेंगे। देवताओं एवं ब्राह्मणों के प्रति आपकी गहरी श्रद्धा रहेगी और आप नियमपूर्वक उनकी पूजा-सेवा करते रहेंगे। इस समय समाज में आपके प्रभाव और प्रभुत्व में वृद्धि होगी और लोग आपकी श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे। आपकी कीर्ति दूर-दूर तक फैलेगी और विभिन्न स्रोतों से धन लाभ होता रहेगा। इसके अतिरिक्त, इस समय आप नए घर की प्राप्ति कर सकते हैं या स्थान परिवर्तन का योग बन सकता है। आपकी मनोकामनाएं भी पूर्ण होंगी।

साथ ही, इस मास में आपको अपनी पत्नी तथा पुत्र से पूर्ण सुख और सहयोग प्राप्त होगा। आप नए वस्त्रों की प्राप्ति कर सकते हैं या अन्य सुख-सुविधा की वस्तुएँ अर्जित कर सकते हैं। इस प्रकार आप यह महीना अत्यंत आनंदपूर्वक व्यतीत करेंगे।

## जून 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए सामान्यतः शुभ ही रहेगा, यद्यपि कुछ मात्रा में अशुभ फल भी प्राप्त हो सकते हैं। इस समय आप स्त्री पक्ष से लाभ प्राप्त करने में सफल रहेंगे और आपके सौभाग्य में आशातीत वृद्धि होगी, जिससे आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य समय पर पूरे हो जाएंगे। इससे आप मानसिक रूप से पूर्णतः प्रसन्न तथा संतुष्ट रहेंगे। इस मास में सरकार या उच्चाधिकारियों से आपको संरक्षण मिलेगा और उनसे यथोचित लाभ तथा सहयोग प्राप्त होगा। आपका स्वास्थ्य भी ठीक रहेगा और ज्ञान प्राप्ति की दिशा में आपकी रुचि बढ़ेगी। मित्रों एवं बंधुओं के साथ आपके संबंध मधुर रहेंगे और आप उनसे इच्छित सहयोग तथा सुख प्राप्त करेंगे। इस महीने में आप अपनी पसंद की वस्तुएं प्राप्त करेंगे और प्रसन्नतापूर्वक उनका उपभोग करेंगे। संतान पक्ष से भी आपको पूर्ण सुख मिलेगा और समाज में उचित सम्मान प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त, आपके रुके हुए कार्य भी इस समय पूरे होंगे।

परंतु इस मास में शुभ फलों के साथ-साथ समय-समय पर अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप ठंड या वात से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्ट की अनुभूति करेंगे, साथ ही किसी ऐसे कार्य को भी संपन्न करेंगे जिससे बाद में आपको पश्चाताप भी करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि से भी आप क्षति प्राप्त कर सकते हैं। अतः सावधानीपूर्वक अपने कार्यकलापों को संपन्न करें।

## जुलाई 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए अशुभ तथा परेशानियां उत्पन्न करने वाला सिद्ध होगा। इस समय आप अधिक मात्रा में व्यय करेंगे जिससे आप आर्थिक दृष्टि से परेशान होंगे। साथ ही आप दुष्ट मनुष्यों की संगति में भी रहेंगे। इस मास में आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप

शारीरिक कष्ट की अनुभूति प्राप्त करेंगे। इस समय आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अधिक परिश्रम के द्वारा अल्प मात्रा में ही सफल होंगे। धर्म के प्रति भी आपकी विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा देवताओं एवं ब्राह्मणों के प्रति आपके मन में उपेक्षा का भाव रहेगा। संबंधियों तथा मित्रों से भी आपके मधुर संबंध नहीं रहेंगे तथा इनसे परस्पर मनमुटाव रहेगा। इस समय आप जो भी कार्य प्रारंभ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही हाथ लगेगी, फलतः मानसिक रूप से आप असंतुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त शत्रु वर्ग से भी आप इस समय चिंतित एवं भयभीत रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप शीत से उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे एवं किसी ऐसे कार्य को भी संपन्न करेंगे जिससे आपकी समाज में अवमानना होगी तथा बाद में आप पश्चाताप करेंगे। साथ ही आग के द्वारा भी आपको हानि हो सकती है। अतः संयम तथा बुद्धिमत्तापूर्वक अपने कार्यों को संपन्न करें।

## अगस्त 2026 के लिए फलादेश

इस मास को आप अत्यंत सुख एवं शांतिपूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा संतुष्ट रहेंगे। इस महीने आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा आप शत्रुओं को पराजित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही, आय के स्रोतों में वृद्धि होगी तथा वांछित लाभ भी प्राप्त करेंगे, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। व्यापार या नौकरी के अतिरिक्त अन्य साधनों से भी आप धनार्जन करेंगे। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सिद्ध होंगे तथा आपके भाग्य में भी वृद्धि होगी। इसके अलावा, आपके चिर-प्रतीक्षित महत्वपूर्ण कार्य भी इसी मास में सफल होंगे। मित्रों एवं बंधुवर्ग से आपके घनिष्ठ संबंध रहेंगे तथा इनसे आपको वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त होता रहेगा। साथ ही, सांसारिक कार्यों को सफल बनाने में भी आप समर्थ होंगे। आपका उच्चाधिकारी वर्ग भी इस समय आपसे प्रसन्न एवं संतुष्ट रहेगा तथा उनसे आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग मिलता रहेगा।

साथ ही, इस मास में पत्नी एवं पुत्र से आपको वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा आप नवीन वस्त्र या वस्तुएं आदि प्राप्त करने में सफल हो सकते हैं। इस प्रकार आप सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

## सितम्बर 2026 के लिए फलादेश

इस मास में आप सामान्यतया शुभ फल ही प्राप्त करेंगे, तथापि अशुभ फल भी न्यूनाधिक रूप से मिलते रहेंगे। इस समय आप अपने पराक्रम एवं उत्साह से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में सफल रहेंगे। साथ ही, परिवार एवं समाज के लोगों से आपको यथोचित सम्मान प्राप्त होगा तथा आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बंधुओं एवं मित्रों से आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनका आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होता रहेगा। साथ ही, इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण संरक्षण प्राप्त होगा, जिसके फलस्वरूप आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सिद्ध हो जाएंगे। मिष्ठान्न के प्रति इस समय आपके मन में तीव्र इच्छा उत्पन्न होगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा एवं शारीरिक

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

बल में पूर्ण वृद्धि होगी। शत्रु इस समय निर्बल रहेंगे तथा उन्हें पराजित एवं भयभीत करने में आप समर्थ रहेंगे। पत्नी से भी आप वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे तथा अतिरिक्त साधनों से धनार्जन करने में भी सफल रहेंगे।

साथ ही, इस मास में शुभ फलों के साथ-साथ कुछ अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप गर्मी या पित्त रोग के कारण शारीरिक अस्वस्थता का अनुभव कर सकते हैं एवं रक्त विकार की भी संभावना हो सकती है। अतः इस समय शारीरिक सुरक्षा का पूर्ण ध्यान रखना चाहिए तथा सावधानीपूर्वक अपने कार्यों को संपन्न करना चाहिए।

## अक्टूबर 2026 के लिए फलादेश

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा सभी सामाजिक एवं अन्य लोग आपकी श्रेष्ठता तथा प्रभुता को स्वीकार करेंगे एवं यथोचित सम्मान तथा सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही, आप धन एवं सुखोपभोग की सामग्री अर्जित करने में भी सफल रहेंगे। देवताओं एवं ब्राह्मणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करते रहेंगे। आप अन्य लोगों के परोपकार संबंधी कार्यों को करने के लिए भी हमेशा तत्पर रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आप वांछित लाभ तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय बंधु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा इनसे आपको यथोचित सम्मान एवं सहयोग मिलता रहेगा। इसके अतिरिक्त, आपकी मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होंगी, जिसके परिणामस्वरूप मानसिक रूप से भी आप प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे तथा भाग्योदय संबंधी कार्य भी इस समय संपन्न होंगे।

साथ ही, इस मास में आप पत्नी से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता का भाव रहेगा तथा अपनी बुद्धिमत्ता से आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन तथा सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त, धर्म के प्रति भी आप श्रद्धा का प्रदर्शन करेंगे।

## नवम्बर 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक होंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रु भी आपसे अधिक बलवान होंगे, अतः उनकी ओर से आप चिंतित तथा भयभीत रहेंगे, जिससे मानसिक रूप से भी आप अशांत तथा असंतुष्ट रहेंगे। इस मास में आपके व्यापार आदि कार्यों में मंदी रहेगी तथा नौकरी आदि में भी अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी। साथ ही आप किसी कार्य में परिवर्तन कर सकते हैं या कोई कार्य छूट भी सकता है। समाज में दूसरे लोगों के साथ आपके अच्छे संबंध नहीं रहेंगे तथा परस्पर वैमनस्य का भाव रहेगा जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता परिलक्षित होगी। इसके अतिरिक्त आपके इस मास में धन हानि के योग बनेंगे तथा शरीर किसी नवीन रोग से पीड़ित हो सकता है। अतः अपने समस्त सांसारिक कार्यों को सोच-समझकर संपन्न करें।

साथ ही इस मास में आप शुभ फल भी अवश्य प्राप्त करेंगे। इस समय पत्नी तथा पुत्र से आप सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे तथा अपनी बुद्धिमत्ता से धनार्जन करने में सफलता प्राप्त करेंगे। साथ ही धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा रहेगी तथा आपके इन विचारों से समाज से आप वांछित सम्मान तथा सहयोग प्राप्त कर सकेंगे।

## दिसम्बर 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी बुद्धिमत्ता से ही संपन्न होंगे। इस समय आप विविध प्रकार से द्रव्य अर्जित करेंगे। साथ ही पुत्र-संतति से आपको इस मास में पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन में भी आपकी रुचि उत्पन्न होगी तथा इसमें आप सफल भी रहेंगे। आपके प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी श्रेष्ठता को हृदय से स्वीकार करेंगे तथा आपको यथोचित सम्मान भी प्रदान करेंगे। इस समय आपके कई महत्वपूर्ण कार्य सफल होंगे तथा कहीं से कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा, जिससे आपको हार्दिक प्रसन्नता की अनुभूति होगी। देवताओं एवं ब्राह्मणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा विधिपूर्वक आप उनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग भी प्राप्त होगा, साथ ही समाज में भी आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप अपनी पत्नी से आवश्यक सहयोग प्राप्त करेंगे तथा अपनी बुद्धि-चातुर्य से प्रचुर मात्रा में धनार्जन तथा सुखार्जन करने में सफल रहेंगे। धर्म के प्रति भी आप श्रद्धावान रहेंगे तथा समाज में आदरणीय समझे जाएंगे।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# वार्षिक फलादेश - 2027

वर्ष के पूर्वार्द्ध में मीनस्थ शनि नवम भाव में रहेंगे और 3 जून को मेष राशि एवं दशम भाव में प्रवेश करेंगे और वक्री होकर 03 अक्टूबर को फिर से मीन राशि एवं नवम भाव में आ जाएंगे। मकर राशि का राहु इस वर्ष सप्तम भाव में रहेगा। वक्री गुरु 25 जनवरी को कर्क राशि एवं लग्न स्थान में प्रवेश करेंगे और मार्गी होकर 26 जून को सिंह राशि एवं द्वितीय भाव में गोचर करेंगे, और फिर से अतिचारी होकर 26 नवंबर को कन्या राशि एवं तृतीय भाव में प्रवेश कर जाएंगे। 26 अप्रैल से 5 जुलाई तक मंगल वक्री होकर सिंह राशि एवं द्वितीय भाव में रहेंगे। 21 जुलाई से 7 सितंबर तक शुक्र अस्त रहेंगे।

## व्यवसाय

कार्य-व्यवसाय की दृष्टि से यह वर्ष बहुत बढ़िया रहेगा। व्यवसाय व कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। आप कोई नया कार्य प्रारम्भ कर सकती हैं। लग्नस्थ गुरु के प्रभाव से नई योजनाओं से लाभ उठाकर आप अपने व्यापार को और सुदृढ़ बना सकती हैं। आपका भाग्य भी आपके अनुकूल रहेगा। आप कम समय में उत्तम सफलता प्राप्त कर सकती हैं। शेयर बाजार से जुड़ी महिलाओं को इच्छित लाभ होगा।

साझेदारी में काम करने वालों के लिए समय अच्छा नहीं है। 26 जून के बाद नौकरी करने वाली महिलाओं की पदोन्नति होने के प्रबल योग बन रहे हैं। वरिष्ठ लोगों या बड़े अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा, आप मानसिक रूप से संतुष्ट होकर प्रसन्नतापूर्वक अपना कार्य करेंगी।

## धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष अनुकूल रहेगा। व्यापारिक अनुकूलता के कारण धनागम में वृद्धि होगी। आप इच्छित बचत करने में सफल रहेंगी। वर्ष के पूर्वार्द्ध में कर्ज़े इत्यादि से मुक्ति मिल सकती है। गुरु ग्रह के गोचर के बाद रत्न, आभूषण इत्यादि वस्तुओं की प्राप्ति होगी। रुके हुए या फंसे हुए पैसे मिल सकते हैं। सप्तमस्थ राहु के प्रभाव से आपके पति के स्वास्थ्य पर भी धन का व्यय हो सकता है।

26 नवम्बर के बाद सामाजिक कार्यों में व धार्मिक कार्यों में पैसा खर्च कर सकती हैं। भाइयों या ससुराल पक्ष से भी धन लाभ हो सकता है। अचानक धन लाभ होने के भी योग बन रहे हैं।

## घर-परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टि से यह वर्ष अनुकूल रहेगा। सुख-शांति का वातावरण बना रहेगा। परिवार में एक-दूसरे के प्रति परस्पर सहयोग की भावना उत्पन्न होगी, जिससे आपस में भावनात्मक लगाव बढ़ेगा। सप्तमस्थ राहु के प्रभाव से पति का स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

26 जून के बाद परिवार में किसी सदस्य की वृद्धि हो सकती है। ससुराल पक्ष के लोगों के साथ आपके संबंध बहुत अच्छे रहेंगे। पिता के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। 26 नवम्बर के बाद

आपके सामाजिक मान-सम्मान में और अधिक बढ़ोतरी होगी।

## संतान

संतान के लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध उत्तम रहेगा। पंचम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि के प्रभाव से आपके बच्चों की उन्नति होगी। शिक्षा के प्रति उनकी रुचि बढ़ेगी। भाग्य के बल पर वे अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। नवविवाहित महिलाओं के लिए गर्भाधान का यह उपयुक्त समय है। यदि आप विवाह योग्य हैं, तो आपका विवाह संपन्न हो जाएगा।

26 नवम्बर के बाद दूसरे बच्चे के लिए भी समय अधिक अनुकूल नहीं रहेगा। उसे अपने कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्ति के लिए अधिक परिश्रम करना पड़ेगा। उसका स्वास्थ्य भी प्रभावित हो सकता है।

## स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध अनुकूल रहेगा। लग्नस्थ गुरु के प्रभाव से आपका स्वास्थ्य उत्तम बना रहेगा। आपके मन में अच्छे विचार आएंगे, आप मानसिक रूप से संतुष्ट रहेंगी और प्रत्येक कार्य को सकारात्मक रूप से करेंगी।

26 जून के बाद लग्न स्थान पर राहु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आपका स्वास्थ्य थोड़ा प्रभावित हो सकता है। मौसम जनित बीमारी या आलस्य की भावना उत्पन्न हो सकती है, परंतु आप शीघ्र ही स्वस्थ हो जाएंगी।

## करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

यह वर्ष आपके लिए प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता की दृष्टि से सामान्यतः अनुकूल रहेगा। यदि आप उच्च शिक्षा हेतु किसी प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश पाना चाहती हैं, तो आपके लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध अत्यंत अनुकूल है।

पंचम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि के प्रभाव से विद्यार्थियों के लिए समय काफी अच्छा है। 26 जून के बाद प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त हो सकती है। तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में भी यह समय अनुकूल रहेगा।

## यात्रा-तबादला

यात्रा की दृष्टि से यह वर्ष उत्तम रहेगा। वर्ष के पूर्वार्द्ध में नवमस्थ शनि पर गुरु ग्रह की दृष्टि के कारण आपकी लंबी यात्राएं होंगी। 03 जून के बाद द्वादश स्थान पर शनि ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आपके विदेश यात्रा के प्रबल योग बन रहे हैं।

आप जलीय क्षेत्रों की यात्रा करेंगी। 26 नवम्बर के बाद आपकी छोटी-मोटी यात्राएं होती रहेंगी।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

## धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध अत्यंत शुभ रहेगा। नवम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि के प्रभाव से आपकी धार्मिक कार्यों के प्रति रुचि बढ़ेगी, जिससे आप पूजा, पाठ, यज्ञ और अनुष्ठान अधिक करेंगी। पंचम स्थान पर गुरु की दृष्टि के कारण ईश्वर के प्रति आपका अटूट विश्वास रहेगा। दान-पुण्य करने में आप सबसे आगे रहेंगी। 26 जून के बाद मंत्र सिद्धि व गुप्त विद्याओं की ओर आपका रुझान बढ़ेगा।

- स्फटिक श्रीयंत्र अपने घर में स्थापित कर उसके सामने नित्य घी का दीपक जलाएं।
- अपने मन को केंद्रित करने के लिए ध्यान करें एवं नित्य प्राणायाम करें।
- बुधवार या शनिवार के दिन राहु ग्रह से संबंधित वस्तुओं का दान आपके लिए लाभदायक रहेगा।

# मासिक फलादेश

## जनवरी 2027 के लिए फलादेश

इस मास में आप शारीरिक रूप से अस्वस्थता और दुर्बलता का अनुभव करेंगे। साथ ही आपके शत्रुओं में वृद्धि होगी, जिससे अनावश्यक चिंताएं और समस्याएं बढ़ेंगी। इस समय चोरों से भी सावधान रहना चाहिए। अपने उच्चाधिकारियों की उपेक्षा न करें, अन्यथा आप दंडित हो सकते हैं। इस मास में आपको सांसारिक कार्यों में असफलता मिल सकती है तथा धन का अनावश्यक व्यय होगा। इसके साथ ही आप किसी गलत कार्य की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं, जिससे बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। अपने संबंधियों से भी आपकी अनबन हो सकती है तथा मान-हानि के साथ-साथ कार्यों में असफलता मिलने की संभावना है।

परंतु उपरोक्त अशुभ फलों के साथ-साथ इस मास में आप अल्प मात्रा में शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। इससे आपको अपनी पत्नी से सुख, बुद्धि में निर्मलता तथा अन्य प्रकार के सुख प्राप्त होंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा भाव बना रहेगा और आप किसी धार्मिक कार्य को संपन्न करेंगे।

## फरवरी 2027 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए विशेष अनुकूल नहीं रहेगा। इस समय आपको स्त्री पक्ष तथा बंधु-बांधवों से कष्ट मिल सकता है। साथ ही शत्रुओं की ओर से भी चिंता बनी रहेगी। आपमें उत्साह की कमी देखी जाएगी और धन का व्यय भी अधिक होगा। आप शारीरिक अस्वस्थता का अनुभव करेंगे और मन में लोभ की प्रधानता रह सकती है। आप अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाह हो सकते हैं। परिजनों से संबंधों में तनाव उत्पन्न होने की संभावना है और मित्र भी शत्रुओं जैसा व्यवहार कर सकते हैं, जिससे मानसिक तनाव बढ़ेगा। इसके अतिरिक्त अन्य लोगों से भी वाद-विवाद या संघर्ष की स्थिति बन सकती है।

परंतु इस मास में अशुभ फलों के साथ-साथ समय-समय पर शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप अपनी पत्नी से सुख प्राप्त करेंगे और बुद्धिमानी से अपने अधिकांश कार्यों को संपन्न करेंगे। साथ ही धर्म का पालन करने में भी आपकी रुचि रहेगी। अतः आपका यह मास मध्यम रूप से व्यतीत होगा।

## मार्च 2027 के लिए फलादेश

इस समय आपको शत्रुओं से भय और चिंता बनी रहेगी, साथ ही घर में चोरी होने की भी संभावना है। आपका अनावश्यक व्यय बढ़ेगा और धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा में कमी आएगी। शारीरिक रूप से भी आप विभिन्न कष्टों का अनुभव करेंगे, जिसके परिणामस्वरूप आपकी शक्ति और उत्साह में कमी आएगी। इसके अतिरिक्त, इस मास में आप घर से दूर किसी यात्रा पर जा सकते हैं।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

सांसारिक कार्यों में भी आपको बाधाओं का सामना करना पड़ेगा और कानूनी मामलों या मुकदमेबाजी में आपका धन व्यय हो सकता है।

साथ ही इस मास में आपको गर्मी के कारण बुखार आदि कष्ट हो सकते हैं। इस समय किसी प्रकार के रक्त विकार की भी संभावना है, अतः आपको अपने स्वास्थ्य और शारीरिक सुरक्षा का पूर्ण ध्यान रखना चाहिए।

## अप्रैल 2027 के लिए फलादेश

इस मास में आप धनार्जन करने में सफल रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न रहेगा। आपके घर में इस समय कोई धार्मिक उत्सव या कार्य भी संपन्न हो सकता है। संतान से आप संतुष्ट रहेंगे एवं उनसे आपको सुख की प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी एवं अवसरानुसार आप इनका पूजन तथा सम्मान करेंगे। समाज में यशार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे तथा भाग्योदय संबंधी कार्यों में भी उन्नति होगी। आपकी बुद्धि में भी इस समय वृद्धि होगी तथा लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप मान-सम्मान अर्जित करेंगे एवं मित्रों से मधुर संबंध रहेंगे। इसके अतिरिक्त आप सर्वत्र मान-सम्मान एवं प्रतिष्ठा भी प्राप्त करेंगे।

साथ ही आप अपनी पत्नी तथा पुत्र से पूर्ण सुख तथा संतुष्टि भी प्राप्त करेंगे। इस मास में आप नवीन वस्त्रों तथा अन्य वस्तुओं को भी अर्जित करेंगे। अतः इससे आपको मानसिक रूप से प्रसन्नता प्राप्त होगी।

## मई 2027 के लिए फलादेश

इस मास में आप अपने कार्यक्षेत्र में पूर्ण मान एवं प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे तथा आपके उच्चाधिकारी आपसे पूर्णतः प्रसन्न रहेंगे। अपने मित्रों एवं बंधुजनों की आप पूर्ण सहायता करेंगे एवं यत्नपूर्वक उनकी भलाई करने के लिए तत्पर रहेंगे। साथ ही आपके सभी शुभ कार्य भी सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा एवं पूजा की भावना उत्पन्न होगी तथा समाज से आप पूर्ण यश प्राप्त करेंगे। इसके साथ ही कई प्रकार से धन लाभ भी अर्जित करेंगे। इस समय आप स्थान परिवर्तन या नवीन आवास आदि की भी प्राप्ति कर सकते हैं। इसके साथ ही हर प्रकार से शुभ फल प्राप्त होंगे एवं प्रसन्नतापूर्वक आप इस मास को व्यतीत करेंगे। इसके अतिरिक्त पिछले महीने की अधूरी आशाओं में भी आपको सफलता प्राप्त होगी।

साथ ही शुभ फलों के साथ-साथ कुछ अशुभ फल भी प्राप्त होंगे, जिससे आप वात रोग से पीड़ित हो सकते हैं तथा किसी ऐसे कार्य को संपन्न कर सकते हैं जिससे आपकी प्रतिष्ठा में कमी आ सकती है। इस समय अग्नि के द्वारा भी आंशिक धन हानि होने की संभावना रहेगी। अतः सावधानीपूर्वक समय व्यतीत करें।


**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

## जून 2027 के लिए फलादेश

इस मास में आपको शुभ फलों की अधिक मात्रा में प्राप्ति होगी। स्त्री वर्ग से आप लाभ प्राप्त करेंगे तथा सौभाग्यशाली रहेंगे। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से धन लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं। शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा मन से भी पूर्ण प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। साथ ही ज्ञानार्जन के क्षेत्र में भी उन्नति करेंगे। इस समय मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा तथा वांछित वस्तुओं का उपभोग करके आप प्रसन्न रहेंगे। संतान पक्ष से भी आप शुभ फल ही प्राप्त करेंगे एवं संबंधियों के बीच आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। साथ ही अपनी अधूरी आशाओं में भी आप सफलता प्राप्त करेंगे। इस प्रकार यह मास आपका सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

परंतु इस मास में शुभ फलों के साथ-साथ यदा-कदा अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। जिसके प्रभाव से आप वातजन्य रोगों से कष्ट का अनुभव कर सकते हैं एवं किसी कठोर कार्य को करने से मान-सम्मान में कमी महसूस करेंगे। साथ ही अग्नि के द्वारा धन हानि की भी संभावना रहेगी। अतः बुद्धिमत्ता से अपने कार्यों को संपन्न करें।

## जुलाई 2027 के लिए फलादेश

इस मास में आपको शुभाशुभ (मिश्रित) फल प्राप्त होंगे। इसके प्रभाव से इस समय आपका व्यय अधिक होगा एवं दुष्ट व्यक्तियों की संगति प्राप्त होगी। सामान्य रूप से आप शारीरिक अस्वस्थता का अनुभव करेंगे। साथ ही अत्यंत परिश्रम एवं पराक्रम करने पर भी कार्यों में बहुत कम सफलता प्राप्त होगी। धर्म के प्रति आपके मन में उपेक्षा की भावना उत्पन्न होगी तथा अन्य कारणों से धन की हानि भी हो सकती है। साथ ही मित्रों एवं संबंधियों के साथ संबंधों में तनाव उत्पन्न हो सकता है। इस समय आपकी नौकरी या व्यापार में भी अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न होंगी तथा शत्रुओं से भय एवं चिंता बनी रहेगी। साथ ही जिस कार्य को भी प्रारंभ करेंगे, उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता की संभावना अधिक रहेगी तथा यदा-कदा आप मन में बेचैनी भी अनुभव करेंगे।

साथ ही, अशुभ फलों के साथ-साथ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप पुत्र एवं पत्नी का सुख प्राप्त करेंगे तथा नवीन वस्त्रों या द्रव्यों की उपलब्धि भी हो सकती है।

## अगस्त 2027 के लिए फलादेश

इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न रहेंगे। इस समय आपके लाभमार्ग प्रशस्त होंगे तथा पराक्रम में भी वृद्धि होगी, जिससे शत्रु वर्ग आपसे भयभीत रहेगा। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप सम्मान प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य स्रोतों से भी आपकी आय होती रहेगी, जिससे आप आर्थिक रूप से पूर्णतः सुदृढ़ रहेंगे। इसके शुभ प्रभाव से आप समाज में पूर्ण मान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा भाग्य में भी उन्नति होगी एवं कोई विलंबित शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी संपन्न हो सकेगा। इसके अतिरिक्त सांसारिक कार्यों में सफलता प्राप्त होगी एवं संपूर्ण वातावरण प्रसन्नता से युक्त रहेगा।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

साथ ही इस मास में यदा-कदा कुछ अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। इससे आप गर्मी से उत्पन्न रोगों के कारण कष्ट महसूस करेंगे तथा किसी प्रकार का रक्त संबंधी विकार भी हो सकता है। अतः इस समय शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सावधानी बरतनी चाहिए। साथ ही अग्नि के द्वारा भी किसी प्रकार की हानि की संभावना हो सकती है, अतः सतर्क रहें।

## सितम्बर 2027 के लिए फलादेश

इस मास में आप अपने ही उत्साह के द्वारा धनार्जन करने में सफल रहेंगे तथा समाज से आपको पूर्ण यश तथा मान प्राप्त होगा। साथ ही अपने समस्त बंधुओं तथा मित्रों से आप पूर्ण प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। इस समय उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको आश्रय मिलेगा तथा आप मिष्ठान्न का अधिक मात्रा में उपभोग करने में रुचि लेंगे। आपका स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा एवं शारीरिक बल में वृद्धि होगी। इस प्रकार आप संपूर्ण मास सुखों के उपभोग में व्यतीत करेंगे। साथ ही आपके शत्रु भी आपसे पराजित होंगे एवं पत्नी से पूर्ण सुख प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त व्यापार में भी आप लाभ अर्जित करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे एवं आपकी बुद्धि में निर्मलता का समावेश होगा। इसके अतिरिक्त आप प्रचुर मात्रा में धन लाभ अर्जित करेंगे तथा सुखपूर्वक धर्म का पालन करते हुए अपना समय व्यतीत करेंगे।

## अक्टूबर 2027 के लिए फलादेश

इस मास में आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों को अर्जित करने में सफल होंगे। साथ ही समाज में आपका यश भी व्याप्त होगा। धर्म के प्रति आपके मन में गहरी आस्था होगी तथा देवताओं एवं ब्राह्मणों के प्रति श्रद्धा रखेंगे एवं श्रद्धापूर्वक उनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इस समय परोपकार की भावना भी आपके मन में उत्पन्न होगी तथा उच्चाधिकारी वर्ग के आश्रय से आप पूर्ण यश अर्जित करेंगे एवं आपकी मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। साथ ही भाइयों से भी आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आप अपने मानसिक विचारों या संकल्पों को पूर्ण करने में भी सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप पत्नी का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य महिला सहयोगियों से भी आपको वांछित सहयोग प्राप्त होगा। आपकी बुद्धि भी निर्मल होगी एवं संपूर्ण मास आप उचित धन लाभ एवं सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा समाज में आप पूर्ण यश अर्जित करेंगे।

## नवम्बर 2027 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए विशेष शुभ नहीं रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप शारीरिक अस्वस्थता का अनुभव करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष के प्रबल होने से वे आपके लिए कई समस्याएं उत्पन्न करेंगे। परिवार के सदस्यों से भी इस समय

अनावश्यक अनबन हो सकती है, जिससे पारिवारिक वातावरण अशांत रहेगा। मानसिक रूप से भी आप यदा-कदा अशांति महसूस करेंगे। इस मास आपके कार्यों में मंदी आ सकती है या आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य छूट सकता है। अन्य सामाजिक लोगों से भी विवाद होने की संभावना है, जिससे आपके मान-सम्मान में कमी आएगी, धन हानि हो सकती है एवं शरीर में कोई रोग उत्पन्न हो सकता है।

उपरोक्त अशुभ फलों के साथ-साथ इस मास में कुछ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। शरीर में स्वस्थता, मन में संतोष एवं बुद्धि में वृद्धि होगी, जिससे यह मास सामान्य रूप से व्यतीत होगा। साथ ही धर्म का पालन करने में भी आपकी रुचि बनी रहेगी।

## दिसम्बर 2027 के लिए फलादेश

यह मास आपका प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। इस समय आपकी बुद्धि निर्मलता से युक्त रहेगी तथा सभी महत्वपूर्ण कार्य बुद्धि-बल से संपन्न होंगे। साथ ही आपको पुत्र-सुख तथा अन्य प्रकार से धन लाभ भी होगा। इस समय आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग इसे सम्मान के साथ स्वीकार करेंगे। साथ ही आप अनेक प्रकार के शुभ कार्यों को संपन्न करेंगे एवं आपको शुभ समाचार भी प्राप्त होंगे। देवताओं तथा ब्राह्मणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा आप विधिवत उनका पूजन एवं सम्मान करेंगे। इसके अतिरिक्त, सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप अनुकूल लाभ प्राप्त करेंगे। इस समय आपको समाज में मान-प्रतिष्ठा प्राप्त होगी एवं आपकी मानसिक चिंताएं भी दूर होंगी।

साथ ही इस मास में आपको उच्चाधिकारी वर्ग से लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा पदोन्नति भी मिल सकती है। इस समय आप देश-विदेश की लाभदायक यात्राएं भी कर सकते हैं। साथ ही अन्य प्रकार के सुख-साधनों को अर्जित करने में भी आप सफल रहेंगे।

# वार्षिक फलादेश - 2021

वर्षारंभ में मीन राशि के शनि नवम भाव में रहेंगे और 23 फरवरी को मेष राशि एवं दशम भाव में प्रवेश करेंगे। राहु वर्ष के शुरू में मकर राशि एवं सप्तम भाव में रहेंगे और 24 मई को धनु राशि एवं छठे भाव में प्रवेश करेंगे। वर्षारंभ में कन्या राशि के गुरु तृतीय भाव में रहेंगे और वक्री होकर 28 फरवरी को सिंह राशि एवं द्वितीय भाव में प्रवेश करेंगे और फिर से मार्गी होकर 24 जुलाई को कन्या राशि एवं तृतीय भाव में प्रवेश करेंगे। इस वर्ष मंगल ग्रह अपनी सरल गति से गोचर करेंगे। 28 मई से 6 जून तक शुक्र अस्त रहेंगे।

## व्यवसाय

वर्षारंभ में आप कार्य व्यवसाय में उन्नति करेंगी। नवम स्थान पर शनि एवं गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आपका भाग्य साथ देगा। भाइयों का सहयोग मिलेगा। सप्तम स्थान के राहु अचानक आपके कार्यों में व्यवधान उत्पन्न कर सकते हैं परंतु आप उसे भी अपने बौद्धिक बल से अनुकूल बना लेंगी।

24 मई के बाद व्यवसाय में सफलता के अच्छे अवसर मिलेंगे। यदि आप साझेदारी में व्यवसाय कर रही हैं तो 24 जुलाई के बाद अच्छा लाभ प्राप्त होगा। आमदनी के नए स्रोत मिलने की उम्मीद है। अनुभवी व्यापारियों एवं वरिष्ठ लोगों का सहयोग मिलने से आप अपने व्यापार में और अधिक सुधार करेंगी। आपका मनोनुकूल स्थान पर स्थानांतरण हो सकता है।

## धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से वर्ष का प्रारंभ उत्तम रहेगा। व्यापारिक अनुकूलता के कारण आर्थिक स्थिति में भी सुधार होगा। आप बचत करने में सफल रहेंगी। सप्तमस्थ राहु आपके पति के स्वास्थ्य पर भी व्यय करा सकते हैं।

फरवरी के बाद आपको रत्न, आभूषण इत्यादि वस्तुओं की प्राप्ति हो सकती है। पुराने चले आ रहे कर्ज इत्यादि से मुक्ति मिल सकती है। आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में पिता का अहम सहयोग होगा। मातुल पक्ष से भी लाभ प्राप्त होगा। मांगलिक कार्यों में भी पैसे खर्च हो सकते हैं।

## घर-परिवार, समाज

वर्ष का प्रारंभ सामाजिक उन्नति के साथ होगा। तृतीयस्थ गुरु पर शनि की दृष्टि प्रभाव से सामाजिक पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सामाजिक गतिविधियों में आप बढ़-चढ़ कर भाग लेंगी। फरवरी के बाद आपके परिवार में किसी सदस्य की वृद्धि होगी।

सप्तमस्थ राहु आपके पति का स्वास्थ्य प्रभावित कर सकता है। चतुर्थ स्थान पर शनि ग्रह की दृष्टि प्रभाव से पारिवारिक अनुकूलता भंग हो सकती है। आपके माता-पिता का स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा। परिवार में कुछ लोगों का बर्ताव ठीक नहीं रहेगा। षष्ठस्थ राहु के कारण आपके मातुल पक्ष


**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

के लोगों के साथ संबंध मधुर होंगे।

## संतान

संतानों के लिए यह वर्ष अनुकूल रहेगा। आपके बच्चों की उन्नति होगी। शिक्षा के प्रति उनकी रुचि बढ़ेगी। आपके बच्चे अपने परिश्रम के बल पर आगे बढ़ेंगे। गर्भाधान के लिए समय शुभ है।

आपके दूसरे बच्चे के लिए समय अच्छा चल रहा है। यदि बच्चा विवाह के योग्य है, तो विवाह भी हो सकता है। इस समयांतराल में आपके बच्चों के साथ आपका भावनात्मक लगाव बढ़ेगा।

## स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का प्रारंभ मिला-जुला रहेगा। लग्न स्थान पर राहु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से अचानक आपका स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। अतः स्वास्थ्य संबंधित किसी प्रकार की लापरवाही आपके लिए अच्छी नहीं होगी।

राहु ग्रह के गोचर के साथ आपका स्वास्थ्य अनुकूल होना शुरू हो जाएगा। यदि पहले से किसी बीमारी से ग्रसित हैं, तो उससे छुटकारा मिल सकता है। छठे स्थान के राहु रोग प्रतिरोधक शक्ति विकसित करेंगे।

## करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

वर्ष का प्रारंभ प्रतियोगी परीक्षार्थियों के लिए सामान्य रहेगा। आपको लगातार अथक परिश्रम के बाद सफलता मिलेगी। विद्यार्थियों के लिए यह वर्ष सामान्यतः अनुकूल रहेगा। नवम स्थान पर गुरु की दृष्टि शिक्षा की दृष्टि से उत्तम है।

24 मई के बाद षष्ठस्थ राहु के प्रभाव से प्रतियोगी परीक्षार्थियों को सफलता मिलेगी। बेरोजगार जातिकाओं को रोजगार मिल सकता है। व्यावसायिक महिलाओं को ब्रांड नेम मिल सकता है।

## यात्रा-तबादला

वर्ष का प्रारंभ यात्रा की दृष्टि से अनुकूल है। गुरु ग्रह के प्रभाव से लंबी यात्राएं व तीर्थ यात्राएं भी होंगी। 23 फरवरी के बाद द्वादश स्थान पर शनि ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपकी विदेश यात्रा होगी।

चतुर्थ स्थान पर शनि ग्रह की दृष्टि, नौकरी करने वाली महिलाओं का स्थानांतरण करा सकती है।

## धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्षारंभ में गुरु ग्रह की दृष्टि नवम स्थान पर पड़ रही है, जिसके कारण आपका मन धार्मिक

कार्यों में आकृष्ट होगा। आप गुरुजनों का सम्मान करेंगी। उनके दिए गए उपदेशों का पालन करेंगी। समय-समय पर गरीबों की सहायता भी करेंगी।

- ॐ मंगलवार के दिन हनुमान जी को लड्डू का भोग लगाकर गरीबों में बांट दें।
- ॐ दुर्गा जी की उपासना करें या राहु मंत्र का पाठ करें।
- ॐ गौ सेवा करें या गौशाला में चारा दान करें।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# वार्षिक फलादेश - 2029

वर्ष के पूर्वार्ध में मेष राशि के शनि दशम भाव में रहेंगे और 08 अगस्त को वृष राशि एवं एकादश भाव में प्रवेश करेंगे और वक्री होकर फिर से 05 अक्टूबर को मेष राशि एवं दशम भाव में आ जाएंगे। धनु राशि के राहु छठे भाव में रहेंगे। वर्षारंभ में तुला राशि के गुरु चतुर्थ भाव में रहेंगे और वक्री होकर 29 मार्च को कन्या राशि एवं तृतीय भाव में प्रवेश करेंगे और फिर से मार्गी होकर 25 अगस्त को तुला राशि एवं चतुर्थ भाव में आ जाएंगे। वक्री मंगल 27 जुलाई तक कन्या राशि एवं तृतीय भाव में रहेंगे। 15 फरवरी से 16 अप्रैल तक शुक्र अस्त रहेंगे।

## व्यवसाय

वर्ष का प्रारंभ व्यवसाय के लिए उत्तम रहेगा। दशमस्थ शनि पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से नौकरी करने वाली जातिकाओं की पदोन्नति होगी। मनोनुकूल स्थान पर स्थानांतरण भी हो सकता है। बड़े अधिकारियों व वरिष्ठ लोगों का सहयोग मिलता रहेगा। षष्ठस्थ राहु के कारण सारे विरोधी शांत होंगे। आप कोई नया कार्य प्रारंभ करेंगी।

वर्ष का उत्तरार्ध आपके लिए अति उत्तम रहेगा। व्यवसाय में उन्नति के लिए नए-नए तरीके अपनाएंगी व सफल भी होंगी। आपको लाभ मिलता रहेगा। प्रॉपर्टी डीलर या कमीशन पर कार्य करने वाली जातिकाओं की अच्छी उन्नति होगी। छठे स्थान का राहु आपको ब्रांड नेम भी दिला सकता है।

## धन संपत्ति

वर्ष का प्रारंभ आर्थिक उन्नति के साथ होगा। चतुर्थस्थ गुरु के प्रभाव से भूमि, भवन, वाहन इत्यादि का सुख प्राप्त होगा। भौतिक सुख-सुविधाओं पर आप अधिक खर्च करेंगी। आय के स्रोत और भी उत्तम होंगे। निवेश के लिए समय अनुकूल है। अष्टम स्थान पर गुरु ग्रह की स्थिति पैतृक संपत्ति प्राप्ति के योग बना रही है। अचानक धनागमन का योग बनेगा, जिससे आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

08 अगस्त के बाद आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में भाइयों एवं परिवार के लोगों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। परिवार में मांगलिक कार्य होंगे जिनमें आप खुले हाथों से व्यय करेंगी। इस समयांतराल में आपका रुका हुआ या फंसा हुआ धन भी मिल सकता है। इस अवधि में वसीयत प्राप्त होने की भी संभावना बन रही है।

## घर-परिवार, समाज

पारिवारिक मामलों के लिए वर्ष का प्रारंभ अति उत्तम रहेगा। चतुर्थ स्थान का गुरु पारिवारिक सुख प्रदान करने वाला है। घर में सुख-शांति का वातावरण बना रहेगा। मांगलिक कार्य संपन्न होने के योग बन रहे हैं। यदि कोई मुकदमा चल रहा हो, तो उसमें सफलता प्राप्त होगी।

तृतीयस्थ मंगल के प्रभाव से सामाजिक मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा आप अपनी सामाजिक गतिविधियों में पहले से अधिक सक्रिय होंगी। माता-पिता के साथ भावनात्मक लगाव

बढ़ेगा। बड़े भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। ननिहाल (मातुल) पक्ष के लोगों के साथ संबंध मधुर होंगे।

## संतान

वर्ष का प्रारंभ संतान के लिए सामान्य रहेगा। उच्च शिक्षा के लिए समय अधिक उत्तम नहीं है, परंतु प्रतियोगी परीक्षाओं में आप सफल होंगी। संतान के साथ प्रेम व समन्वय में वृद्धि होगी। परिवार की उन्नति के लिए आपके बच्चे नवीन योजनाएं बनाएंगे।

आपके बच्चों का किसी के साथ वैचारिक मतभेद हो सकता है। 29 मार्च के बाद आपके दूसरे बच्चे की उन्नति होगी। यदि वह विवाह के योग्य है, तो उसका विवाह भी हो सकता है। बच्चों के मनोबल को बढ़ाती रहें, तो वे अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेंगे।

## स्वास्थ्य

वर्ष के प्रारंभ में आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। छठे भाव में स्थित राहु आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा रहे हैं, जिससे आपका स्वास्थ्य अनुकूल बना रहेगा। यदि किसी कारणवश आप बीमार भी होती हैं, तो आपकी सेहत में शीघ्र ही सुधार होगा। आपकी आरोग्यता और कार्यक्षमता में भी वृद्धि होगी।

इस समयांतराल में आपके अंदर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा, जिससे आपको बेहतर रोग प्रतिरोधक क्षमता और अतिरिक्त मानसिक ऊर्जा प्राप्त होगी।

## करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

वर्ष का प्रारंभ प्रतियोगी परीक्षार्थियों के लिए उत्तम रहेगा। आप करियर और प्रतियोगी परीक्षाओं में अन्य से आगे रहेंगी। अनुभवी व्यक्तियों से मिलकर आप अपनी कार्यशैली में और अधिक सुधार लाएंगी। आपको सरकारी अधिकारियों और वरिष्ठ लोगों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।

कार्यस्थल पर होने वाली अनावश्यक राजनीति और गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें। स्वयं के भीतर अहं भाव न आने दें। नौकरीपेशा महिलाओं के लिए यह समय अनुकूल है और आपकी पदोन्नति होने के प्रबल योग हैं।

## यात्रा-तबादला

वर्षारंभ में नौकरीपेशा महिलाओं का मनोनुकूल स्थान पर स्थानांतरण हो सकता है। आपके माता-पिता को धार्मिक स्थलों की यात्रा करने का अवसर प्राप्त होगा। यदि आप घर से दूर रहती हैं, तो इस अवधि में अपनी जन्मभूमि की यात्रा कर सकती हैं।

29 मार्च के बाद छोटी-मोटी यात्राओं के साथ-साथ आपकी लंबी दूरी की यात्राएं भी होंगी। 05 अक्टूबर के बाद आप किसी तीर्थ यात्रा पर या परिवार के साथ किसी दर्शनीय स्थल की यात्रा पर जा सकती हैं।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

## धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगी। यदि आप किसी तीर्थयात्रा पर जा रही हैं, तो उसे योजनाबद्ध तरीके से ही संपन्न करें, अन्यथा उसमें व्यवधान आ सकता है। 25 अगस्त के बाद आप पूरे परिवार के साथ कोई विशेष धार्मिक आयोजन कर सकती हैं, जैसे- भगवती जागरण, माता की चौकी इत्यादि।

- अपने घर में श्रीयंत्र की स्थापना करें और उसके समक्ष शुद्ध देसी घी का दीपक जलाएं।
- बुधवार के दिन भगवान गणेश को दूर्वा अर्पित करें और केतु मंत्र का पाठ करें।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# वार्षिक फलादेश - 2030

वर्षारंभ में शनि देव मेष राशि और आपके दशम भाव में रहेंगे तथा 17 अप्रैल को वृष राशि एवं एकादश भाव में प्रवेश करेंगे। धनु राशि के राहु छठे भाव में रहेंगे और 04 फरवरी को वृश्चिक राशि एवं पंचम भाव में प्रवेश करेंगे। 25 जनवरी को गुरु वृश्चिक राशि एवं पंचम भाव में प्रवेश करेंगे और वक्री होकर 01 मई को तुला राशि एवं चतुर्थ भाव में गोचर करेंगे, तथा पुनः मार्गी होकर 23 सितंबर को वृश्चिक राशि एवं पंचम भाव में वापस आ जाएंगे। इस वर्ष मंगल अपनी सरल गति से गोचर करेंगे और 27 सितंबर से 18 नवंबर तक शुक्र अस्त रहेंगे।

## व्यवसाय

कार्य-व्यवसाय की दृष्टि से वर्ष का प्रारंभ आपके लिए उत्तम रहेगा। व्यापार में विस्तार या नौकरी में पदोन्नति की पूर्ण संभावना है। आपको अनुभवी और वरिष्ठ लोगों का सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही किसी बड़ी कंपनी के साथ जुड़ने या कार्य करने का अवसर मिलेगा। कार्यस्थल पर आपको प्रशंसा और पहचान मिलेगी, जो आपकी आशावादी विचारधारा का परिणाम होगी। फरवरी से आपके कार्यों में कुछ बाधाएं आ सकती हैं, लेकिन आप अपने दृढ़ संकल्प से अपना काम पूरा करने में सफल रहेंगी।

17 अप्रैल से व्यावसायिक स्तर पर समय आपके लिए और भी बेहतर होने वाला है। आपकी पिछली व्यावसायिक सफलताओं के लिए आपको पुरस्कृत किया जा सकता है। आपकी कड़ी मेहनत को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। भले ही गुरु और राहु की युति कुछ अड़चनें पैदा करे, किंतु सफलता अंततः आपके कदम चूमेगी। एकादश भाव में स्थित शनि के प्रभाव से आपमें गजब का आत्मविश्वास बढ़ेगा, जिससे आप अपने क्लाइंट्स को प्रभावित करने में पूर्णतः सफल रहेंगी।

## धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टिकोण से वर्ष का प्रारंभ आपके लिए उत्तम रहेगा। आय भाव पर गुरु की दृष्टि के प्रभाव से आय के स्रोतों में वृद्धि होगी। साथ ही, आपका रुका हुआ धन भी प्राप्त हो सकता है। धार्मिक यात्रा या मांगलिक कार्यों पर धन व्यय होने के योग हैं। 04 फरवरी के बाद आपकी आर्थिक उन्नति में कुछ रुकावटें आ सकती हैं। वित्तीय मामलों में सावधानी बरतें, अन्यथा हानि उठानी पड़ सकती है। जोखिम भरे कार्यों में निवेश न करें और शीघ्र धन कमाने के प्रलोभन से बचें।

01 मई से आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आप नए व्यावसायिक संबंध स्थापित करेंगी और बड़े निवेशकों के साथ मिलकर कार्य करेंगी, यह समय आपके लिए अत्यधिक लाभकारी रहेगा। यदि अचानक कोई लाभदायक अवसर प्राप्त हो, तो संकोच न करें और उसका भरपूर लाभ उठाएं। भूमि या संपत्ति से जुड़े कार्यों में लगे जातकों को अच्छा मुनाफा होगा। एकादश भाव में शनि की उपस्थिति आपके लिए कई सुनहरे अवसर लेकर आएगी।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

## घर-परिवार, समाज

वर्ष का प्रारंभ पारिवारिक दृष्टिकोण से अधिक अनुकूल नहीं रहेगा। चतुर्थ भाव में शनि ग्रह के दृष्टि प्रभाव के कारण आपका पारिवारिक वातावरण सुखद नहीं रहेगा। परिवार के किसी सदस्य को लेकर आपके मन में चिंता रह सकती है। परिवार के प्रत्येक मामले में आपको बहुत सावधानी बरतने की आवश्यकता है। आपके माता-पिता के लिए भी यह समय अधिक शुभ नहीं है।

मई से समय अनुकूल होने लगेगा। परिवार में सुख-शांति का वातावरण बनेगा, क्योंकि आप बहुत से ऐसे कार्यों को पूर्ण करेंगी जो परिवार के लिए हितकर सिद्ध होंगे। परिवार के साथ आप किसी धार्मिक स्थल की यात्रा करेंगी और परिवार में किसी शुभ कार्य का आयोजन होगा।

## संतान

यह वर्ष संतान के लिए अच्छा नहीं रहेगा। आपके बच्चों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियाँ हो सकती हैं। पंचम भाव में गुरु-चांडाल योग संतान के लिए कष्टकारी स्थितियाँ निर्मित कर रहा है।

गर्भवती महिलाओं को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए, क्योंकि गर्भपात की आशंका बनी हुई है। अप्रैल के बाद संतान के लिए समय अनुकूल रहेगा।

## स्वास्थ्य

यह वर्ष स्वास्थ्य की दृष्टि से सामान्य रहेगा। शनि ग्रह के गोचर के पश्चात आपके स्वभाव में आलस्य बढ़ सकता है और आपके व्यवहार में भी परिवर्तन आएगा। आपको अपने खान-पान और दिनचर्या पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है ताकि आप नकारात्मक भावनाओं से बच सकें। इस वर्ष आपके जीवन में कुछ सुखद पल भी आएंगे, परंतु ऐसा समय भी आ सकता है जब आप अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन की चिंताओं से घिरी रहेंगी।

स्वस्थ रहने के लिए आप योग और ध्यान का सहारा लें तथा अपने प्रियजनों एवं परिजनों के साथ अधिक से अधिक समय व्यतीत करें। स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए औसत रहेगा, परंतु अपने खान-पान के प्रति सतर्क रहें। पंचम भाव में गुरु एवं राहु की युति पेट संबंधी विकार दे सकती है, अतः मसालेदार या तली-भुनी वस्तुओं का सेवन कम से कम करें।

## करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

विद्यार्थियों के लिए वर्ष का प्रथम मास सर्वश्रेष्ठ रहेगा, परंतु 04 फरवरी के बाद से समय कुछ चुनौतीपूर्ण हो सकता है। करियर एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने के लिए आपको अधिक परिश्रम करना होगा। व्यावसायिक दृष्टि से भी समय बहुत अनुकूल नहीं रहेगा।

शनि ग्रह का गोचर अनुकूल होने के कारण बेरोजगार व्यक्तियों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। आप व्यापार में सफलता प्राप्त करेंगी और समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

## यात्रा-तबादला

वर्ष के प्रारंभ में आपकी यात्रा के प्रबल योग बन रहे हैं। छोटी-मोटी यात्राएं निरंतर होती रहेंगी। नवम भाव पर गुरु के दृष्टि प्रभाव के कारण आपकी लंबी दूरी की यात्राएं भी संपन्न होंगी।

गुरु के गोचर के पश्चात कार्यरत महिलाओं का मनचाहे स्थान पर स्थानांतरण होगा। विदेश यात्रा के भी प्रबल योग बन रहे हैं। जो लोग अपने घर से दूर रह रहे हैं, उनकी अपनी जन्मभूमि की यात्रा होने की संभावना है।

## धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

पंचम भाव में स्थित गुरु के प्रभाव से पूजा-पाठ, यज्ञ, अनुष्ठान और मंत्र जाप के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगी। आप गुरु दीक्षा/मंत्र भी ले सकती हैं और उस मंत्र की साधना भी कर सकती हैं। आप परिवार सहित सुख-शांति के लिए पूजा-अनुष्ठान करेंगी और धार्मिक यात्राएं भी करेंगी। अपने घर में श्रीयंत्र की स्थापना कर उसके समक्ष प्रतिदिन घी का दीपक प्रज्वलित करें और महालक्ष्मी मंत्र का पाठ करें।

- प्रतिदिन श्री दुर्गा कवच का पाठ करें।
- राहु ग्रह से संबंधित वस्तुओं का दान करें और राहु मंत्र का नियमित जाप करें।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# वार्षिक फलादेश - 2031

इस वर्ष वृषभ राशि के शनि एकादश भाव में रहेंगे। वर्ष के पूर्वार्द्ध में वृश्चिक राशि के राहु पंचम भाव में रहेंगे और 9 अगस्त को तुला राशि एवं चतुर्थ भाव में प्रवेश करेंगे। वर्षारंभ में वृश्चिक राशि के गुरु पंचम भाव में रहेंगे और 17 फरवरी को धनु राशि एवं छठे भाव में प्रवेश करेंगे; फिर वक्री होकर 14 जून को वृश्चिक राशि एवं पंचम भाव में गोचर करेंगे और पुनः मार्गी होकर 15 अक्टूबर को धनु राशि एवं छठे भाव में आ जाएंगे। 4 जनवरी से 15 अगस्त तक मंगल वक्री होकर तुला राशि एवं चतुर्थ भाव में रहेंगे। 2 अगस्त से 15 अगस्त तक शुक्र अस्त रहेंगे।

## व्यवसाय

कार्य-व्यवसाय के लिए वर्ष का प्रारंभ उत्तम रहेगा। एकादश भाव में स्थित शनि के प्रभाव से आप अपने व्यावसायिक जीवन में उन्नति करेंगी। अपने बौद्धिक बल के द्वारा आप व्यापार को एक अलग ही मुकाम पर ले जाएंगी। आप अपनी आंतरिक क्षमता, इच्छाशक्ति, संतुलन और दृढ़ता से अपने काम पर ध्यान देंगी। बड़ी-बड़ी योजनाएं और अवसर आपके द्वार पर दस्तक देंगे। बस आपको पूर्ण आत्मविश्वास के साथ आगे कदम बढ़ाना है। चतुर्थ भाव में मंगल के प्रभाव से नौकरीपेशा महिलाओं का स्थानांतरण हो सकता है। यह परिवर्तन किसी प्रतिकूल स्थान पर भी हो सकता है।

09 अगस्त के बाद व्यावसायिक जीवन में उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है, परंतु अपने अनुभवों से आपका स्वयं का विकास होगा। आपका धैर्य आपको प्रगतिशील रहने के लिए प्रेरित करता रहेगा और आप हर समस्या का समाधान सूझ-बूझ से निकाल लेंगी।

## धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से वर्ष का प्रारंभ आपके लिए थोड़ा चिंताजनक हो सकता है, क्योंकि राहु एवं गुरु की युति आपकी आर्थिक स्थिति के लिए अनुकूल नहीं है। 18 फरवरी के बाद अचानक कुछ ऐसे खर्च आ सकते हैं, जिनके कारण आपको ऋण भी लेना पड़ सकता है। परंतु 14 जून से एकादश स्थान पर गुरु की दृष्टि के प्रभाव से आपके आय के स्रोत बढ़ेंगे। आपको कई अत्यंत लाभकारी अवसर भी प्राप्त होंगे। आप अपनी बुद्धि का सही उपयोग करेंगी।

15 अक्टूबर के बाद जोखिम भरे कार्यों में निवेश करने से बचें, अन्यथा आपको हानि हो सकती है। किसी को उधार पैसा न दें, अन्यथा उसकी वापसी की उम्मीद कम रहेगी और अपने खर्चों पर भी अंकुश लगाएं।

## घर-परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टिकोण से वर्ष का प्रारंभ अच्छा नहीं रहेगा। चतुर्थ भाव का मंगल आपके घरेलू माहौल में तनाव की स्थिति उत्पन्न कर सकता है। आपकी माता का स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा। 18 फरवरी के बाद परिवार में किसी नए सदस्य की वृद्धि हो सकती है। पंचम भाव में स्थित राहु के कारण संतान से संबंधित चिंताएं बनी रहेंगी। सामाजिक उन्नति के लिए भी यह समय बहुत

अनुकूल नहीं है।

09 अगस्त से समय आपके अनुकूल हो रहा है। आपको परिवार के सभी सदस्यों का पूरा सहयोग मिलेगा। एक-दूसरे के प्रति भावनात्मक लगाव बढ़ने से पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा। यह समय आपके पिता और बड़े भाई के लिए भी काफी शुभ है।

## संतान

संतान की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध अनुकूल नहीं रहेगा। आपके बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा में बाधाएं आ सकती हैं। यदि आप गर्भवती हैं, तो 18 फरवरी के बाद आपको विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है, अन्यथा स्वास्थ्य संबंधी जटिलताएं या गर्भपात की स्थिति बन सकती है।

09 अगस्त से बच्चों के लिए समय काफी सकारात्मक रहेगा। उस दौरान आपके बच्चों की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां कम होंगी और शिक्षा के प्रति उनकी रुचि बढ़ेगी। किसी प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान में उनका प्रवेश हो सकता है। गर्भाधान के लिए भी यह समय उत्तम रहेगा।

## स्वास्थ्य

वर्ष की शुरुआत से ही स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां बनी रह सकती हैं। वसायुक्त या तैलीय भोजन का सेवन कम करें, अन्यथा आपकी सेहत अधिक प्रभावित हो सकती है। मौसमी बीमारियों के कारण भी आप अस्वस्थ महसूस कर सकती हैं।

राहु के गोचर के पश्चात आपके स्वास्थ्य में सुधार होगा। आपके भीतर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा, जिससे आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी। फिर भी, अपनी सेहत को बेहतर बनाए रखने के लिए आपको नियमित रूप से सुबह व्यायाम करना चाहिए।

## करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए वर्ष की शुरुआत सामान्य रहेगी। परीक्षार्थियों को अपने लक्ष्य में सफलता प्राप्त करने के लिए निरंतर कठिन परिश्रम करना होगा। यदि आप व्यवसाय करती हैं, तो व्यापार में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रह सकती है।

8 अगस्त के बाद विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। यदि आप विदेश जाकर उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहती हैं, तो 15 अक्टूबर के बाद का समय आपके लिए अत्यंत शुभ सिद्ध होगा।

## यात्रा-तबादला

वर्ष की शुरुआत में विदेश यात्रा का कोई योग नहीं है, लेकिन 18 फरवरी के बाद विदेश यात्रा की संभावनाएं बनेंगी। राहु के गोचर के पश्चात नौकरीपेशा महिलाओं का स्थानांतरण हो सकता है। इस स्थानांतरण से आप अधिक प्रसन्न नहीं रहेंगी।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

14 जून से नवम भाव पर गुरु की दृष्टि के प्रभावस्वरूप आपकी लंबी यात्राओं के योग बनेंगे। आपको तीर्थ यात्रा का अवसर भी प्राप्त हो सकता है। यात्रा के दौरान आपकी किसी नए व्यक्ति से मित्रता भी हो सकती है।

## धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

मानसिक द्वंद्व के कारण वर्ष की शुरुआत में आप पूजा-पाठ में अधिक समय नहीं दे पाएंगी। परंतु 18 फरवरी के बाद आप दान-पुण्य के कार्यों में संलग्न रहेंगी। राहु के गोचर के पश्चात आप मंत्र जाप और साधना में अधिक रुचि लेंगी। साधु-संतों, देवताओं और अपने से बड़े व्यक्तियों के प्रति आपकी श्रद्धा और विश्वास में वृद्धि होगी।

- माता-पिता, गुरु, साधु-संन्यासियों और अपने से बड़े व्यक्तियों का आशीर्वाद प्राप्त करें।
- मंदिर या किसी अन्य धार्मिक स्थान पर केले या बेसन के लड्डू वितरित करें।
- नियमित रूप से दुर्गा चालीसा का पाठ करें और शनिवार के दिन काले कुत्ते को रोटी खिलाएं।

# वार्षिक फलादेश - 2032

वर्षारंभ में शनि वृष राशि एवं एकादश भाव में होंगे और 31 मई को मिथुन राशि एवं द्वादश भाव में प्रवेश करेंगे। तुला राशि के राहु चतुर्थ भाव में रहेंगे। वर्षारंभ में धनु राशि के गुरु छठे भाव में रहेंगे और 5 मार्च को मकर राशि एवं सप्तम भाव में गोचर करेंगे। इसके बाद वे वक्री होकर 12 अगस्त को धनु राशि एवं छठे भाव में आ जाएंगे और पुनः मार्गी होकर 23 अक्टूबर को मकर राशि एवं सप्तम भाव में प्रवेश करेंगे। इस वर्ष मंगल अपनी सरल गति से गोचर करेंगे।

## व्यवसाय

5 मार्च के बाद का समय आपके कार्य-व्यवसाय के लिए उत्तम रहेगा। एकादश भाव में स्थित शनि के प्रभाव से आपके अंदर काम करने का जुनून रहेगा। आप अपने परिश्रम की बदौलत उन्नति करेंगी। अपनी बौद्धिक क्षमता के द्वारा आप अपने शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगी। अधिकारी आपसे प्रभावित होंगे और आपको उनका अच्छा सहयोग भी मिलेगा।

यदि आप किसी के साथ मिलकर कोई नया व्यापार प्रारंभ करेंगी, तो उसमें अच्छा लाभ होगा। 12 अगस्त से आपको किसी पर भी अत्यधिक विश्वास नहीं करना चाहिए, अन्यथा आपको धोखा मिल सकता है। 23 अक्टूबर से आपका समय अनुकूल हो रहा है, फिर भी आपको सतर्क रहना चाहिए।

## धन संपत्ति

वर्ष का प्रारंभ जितना लाभकारी होगा, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी होगा। अपने महत्वपूर्ण दस्तावेज संभाल कर रखें। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। एकादश भाव का शनि आर्थिक उन्नति के लिए काफी शुभ है, फिर भी कोई बड़ा आर्थिक निर्णय लेने से पहले संबंधित क्षेत्र के अनुभवी लोगों की सलाह अवश्य लें।

5 मार्च से गुरु ग्रह का गोचर आपके लिए काफी शुभ रहने वाला है। इससे आय के स्रोतों में वृद्धि होगी। आपको अपनी संतान एवं मित्रों से अच्छा लाभ प्राप्त होगा। व्यावसायिक उन्नति के लिए भी आप धन खर्च करेंगी। 12 अगस्त से 23 अक्टूबर के बीच निवेश के मामले में सावधान रहें और जोखिम भरे कार्यों में निवेश करने से बचें।

## घर-परिवार, समाज

पारिवारिक मामलों के लिए यह वर्ष अधिक अनुकूल नहीं रहेगा। आपको पारिवारिक विषयों में बड़ी ही समझदारी से काम लेना होगा। परिवार के किसी सदस्य को लेकर मन में चिंता रह सकती है। अपनी वाणी पर पूर्ण नियंत्रण रखें, क्योंकि आपकी कटु प्रतिक्रिया पारिवारिक वातावरण को बिगाड़ सकती है। मामा पक्ष के साथ भी आपके संबंध मधुर नहीं रहेंगे।

गुरु के गोचर के बाद अपने पति के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। आपकी सामाजिक पद-

प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। परिवार में किसी नए सदस्य का आगमन हो सकता है। वर्ष के अंत में आपके परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होंगे, जिससे घर में प्रसन्नता का वातावरण बना रहेगा।

## संतान

वर्ष का प्रारंभ संतान के लिए अधिक अनुकूल नहीं रहेगा। छठे भाव का गुरु आपकी संतान के स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं है। उन्हें शारीरिक कष्ट एवं मानसिक परेशानी हो सकती है, जिससे उनकी शिक्षा-दीक्षा में भी रुकावटें आने की संभावना है।

गुरु के गोचर के बाद समय आपके अनुकूल हो रहा है। आपके बच्चों की उन्नति होगी। स्वास्थ्य के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। दूसरे बच्चे के लिए भी समय शुभ है; यदि वह विवाह योग्य है, तो उसके विवाह के प्रबल योग बन रहे हैं।

## स्वास्थ्य

रोग भाव में गुरु ग्रह की स्थिति स्वास्थ्य के लिए उत्तम नहीं है। यदि आप पहले से ही किसी स्वास्थ्य समस्या से पीड़ित हैं, तो यह समय आपको अधिक प्रभावित कर सकता है। शारीरिक कष्ट के साथ-साथ मानसिक चिंता भी बनी रहेगी।

गुरु ग्रह के गोचर के बाद शारीरिक आरोग्यता में कुछ अनुकूलता आएगी। आप स्वस्थ महसूस करेंगी, परंतु अगस्त के बाद समय फिर से प्रभावित हो सकता है। पेट की तकलीफें व मोटापा बढ़ सकता है। व्यायाम करना आपके लिए लाभप्रद रहेगा। शारीरिक आरोग्यता को अनुकूल बनाने के लिए आप तुला दान भी कर सकती हैं।

## करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

वर्ष का पूर्वार्द्ध करियर एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए श्रेष्ठ रहेगा। प्रतियोगी परीक्षार्थी अपने लक्ष्य में सफल रहेंगी। जो लोग नौकरी की तलाश में हैं, उन्हें मनोनुकूल नौकरी मिल सकती है। व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने वाली छात्राओं के लिए समय श्रेष्ठ है।

विदेश जाकर उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए वर्ष का उत्तरार्द्ध बहुत उत्तम रहेगा। विदेश में व्यवसाय करने वाली महिलाओं को अच्छा लाभ प्राप्त होगा।

## यात्रा-तबादला

व्यावसायिक महिलाओं की व्यवसाय से संबंधित यात्राओं के प्रबल योग बन रहे हैं। नौकरी करने वाली महिलाओं का स्थानांतरण होगा। यह स्थानांतरण आपके घर से दूर हो सकता है। 5 मार्च के बाद पति के साथ दर्शनीय स्थलों की यात्रा का आनंद प्राप्त करेंगी।

यात्रा के दौरान या वाहन आदि चलाते समय सावधान रहें, क्योंकि द्वादश स्थान में शनि ग्रह का गोचर अच्छा नहीं होता।

## धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्ष के प्रारंभ में पूजा-पाठ में आपका मन कम ही लगेगा। अधिक आलस्य के कारण आपका दैनिक पूजा-पाठ भी प्रभावित हो सकता है, परंतु 5 मार्च के बाद धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मंदिर जाना, योग करना और पूजा करना आपका नैसर्गिक गुण होगा। ईश्वर के प्रति आपकी श्रद्धा और बढ़ेगी।

• बेसन के लड्डू वीरवार के दिन विष्णु जी के मंदिर में वितरित करें एवं गुरु ग्रह के मंत्र का पाठ करें।

• शनिवार के दिन काली वस्तु का दान करें और शनि मंत्र का पाठ करें।

• दुर्गा बीसा यंत्र अपने घर में स्थापित करें एवं उसके सामने प्रत्येक दिन घी का दीपक जलाएं।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# वार्षिक फलादेश - 2033

इस वर्ष शनि मिथुन राशि एवं द्वादश भाव में रहेंगे। 30 जनवरी तक राहु तुला राशि एवं चतुर्थ भाव में रहेंगे, उसके बाद वे कन्या राशि एवं तृतीय भाव में प्रवेश करेंगे। 18 मार्च तक गुरु मकर राशि एवं सप्तम भाव में रहेंगे, तत्पश्चात वे कुंभ राशि एवं अष्टम भाव में प्रवेश करेंगे। 24 मार्च से 8 अक्टूबर तक मंगल वक्री होकर धनु राशि एवं छठे भाव में रहेंगे।

## व्यवसाय

व्यावसायिक जीवन में इस वर्ष आप कुछ विशेष करेंगी। पराक्रम के बल पर आप अपनी व्यापारिक स्थिति को सुदृढ़ बनाएंगी। कार्य-व्यवसाय में मित्रों व परिजनों से आपको भरपूर सहयोग मिलेगा। आप महत्वपूर्ण महिलाओं के संपर्क में आएंगी। यदि आप साझेदारी में कोई व्यापार कर रही हैं, तो वर्ष का प्रारंभ श्रेष्ठ रहेगा। कानून से जुड़े लोगों (वकील, पुलिस आदि) के लिए लाभ की संभावना बन रही है। 18 मार्च से गुरु ग्रह का गोचर प्रतिकूल हो रहा है, अतः उस समय के बाद कोई नया कार्य प्रारंभ न करें।

आपके कार्यों में गुप्त एवं प्रत्यक्ष शत्रुओं द्वारा रुकावटें डाली जा सकती हैं, जिससे आप मानसिक रूप से अशांत रह सकती हैं। कार्यक्षेत्र में आपका किसी से मतभेद हो सकता है। पैसे के लेनदेन में सावधानी बरतें और वर्ष के अंत में किसी भी प्रकार का जोखिम न लें।

## धन संपत्ति

आर्थिक उन्नति के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा। द्वादश भाव में शनि ग्रह की स्थिति आर्थिक प्रगति के लिए अनुकूल नहीं है। आय कम और व्यय अधिक होने के योग बन रहे हैं। निवेश के मामले में सावधान रहें एवं जोखिम भरे कार्यों में निवेश करने से बचें, अन्यथा आपको हानि हो सकती है। आप किसी को उधार पैसे न दें, क्योंकि उनके वापस मिलने की संभावना कम है। अपने खर्चों पर भी नियंत्रण रखें।

18 मार्च से आपका समय और भी अधिक प्रभावित हो सकता है। आपको धोखा, हानि या आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। आपके पति के स्वास्थ्य पर भी धन व्यय हो सकता है। ऋण (कर्ज) लेने की स्थिति भी बन सकती है। ऐसी विषम परिस्थिति में आपको अपना आत्मबल बनाए रखना चाहिए। छठे भाव में वक्री मंगल आपकी आय के स्रोतों में वृद्धि करेंगे, फिर भी आर्थिक स्थिति को लेकर सावधान रहना आपके लिए हितकारी रहेगा।

## घर-परिवार, समाज

पारिवारिक मामलों के लिए यह वर्ष मिला-जुला रहेगा। द्वितीय भाव पर शनि की दृष्टि के प्रभाव के कारण घरेलू मामलों में आपको बहुत ही समझदारी से काम लेना होगा। परिवार के किसी सदस्य को लेकर मन में चिंता रह सकती है। छोटी-छोटी बातों पर झगड़े या विवाद में न उलझें। मार्च के बाद अपने दांपत्य जीवन को सुखमय बनाए रखने के लिए आपको अपने पति के साथ विशेष स्नेह व

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

सहनशीलता से काम लेना होगा। इस दौरान आपके ससुराल पक्ष के लोगों के साथ वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

तृतीय भाव में राहु के होने से आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्यों में आप सदैव तत्पर रहेंगी। भाई-बहनों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। समाज में आपके प्रभाव और पराक्रम में वृद्धि होगी।

## संतान

वर्ष का आरंभ संतान के लिए उत्तम रहेगा। उनके संबंध में शुभ समाचार प्राप्त होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में भी अच्छी प्रगति के योग बनेंगे। उनके आत्मविश्वास और पराक्रम में वृद्धि होगी, परंतु इसके बावजूद आपकी चिंताएं बनी रह सकती हैं।

18 मार्च से गुरु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण आपके बच्चों के लिए समय थोड़ा कठिन रह सकता है, जिससे उन्हें स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। अतः उनके स्वास्थ्य के प्रति अधिक सजग रहने की आवश्यकता होगी।

## स्वास्थ्य

वर्ष का प्रारंभ स्वास्थ्य की दृष्टि से उत्तम है। परंतु 18 मार्च के बाद कुछ न कुछ शारीरिक परेशानी उत्पन्न होती रहेगी। मौसम जनित बीमारियों से भी आप परेशान होती रहेंगी। द्वादश भाव के शनि के प्रभाव से आपको ऐसा लग सकता है कि आपकी शारीरिक ऊर्जा धीरे-धीरे कम हो रही है। आपको पेट संबंधित परेशानी हो सकती है। अपने खान-पान पर संयम रखकर इसे कुछ हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। सूर्योदय से पहले उठकर पार्क जाना और व्यायाम करना आपके लिए लाभप्रद रहेगा।

छठे स्थान में मंगल ग्रह के प्रभाव से आपके अंदर रोग प्रतिरोधक शक्ति का विकास होगा, जिसके कारण आपकी शारीरिक आरोग्यता अनुकूल बनी रहेगी। 8 अक्टूबर के बाद वाहन आदि के प्रयोग में सावधान रहें और यात्राएं कम से कम करें, अन्यथा शारीरिक कष्ट का सामना करना पड़ सकता है।

## करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

करियर एवं प्रतियोगिता के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा। प्रतियोगी अभ्यर्थियों को अपने मन को एकाग्र कर लक्ष्य के प्रति केंद्रित करना चाहिए। मानसिक भटकाव के कारण आप अपने लक्ष्य से भटक सकती हैं। विदेशी भाषा सीखने वालों के लिए यह समय अच्छा है।

व्यावसायिक शिक्षा, औषधि क्षेत्र, कंप्यूटर साइंस और सिविल सर्विसेज से जुड़ी महिलाओं को सफलता मिलेगी। तृतीय भाव में स्थित राहु के प्रभाव से शत्रुओं पर आपका प्रभाव बढ़ेगा और आपके समस्त विरोधी शांत होंगे।

## यात्रा-तबादला

द्वादश भाव में स्थित शनि के प्रभाव से वर्ष के प्रारंभ में ही आपकी विदेश यात्रा के प्रबल योग बन रहे हैं। तृतीय स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि के प्रभाव से आपकी छोटी-मोटी यात्राएं होती रहेंगी। व्यावसायिक महिलाओं की व्यवसाय से संबंधित यात्राएं होंगी। 18 मार्च के बाद चतुर्थ स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि के प्रभाव से नौकरी करने वाली महिलाओं का स्थानांतरण होगा। यह स्थानांतरण आपके अनुकूल स्थान पर भी हो सकता है।

8 अक्टूबर के बाद यात्रा करते समय या वाहन आदि चलाते समय सावधान रहें, अन्यथा आप किसी दुर्घटना की शिकार हो सकती हैं। चोट-चपेट की प्रबल संभावना बन रही है।

## धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्ष के प्रारंभ में लग्न स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि धार्मिक कार्यों के लिए बहुत ही शुभ है। ईश्वर की भक्ति में आपका अटूट विश्वास होगा। आप अपने पति के साथ सभी धार्मिक कार्यों में संलग्न होंगी। धर्म से जुड़े सभी पर्वों को प्रेम और सौहार्द के साथ मनाएंगी। 8 मार्च से आप दान-पुण्य व दूसरों की सहायता अधिक करेंगी, जिससे आपको मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होगी। अष्टम भाव के गुरु के प्रभाव से गुप्त विद्याओं या तांत्रिक सिद्धियों के प्रति भी आपका आकर्षण बढ़ेगा।

- गुरुवार के दिन केला गरीबों में दान करें एवं केले के वृक्ष की पूजा करें।
- शनि ग्रह का अशुभ प्रभाव शांत करने के लिए शनि यंत्र अपने पूजा घर में स्थापित कर उसकी पूजा करें।
- मदिरा व नशीले पदार्थों का सेवन बिल्कुल न करें।
- सरसों के तेल से निर्मित वस्तुओं को गरीब मजदूरों को खिलाएं।
- शनिवार के दिन काला कम्बल गरीबों में दान करें।

# वार्षिक फलादेश - 2034

वर्ष के पूर्वार्द्ध में शनि मिथुन राशि एवं द्वादश भाव में रहेंगे और 13 जुलाई को कर्क राशि एवं लग्न स्थान में प्रवेश करेंगे। 12 अगस्त से पहले राहु कन्या राशि एवं तृतीय भाव में रहेंगे और उसके बाद सिंह राशि एवं द्वितीय भाव में प्रवेश करेंगे। वर्षारंभ में गुरु कुम्भ राशि एवं अष्टम भाव में रहेंगे और 28 मार्च को मीन राशि एवं नवम भाव में प्रवेश करेंगे। मंगल ग्रह अपनी सरल गति से गोचर करेंगे।

## व्यवसाय

व्यावसायिक जीवन के लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध अच्छा नहीं रहेगा। द्वादश शनि के कारण आप कुछ गलतफहमियों से व्याकुल हो सकते हैं। गुप्त शत्रुओं द्वारा आपके कार्यों में रुकावटें डाली जा सकती हैं। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें; सही-गलत का चुनाव करने के बाद ही निर्णय लें। निश्चित तौर पर आपको बेहतर परिणाम मिलेंगे। गैरकानूनी तरीकों से धन कमाने की कोशिश न करें, अन्यथा सकारात्मक परिणामों की जगह आपको नकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं और आप कानून की जद में आ सकते हैं। संचित धन का सही स्थान पर उपयोग करें। सभी प्रकार के वित्तीय मामलों में पारदर्शिता बरतें। हालाँकि मार्च के बाद समय कुछ अनुकूल हो रहा है।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में आप कोई नया कार्य या व्यवसाय प्रारंभ न करें, अन्यथा उसमें आपको हानि हो सकती है। पहले से चले आ रहे कार्यों को ही सुचारू रूप से चलाते रहें, उसमें आपको सफलता मिल सकती है। नवमस्थ गुरु के प्रभाव से बड़े व अनुभवी लोगों का साथ आपको अच्छी सफलता दिला सकता है।

## धन संपत्ति

आर्थिक रूप से यह वर्ष आपके लिए मिला-जुला रहेगा। यह जितना लाभकारी होगा, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी रहेगा। साल की शुरुआत में निवेश से संबंधित योजनाओं पर ध्यान न दें और अपने दस्तावेज़ भी संभाल कर रखें। हड़बड़ी में कोई भी कार्य न करें, अन्यथा आर्थिक हानि हो सकती है। निवेश व आर्थिक निर्णय लेते समय सतर्क रहें व जल्दबाजी न करें। इस अवधि में सकारात्मक बने रहना आपके लिए लाभप्रद रहेगा।

अधिक सतर्कता बरतने की ज़रूरत है। जितना संभव हो धन की बचत करने की कोशिश करें और फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। आपका कोई करीबी ही आपको धोखा दे सकता है। ऐसे लोगों से बचने के लिए किसी भी प्रकार के वित्तीय लेन-देने में पूरी सावधानी बरतें। जोखिम भरे निवेश से बचें। कृषक वर्ग एवं फुटकर विक्रेताओं के लिए वर्ष का उत्तरार्द्ध अधिक अनुकूल नहीं रहेगा।

## घर-परिवार, समाज

वर्ष का पूर्वार्द्ध पारिवारिक जीवन के लिए अच्छा नहीं रहेगा। अधिक भागदौड़ के कारण आप परिजनों को अधिक समय नहीं दे पाएंगे। गृहस्थ जीवन की बात करें तो परिवार के सदस्यों के साथ कुछ तर्क-वितर्क होने की संभावना है, हालाँकि समझदारी से इसे टाला जा सकता है। आपका

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

छोटे भाई-बहनों के साथ संबंध अच्छा रहेगा। दशम स्थान पर शनि की दृष्टि पिता के साथ कुछ मतभेद उत्पन्न करा सकती है और आप दोनों के बीच तनाव की स्थिति बनी रह सकती है। मार्च के बाद यह तनाव समाप्त हो जाएगा और संबंधों में मधुरता आएगी।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में आपके पारिवारिक एवं सामाजिक पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। जनकल्याण के लिए आप कोई विशेष कार्य सम्पन्न करेंगे। आपको अपनी संतानों का भी अच्छा सहयोग मिलेगा।

## संतान

वर्ष का प्रारंभ आपके बच्चों के लिए अनुकूल नहीं रहेगा। अष्टम स्थान का गुरु संतान संबंधित चिंताएं दे सकता है। संतान इच्छुक व्यक्तियों के लिए यह समय चुनौतीपूर्ण है। अपनी पत्नी के स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतें, अन्यथा गर्भपात की आशंका हो सकती है।

28 मार्च के बाद गुरु ग्रह का गोचर अनुकूल होने के कारण आपके बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार आएगा। संतान के साथ संबंधों में मधुरता आएगी, जिससे घरेलू वातावरण सुखद होगा। यदि आप अपने बच्चों को प्रोत्साहित करते रहे, तो वे अपने लक्ष्य को अवश्य प्राप्त कर लेंगे।

## स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष चुनौतीपूर्ण रहेगा। द्वादशस्थ शनि के कारण स्वास्थ्य संबंधित चिंताएं बनी रहेंगी। आप मौसमजनित बीमारियों से परेशान हो सकते हैं। दुर्घटना या किसी प्रकार के शारीरिक कष्ट का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही अष्टमस्थ गुरु के प्रभाव से मोटापा एवं लिवर संबंधी समस्याओं से परेशानी हो सकती है। 28 मार्च से लग्न स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि के प्रभाव से आपके स्वास्थ्य में सुधार होना प्रारंभ हो जाएगा।

आप अपना स्वास्थ्य अनुकूल रखने के लिए खान-पान एवं दिनचर्या भी अनुशासित रखेंगे। सुबह-सुबह व्यायाम या योगा करना आपके लिए लाभप्रद रहेगा। यदि स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दिया तो 12 अगस्त के बाद आपका स्वास्थ्य ज्यादा प्रतिकूल हो सकता है। अतः ज्यादा तेल युक्त आहार लेने से बचें। आँखों में समस्या हो सकती है और चश्मा भी लग सकता है। जिन लोगों को पहले ही चश्मा लग चुका है उनके चश्मे का नंबर बढ़ सकता है।

## करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा। यह समय माध्यमिक शिक्षा ग्रहण कर रहे शिक्षार्थियों के लिये भ्रम और असमंजस की स्थिति बनाएगा। 28 मार्च के बाद लग्न भाव पर गुरु की दृष्टि आपके मनोबल को बढ़ाएगी।

प्रतियोगिता परीक्षार्थियों को कठिन परिश्रम के बाद सफलता मिलेगी। शत्रुओं को परास्त करने के लिये आपको नीतियों में बदलाव करना पड़ सकता है।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

## यात्रा-तबादला

विदेश यात्रा के लिए वर्ष का पूर्वार्ध श्रेष्ठ है। तृतीयस्थ राहु के कारण छोटी-मोटी यात्राएं तो होती रहेंगी। परन्तु 28 मार्च के बाद आपकी लंबी यात्राएं भी होंगी। आध्यात्मिक सुख प्राप्ति के लिए आप तीर्थस्थलों की यात्रा करेंगे।

## धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्ष का प्रारंभ धार्मिक कार्यों के लिए अच्छा नहीं है। धार्मिक कार्यों में व्यवधान उत्पन्न होंगे। आपका मन एकाग्र नहीं रहेगा, जिससे आप पूजा-पाठ, यज्ञ, अनुष्ठान आदि क्रियाएं कम ही कर पाएंगे। वर्ष के उत्तरार्ध में आपका अच्छे कार्यों के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। आपके दैनिक पूजा-पाठ व दिनचर्या में सुधार होगा। गरीबों को दान देना व दूसरों की सहायता करना आपका नैसर्गिक गुण होगा। मजदूरों को खाना खिलाकर व किसी की सहायता कर आप अत्यधिक संतुष्ट होंगे।

- पीली दाल, केला व बेसन की मिठाई मंदिर में दान करें एवं गुरुवार का व्रत करें।
- शनिवार के दिन गरीब लोगों को काला कंबल दान करें।
- अपने वजन के बराबर अन्न दान करें, जिससे आपकी शारीरिक व्याधियां दूर होंगी।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# वार्षिक फलादेश - 2035

इस वर्ष कर्क राशि का शनि लग्न स्थान में और सिंह राशि का राहु द्वितीय भाव में रहेगा। 5 अप्रैल तक गुरु मीन राशि एवं नवम भाव में रहेगा और उसके बाद मेष राशि एवं दशम भाव में प्रवेश करेगा। 21 जुलाई से 9 सितंबर तक वक्री मंगल मीन राशि एवं नवम भाव में रहेगा।

## व्यवसाय

कार्य-व्यवसाय की दृष्टि से वर्ष का प्रारंभ अच्छा रहेगा। लग्नस्थ शनि पर गुरु ग्रह की दृष्टि नवीन विचारधारा और नई योजनाओं को जन्म देगी। उसका उचित लाभ उठाकर आप अपने कार्य-व्यवसाय में अच्छी उन्नति करेंगे। 6 अप्रैल के बाद गुरु ग्रह का गोचर आपके करियर में नया मुकाम लेकर आने वाला है। आपको कार्यस्थल में प्रशंसा और पहचान मिलेगी। यह आपकी आशावादी विचारधारा के कारण ही होगा। लग्नस्थ शनि के कारण कुछ परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। कुछ विरोधी आपके कार्यों में रुकावट डालने की कोशिश कर सकते हैं, परंतु आप उन परिस्थितियों में भी अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

तृतीयस्थ राहु के कारण आपके अंदर गजब का आत्मविश्वास उत्पन्न होगा, जिससे आप अपने क्लाइंट्स को प्रभावित करने में सक्षम होंगे। गुरु ग्रह के गोचर के बाद नौकरीपेशा जातकों की पदोन्नति के साथ स्थानांतरण भी हो सकता है। आपको अपने वरिष्ठ अधिकारियों व बड़े लोगों का अच्छा सहयोग मिलेगा। आपके अधीनस्थ कर्मचारी भी आपका सहयोग करेंगे।

## धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टिकोण से वर्ष का प्रारंभ अच्छा नहीं रहेगा। द्वितीयस्थ राहु के कारण धन हानि व धनागमन के मार्ग प्रभावित होंगे, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। यदि आपने ऋण के लिए आवेदन किया है, तो 6 अप्रैल के बाद वह स्वीकृत हो जाएगा। इस वर्ष आपके संचित धन में कमी होगी। आप अपनी भौतिक सुख-सुविधाओं पर अधिक खर्च करेंगे।

गुरु ग्रह का गोचर भूमि, भवन, वाहन इत्यादि वस्तुओं के लिए बहुत ही शुभ है। भूमि व भवन खरीदते समय दस्तावेजी मामलों में बहुत ही सावधान रहना चाहिए, अन्यथा आपको धोखा मिल सकता है और आपका पैसा फंस सकता है। किसी बड़े निवेश से बचें। यदि निवेश करना आवश्यक हो, तो उस क्षेत्र से जुड़े अनुभवी लोगों की सलाह अवश्य लें।

## घर-परिवार, समाज

पारिवारिक रूप से वर्ष का प्रारंभ प्रतिकूल रहेगा। द्वितीयस्थ राहु के कारण आपका घरेलू माहौल अनुकूल नहीं रहेगा। परिवार में एक-दूसरे के साथ वैचारिक मतभेद होते रहेंगे। कुछ लोगों का बर्ताव अच्छा न होने से आप मानसिक रूप से अशांत भी रह सकते हैं। आपकी पत्नी के लिए यह समय शुभ नहीं है; उन्हें आलस्य व स्वास्थ्य संबंधी परेशानियाँ बनी रहेंगी।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

6 अप्रैल से गुरु ग्रह का गोचर आपके घरेलू वातावरण के लिए काफी शुभ है। परिवार के सभी सदस्यों का अच्छा सहयोग मिलेगा। घर में किसी सदस्य की वृद्धि होगी। माता-पिता की खूब उन्नति होगी। तृतीय स्थान पर शनि ग्रह की दृष्टि सामाजिक पद-प्रतिष्ठा में कमी कर सकती है, अतः आप सामाजिक गतिविधियों में कम ही भाग ले पाएंगे।

## संतान

वर्ष का प्रारंभ आपकी संतान के लिए उत्तम रहने वाला है। पंचम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि आपकी संतान के लिए श्रेष्ठ है। आपके बच्चे कुछ ऐसे कार्य करेंगे, जिससे समाज में आपका सम्मान और बढ़ेगा।

आपके दूसरे बच्चे की शिक्षा प्रभावित हो सकती है और उसकी उन्नति में भी बाधा उत्पन्न होगी। अतः दूसरी संतान के लिए तुला दान करना लाभप्रद रहेगा।

## स्वास्थ्य

वर्ष का प्रारंभ स्वास्थ्य के लिए अच्छा रहेगा। परंतु 6 अप्रैल के बाद आप संक्रमण संबंधी बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं। लग्न स्थान का शनि आपके स्वास्थ्य के लिए अनुकूल नहीं रहेगा। रक्तचाप, वायु विकार व पित्त विकार आदि रोगों की संभावना हो सकती है। अत्यधिक आलस्य के कारण स्वस्थ रहते हुए भी आप स्वयं को बीमार जैसा अनुभव कर सकते हैं। अतः इस समयावधि में अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें, अन्यथा किसी बड़ी बीमारी की चपेट में आ सकते हैं।

आपको दुरुस्त रहने के लिए व्यायाम व योग का सहारा लेना होगा। शुद्ध शाकाहारी व सात्विक भोजन आपके लिए लाभप्रद रहेगा। अपने स्वास्थ्य को अनुकूल रखने के लिए समय-समय पर चिकित्सक की सलाह लेते रहें। 'महामृत्युंजय मंत्र' का पाठ भी आपके लिए लाभप्रद रहेगा।

## करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए वर्ष का प्रारंभ उत्तम रहेगा। विद्यार्थियों को अपने करियर में अच्छी सफलता मिलेगी। उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अच्छे शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश मिल जाएगा।

नौकरी के इच्छुक व्यक्तियों को 6 अप्रैल के बाद नौकरी प्राप्त हो सकती है। दशमस्थ गुरु के कारण चिकित्सा, तकनीकी, वाणिज्य आदि क्षेत्रों के लिए समय अनुकूल रहेगा।

## यात्रा-तबादला

वर्ष के प्रारंभ में आपकी छोटी-मोटी यात्राओं के साथ-साथ लंबी यात्राएं भी होती रहेंगी। 6 अप्रैल के बाद नौकरीपेशा जातकों का मनोनुकूल स्थान पर स्थानांतरण होगा। परिवार के साथ दर्शनीय स्थलों की यात्राएं होंगी। ये यात्राएं मनोरंजक एवं आनंददायक रहेंगी।

यात्रा करते समय आपको कुछ परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। यात्रा के

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

दौरान आपका स्वास्थ्य खराब हो सकता है या आपका सामान चोरी हो सकता है।

नवम भाव में स्थित गुरु के कारण धार्मिक कार्यों के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगी। वर्ष के प्रारंभ से ही आप धार्मिक कार्य व तीर्थ यात्राएं अधिक करेंगे। 6 अप्रैल के बाद आप घरेलू सुख-शांति के लिए कोई विशेष पूजा-पाठ संपन्न करेंगे, जिससे आपको मानसिक शांति और सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त होगी।

- शनिवार के दिन काले कुत्ते को रोटी खिलाएं एवं शनि मंत्र का पाठ करें।
- आठ मुखी रुद्राक्ष धारण करें और प्रतिदिन भगवान शिव का दुग्धाभिषेक करें।
- निर्धन एवं जरूरतमंद लोगों को काली वस्तुओं का दान करें।
- अपने वजन के बराबर अन्न का दान आपके शारीरिक कष्टों को दूर करने में सहायक होगा।

## केतु

केतु की महादशा 17042026 को शुरू हो रही है और 05032033 को समाप्त हो रही है और यह 7 वर्ष की अवधि के लिए है। आपकी कुंडली में केतु सूर्य की राशि में दूसरे भाव में स्थित है। केतु इस भाव से आठवें भाव को देखता है। इससे पहले आपकी 17 वर्षों तक बुध की दशा थी। तीसरे और बारहवें भाव के स्वामी के रूप में बुध ने आपको यात्रा, खर्च, अवांछित बदलाव और रिश्तेदारों से कुछ मदद दी होगी। केतु की इस दशा के दौरान आपको कुछ धन लाभ, सुख-सुविधाएं प्राप्त होंगी।

स्वास्थ्य :

इस दशा के दौरान आपका स्वास्थ्य काफी अच्छा रहेगा। केतु सूर्य की अग्नि राशि में होने के कारण आपको गर्मी से संबंधित बीमारियां हो सकती हैं। मौसमी बदलाव आपको वायरल और संक्रामक रोग, बुखार, त्वचा की शिकायतें, आंखों की समस्याएं, अपच दे सकते हैं। समय पर सावधानी बरतने से इनमें से कई समस्याओं से बचा जा सकता है। आपको कठोर वाणी और अत्यधिक उत्तेजना से बचना चाहिए।

वित्त और पेशा :

आपकी वित्तीय स्थिति काफी अच्छी रहेगी। आपके पास कुछ पैतृक संपत्ति हो सकती है। सट्टा लाभ अच्छा होगा और निवेश लाभदायक सिद्ध होंगे। सेवानिवृत्ति लाभ, बोनस, ग्रेच्युटी का संकेत है। करियर के विकल्प, व्यावसायिक प्राथमिकताएं सैन्य और राजनीतिक सेवा, कार्यकारी नौकरियों, चिकित्सा, कंप्यूटर, पेशेवर खेल, तकनीकी और वैज्ञानिक सेवाओं, कृषि, लोक प्रशासन, सरकारी सेवा के क्षेत्र में हो सकती हैं। कोयला, सोना, रत्न, चमड़ा, संगमरमर, पीतल, तांबा, खेल के सामान का व्यवसाय लाभदायक हो सकता है। सेवा करने वालों को नाम और प्रसिद्धि, उच्च पद और वरिष्ठों से कृपा प्राप्त होगी। आप वह पद प्राप्त कर सकते हैं जिसकी आप इच्छा रखते हैं। उन लोगों के लिए जो पेशों या व्यापार में हैं, आय में वृद्धि और लाभ में वृद्धि होगी, व्यापार का विस्तार होगा। आप अपने कार्य क्षेत्र में नाम और प्रसिद्धि तथा उच्च पद प्राप्त करेंगे। छोटी-मोटी बाधाएं आ सकती हैं लेकिन जैसे-जैसे दशा आगे बढ़ेगी स्थिति में सुधार होगा।

वाहन, यात्राएं, संपत्ति :

शुक्र की अंतर्दशा में आपके जीवन में सुख-सुविधाएं होंगी क्योंकि आप सुख और विलासिता का आनंद लेंगे। आप इस अवधि के दौरान एक नया वाहन खरीद सकते हैं। संपत्ति के मामले संतोषजनक रहेंगे। बुध की अंतर्दशा में आपकी छोटी यात्राएं होंगी। इन यात्राओं में सावधानी बरतनी चाहिए। बुध की अंतर्दशा में लंबी यात्राएं भी संभव हैं।

शिक्षा :

इस दशा के दौरान आपके पास अच्छी तकनीकी शिक्षा होगी। आप परीक्षाओं और

प्रतियोगिताओं में अच्छा करेंगे। भौतिकी, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, पेशेवर खेल, भाषाएं, कंप्यूटर विज्ञान, प्रबंधन ऐसे विषय हैं जो आपकी रुचि जगा सकते हैं। आप साहसी और मुखर हैं। हालांकि, थोड़ा व्यवहार-कौशल आपको सामाजिक सफलता और लोकप्रियता दिलाएगा।

परिवार :

परिवार के साथ आपके संबंध काफी अच्छे रहेंगे। सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करने के लिए आपको अपनी वाणी और कार्यों में संयम बरतना चाहिए। आपके बच्चों के पास यात्रा, धन और समृद्धि होगी जबकि आपकी पत्नी को कुछ अवांछित बदलाव, अचानक लाभ के साथ-साथ हानि भी हो सकती है। आपकी माता को हर तरह का लाभ, लक्ष्यों की प्राप्ति, अच्छी आय होगी जबकि आपके पिता को शत्रुओं पर विजय, कुछ मामूली स्वास्थ्य समस्याएं और रिश्तेदारों से मदद मिलेगी। आपके छोटे भाई-बहनों को यात्रा, अनावश्यक बदलाव और खर्च का सामना करना पड़ेगा, जबकि आपके बड़े भाई-बहनों को नाम और प्रसिद्धि, अच्छी शिक्षा, करियर में प्रगति मिलेगी।

अंतर्दशा :

केतु की मुख्य दशा में केतु की अंतर्दशा में आपको कुछ सुख-सुविधाएं, धन प्राप्त होगा। इसके बाद आने वाला शुक्र जीवन के लाभ, विलासिता और सुख-सुविधाएं देगा। सूर्य हर तरह के लाभ और परिवार का सुख देगा जबकि लग्न स्वामी चंद्रमा नाम और प्रसिद्धि, अच्छा स्वास्थ्य और प्रगति देगा। योगकारक मंगल की अंतर्दशा नाम, प्रसिद्धि, प्रसन्नता और करियर में प्रगति देगी। राहु कुछ समस्याएं खड़ी कर सकता है। बृहस्पति की अंतर्दशा विरोधियों पर विजय, समृद्धि, यात्रा देगी जबकि शनि कुछ खराब स्वास्थ्य, बदलाव, यात्रा और व्यावसायिक हितों में वृद्धि दे सकता है। बुध की अंतर्दशा यात्रा, खर्च, रिश्तेदारों से मदद और संचार तथा मीडिया से लाभ देगी।

## दशा विश्लेषण महादशा : केतु

**(17/04/2026 - 02/08/2026 )**

आपके लिए केतु महादशा 17/04/2026 को आरंभ हुई है। इस महादशा में पहली अंतर्दशा केतु की होगी जिसकी अवधि 4 मास 27 दिन रहेगी। आपके लिए यह 17/04/2026 को प्रारंभ होकर 02/08/2026 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी केतु मोक्ष, अचानक घटने वाली घटना और नाना का कारक है।

इस अवधि में आप प्रसन्न रहेंगे। रिश्तेदारों के साथ कुछ मतभेद हो सकते हैं, लेकिन वे शांतिपूर्वक सुलझ जाएंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, मनोकामनाएं पूर्ण होंगी और महत्वपूर्ण व्यक्तियों से संपर्क होगा जो लाभकारी रहेगा। अचानक धन लाभ के योग हैं। साझेदार से लाभ प्राप्त होगा और विरासत में धन मिल सकता है। तंत्र-मंत्र में सफलता मिल सकती है तथा विदेश यात्रा संभव है।

आपकी पत्नी को विरासत में धन मिल सकता है। आपके पिता अपने लक्ष्यों को प्राप्त करेंगे। माता का धनार्जन उत्तम रहेगा, वे सफल होंगी और सुख-साधन उपलब्ध होंगे। आपके भाई-बहनों के लिए खर्च और उत्तम शिक्षा के संकेत हैं।

आपकी संतान की शिक्षा उत्तम होगी। यदि वे कार्यरत हैं, तो कार्यक्षेत्र में सफल और लोकप्रिय होंगे।

यदि आप सेवारत हैं, तो उच्चाधिकारियों से आपके संबंध उत्तम रहेंगे और आप भाग्यशाली सिद्ध होंगे। परामर्शदाताओं को निवेश से लाभ होगा और वे धनी बनेंगे। व्यापारियों के कार्यों में कुछ परिवर्तन हो सकता है और अचानक धन का आगमन संभव है।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। मुख और दांतों की समस्याओं से बचाव करना आपके लिए श्रेयस्कर होगा। अनिष्ट से बचाव के लिए भूरा कुत्ता पालना आपके लिए लाभदायक रहेगा।

## दशा विश्लेषण महादशा : केतु

**(02/08/2026 - 02/10/2027**

केतु महादशा में शुक्र अन्तर्दशा की अवधि 1 वर्ष 2 मास होगी।

इस अवधि में आप लोकप्रिय और सफल रहेंगे। आपके लिए प्रसिद्धि, सम्मान और धन प्राप्ति के योग हैं। आपकी आय अच्छी होगी और जीवन का स्तर उच्च होगा। आप धनवान बनेंगे। तीर्थयात्रा की संभावना है। आपके नए मित्र बनेंगे जो आपके लिए लाभकारी सिद्ध होंगे। आपको कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी और समाज में आपकी अच्छी साख होगी। आप अचल संपत्ति और वाहन खरीद सकते हैं।

आपकी पत्नी अचल संपत्ति प्राप्त कर सकती हैं। आपके पिता का पारिवारिक जीवन सुखी

रहेगा। माता को साझेदारी से लाभ होगा। आपके भाई-बहनों के लिए कुछ परिवर्तन, धन, समृद्धि, यात्रा और विलासिता की वस्तुओं की प्राप्ति के संकेत हैं।

आपकी संतान को प्रतिस्पर्धाओं में विजय प्राप्त होगी। यदि वे कार्यरत हैं तो उनका कार्यक्षेत्र उत्तम रहेगा और उन्हें ननिहाल पक्ष के लोगों से लाभ हो सकता है।

यदि आप सेवारत हैं तो आपके लिए समय बहुत शुभ रहेगा और आपको उच्च पद मिल सकता है। आपके परामर्शदाता प्रसिद्ध होंगे और उनकी आय अच्छी होगी। व्यापारियों को पूर्व में किए गए निवेश से लाभ होगा और उनकी आय उत्तम रहेगी।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभता में वृद्धि के लिए चावल, सफेद चंदन, दही और सफेद वस्त्रों का दान करें।

## दशा विश्लेषण महादशा : केतु

**(02/10/2027 - 06/02/202**

आपके लिए केतु महादशा 17/04/2026 को प्रारंभ हुई थी। इस महादशा में सूर्य की अन्तर्दशा की अवधि 4 मास 6 दिन होगी जो आपके लिए 02/10/2027 को प्रारंभ होकर 06/02/2028 को समाप्त होगी। अन्तर्दशा स्वामी सूर्य पिता, स्वास्थ्य, ऊर्जा, कार्यक्षमता और आत्मा का कारक है।

इस अवधि में आप प्रसिद्ध होंगे। विरोधियों पर विजय मिलेगी। आप तीर्थयात्रा कर सकते हैं और अध्यात्म में आपकी रुचि होगी। आप नेक कार्य करेंगे। आप अचल संपत्ति प्राप्त कर सकते हैं, वाहन सुख रहेगा, शिक्षा उत्तम होगी और आपके बहुत से मित्र होंगे। विरासत में जायदाद मिल सकती है। घरेलू सुख बना रहेगा और माता से उत्तम संबंध रहेंगे।

आपकी पत्नी को कार्यों में सफलता मिलेगी। आपके पिता धनी बनेंगे और उनकी इच्छाएं पूर्ण होंगी। माता को साझेदार के माध्यम से लाभ होगा।

आपके भाई-बहनों के लिए अचानक लाभ, खर्चे, यात्रा और शत्रुओं पर विजय का संकेत है।

आपकी संतान के सम्मान में वृद्धि होगी, उनका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और प्रतिस्पर्धियों पर विजय मिलेगी। अगर वे कार्यरत हैं, तो वे धनी बनेंगे और उच्च पद प्राप्त करेंगे।

अगर आप सेवारत हैं, तो आपकी साख में वृद्धि होगी। परामर्शदाता सफल रहेंगे और व्यापारियों के लाभ में वृद्धि होगी।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभता में वृद्धि के लिए गायत्री मंत्र का जाप करें।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

## दशा विश्लेषण महादशा : केतु

**(06/02/2028 - 07/09/202**

आपके लिए केतु महादशा 17/04/2026 को प्रारंभ हुई थी। इस महादशा में चंद्रमा अंतर्दशा की अवधि 7 मास रहेगी जो आपके लिए 06/02/2028 से प्रारंभ होकर 07/09/2028 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी चंद्र मन, भावनाओं और माता का कारक है।

इस अवधि में आप सफल होंगे। शिक्षा उत्तम होगी। नेकी के कार्य करेंगे। माता के साथ लाभकारी संबंध होंगे। आपकी उपलब्धियों की प्रशंसा होगी। खेती और अचल संपत्ति से लाभ हो सकता है; वाहन सुख रहेगा। आप प्रसन्न और संतुष्ट रहेंगे। उच्चपद प्राप्त हो सकता है। परिवार से भावनात्मक संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी।

आपकी पत्नी को अचल संपत्ति प्राप्त हो सकती है। आपके पिता की आय अच्छी होगी, घरेलू जीवन सुखी रहेगा, धनागम होगा। माता को साझेदारी से लाभ होगा, यात्रा हो सकती है। आपके भाई-बहनों के लिए परिवर्तन, अप्रत्याशित घटना, खर्चे, यात्रा और सफलता में बाधा का संकेत है।

आपकी संतान का स्वास्थ्य उत्तम होगा; कार्यक्षमता बढ़ेगी। अगर वे कार्यरत हैं तो उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे; सुख-साधन संपन्न होंगे, माता पक्ष के लोगों से लाभ होगा।

अगर आप सेवारत हैं तो भाग्यशाली रहेंगे, आय में बढ़ोतरी होगी। परामर्शदाता के रूप में आप सफल और लोकप्रिय बनेंगे। व्यापारियों को भूतकाल में किए गए निवेश से लाभ होगा।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभत्व में वृद्धि के लिए चांदी, दूध, चावल, मिश्री, सफेद चंदन का दान करें।

## दशा विश्लेषण महादशा : केतु

**(07/09/2028 - 03/02/2029**

आपके लिए केतु की महादशा 17/04/2026 को प्रारंभ हुई थी। इस महादशा में मंगल अंतर्दशा की अवधि 4 मास 27 दिन रहेगी जो आपके लिए 07/09/2028 को प्रारंभ होकर 03/02/2029 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी मंगल शारीरिक शक्ति, ऊर्जा और आत्मविश्वास का कारक है।

इस अवधि में आप उच्च कोटि का बौद्धिक कार्य कर सकते हैं। दूसरों पर आपका गहरा प्रभाव होगा और आप विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय रहेंगे। भाग्य आपका साथ देगा और आप धनी बनेंगे। यात्राएं हो सकती हैं और आप अचल संपत्ति के स्वामी बन सकते हैं। आपकी कला में रुचि होगी और आप साहसी बनेंगे।

आपकी पत्नी की छोटी यात्राएं होंगी, उनके साहस में वृद्धि होगी, वे उत्साही रहेंगी और उनके कार्य पूर्ण होंगे। आपके पिता विश्वसनीय और उत्साही होंगे। आपकी माता का स्वास्थ्य उत्तम

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

रहेगा, वे बाधाओं को पार करेंगी और मुकदमे में उनकी जीत होगी।

आपके भाई-बहनों के लिए साझेदारी से लाभ, विवाह, यात्रा और व्यापार में लाभ के संकेत हैं। आपकी संतान की शिक्षा उत्तम होगी, उन्हें सफलता मिलेगी और तकनीकी विषयों में उनकी रुचि हो सकती है। यदि वे कार्यरत हैं, तो वे धनी बनेंगे और उन्हें निवेश से लाभ प्राप्त होगा।

यदि आप सेवारत हैं, तो आप उच्च पद प्राप्त कर सकते हैं। परामर्शदाताओं के खर्चे बढ़ सकते हैं और यात्राएं होंगी। व्यापारियों को अपने प्रतिद्वंद्वियों पर सफलता प्राप्त होगी।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अरिष्ट से बचाव के लिए मंगल देव के मंत्र का जाप करें।

ॐ अं अंगारकाय नमः

## दशा विश्लेषण महादशा : केतु

**(03/02/2029 - 21/02/2030)**

आपके लिए केतु महादशा 17/04/2026 को प्रारंभ हुई थी। इस महादशा में राहु अन्तर्दशा 1 वर्ष 18 दिन की होगी जो आपके लिए 03/02/2029 को प्रारंभ होकर 21/02/2030 को समाप्त होगी। अन्तर्दशा स्वामी राहु दादा, अचानक घटने वाली घटनाओं और भौतिक सुखों का कारक है।

इस अवधि में आपको विरासत, बीमा आदि से धन लाभ हो सकता है। अपनी पत्नी या साझेदार के माध्यम से लाभ हो सकता है। तंत्र-मंत्र में आपकी रुचि हो सकती है। सभी मामलों में सावधानी बरतना श्रेयस्कर रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और भौतिक सुखों की इच्छा पूर्ण होगी। प्रभावशाली व्यक्तियों से संपर्क बढ़ेगा जो लाभकारी रहेगा। शिक्षा उत्तम होगी और पारिवारिक जीवन हर्षमय रहेगा।

आपकी पत्नी की आय बढ़ेगी, इच्छाएं पूर्ण होंगी और प्रसन्नता में वृद्धि होगी। आपके पिता की यात्राएं हो सकती हैं। आपकी माता धनी बनेंगी और उनका भाग्य चमकेगा। आपके भाई-बहनों के लिए प्रतिद्वंदियों पर सफलता, प्रसिद्धि और कार्यों में सफलता के संकेत हैं।

आपकी संतान की नींव सुदृढ़ होगी और उनकी शिक्षा उत्तम रहेगी। यदि वे कार्यरत हैं तो अचल संपत्ति प्राप्त कर सकते हैं, वे प्रसन्न रहेंगे और उन्हें उच्च पद प्राप्त होगा।

यदि आप सेवारत हैं तो आप अपना लक्ष्य प्राप्त कर लेंगे। परामर्शदाताओं की आय बढ़ेगी और व्यापारियों को साझेदारी से लाभ प्राप्त होगा।

स्वास्थ्य :

का ध्यान रखना श्रेयस्कर रहेगा। मामूली व्याधियों को भी अनदेखा न करें। गठिया आदि रोगों से बचाव करें। अरिष्ट से बचाव के लिए शनिवार के दिन शिवजी की भैरव रूप में उपासना करें।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

## दशा विश्लेषण महादशा : केतु

**(21/02/2030 - 28/01/2031 )**

आपके लिए केतु महादशा 17/04/2026 को प्रारंभ हुई थी। इस महादशा में बृहस्पति अन्तर्दशा की अवधि 11 मास 6 दिन होगी। आपके लिए यह 21/02/2030 को प्रारंभ होकर 28/01/2031 को समाप्त होगी। अन्तर्दशा स्वामी बृहस्पति ज्ञान, धन और संतान का कारक है।

इस अवधि में आपकी अध्यात्म में रुचि बढ़ेगी। ज्ञानार्जन के लिए यह उत्तम समय है। वसीयत, उपहार या विरासत आदि के माध्यम से अचानक धन लाभ हो सकता है। घरेलू सुख उत्तम रहेगा। आप अचल संपत्ति क्रय कर सकते हैं या उससे लाभ प्राप्त कर सकते हैं। माता से आपके संबंध मधुर रहेंगे और मित्रों के साथ समय आनंददायक बीतेगा।

आपकी पत्नी को शत्रुओं पर विजय मिलेगी, उनका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और उन्हें संबंधियों से लाभ व कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। आपके पिता अचल संपत्ति क्रय कर सकते हैं या उससे लाभ प्राप्त कर सकते हैं; उनके अच्छे मित्र होंगे और उनका पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। माता भाग्यशाली रहेंगी, वे धनी बनेंगी और तीर्थयात्राओं पर जाएंगी। आपके छोटे भाई-बहनों के लिए प्रसिद्धि और कार्यों में सफलता के योग हैं। आपके बड़े भाई-बहन धनवान और सुख-सुविधाओं से संपन्न होंगे तथा शिक्षा में सफलता प्राप्त करेंगे।

आपकी संतान के जीवन में परिवर्तन आ सकता है, उनके खर्च बढ़ सकते हैं और उन्हें यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। साथ ही, आपको अचानक लाभ भी हो सकता है।

यदि आप सेवारत हैं, तो आपको सहकर्मियों से लाभ होगा और आपके उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न रहेंगे। परामर्शदाताओं को संचार माध्यमों से लाभ प्राप्त होगा। व्यापारियों को अपने प्रतिस्पर्धियों पर सफलता मिलेगी।

अपनी आंखों और कानों के स्वास्थ्य का ध्यान रखना आपके लिए हितकर रहेगा। शुभ फलों में वृद्धि के लिए बृहस्पति देव के मंत्र का जाप करें।

ॐ बृं बृहस्पतये नमः

## दशा विश्लेषण महादशा : केतु

**(28/01/2031 - 08/03/2032 )**

आपके लिए केतु महादशा 17/04/2026 को प्रारंभ हुई थी। इस महादशा में सातवीं अंतर्दशा शनि की होगी जिसकी अवधि 1 वर्ष 9 दिन होगी। यह अंतर्दशा 28/01/2031 को प्रारंभ होकर 08/03/2032 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी शनि भाग्य और सेवा का कारक है।

इस अवधि में आप भाग्यशाली और धनी बनेंगे। धनार्जन उत्तम होगा और यात्राएं होंगी। उच्च शिक्षा में सफलता मिलेगी। छोटे भाई-बहन सुखकारी होंगे। आपका खेती से कोई संबंध हो

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

## शुक्र

आपके मामले में शुक्र की महादशा 05032033 को शुरू होती है और 05032053 को समाप्त होगी। यह 20 वर्ष की अवधि के लिए है।

शुक्र, जिसे आमतौर पर शुक्र ही कहा जाता है, एक शुभ ग्रह है जो संगीत, नाटक, कामुक सुख, स्वाद, फैशन और जीवन के सुखों का प्रतिनिधित्व करता है। यह वृषभ और तुला नामक दो राशियों का स्वामी है। यह कन्या राशि में नीच का होता है जबकि मीन राशि में उच्च का होता है। आपके मामले में यह चौथे और ग्यारहवें भाव का स्वामी है और दसवें भाव में स्थित है। दसवें भाव में स्थित होने के कारण यह आपकी कुंडली के चौथे भाव को देख रहा है और इस भाव के कारकत्वों पर अपना प्रभाव डाल रहा है। यह विवाह का कारक भी है। जिस भाव में यह स्थित है वह सम्मान, सार्वजनिक प्रतिष्ठा, शक्ति और प्रतिष्ठा, सफलता और स्थिति, आदर और ख्याति, सांसारिक गतिविधियों, जिम्मेदारियों, उन्नति, नियुक्ति, धार्मिक समारोह, सरकार से सम्मान और जांघों का प्रतिनिधित्व करता है।

स्वास्थ्य :

महादशा स्वामी शुक्र, मंगल के स्वामित्व वाली मेष राशि में दसवें भाव में स्थित होने के कारण, हालांकि आपको किसी भी बड़ी बीमारी या दुर्घटना से बचाएगा, लेकिन यह अपनी दशा के दौरान आपको कोई न कोई छोटी स्वास्थ्य समस्या देगा।

संपत्ति और वित्त :

चौथे भाव का स्वामी यानी वह भाव जो घर और वाहन तथा समृद्धि का प्रतिनिधित्व करता है, इसके अलावा 11वें भाव यानी लाभ के भाव का स्वामी शुक्र, करियर और पेशे के दसवें भाव में स्थित होकर जहां से यह अपने स्वयं के भाव यानी चौथे भाव को देख रहा है और इस प्रकार इसे और मजबूती प्रदान कर रहा है, आपको पेशेवर जीवन में ऊंचाइयों पर पहुंचकर और जीवन की सभी सुख-सुविधाओं तक पहुंच प्राप्त करके अपनी संपत्ति में वृद्धि करने के विभिन्न अवसर प्रदान करेगा।

व्यवसाय :

आप अपने पेशेवर क्षेत्र में ऊंचे उठेंगे, आप जिस भी व्यवसाय में हों, वह फलेगा-फूलेगा और आप उसमें अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। आपको राजनीतिक सफलता मिलेगी या आप एक विशेषज्ञ रसायनज्ञ भी हो सकते हैं जो अपने शत्रुओं को परास्त कर देगा। आप मौलिक योगदान पुरस्कार राशि के विजेता हो सकते हैं। आपके भाई आपके सभी उद्यमों में आपकी सहायता करेंगे।

पारिवारिक जीवन :

शुक्र चौथे भाव के स्वामी के रूप में दसवें भाव में, पेशे और करियर के भाव में है, जहाँ से वह चौथे भाव यानी परिवार के भाव को देख रहा है, जो आपको एक सुखी पारिवारिक जीवन प्रदान करेगा। आपकी पत्नी सहयोगी और मददगार होंगी जो आपके घरेलू जीवन को काफी सामंजस्यपूर्ण

बनाएंगी और आपको जीवन की सभी सुख-सुविधाएं प्रदान करेंगी।

शिक्षा :
/ ज्ञान :

यदि आप शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं तो अपनी शिक्षा पूरी करने के लिए, अन्यथा अपनी साहित्यिक गतिविधियों के लिए यह अवधि अत्यंत अनुकूल है।

## दशा विश्लेषण महादशा : शुक्र
(05/03/2033 - 05/07/2036

शुक्र महादशा की अवधि 20 वर्ष होती है। आपके लिए यह 05/03/2033 को प्रारंभ होकर 05/03/2053 को समाप्त होगी। इस महादशा में शुक्र की अंतर्दशा 3 वर्ष 4 मास की होगी। आपके लिए यह 05/03/2033 को प्रारंभ होकर 05/07/2036 को समाप्त होगी।

शुक्र आपकी जन्मपत्री में दशम भाव में स्थित है। दशम भाव सम्मान, जनता, सत्ता, सफलता, पद और साख, दुनियादारी, प्रोन्नति, नियुक्ति, धार्मिक कार्य, सरकार से सम्मान और जाँचों का परिचायक है। शुक्र शुभ ग्रह है। दशम भाव में स्थित होकर शुक्र आपकी कुंडली के चौथे भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में आपका समाज में उच्च स्थान होगा और प्रभाव बढ़ेगा, प्रसिद्धि मिलेगी। कई महिलाएँ आपके अधीनस्थ कार्य कर सकती हैं या आप महिलाओं से संबंधित व्यवसाय जैसे सौंदर्य-प्रसाधन, बुटीक, आदि से संबद्ध हो सकते हैं। कोई दैवीय शक्ति भी प्राप्त कर सकते हैं जिसका इस्तेमाल आप सावधानीपूर्वक करेंगे।

शुभत्व में वृद्धि और अरिष्ट से बचाव के लिए निम्न उपाय करें :

1. चींटियों को चीनी और आटा खिलाएं।
2. कन्याओं को खीर खिलाएं।
3. लक्ष्मीजी की उपासना करें।
4. भोजन की पहली रोटी गाय को खिलाएं।

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# एस्ट्रोग्राफ

एस्ट्रोग्राफ, जीवन के किसी भी पहलू की ग्राफ द्वारा प्रस्तुति है। इससे स्वास्थ्य, आर्थिक, बुद्धि, प्रेम या अन्य किसी भी क्षेत्र में, एक समय के दौरान, होने वाली घटनाओं में रुचि रखने वालों को जानकारी मिलती है। एस्ट्रोग्राफ हमें सही रूप जानने और उन्हें आसानी से समझने में सहायक होते हैं।

अगले पृष्ठों में आपके जीवन के तीन महत्वपूर्ण पहलू - स्वास्थ्य, धन तथा मानसिक स्तर एस्ट्रोग्राफ द्वारा दिखाये गये हैं। ये एस्ट्रोग्राफ 100 मापदंड के अनुसार हैं। यदि आपका एस्ट्रोग्राफ 50 से अधिक अंक दिखाता है तो वह शुभ है। 65 से ऊपर बहुत अच्छा होता है और 80 से ऊपर अति उत्तम होता है। 50 से नीचे सामान्य होता है, 35 से नीचे बुरा तथा 20 से नीचे बहुत बुरा माना जाना चाहिए।

| | | | |
|---|---|---|---|
| 0-20 | निकृष्ट | 50-65 | श्रेष्ठ |
| 20-35 | नेष्ट | 65-80 | उत्तम |
| 35-50 | सामान्य | 80-100 | अत्युत्तम |


Mukesh Kumar Shakya
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

## एस्ट्रोग्राफ - 2026

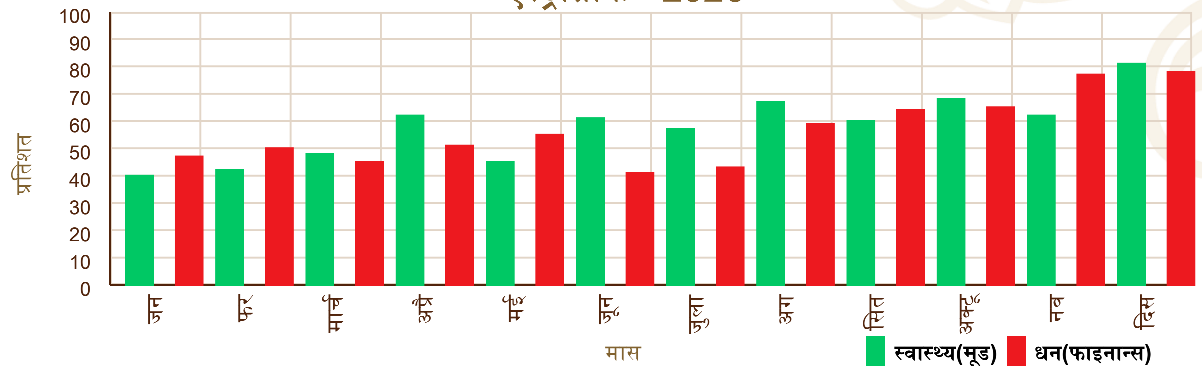


## एस्ट्रोग्राफ - 2027

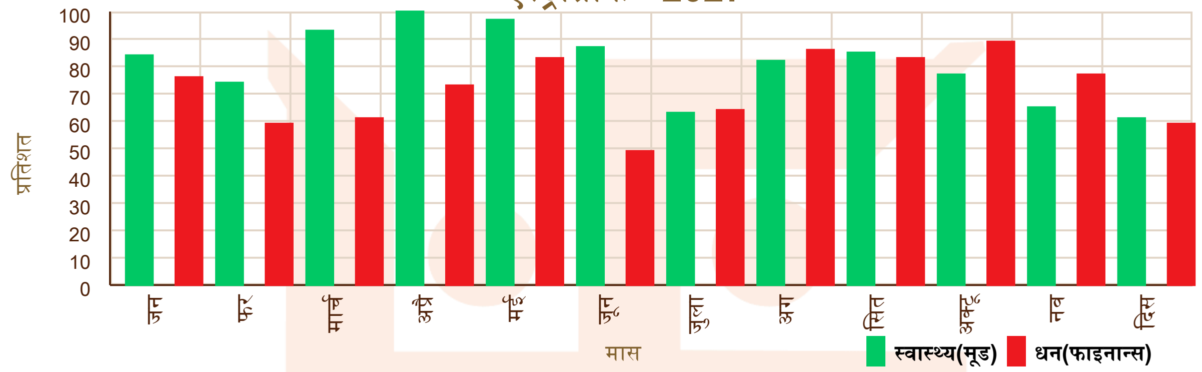


## एस्ट्रोग्राफ - 2028

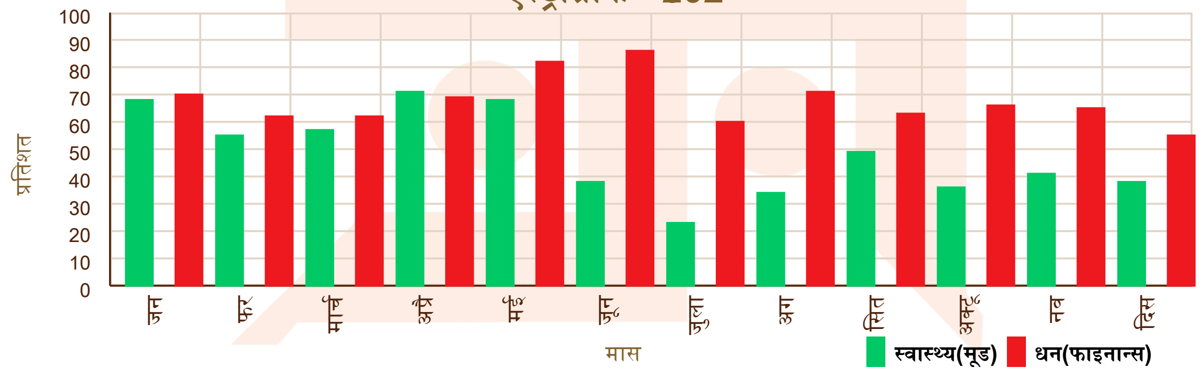


## एस्ट्रोग्राफ - 2029

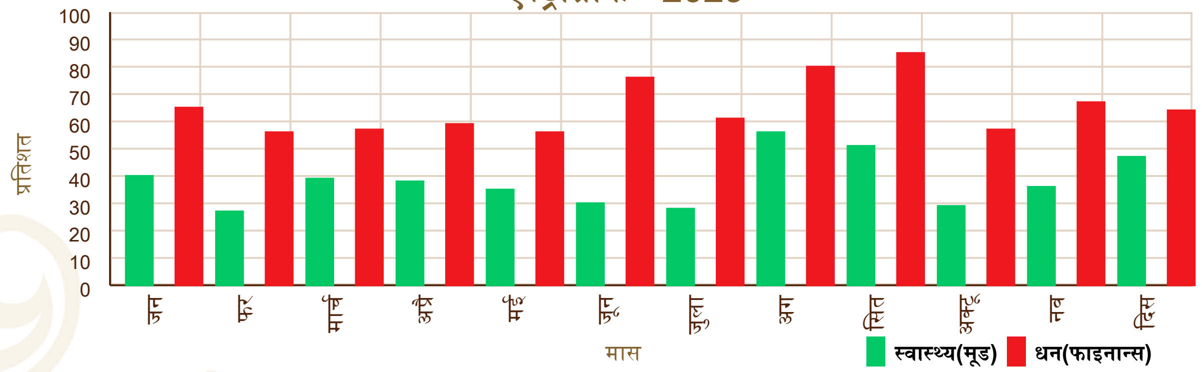


**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

## एस्ट्रोग्राफ - 20

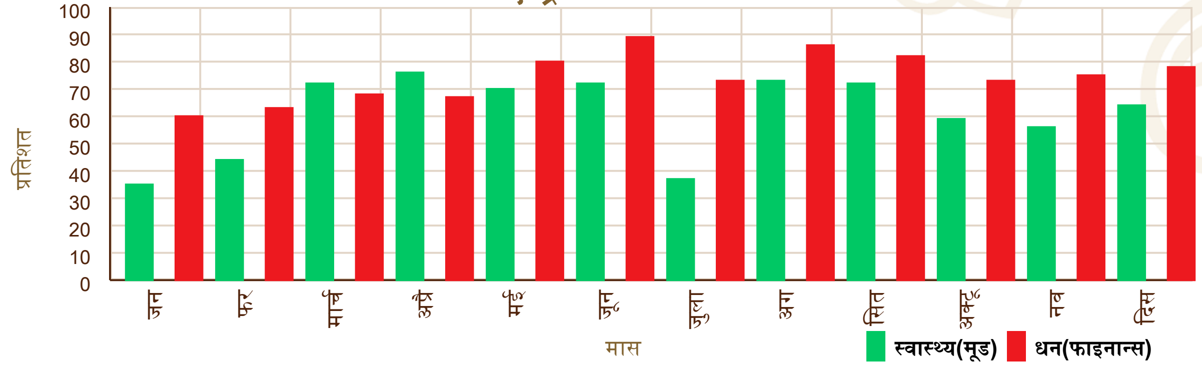


## एस्ट्रोग्राफ - 20

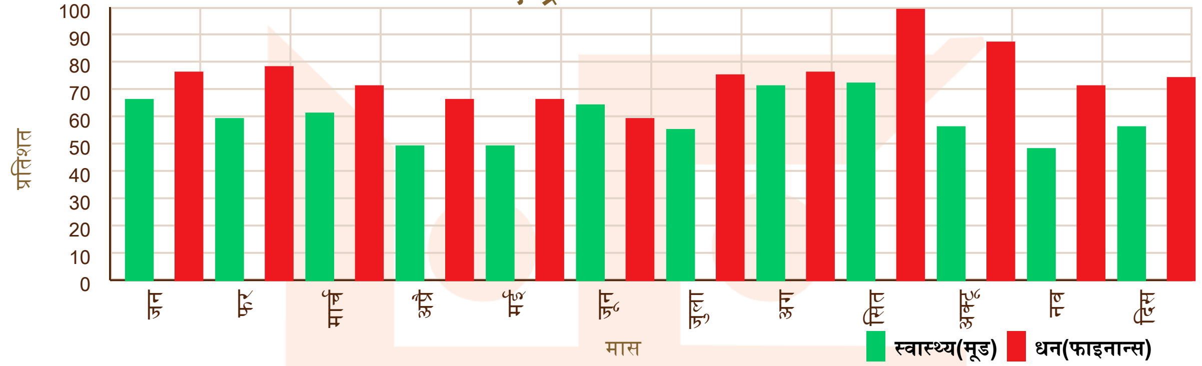


## एस्ट्रोग्राफ - 22

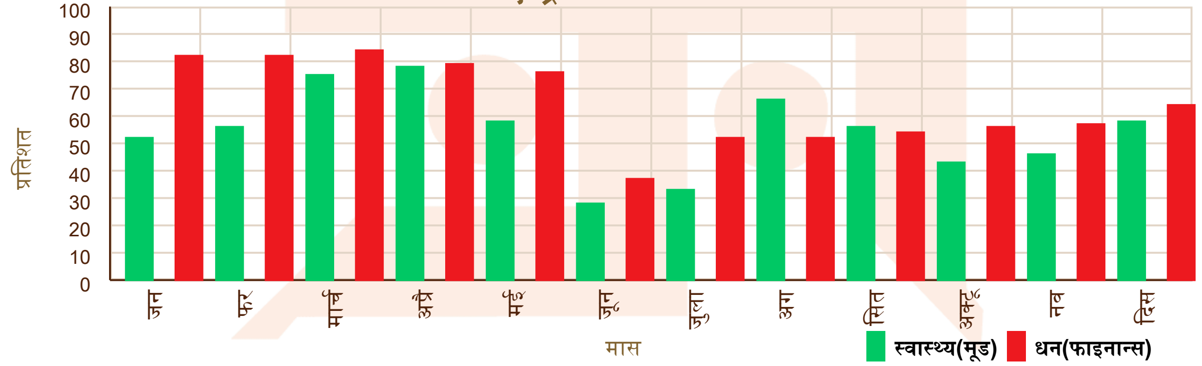


## एस्ट्रोग्राफ - 20

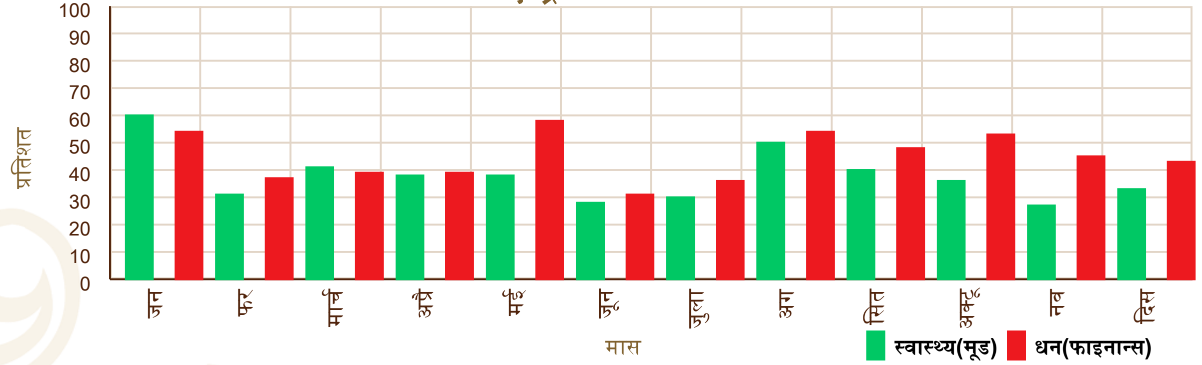


**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

## एस्ट्रोग्राफ - 2024

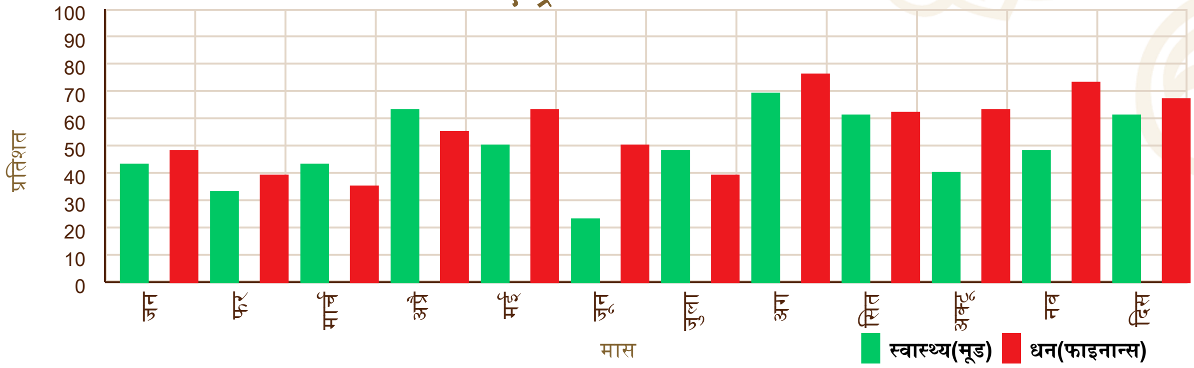


## एस्ट्रोग्राफ - 2025

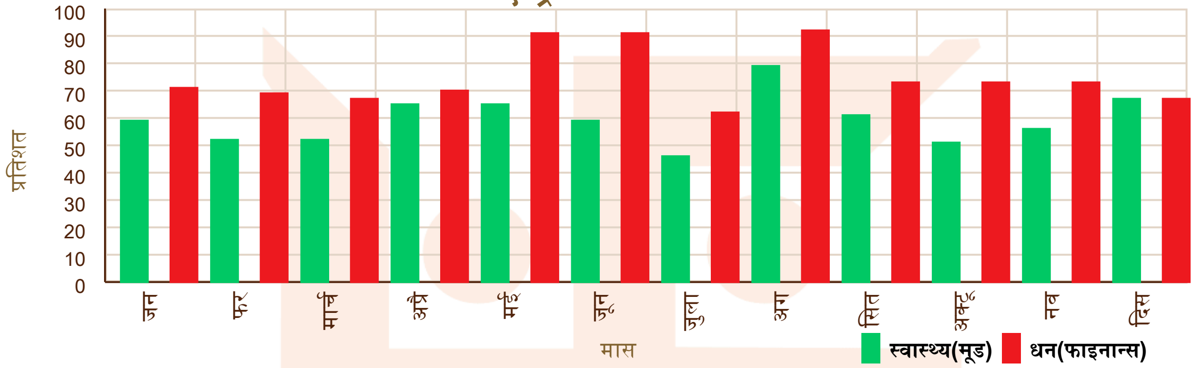


## एस्ट्रोग्राफ - 2026

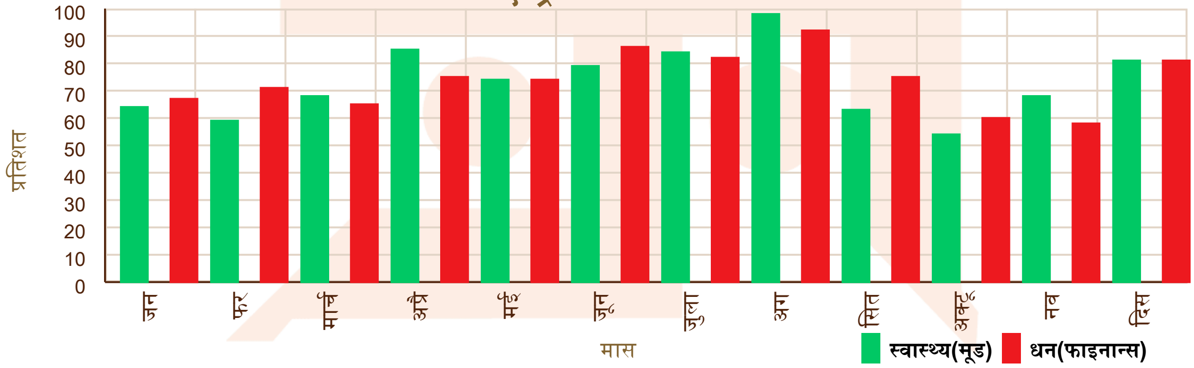


## एस्ट्रोग्राफ - 2027

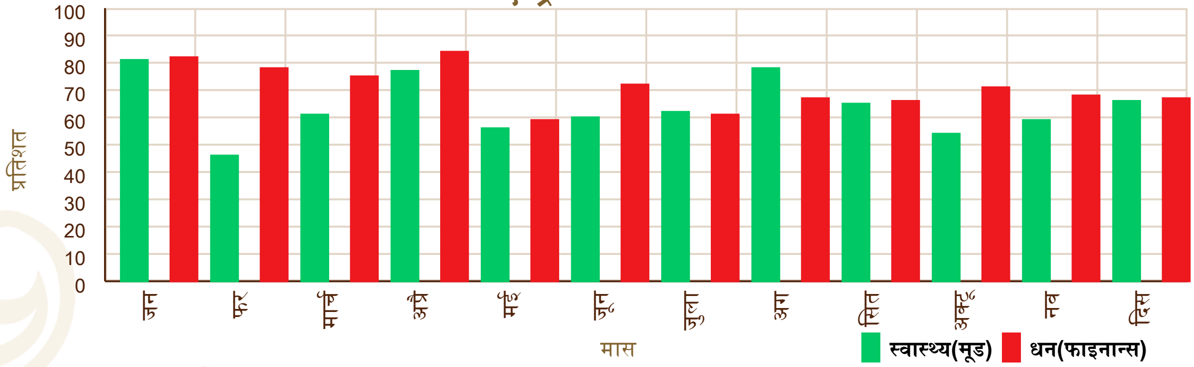



**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

## एस्ट्रोग्राफ - 20

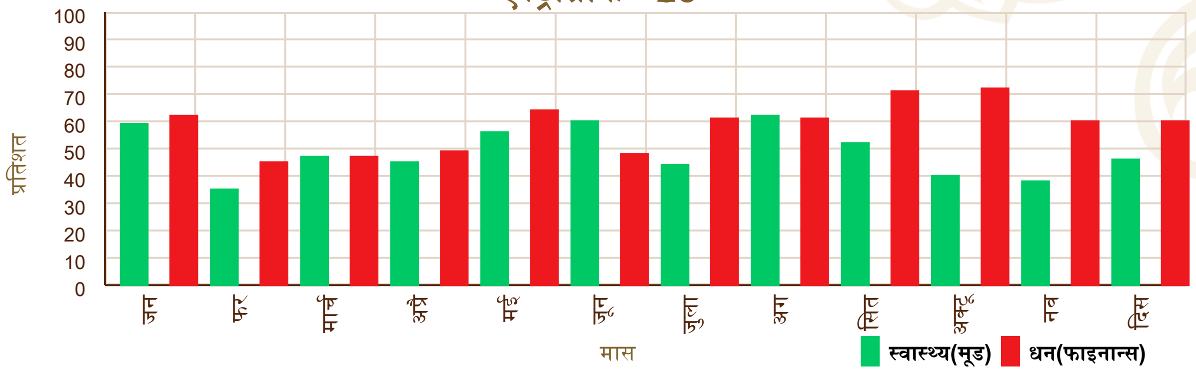


## एस्ट्रोग्राफ - 20

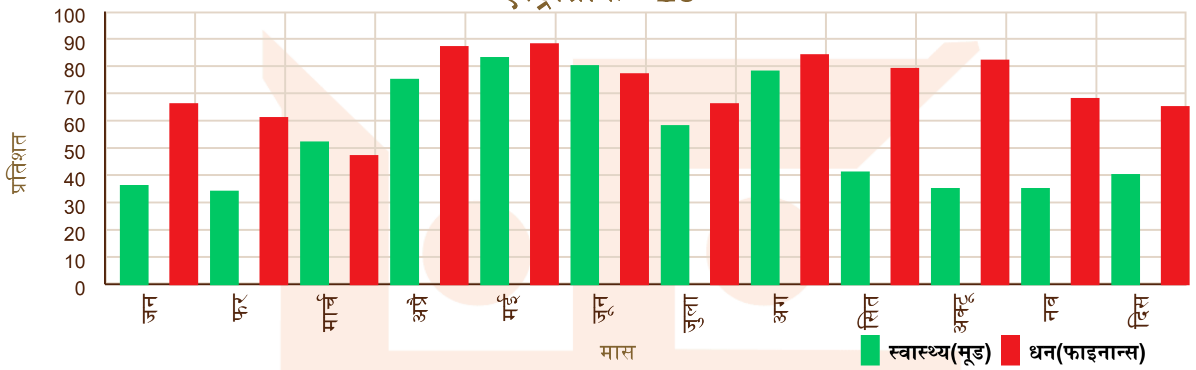


## एस्ट्रोग्राफ - 2040

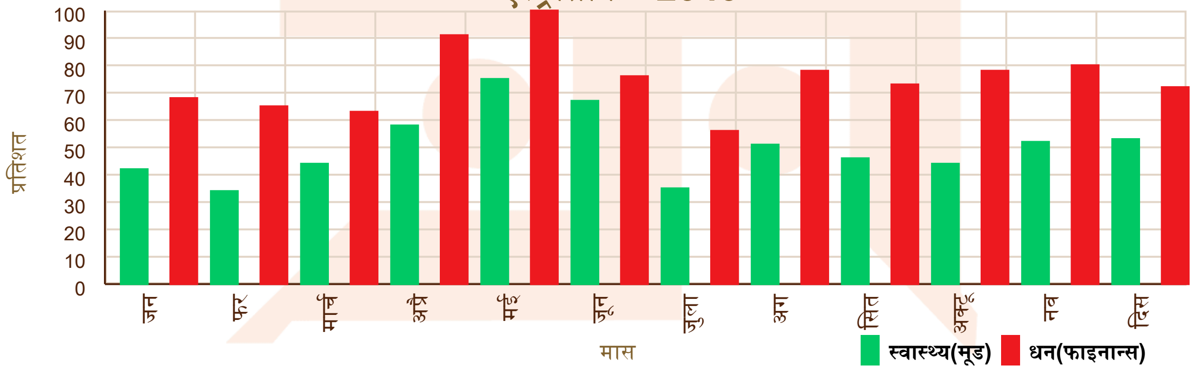


## एस्ट्रोग्राफ - 2041

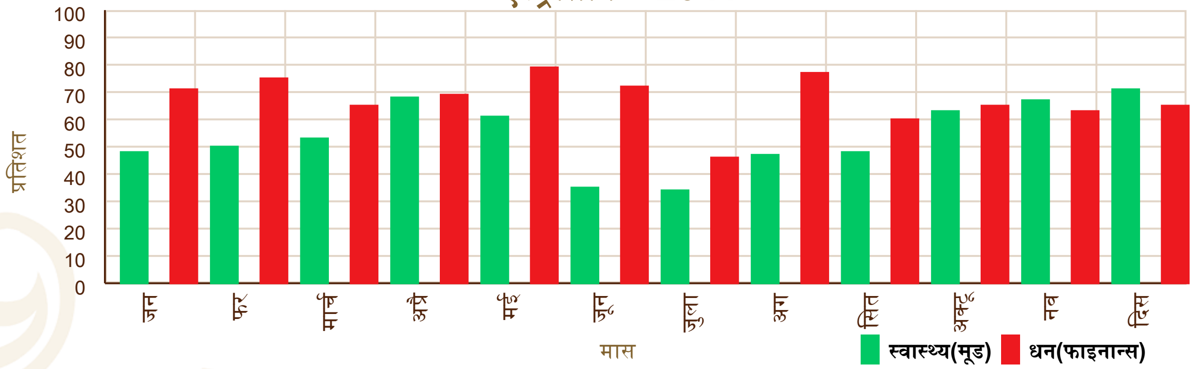



**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

## एस्ट्रोग्राफ - 2042

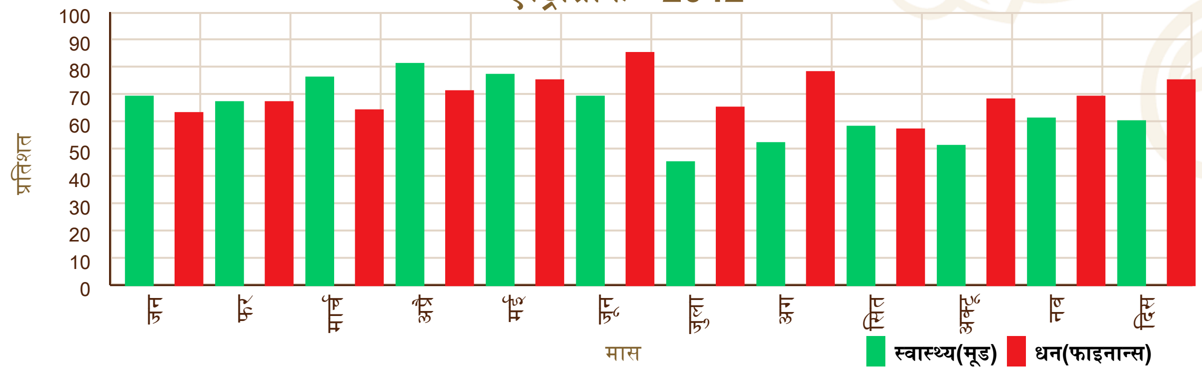


## एस्ट्रोग्राफ - 204

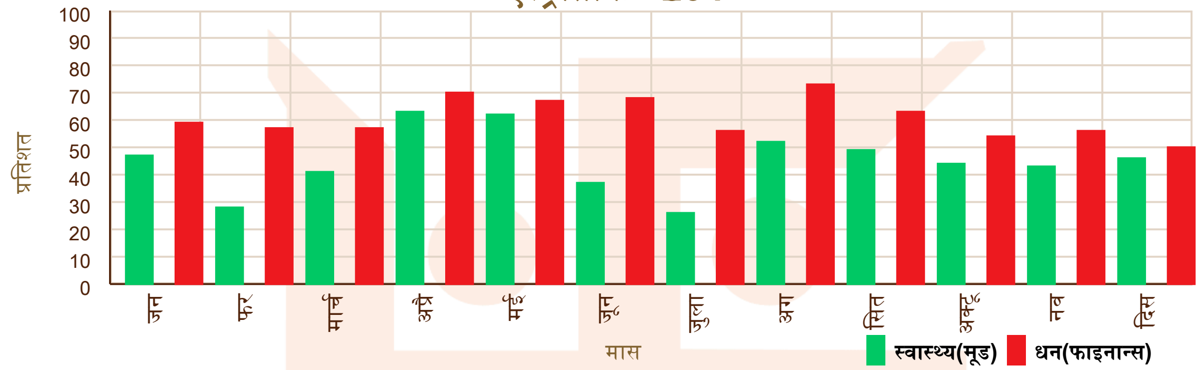


## एस्ट्रोग्राफ - 2044

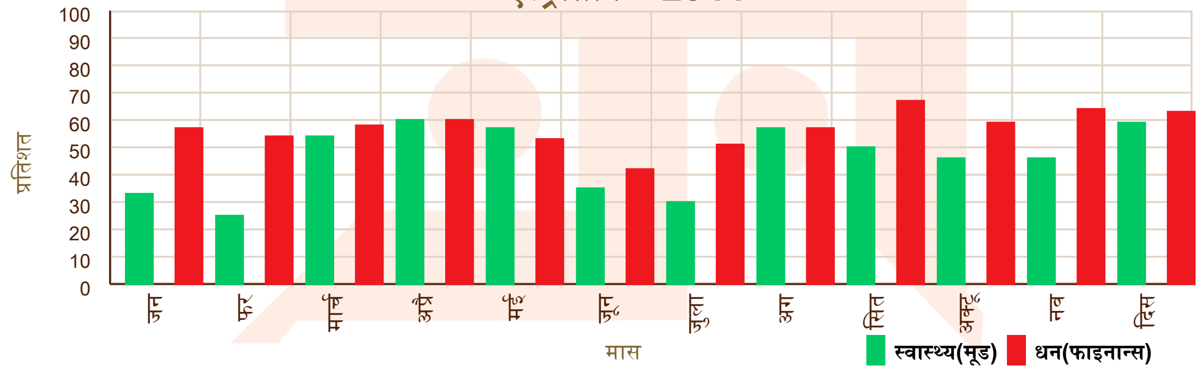


## एस्ट्रोग्राफ - 2045

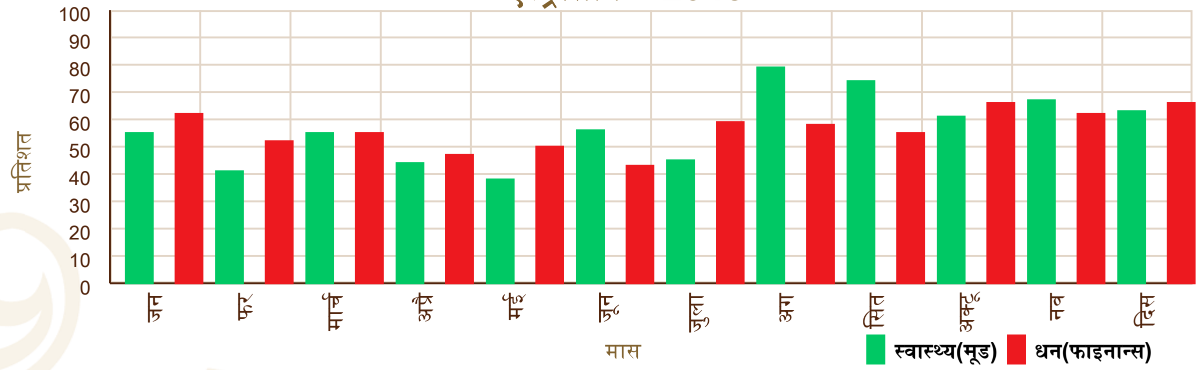


**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

# योग

## वाशि योग

à¤¸à¥‚à¤°à¥à¤¯ à¤¾à¤¦à¥ à¤µà¥ à¤¯à¤¯à¤ —à¥ˆà¤°à¥à¤µà¤¾à¤¶à¤¿à¤°à¥ à¤¦à¥ à¤µ
à¤‰à¤¤à¥à¤•à¥ƒà¤·à¥à¤Ÿà¤µà¤šà¤¾à¤ƒ à¤¸à¥à¤®à¥ƒà¤¤à¤¿à¤®à¤¾à¤¨à¥
à¤¸à¤°à¥ à¤µà¤¶à¤°à¥€à¤°à¥‡ à¤ªà¥ƒà¤¥à¥à¤µà¥€à¤²à¥‹ à¤¨à¥ƒà¤ªà¤
à¥¤à¥¤ à¤¸à¤¾à¤°à¤¾à¤µà¤²à¥€ à¥¤à¥¤ à¤…-/à¤¶à¥ à¤²à¥‹à¤• 1, 6à¥¤à¥¤

à¤¯à¤¦à¤¿ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤•à¥à¤£à¥à¤¡à¤²à¥€ à¤®à¥‡à¤‚, à¤¸à¥‚à¤°à¥à¤¯ à¤¸à¥‡ à¤¦à¥à¤µà¤¾à¤¦à¤¶ à¤¸à¥à¤¥à¤¾à¤¨ à¤®à¥‡à¤‚, à¤šà¤¨à¥à¤¦à¥à¤°à¤®à¤¾ à¤•à¥‹ à¤›à¥‹à¤¡à¤•à¤° à¤…à¤¨à¥à¤¯ à¤—à¥à¤°à¤¹ à¤µà¤¿à¤¦à¥à¤¯à¤®à¤¾à¤¨ à¤¹à¥‹à¤‚, à¤¤à¥‹ à¤µà¤¾à¤¶à¤¿ à¤¨à¤¾à¤®à¤• à¤¯à¥‹à¤— à¤¬à¤¨à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

योग कारक ग्रह : मंगल,बुध,शनि,सूर्य — योग की संभावना : 2 में 1

à¤†à¤ªà¤•à¥€ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤•à¥à¤£à¥à¤¡à¤²à¥€ à¤®à¥‡à¤‚, à¤¯à¤¹ à¤¯à¥‹à¤— à¤ªà¥‚à¤°à¥à¤£à¤°à¥‚à¤ª à¤¸à¥‡ à¤˜à¤Ÿà¤¿à¤¤ à¤¹à¥‹ à¤°à¤¹à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤ à¤«à¤²à¤¸à¥à¤µà¤°à¥‚à¤ª à¤†à¤ª à¤‰à¤¤à¥à¤•à¥ƒà¤·à¥à¤Ÿ à¤µà¤¾à¤£à¥€ à¤µà¤¾à¤²à¥‡, à¤¸à¥à¤®à¤°à¤£ à¤¶à¤•à¥à¤¤à¤¿ à¤µà¤¾à¤²à¥‡, à¤‰à¤¦à¥à¤¯à¤®à¥€, à¤¤à¤¿à¤°à¤›à¥€ à¤¦à¥ƒà¤·à¥à¤Ÿà¤¿ à¤µà¤¾à¤²à¥‡, à¤¸à¥à¤¥à¥‚à¤² à¤¶à¤°à¥€à¤° à¤µà¤¾à¤²à¥‡, à¤°à¤¾à¤œà¤¾ à¤•à¥‡ à¤¸à¤®à¤¾à¤¨ à¤µà¥à¤¯à¤•à¥à¤¤à¤¿à¤¤à¥à¤µ à¤µà¤¾à¤²à¥‡ à¤¤à¤¥à¤¾ à¤¸à¤¾à¤¤à¥à¤µà¤¿à¤• à¤ªà¥à¤°à¤µà¥ƒà¤¤à¥à¤¤à¤¿ à¤µà¤¾à¤²à¥‡ à¤¹à¥‹à¤‚à¤—à¥‡à¥¤

## अमलायोग

à¤šà¤¨à¥à¤¦à¥ à¤°à¤¾à¤¦à¥ à¤¯à¤¸à¥ˆà¤¸à¥à¤¤à¥ à¤µà¤®à¤²à¤¾à¤¹à¥ à¤µà¤¯à¤ƒ à¤¶
à¤•à¥ à¤®à¥‡à¤¶à¤ƒ à¤¸à¥à¤¯à¤¾à¤¦à¤®à¤²à¥‡ à¤§à¤¨à¥€ à¤¸à¥à¤¤
à¥¤à¥¤ à¤«à¤²à¤¦à¥€à¤ªà¤¿à¤•à¤¾ à¥¤à¥¤ à¤…- 6 à¤¶à¥ à¤²à¥‹à¤• 19-20à¥¤

à¤¯à¤¦à¤¿ à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤®à¥‡à¤‚, à¤²à¤—à¥à¤¨ à¤¯à¤¾ à¤šà¤¨à¥à¤¦à¥à¤°à¤®à¤¾ à¤¸à¥‡ à¤¦à¤¶à¤® à¤¸à¥à¤¥à¤¾à¤¨ à¤®à¥‡à¤‚, à¤¶à¥à¤ à¤—à¥à¤°à¤¹ à¤¹à¥‹ à¤¤à¥‹ à¤…à¤®à¤²à¤¾ à¤¯à¥‹à¤— à¤¹à¥‹à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

योग कारक ग्रह : चन्द्र,शुक्र　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　योग की संभावना : 2 में 1

à¤†à¤ªà¤•à¥€ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤•à¥à¤£à¥à¤¡à¤²à¥€ à¤®à¥‡à¤‚ à¤¯à¤¹ à¤¯à¥‹à¤— à¤ªà¥‚à¤°à¥à¤£à¤°à¥‚à¤ªà¥‡à¤£ à¤¸à¥à¤¥à¤¾à¤ªà¤¿à¤¤ à¤¹à¥‹ à¤°à¤¹à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤ à¤«à¤²à¤¸à¥à¤µà¤°à¥‚à¤ª à¤†à¤ª à¤à¥‚à¤®à¤¿ à¤•à¥‡ à¤¸à¥à¤µà¤¾à¤®à¥€, à¤§à¤¨à¥€, à¤¨à¥€à¤¤à¤¿à¤µà¤¾à¤¨ à¤ªà¥à¤¤à¥à¤° à¤à¤µà¤¨, à¤¸à¤‚à¤ªà¤¤à¥à¤¤à¤¿ à¤¸à¥‡ à¤¯à¥à¤•à¥à¤¤ à¤¯à¤¶à¤¸à¥à¤µà¥€ à¤µà¥à¤¯à¤•à¥à¤¤à¤¿ à¤¹à¥‹à¤‚à¤—à¥‡à¥¤

## हर्ष योग

à¤¦à¥ à¤ƒà¤¸à¥à¤¤à¥à¤¯à¥ˆà¤°à¥à¤ ¾à¤µà¤ —à¥ƒà¤¹à¥‡à¤¶à¥à¤µà¤°à¥ˆà¤°à¤¶à¥à¤ à¤¸

à¤¸à¥ à¤ –à¤ à¥‹à¤—

à¤¨à¤¿à¤¹à¤¤à¤

à¤ªà¥ à¤°à¤¤à¥à¤¤

à¤¦à¥ à¤¯à¥ à¤¤à¤¿à¤®à¤¿à¤¤à¥

à¥¥ à¤«à¤²à¤¦à¥€à¤ªà¤¿à¤•à¤¾ à¥¥ à¤…- 6à¤¶à¥ à¤²à¥‹à¤• 57, 63 à¥¥

à¤¯à¤¦à¤¿ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤®à¥‡à¤‚ à¤›à¤ à¤¾ à¤à¤¾à¤µ à¤¯à¤¾ à¤·à¤·à¥à¤ à¥‡à¤¶ à¤…à¤¶à¥à¤ à¤—à¥à¤°à¤¹à¥‹à¤‚ à¤¸à¥‡ à¤¯à¥à¤¤ à¤¯à¤¾ à¤¨à¤¿à¤°à¥€à¤•à¥à¤·à¤¿à¤¤ à¤¹à¥‹ à¤¤à¤¥à¤¾ à¤·à¤·à¥à¤ à¥‡à¤¶ à¤¦à¥ƒà¤¸à¥à¤¥à¤¾à¤¨ à¤®à¥‡à¤‚ à¤¨à¤¿à¤µà¤¾à¤¸ à¤•à¤°à¤¤à¤¾ à¤¹à¥‹ à¤¤à¥‹ à¤¹à¤°à¥à¤· à¤¯à¥‹à¤— à¤¹à¥‹à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

योग कारक ग्रह : सूर्य,मंगल,गुरु　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　योग की संभावना : 6 में 1

à¤†à¤ªà¤•à¥€ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤•à¥à¤£à¥à¤¡à¤²à¥€ à¤®à¥‡à¤‚ à¤¯à¤¹ à¤¯à¥‹à¤— à¤ªà¥‚à¤°à¥à¤£à¤°à¥‚à¤ªà¥‡à¤£ à¤¸à¥à¤¥à¤¾à¤ªà¤¿à¤¤ à¤¹à¥‹ à¤°à¤¹à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤ à¤«à¤²à¤¸à¥à¤µà¤°à¥‚à¤ª à¤†à¤ª à¤à¤¾à¤—à¥à¤¯à¤µà¤¾à¤¨à¥, à¤¦à¥ƒà¤¢à¤¼ à¤¶à¤°à¥€à¤° à¤µà¤¾à¤²à¥‡ à¤µ à¤¸à¥à¤–à¥€, à¤à¥‹à¤—à¥€, à¤¶à¤¤à¥à¤°à¥à¤œà¤¯à¥€à¤¤, à¤ªà¤¾à¤ªà¤•à¤°à¥à¤® à¤®à¥‡à¤‚, à¤²à¤¿à¤ªà¥à¤¤ à¤à¤à¤µà¤¤, à¤à¤¯à¤¾à¤¤à¤¤à¥à¤° à¤¹à¥‹à¤‚à¤—à¥‡ à¤ªà¤°à¤‚à¤¤à¥ à¤†à¤ª à¤ªà¥à¤°à¤¸à¤¿à¤¦à¥à¤§ à¤ªà¥ à¤°à¤§à¤¾à¤¨à¤ªà¥à¤°à¤à¤¾à¤µà¤¶à¤¾à¤²à¥ à¤à¤¤à¥à¤®à¤¿à¤¤à¥ à¤° à¤¸à¥‡ à¤¸à¥à¤–à¥€ à¤à¤µà¤, à¤¯à¤¶à¤¸à¥à¤µà¥€ à¤¹à¥‹à¤‚à¤—à¥‡à¥¤

## अनफा योग

à¤…à¤¨à¤«à¤¾ à¤°à¤µà¤¿à¤°à¤¹à¤¿à¤¤à¥ˆà¤ƒà¥¤

à¤…à¤¨à¥à¤¤à¥ à¤¯à¥‡ à¤•à¥ˆà¤°à¤µà¤µà¤¨à¤¬à¤¾à¤¨à¥à¤§à¤µà¤¾à¤¦à¥ à¤µà¤¿à¤

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

¤¹à¤—à¥ˆà¤ƒà¥¥

à¤µà¤¾à¤ —à¥ à¤®à¥€à¤ªà¥à¤°à¤ à¥ à¤°à¥ à¤¦à¥ à¤°à¤µà¤¿à¤£à¤µà¤¾à¤¨à¤ —à
à à¥‹à¤•à¥à¤¤à¤¾à¤¨à¥ à¤¨à¤ªà¤¾à¤¨à¤•à¥à¤¸à¥ à¤®à¤¾à¤®à¥ à¤¬à¤°à¤•à¤¾à¤
à –à¥ à¤¯à¤¾à¤¤à¤ƒ à¤¸à¤®à¤¾à¤¹à¤¿à¤¤à¤—à¥ à¤£à¤ƒ à¤¸à¥à –à¤¶à¤¸à¥ à¤
à¤¯à¥‹à¤—à¥‡ à¤¨à¤¿à¤¶à¤¾à¤•à¤°à¤•à¥ƒà¤¤à¥‡ à¤¤à¥à¤µà¤¨à¤«à¥‡ à¤
à¥¤à¥¤ à¤¸à¤¾à¤°à¤¾à¤µà¤²à¥€ à¥¤à¥¤ à¤…. 13/à¤¶à¥à¤²à¥‹à¤• 1, 5à¥¤à¥¤

à¤¯à¤¦à¤¿ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤•à¥à¤£à¥à¤¡à¤²à¥€ à¤®à¥‡à¤‚, à¤šà¤¨à¥à¤¦à¥à¤°à¤®à¤¾ à¤¸à¥‡ à¤¦à¥à¤µà¤¾à¤¦à¤¶ à¤à¤¾à¤µ à¤®à¥‡à¤‚, à¤¸à¥‚à¤°à¥à¤¯ à¤°à¤¹à¤¿à¤¤ à¤•à¥‹à¤ˆ à¤—à¥à¤°à¤¹ à¤¹à¥‹ à¤¤à¥‹ à¤…à¤¨à¤«à¤¾ à¤¯à¥‹à¤— à¤¬à¤¨à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

योग कारक ग्रह : मंगल,बुध,शनि,चन्द्र

योग की संभावना : 2 में 1

à¤†à¤ªà¤•à¥€ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤•à¥à¤£à¥à¤¡à¤²à¥€ à¤®à¥‡à¤‚, à¤¯à¤¹ à¤¯à¥‹à¤— à¤ªà¥‚à¤°à¥à¤£à¤°à¥‚à¤ª à¤¸à¥‡ à¤˜à¤Ÿà¤¿à¤¤ à¤¹à¥‹ à¤°à¤¹à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤ à¤«à¤²à¤¸à¥à¤µà¤°à¥‚à¤ª à¤†à¤ª à¤•à¥à¤¶à¤²à¤µà¤•à¥à¤¤à¤¾, à¤¶à¤¾à¤°à¥€à¤°à¤¿à¤• à¤°à¥‚à¤ª à¤¸à¥‡ à¤¸à¥à¤¨à¥à¤¦à¤° à¤¸à¥à¤µà¤¸à¥à¤¥, à¤®à¤¾à¤¨à¤¸à¤¿à¤• à¤°à¥‚à¤ª à¤¸à¥‡ à¤¶à¤¾à¤‚à¤¤, à¤ªà¥à¤°à¤¸à¤¿à¤¦à¥à¤§ à¤¯à¤¶à¤¸à¥à¤µà¥€ à¤¹à¥‹à¤¨à¥‡ à¤µà¤¾à¤²à¥‡, à¤—à¥à¤£à¥€, à¤¸à¥à¤–à¥€ à¤¤à¤¥à¤¾ à¤¸à¥à¤¨à¥à¤¦à¤° à¤µà¥‡à¤¶à¤à¥‚à¤·à¤¾ à¤µà¤¾à¤²à¥‡ à¤¹à¥‹à¤‚à¤—à¥‡à¥¤

## भ्रातृवृद्धि योग

à à¥ à¤°à¤¾à¤¤à¥ƒà¤ªà¥‡ à¤•à¤¾à¤°à¤•à¥‡ à¤µà¤¾à¤ªà¤¿ à¤¶à¥à à¤¯à¥
à à¤¾à¤µà¥‡ à¤µà¤¾ à¤¬à¤²à¤¸à¤®à¥à¤ªà¥‚à¤°à¥à¤£à¥‡ à¤¤à¥ à¤°à¤¾à¤¤à¥„à¤£
à¥¤à¥¤ à¤¸à¤°à¥ à¤µà¤¾à¤°à¥ à¤¥à¥à¤šà¤¿à¤¨à¥à¤¤à¤¾à¤®à¤£à¤¿ à¥¤à¥¤ à¤…-4à

à¤¯à¤¦à¤¿ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤®à¥‡à¤‚, à¤¤à¥ƒà¤¤à¥€à¤¯ à¤¸à¥à¤¥à¤¾à¤¨ à¤¤à¤¥à¤¾ à¤¤à¥ƒà¤¤à¥€à¤¯ à¤à¤¾à¤µ à¤•à¤¾à¤°à¤• à¤¶à¥à¤—à¥à¤°à¤¹à¥‹à¤‚, à¤¸à¥‡ à¤¯à¥à¤•à¥à¤¤ à¤¯à¤¾ à¤¦à¥ƒà¤·à¥à¤Ÿ à¤¹à¥‹ à¤¤à¤¥à¤¾ à¤ªà¥‚à¤°à¥à¤£à¤¬à¤²à¥€ à¤¹à¥‹ à¤¤à¥‹ à¤à¤¾à¤‡à¤¯à¥‹à¤‚, à¤•à¥€ à¤µà¥ƒà¤¦à

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

¥à¤§à¤¿ à¤¹à¥‹à¤¤à¥€ à¤¹à¥ˆà¥¤

योग कारक ग्रह : बुध,मंगल

योग की संभावना : 8 में 1

à¤†à¤ªà¤•à¥€ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤®à¥‡à¤‚ à¤¯à¤¹ à¤¯à¥‹à¤— à¤ªà¥‚à¤°à¥à¤£ à¤°à¥‚à¤ªà¥‡à¤£ à¤˜à¤Ÿà¤¿à¤¤ à¤¹à¥‹ à¤°à¤¹à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤ à¤«à¤²à¤¸à¥à¤µà¤°à¥‚à¤ª à¤†à¤ªà¤•à¥‡ à¤à¤¾à¤‡à¤¯à¥‹à¤‚ à¤®à¥‡à¤‚ à¤µà¥ƒà¤¦à¥à¤§à¤¿ à¤¹à¥‹, à¤à¤¸à¤¾ à¤ªà¥à¤°à¤¤à¥€à¤¤ à¤¹à¥‹à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

## सात्त्विक बुद्धि योग

à¤¶à¥Œà¤°à¥à¤¯à¤¾à¤§à¤¿à¤ªà¥‡ à¤¸à¥Œà¤®à¥à¤¯ à¤¨à¥ à¤µà¤¿à¤¤à¥‡ à¤¸à¤¾ ¥¤à¥¤ à¤¸à¤°à¥ à¤µà¤¾à¤°à¥ à¤¥à¤šà¤¿à¤¨à¥à¤¤à¤¾à¤®à¤£à¤¿ à¥¤à¥¤ à¤…-/à

à¤¯à¤¦à¤¿ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤•à¥à¤£à¥à¤¡à¤²à¥€ à¤®à¥‡à¤‚, à¤¤à¥ƒà¤¤à¥€à¤¯à¥‡à¤¶ à¤¬à¥à¤§ à¤¸à¥‡ à¤¯à¥à¤•à¥à¤¤ à¤¹à¥‹ à¤¤à¥‹ à¤œà¤¾à¤¤à¤• à¤¸à¤¾à¤¤à¥à¤¤à¥à¤µà¤¿à¤• à¤¬à¥à¤¦à¥à¤§à¤¿ à¤•à¤¾ à¤¹à¥‹à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

योग कारक ग्रह : बुध

योग की संभावना : 12 में 1

à¤†à¤ªà¤•à¥€ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤®à¥‡à¤‚ à¤¯à¤¹ à¤¯à¥‹à¤— à¤ªà¥‚à¤°à¥à¤£ à¤°à¥‚à¤ªà¥‡à¤£ à¤˜à¤Ÿà¤¿à¤¤ à¤¹à¥‹ à¤°à¤¹à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤ à¤«à¤²à¤¸à¥à¤µà¤°à¥‚à¤ª à¤†à¤ª à¤¸à¤¾à¤¤à¥à¤¤à¥à¤µà¤¿à¤• à¤¬à¥à¤¦à¥à¤§à¤¿ à¤•à¥‡ à¤ªà¥à¤°à¤¾à¤£à¥€ à¤¹à¥‹à¤‚à¤—à¥‡, à¤à¤¸à¤¾ à¤ªà¥à¤°à¤¤à¥€à¤¤ à¤¹à¥‹à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

## कर्णरोग योग

à¤¤à¥ƒà¤¤à¥€à¤¯ à¤¨à¤¾à¤¥à¥‡ à¤ªà¤¾à¤ªà¤¾à¤¨à¥à¤µà¤¿à¤¤à¥‡ à¤ªà¤¾à¤ªà¤ ¥¤à¥¤ à¤¸à¤°à¥ à¤µà¤¾à¤°à¥ à¤¥à¤šà¤¿à¤¨à¥à¤¤à¤¾à¤®à¤£à¤¿ à¥¤à¥¤ à¤…-/à

à¤¯à¤¦à¤¿ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤®à¥‡à¤‚, à¤¤à¥ƒà¤¤à¥€à¤¯à¥‡à¤¶ à¤ªà¤¾à¤ª à¤¯à¥à¤•à¥à¤¤ à¤¯à¤¾ à¤¦à¥ƒà¤·à¥à¤Ÿ à¤¹à¥‹ à¤¤à¥‹ à¤•à¤°à¥à¤£à¤°à¥‹à¤— à¤¹à¥‹à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

योग कारक ग्रह : मंगल,शनि,बुध

योग की संभावना : 2 में 1

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

à¤†à¤ªà¤•à¥€ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤®à¥‡à¤‚ à¤¯à¤¹ à¤¯à¥‹à¤— à¤ªà¥‚à¤°à¥à¤£à¤°à¥‚à¤ª à¤¸à¥‡ à¤˜à¤Ÿà¤¿à¤¤ à¤¹à¥‹ à¤°à¤¹à¤¾ à¤¹à¥ˆ à¤«à¤²à¤¸à¥à¤µà¤°à¥‚à¤ª à¤†à¤ªà¤•à¥‹ à¤•à¤°à¥à¤£à¤°à¥‹à¤— à¤¹à¥‹à¤—à¤¾à¥¤ à¤à¤¸à¤¾ à¤ªà¥à¤°à¤¤à¥€à¤¤ à¤¹à¥‹à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

## भवन नाश योग

**à¤ —à¥‡à¤¹à¥‡à¤¶à¤¸à¤‚à¤¯à¥à¤•à¥à¤¤à¤¨à¤µà¤¾à¤‚à¤¶à¤¨à¤¾à¤¥à¥‡ à¤¨à¤¾à¤ ¥¤à¥¤ à¤¸à¤°à¥ à¤µà¤¾à¤°à¥ à¤¥à¤šà¤¿à¤¨à¥à¤¤à¤¾à¤®à¤£à¤¿ à¥¤à¥¤ à¤…-/à**

à¤¯à¤¦à¤¿ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤®à¥‡à¤‚ à¤šà¤¤à¥à¤°à¥à¤¥ à¤à¤¾à¤µ à¤•à¤¾ à¤¸à¥à¤µà¤¾à¤®à¥€ à¤œà¤¿à¤¸ à¤—à¥à¤°à¤¹ à¤•à¥‡ à¤¨à¤µà¤¾à¤‚à¤¶ à¤®à¥‡à¤‚ à¤¹à¥‹ à¤”à¤° à¤µà¤¹ à¤—à¥à¤°à¤¹ à¤¦à¥à¤µà¤¾à¤¦à¤¶ à¤à¤¾à¤µà¤¸à¥à¤¥ à¤¹à¥‹ à¤¤à¥‹ à¤à¤µà¤¨ à¤¨à¤·à¥à¤Ÿ à¤¹à¥‹ à¤œà¤¾à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

योग कारक ग्रह : गुरु | योग की संभावना : 12 में 1

à¤†à¤ªà¤•à¥€ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤®à¥‡à¤‚ à¤¯à¤¹ à¤¯à¥‹à¤— à¤ªà¥‚à¤°à¥à¤£ à¤°à¥‚à¤ªà¥‡à¤£ à¤˜à¤Ÿà¤¿à¤¤ à¤¹à¥‹ à¤°à¤¹à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤ à¤«à¤²à¤¸à¥à¤µà¤°à¥‚à¤ª à¤†à¤ªà¤•à¥‡ à¤à¤µà¤¨ à¤•à¤¾ à¤¨à¤¾à¤¶ à¤¹à¥‹ à¤à¤¸à¤¾ à¤ªà¥à¤°à¤¤à¥€à¤¤ à¤¹à¥‹à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

## मातृस्नेह योग

**à¤²à¤ —¥ à¤¨à¥‡à¤¶à¥à¤µà¤°à¥‡à¤£ à¤¸à¤‚à¤¦à¥ƒà¤·à¥à¤Ÿà¥‡ à¤®à¤¾à¤¶à¥ à¤ à¤ —¥ à¤°à¤¹à¤¾à¤¨à¥ à¤µà¤¿à¤¤à¥‡ à¤¦à¥ƒà¤·à¥à¤Ÿà¥‡ à¤®à¤¾à¤¤à¥ƒ¥ à¤¸à¤°à¥ à¤µà¤¾à¤°à¥ à¤¥à¤šà¤¿à¤¨à¥à¤¤à¤¾à¤®à¤£à¤¿ à¥¥ à¤…-/à¤¶à¥ à**

à¤¯à¤¦à¤¿ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤®à¥‡à¤‚ à¤šà¤¤à¥à¤°à¥à¤¥à¥‡à¤¶ à¤•à¥‡à¤‚à¤¦à¥à¤° à¤®à¥‡à¤‚ à¤²à¤—à¥à¤¨à¥‡à¤¶ à¤¸à¥‡ à¤¦à¥ƒà¤·à¥à¤Ÿ à¤¶à¥à¤ à¤—à¥à¤°à¤¹ à¤¯à¥à¤•à¥à¤¤ à¤µà¤¾ à¤¦à¥ƒà¤·à¥à¤Ÿ à¤¹à¥‹ à¤¤à¥‹ à¤œà¤¾à¤¤à¤• à¤•à¥‹ à¤®à¤¾à¤¤à¤¾ à¤¸à¥‡ à¤ªà¥‚à¤°à¥à¤£ à¤¸à¥à¤¨à¥‡à¤¹ à¤ªà¥à¤°à¤¾à¤ªà¥à¤¤ à¤¹à¥‹à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

योग कारक ग्रह : चन्द्र,शुक्र | योग की संभावना : 24 में 1

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

à¤†à¤ªà¤•à¥€ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤®à¥‡à¤‚, à¤¯à¤¹ à¤¯à¥‹à¤— à¤ªà¥‚à¤°à¥à¤£ à¤°à¥‚à¤ªà¥‡à¤£ à¤˜à¤Ÿà¤¿à¤¤ à¤¹à¥‹ à¤°à¤¹à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤ à¤«à¤²à¤¸à¥à¤µà¤°à¥‚à¤ª à¤†à¤ªà¤•à¥‹ à¤®à¤¾à¤¤à¤¾ à¤•à¤¾ à¤ªà¥‚à¤°à¥à¤£ à¤¸à¥à¤¨à¥‡à¤¹ à¤ªà¥à¤°à¤¾à¤ªà¥à¤¤ à¤¹à¥‹à¤—à¤¾à¥¤ à¤à¤¸à¤¾ à¤ªà¥à¤°à¤¤à¥€à¤¤ à¤¹à¥‹à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

## वाहन योग

à¤‰à¤šà¥à¤šà¤¾à¤¹à¥à¤µà¤¯à¥‡ à¤•à¤°à¥à¤®à¤ —à¤¤à¥‡ à¤²à¤—à¥ à¤¨à¤¨à¤ à¤¾à¤ —à¥ à¤¯à¤¾à¤§à¤¿à¤ªà¥‡à¤¨ à¤µà¤¾ à¤¦à¥ƒà¤·à¥à¤Ÿà¥‡ à¤µà¤¾à¤¹à¤¨ à¥¥ à¤¸à¤°à¥ à¤µà¤¾à¤°à¥ à¤¥à¤šà¤¿à¤¨à¥à¤¤à¤¾à¤®à¤£à¤¿ à¥¥ à¤…-4

à¤¯à¤¦à¤¿ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤®à¥‡à¤‚, à¤‰à¤šà¥à¤š à¤•à¤¾ à¤—à¥à¤°à¤¹ à¤¦à¤¶à¤® à¤à¤¾à¤µ à¤®à¥‡à¤‚, à¤²à¤—à¥à¤¨à¥‡à¤¶ à¤…à¤¥à¤µà¤¾ à¤¨à¤µà¤®à¥‡à¤¶ à¤¸à¥‡ à¤¦à¥ƒà¤·à¥à¤Ÿ à¤¹à¥‹ à¤¤à¥‹ à¤œà¤¾à¤¤à¤• à¤µà¤¾à¤¹à¤¨à¥‹à¤‚ à¤•à¤¾ à¤¸à¥à¤µà¤¾à¤®à¥€ à¤¹à¥‹à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

योग कारक ग्रह : चन्द्र,सूर्य        योग की संभावना : 36 में 1

à¤†à¤ªà¤•à¥€ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤®à¥‡à¤‚, à¤¯à¤¹ à¤¯à¥‹à¤— à¤ªà¥‚à¤°à¥à¤£ à¤°à¥‚à¤ªà¥‡à¤£ à¤˜à¤Ÿà¤¿à¤¤ à¤¹à¥‹ à¤°à¤¹à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤ à¤«à¤²à¤¸à¥à¤µà¤°à¥‚à¤ª à¤†à¤ªà¤•à¥‹ à¤…à¤¨à¥‡à¤• à¤µà¤¾à¤¹à¤¨à¥‹à¤‚ à¤•à¤¾ à¤¸à¥à¤– à¤ªà¥à¤°à¤¾à¤ªà¥à¤¤ à¤¹à¥‹à¤—à¤¾ à¤à¤¸à¤¾ à¤ªà¥à¤°à¤¤à¥€à¤¤ à¤¹à¥‹à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

## तीव्रबुद्धि योग

à¤¬à¥ à¤¦à¥ à¤§à¤¿à¤¸à¥ à¤¥à¤¾à¤¨à¤¾à¤§à¤¿à¤ªà¤¸à¥ à¤¯à¤¾à¤¸à¤¶à¤°à¤¾à¤¸ à¤µà¥ˆà¤¶à¥‡à¤·à¤¿à¤•à¤¾à¤¸à¤¶à¤•à¥‡ à¤µà¤¾à¤ªà¤¿ à¤¤à¥€à¤µà¥ à¤°à¤¬à¥ à¤¦à¥à¤¤à¥ à¤¸à¤°à¥ à¤µà¤¾à¤°à¥ à¤¥à¤šà¤¿à¤¨à¥à¤¤à¤¾à¤®à¤£à¤¿ à¥¤à¥¤ à¤…- 5

à¤¯à¤¦à¤¿ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤®à¥‡à¤‚, à¤ªà¤‚à¤šà¤®à¥‡à¤¶ à¤œà¤¿à¤¸à¤•à¥‡ à¤¨à¤µà¤¾à¤‚à¤¶à¤• à¤®à¥‡à¤‚, à¤¹à¥‹ à¤µà¤¹ à¤¶à¥à¤ à¤—à¥à¤°à¤¹ à¤¸à¥‡ à¤¦à¥ƒà¤·à¥à¤Ÿ à¤…à¤¥à¤µà¤¾ à¤µà¥ˆà¤¶à¥‡à¤·à¤¿à¤•à¤¾à¤‚à¤¶ à¤®à¥‡à¤‚, à¤¹à¥‹ à¤¤à¥‹ à¤¤à¥€à¤µà¥à¤° à¤¬à¥à¤¦à¥à¤§à¤¿ à¤¯à¥‹à¤— à¤¬à

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

¤¨à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

योग कारक ग्रह : चन्द्र,शुक्र योग की संभावना : 2 में 1

à¤†à¤ªà¤•à¥€ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤®à¥‡à¤‚ à¤¯à¤¹ à¤¯à¥‹à¤— à¤ªà¥‚à¤°à¥à¤£à¤°à¥‚à¤ªà¥‡à¤£ à¤˜à¤Ÿà¤¿à¤¤ à¤¹à¥‹ à¤°à¤¹à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤ à¤«à¤²à¤¸à¥à¤µà¤°à¥‚à¤ª à¤†à¤ª à¤¤à¥€à¤µà¥à¤° à¤¬à¥à¤¦à¥à¤§à¤¿ à¤•à¥‡ à¤¹à¥‹à¤‚à¤—à¥‡, à¤¤à¤¥à¤¾ à¤ªà¥à¤°à¤¤à¥€à¤¤ à¤¹à¥‹à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

## बहुपुत्र योग

**à¤ªà¥ à¤¤à¥ à¤°à¤¸à¥ à¤¦à¥à¤¾à¤¨à¤ªà¤¤à¥Œ à¤¤à¥ à¤µà¤¾ à¤¨à¤µà¤®à¥‡ à¤ªà¥à¤¤ à¥¥ à¤œà¤¾à¤¤à¤•à¤ªà¤¾à¤°à¤¿à¤œà¤¾à¤¤ à¥¥ à¤…. 13/à¤¶à¥à¤²à¥‹.-ड़¥à**

à¤¯à¤¦à¤¿ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤®à¥‡à¤‚, à¤ªà¤¸à¤šà¤®à¥‡à¤¶ à¤…à¤¥à¤µà¤¾ à¤¨à¤µà¤®à¥‡à¤¶ à¤ªà¥à¤°à¥à¤· à¤—à¥à¤°à¤¹ à¤•à¥‡ à¤µà¤°à¥à¤— à¤®à¥‡à¤‚, à¤¹à¥‹ à¤¤à¤¥à¤¾ à¤ªà¥à¤°à¥à¤· à¤—à¥à¤°à¤¹ à¤¸à¥‡ à¤¦à¥ƒà¤·à¥à¤Ÿà¤¿à¤—à¤¤ à¤¯à¤¾ à¤¯à¥à¤¤ à¤¹à¥‹ à¤¤à¥‹ à¤¬à¤¹à¥à¤ªà¥à¤¤à¥à¤° à¤¯à¥‹à¤— à¤¬à¤¨à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

योग कारक ग्रह : मंगल,गुरु योग की संभावना : 4 में 1

à¤†à¤ªà¤•à¥€ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤®à¥‡à¤‚ à¤¯à¤¹ à¤¯à¥‹à¤— à¤ªà¥‚à¤°à¥à¤£ à¤°à¥‚à¤ªà¥‡à¤£ à¤˜à¤Ÿà¤¿à¤¤ à¤¹à¥‹ à¤°à¤¹à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤ à¤«à¤²à¤¸à¥à¤µà¤°à¥‚à¤ª à¤†à¤ªà¤•à¥‹ à¤…à¤¨à¥‡à¤• à¤ªà¥à¤¤à¥à¤°à¥‹à¤‚, à¤•à¤¾ à¤¸à¥à¤– à¤ªà¥à¤°à¤¾à¤ªà¥à¤¤ à¤¹à¥‹à¤—à¤¾à¥¤ à¤à¤¸à¤¾ à¤ªà¥à¤°à¤¤à¥€à¤¤ à¤¹à¥‹à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

## शस्त्राग्निव्याघ्रसर्पादि पीडा योग

**à¤ªà¤¾à¤ªà¤°à¥ à¤•à¥à¤·à¤¯à¥ à¤•à¥à¤¤à¥‡ à¤¨à¤¿à¤§à¤¨à¥‡ à¤¸à¤ªà¤¾à¤ªà¥ à¤¶à¤¸à¥ à¤¤à¥ à¤°à¤¾à¤¨à¤²à¤µà¥ à¤¯à¤¾à¤˜à¥à¤°à¤ ¥ à¤œà¤¸à¤—à¤ªà¥€à¤¡à¤¾ à¥¤à¥¤ à¤«à¤²à¤¦à¥€à¤ªà¤¿à¤•à¤¾-à¤…-१४à¤¶à¥à¤²à¥‹-१०à¥¤**

à¤¯à¤¦à¤¿ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤•à¥à¤£à¥à¤¡à¤²à¥€ à¤®à¥‡à¤‚, à¤…à¤·à¥à¤Ÿà¤®à¥‡à¤¶ à¤ªà¤¾à¤ª à¤—à¥à¤°à¤¹ à¤¹à¥‹ à¤”à¤° à¤†à¤ à¤µà¥‡à¤‚, à¤à¤¾à¤µ à¤®à¥‡à¤‚, à¤à¥€ à¤ªà¤¾à¤ªà¤—à¥à¤°à¤¹ à¤¹à¥‹à¤‚, à¤¤à¥‹ à¤¶à¤¸à¥à¤¤à¥à¤°, à¤…à¤¸à¥à¤¤à¥à¤°, à¤…à¤—à¥à¤¨à¤¿, à¤µà¥à¤¯à¤¾à¤˜à¥à¤° à¤¸à¤°à¥ à¤ªà¤¾à¤¦à¤¿ à¤•à¥€ à

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

¤ªà¥€à¤¡à¤¾ à¤¹à¥‹à¤¤à¥€ à¤¹à¥ˆà¥¤

योग कारक ग्रह : राहु,शनि

योग की संभावना : 12 में 1

à¤†à¤ªà¤•à¥€ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤•à¥à¤£à¥à¤¡à¤²à¥€ à¤®à¥‡à¤‚, à¤¯à¤¹ à¤¯à¥‹à¤— à¤ªà¥‚à¤°à¥à¤£ à¤°à¥‚à¤ªà¥‡à¤£ à¤˜à¤Ÿà¤¿à¤¤ à¤¹à¥‹ à¤°à¤¹à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤ à¤«à¤²à¤¸à¥à¤µà¤°à¥‚à¤ª à¤†à¤ªà¤•à¥‹ à¤¶à¤¸à¥à¤¤à¥à¤°/ à¤…à¤¸à¥à¤¤à¥à¤°/à¤…à¤—à¥à¤¨à¤¿/à¤µà¥à¤¯à¤¾à¤˜à¥à¤° à¤¯à¤¾ à¤¸à¤°à¥à¤ªà¤¾à¤¦à¤¿ à¤¸à¥‡ à¤ªà¥€à¤¡à¤¾ à¤¹à¥‹à¤—à¥€à¥¤ à¤à¤¸à¤¾ à¤ªà¥à¤°à¤¤à¥€à¤¤ à¤¹à¥‹à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

## विना पीडा मृत्यु योग

à¤¸à¥Œà¤®à¥à¤¯à¤¾à¤‚à¤¶à¤•à¥‡ à¤¸à¥Œà¤®à¥à¤¯à¤ —à¥ƒà¤¹à¥‡à¤½à¤¥ à¤¸à¥
à¤…à¤•à¥à¤²à¥‡à¤¶à¤œà¤¾à¤¤à¤‚ à¤®
à¥¥ à¤«à¤²à¤¦à¥€à¤ªà¤¿à¤•à¤¾-à¤…-/à¤¶à¥ à¤²à¥‹-¥¥à

à¤¯à¤¦à¤¿ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤•à¥à¤£à¥à¤¡à¤²à¥€ à¤®à¥‡à¤‚, à¤¦à¥à¤µà¤¾à¤¦à¤¶à¥‡à¤¶ à¤¸à¥Œà¤®à¥à¤¯à¤—à¥à¤°à¤¹ à¤•à¥€ à¤°à¤¾à¤¶à¤¿ à¤¯à¤¾ à¤¸à¥Œà¤®à¥à¤¯ à¤—à¥à¤°à¤¹ à¤•à¥‡ à¤¨à¤µà¤¾à¤‚à¤¶ à¤¯à¤¾ à¤¸à¥Œà¤®à¥à¤¯ à¤—à¥à¤°à¤¹ à¤•à¥‡ à¤¸à¤¾à¤¥ à¤¸à¥à¤¥à¤¿à¤¤ à¤¹à¥‹ à¤¤à¥‹ à¤¬à¤¿à¤¨à¤¾ à¤ªà¥€à¤¡à¤¼à¤¾ à¤•à¥€ à¤®à¥ƒà¤¤à¥à¤¯à¥ à¤¹à¥‹à¤¤à¥€ à¤¹à¥ˆà¥¤

योग कारक ग्रह : बुध

योग की संभावना : 2 में 1

à¤†à¤ªà¤•à¥€ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤•à¥à¤£à¥à¤¡à¤²à¥€ à¤®à¥‡à¤‚, à¤¯à¤¹ à¤¯à¥‹à¤— à¤ªà¥‚à¤°à¥à¤£ à¤°à¥‚à¤ªà¥‡à¤£ à¤˜à¤Ÿà¤¿à¤¤ à¤¹à¥‹ à¤°à¤¹à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤ à¤«à¤²à¤¸à¥à¤µà¤°à¥‚à¤ª à¤†à¤ªà¤•à¤¾ à¤®à¤°à¤£ à¤¬à¤¿à¤¨à¤¾ à¤•à¥à¤²à¥‡à¤¶ à¤•à¤¾ à¤¹à¥‹à¤—à¤¾à¥¤ à¤à¤¸à¤¾ à¤ªà¥à¤°à¤¤à¥€à¤¤ à¤¹à¥‹à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

## बिना पीड़ा मृत्यु योग

à¤¸à¥Œà¤®à¥à¤¯à¤ —à¥ƒà¤¹à¥‡à¤½à¤¥ à¤¸à¥Œà¤®à¥à¤¯ à¤¸à¤®à¥ à¤¬à¤¨à¥ à¤§à¤
à¤…à¤•à¥à¤²à¥‡à¤¶à¤œà¤¾à¤¤à¤‚, à¤®à¤°à¤£à¤‚, à¤
à¥¥ à¤«à¤²à¤¦à¥€à¤ªà¤¿à¤•à¤¾-à¤…-/à¤¶à¥ à¤²à¥‹-¥¥à

à¤¯à¤¦à¤¿ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤®à¥‡à¤‚, à¤¦à¥à¤µà¤¾à¤¦à¤¶ à¤à¤¾à¤µ à¤®à¥‡à¤‚, à¤¸à¥Œà¤®à¥à¤¯ à¤—à¥à¤°à¤¹ à¤¸à¥à¤¥à¤¿à¤¤ à¤¹à¥‹ à¤”à¤° à¤¦à¥à¤µà¤¾à¤¦à¤¶ à¤à¤¾à¤µ à¤•à¤¾ à¤¸à¥à¤µà¤¾à¤®à¥€ à¤à¥€ à¤¸à¥Œà¤®à¥à¤¯ à¤—à¥à¤°à¤¹ à¤¹à¥‹ à¤¤à¥‹ à¤®à¥ƒà¤¤à¥à¤¯à¥ à¤•à¤¾à¤² à¤®à¥‡à

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

¤, à¤µà¤¿à¤¶à¥‡à¤· à¤ªà¥€à¤¡à¤¼à¤¾ à¤¨à¤¹à¥€à¤, à¤¹à¥‹à¤¤à¥€ à¤¹à¥ˆà¥¤

योग कारक ग्रह : गुरु,बुध — योग की संभावना : 2 में 1

à¤†à¤ªà¤•à¥€ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤•à¥à¤£à¥à¤¡à¤²à¥€ à¤®à¥‡à¤, à¤¯à¤¹ à¤¯à¥‹à¤— à¤ªà¥‚à¤°à¥à¤£à¤°à¥‚à¤ªà¥‡à¤£ à¤˜à¤Ÿà¤¿à¤¤ à¤¹à¥‹ à¤°à¤¹à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤ à¤«à¤²à¤¸à¥à¤µà¤°à¥‚à¤ª à¤†à¤ªà¤•à¥‹ à¤®à¥ƒà¤¤à¥à¤¯à¥à¤•à¤¾à¤² à¤®à¥‡à¤, à¤…à¤§à¤¿à¤• à¤ªà¥€à¤¡à¤¼à¤¾ à¤¨à¤¹à¥€à¤, à¤¹à¥‹à¤—à¥€à¥¤ à¤à¤¸à¤¾ à¤ªà¥à¤°à¤¤à¥€à¤¤ à¤¹à¥‹à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

## पुनर्जन्म योग

à¤®à¤¹à¥€à¤œà¥‹ à¤®à¤¹à¥€à¤, à¤¸à¤®à¥à¤ªà¥ à¤°à¤
à¤¸à¤®à¥ à¤¬à¤¨à¥ à¤§à¤¾à¤¦à¥ à¤µà¥ à¤¯à¤¯à¤¨à¤¾à¤¯à¤•à¤¸à¥à¤¯ à¤•à¤¥à¤¯à¥
à¥¥ à¤«à¤²à¤¦à¥€à¤ªà¤¿à¤•à¤¾-à¤…-/à¤¶à¥ à¤²à¥‹-¥à

à¤¯à¤¦à¤¿ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤®à¥‡à¤, à¤¦à¥à¤µà¤¾à¤¦à¤¶ à¤à¤¾à¤µ à¤®à¥‡à¤, à¤®à¤‚à¤—à¤² à¤¹à¥‹ à¤¯à¤¾ à¤¦à¥à¤µà¤¾à¤¦à¤¶ à¤à¤¾à¤µ à¤œà¤¿à¤¸ à¤—à¥à¤°à¤¹ à¤•à¥€ à¤¨à¤µà¤¾à¤‚à¤¶ à¤®à¥‡à¤, à¤¹à¥‹ à¤¯à¤¦à¤¿ à¤‰à¤¸ à¤¨à¤µà¤¾à¤‚à¤¶ à¤®à¥‡à¤, à¤®à¤‚à¤—à¤² à¤¸à¥à¤¥à¤¿à¤¤ à¤¹à¥‹ à¤…à¤¥à¤µà¤¾ à¤¦à¥à¤µà¤¾à¤¦à¤¶à¥‡à¤¶ à¤®à¤‚à¤—à¤² à¤¸à¥‡ à¤¸à¤®à¥à¤¬à¤¨à¥à¤§ à¤¸à¥à¤¥à¤¾à¤ªà¤¿à¤¤ à¤•à¤°à¤¤à¤¾ à¤¹à¥‹ à¤¤à¥‹ à¤œà¤¾à¤¤à¤• à¤®à¤°à¤£à¥‹à¤ªà¤°à¤¾à¤‚à¤¤ à¤¶à¥€à¤˜à¥à¤° à¤œà¤¨à¥à¤® à¤²à¥‡à¤•à¤° à¤ªà¥ƒà¤¥à¥à¤µà¥€ à¤ªà¤° à¤†à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

योग कारक ग्रह : मंगल,बुध — योग की संभावना : 2 में 1

à¤†à¤ªà¤•à¥€ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤®à¥‡à¤, à¤¯à¤¹ à¤¯à¥‹à¤— à¤ªà¥‚à¤°à¥à¤£ à¤°à¥‚à¤ªà¥‡à¤£ à¤˜à¤Ÿà¤¿à¤¤ à¤¹à¥‹ à¤°à¤¹à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤ à¤«à¤²à¤¸à¥à¤µà¤°à¥‚à¤ª à¤†à¤ª à¤®à¤°à¤£à¥‹à¤ªà¤°à¤¾à¤‚à¤¤ à¤ªà¥à¤¨à¤°à¥à¤œà¤¨à¥à¤® à¤²à¥‡à¤•à¤° à¤ªà¥ƒà¤¥à¥à¤µà¥€ à¤ªà¤° à¤†à¤à¤‚à¤—à¥‡à¥¤ à¤à¤¸à¤¾ à¤ªà¥à¤°à¤¤à¥€à¤¤ à¤¹à¥‹à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

## वैकुण्ठवास योग

à¤µà¥ˆà¤•à¥à¤£à¥ à¤ à¤, à¤¶à¤¶à¤¿à¤œà¥‹ à¤¸à¤®à¥à¤ªà¥ à¤°à¤
à¤¸à¤®à¥ à¤¬à¤¨à¥ à¤§à¤¾à¤¦à¥ à¤µà¥ à¤¯à¤ à¤¨à¤¾à¥à¤¸à¥ à¤ à¤•à¥à¤¯à¥‡à¤

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

à¥¤à¥¤ à¤«à¤²à¤¦à¥€à¤ªà¤¿à¤•à¤¾-à¤…-/à¤¶à¥ à¤²à¥‹-Ȝ3à¥¤

à¤¯à¤¦à¤¿ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤•à¥‡ à¤¦à¥à¤µà¤¾à¤¦à¤¶ à¤à¤¾à¤µ à¤®à¥‡à¤‚ à¤¬à¥à¤§ à¤¸à¥à¤¥à¤¿à¤¤ à¤¹à¥‹ à¤¯à¤¾ à¤¦à¥à¤µà¤¾à¤¦à¤¶ à¤à¤¾à¤µ à¤œà¤¿à¤¸ à¤—à¥à¤°à¤¹ à¤•à¥€ à¤¨à¤µà¤¾à¤‚à¤¶ à¤®à¥‡à¤‚ à¤¹à¥‹ à¤¯à¤¦à¤¿ à¤‰à¤¸ à¤¨à¤µà¤¾à¤‚à¤¶ à¤®à¥‡à¤‚ à¤¬à¥à¤§ à¤¹à¥‹ à¤…à¤¥à¤µà¤¾ à¤¦à¥à¤µà¤¾à¤¦à¤¶ à¤à¤¾à¤µ à¤•à¥‡ à¤¸à¥à¤µà¤¾à¤®à¥€ à¤¬à¥à¤§ à¤¸à¥‡ à¤•à¥‹à¤ˆ à¤¸à¤®à¥à¤¬à¤¨à¥à¤§ à¤¸à¥à¤¥à¤¾à¤ªà¤¿à¤¤ à¤•à¤°à¤¤à¤¾ à¤¹à¥‹ à¤¤à¥‹ à¤®à¤°à¤£à¥‹à¤ªà¤°à¤¾à¤‚à¤¤ à¤µà¥ˆà¤•à¥à¤£à¥à¤ à¤µà¤¾à¤¸à¥€ à¤¹à¥‹à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

योग कारक ग्रह : बुध

योग की संभावना : 2 में 1

à¤†à¤ªà¤•à¥€ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤®à¥‡à¤‚ à¤¯à¤¹ à¤¯à¥‹à¤— à¤ªà¥‚à¤°à¥à¤£ à¤°à¥‚à¤ªà¥‡à¤£ à¤˜à¤Ÿà¤¿à¤¤ à¤¹à¥‹ à¤°à¤¹à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤ à¤«à¤²à¤¸à¥à¤µà¤°à¥‚à¤ª à¤†à¤ª à¤®à¤°à¤£à¥‹à¤ªà¤°à¤¾à¤‚à¤¤ à¤µà¥ˆà¤•à¥à¤£à¥à¤ à¤µà¤¾à¤¸à¥€ à¤¹à¥‹à¤‚à¤—à¥‡à¥¤ à¤à¤¸à¤¾ à¤ªà¥à¤°à¤¤à¥€à¤¤ à¤¹à¥‹à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

## मरणोपरांत ब्रह्मलोकवासी योग

à¤¸à¤¦à¥ à¤¬à¥ à¤°à¤¹à¥ à¤®à¤²à¥‹à¤•à¤‚ à¤—à¥ à¤°à¥ à¤ƒ à¤¸à¤®à¥à¤ªà¥ à¤¸à¤®à¥ à¤¬à¤¨à¥ à¤§à¤¾à¤¦à¥ à¤µà¥ à¤¯ à¤¯ à¤¨à¤¾à¤¥à¤¸à¥ à¤¯ à¤•à¤¥à¤¯à¥‡à¤

à¥¤à¥¤ à¤«à¤²à¤¦à¥€à¤ªà¤¿à¤•à¤¾-à¤…-/à¤¶à¥ à¤²à¥‹-Ȝ3à¥¤

à¤¯à¤¦à¤¿ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤®à¥‡à¤‚, à¤¦à¥à¤µà¤¾à¤¦à¤¶ à¤à¤¾à¤µ à¤®à¥‡à¤‚, à¤—à¥à¤°à¥ à¤¸à¥à¤¥à¤¿à¤¤ à¤¹à¥‹ à¤¯à¤¾ à¤¦à¥à¤µà¤¾à¤¦à¤¶ à¤à¤¾à¤µ à¤œà¤¿à¤¸ à¤—à¥à¤°à¤¹ à¤•à¥€ à¤¨à¤µà¤¾à¤‚à¤¶ à¤®à¥‡à¤‚, à¤¹à¥‹ à¤¯à¤¦à¤¿ à¤‰à¤¸ à¤¨à¤µà¤¾à¤‚à¤¶ à¤®à¥‡à¤‚, à¤—à¥à¤°à¥ à¤¹à¥‹ à¤¯à¤¾ à¤¦à¥à¤µà¤¾à¤¦à¤¶à¥‡à¤¶ à¤—à¥à¤°à¥ à¤¸à¥‡ à¤¸à¤®à¥à¤¬à¤¨à¥à¤§ à¤¸à¥à¤¥à¤¾à¤ªà¤¿à¤¤ à¤•à¤°à¤¤à¤¾ à¤¹à¥‹ à¤¤à¥‹ à¤®à¤°à¤£à¥‹à¤ªà¤°à¤¾à¤‚à¤¤ à¤¬à¥à¤°à¤¹à¥à¤®à¤²à¥‹à¤• à¤®à¥‡à¤‚, à¤¨à¤¿à¤µà¤¾à¤¸ à¤•à¤°à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

योग कारक ग्रह : गुरु

योग की संभावना : 2 में 1

à¤†à¤ªà¤•à¥€ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤•à¥à¤£à¥à¤¡à¤²à¥€ à¤®à¥‡à¤‚, à¤¯à¤¹ à¤¯à¥‹à¤— à¤ªà¥‚à¤°à¥à¤£à¤°à¥‚à¤ªà¥‡à¤£ à¤˜à¤Ÿà¤¿à¤¤ à¤¹à¥‹ à¤°à¤¹à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤ à¤«à¤²à¤¸à¥à¤µà¤°à¥‚à¤ª à¤†à¤ª à¤®à¤°à¤£à¥‹à¤ªà¤°à¤¾à¤‚à¤¤ à¤¬à¥à¤°à¤¹à¥à

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

¤®à¤²à¥‹à¤• à¤®à¥‡à¤‚, à¤¨à¤¿à¤µà¤¾à¤¸ à¤•à¤°à¥‡à¤‚à¤—à¥‡à¥¤ à¤¤à¤¸à¤¾ à¤ªà¥à¤°à¤¤à¥€à¤¤ à¤¹à¥‹à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

## स्वर्गनिवास योग

à¤ à¥ƒà¤——à¥ à¤¸à¥ à¤¤à¤ƒ à¤¸à¥à¤µà¤°à¥ à¤ —à¤¸à¤®à¥ à¤ªà¥ à¤
à¤¸à¤®à¥ à¤¬à¤¨à¥ à¤§à¤¾à¤¦à¥ à¤µà¥ à¤¯à¤¯à¤¨à¤¾à¤¯à¤•à¤¸à¥à¤¯ à¤•à¥à¤¯à¥
à¥¥ à¤«à¤²à¤¦à¥€à¤ªà¤¿à¤•à¤¾-à¤…-/à¤¶à¥ à¤²à¥‹-¥¥à

à¤¯à¤¦à¤¿ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤®à¥‡à¤‚, à¤¦à¥à¤µà¤¾à¤¦à¤¶ à¤à¤¾à¤µ à¤®à¥‡à¤‚, à¤¶à¥à¤•à¥à¤° à¤¸à¥à¤¥à¤¿à¤¤ à¤¹à¥‹ à¤¯à¤¾ à¤¦à¥à¤µà¤¾à¤¦à¤¶ à¤à¤¾à¤µ à¤œà¤¿à¤¸ à¤—à¥à¤°à¤¹ à¤•à¥€ à¤¨à¤µà¤¾à¤‚à¤¶ à¤®à¥‡à¤‚, à¤¹à¥‹ à¤¯à¤¦à¤¿ à¤‰à¤¸ à¤¨à¤µà¤¾à¤‚à¤¶ à¤®à¥‡à¤‚, à¤¶à¥à¤•à¥à¤° à¤¹à¥‹ à¤¯à¤¾ à¤¦à¥à¤µà¤¾à¤¦à¤¶ à¤¸à¥à¤¥à¤¾à¤¨ à¤•à¥‡ à¤¸à¥à¤µà¤¾à¤®à¥€ à¤¶à¥à¤•à¥à¤° à¤¸à¥‡ à¤¸à¤®à¥à¤¬à¤¨à¥à¤§ à¤¸à¥à¤¥à¤¾à¤ªà¤¿à¤¤ à¤•à¤°à¤¤à¤¾ à¤¹à¥‹ à¤¤à¥‹ à¤œà¤¾à¤¤à¤• à¤¸à¥à¤µà¤°à¥à¤— à¤®à¥‡à¤‚, à¤¨à¤¿à¤µà¤¾à¤¸ à¤•à¤°à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

योग कारक ग्रह : शुक्र

योग की संभावना : 2 में 1

à¤†à¤ªà¤•à¥€ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤•à¥à¤£à¥à¤¡à¤²à¥€ à¤®à¥‡à¤‚, à¤¯à¤¹ à¤¯à¥‹à¤— à¤ªà¥‚à¤°à¥à¤£à¤°à¥‚à¤ªà¥‡à¤£ à¤˜à¤Ÿà¤¿à¤¤ à¤¹à¥‹ à¤°à¤¹à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤ à¤«à¤²à¤¸à¥à¤µà¤°à¥‚à¤ª à¤†à¤ª à¤®à¤°à¤£à¥‹à¤ªà¤°à¤¾à¤¨à¥à¤¤ à¤¸à¥à¤µà¤°à¥à¤— — à¤®à¥‡à¤‚, à¤¨à¤¿à¤µà¤¾à¤¸ à¤•à¤°à¥‡à¤‚à¤—à¥‡à¥¤ à¤¤à¤¸à¤¾ à¤ªà¥à¤°à¤¤à¥€à¤¤ à¤¹à¥‹à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

## बहुभार्या योग

à¤•à¥à¤Ÿà¥à¤®à¥ à¤¬à¤•à¤²à¤¤à¥à¤°à¤¨à¤¾à¤¤à¥à¤¾à¤¤ ¥ à¤¯à¤¾à¤¸, à¤¸à¤®à¥‡à¤
¥¤à¥¤ à¤¸à¤°à¥ à¤µà¤¾à¤°à¥ à¤¤à¥à¤šà¤¿à¤¨à¥à¤¤à¤¾à¤®à¤£à¤¿ à¥¤à¥¤ à¤…-6à

à¤¯à¤¦à¤¿ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤•à¥à¤£à¥à¤¡à¤²à¥€ à¤®à¥‡à¤‚, à¤¦à¥à¤µà¤¿à¤¤à¥€à¤¯à¥‡à¤¶ à¤¯à¤¾ à¤¸à¤ªà¥à¤¤à¤®à¥‡à¤¶ à¤•à¥‡ à¤¸à¤¾à¤¥ à¤œà¤¿à¤¤à¤¨à¥‡ à¤—à¥à¤°à¤¹ à¤¹à¥‹à¤‚, à¤‰à¤¤à¤¨à¥€ à¤ªà¤¤à¥à¤¨à¥€ à¤¹à¥‹à¤¤à¥€ à¤¹à¥ˆà¤‚à¥¤

योग कारक ग्रह : चन्द्र,शुक्र,सूर्य

योग की संभावना : 12 में 1

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

à¤†à¤ªà¤•à¥€ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤•à¥à¤£à¥à¤¡à¤²à¥€ à¤®à¥‡à¤‚ à¤¯à¤¹ à¤¯à¥‹à¤— à¤ªà¥‚à¤°à¥à¤£ à¤°à¥‚à¤ªà¥‡à¤£ à¤˜à¤Ÿà¤¿à¤¤ à¤¹à¥‹ à¤°à¤¹à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤ à¤«à¤²à¤¸à¥à¤µà¤°à¥‚à¤ª à¤†à¤ªà¤•à¥‡ à¤¦à¥‹ à¤¯à¤¾ à¤¦à¥‹ à¤¸à¥‡ à¤…à¤§à¤¿à¤• à¤œà¥€à¤µà¤¨à¤¸à¤¾à¤¥à¥€ à¤¹à¥‹ à¤¸à¤•à¤¤à¥‡ à¤¹à¥ˆà¤‚à¥¤ à¤à¤¸à¤¾ à¤ªà¥à¤°à¤¤à¥€à¤¤ à¤¹à¥‹à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

## द्विविवाह योग

à¤•à¤¾à¤°à¤•à¥‡ à¤ªà¤¾à¤ªà¤¸à¤‚à¤¯à¥à¤•à¥à¤¤à¥‡ à¤¨à¥€à¤šà¤°à¤¾à¤¶à¥à¤ªà¤¾à¤ªà¤ —à¥ à¤°à¤¹à¥‡à¤£ à¤¸à¤‚à¤¦à¥ƒà¤·à¥à¤Ÿà¥‡ à¤µà¤¿à¤µà¤¾à¤¹à¤¦à¥à¤µà¤¯à¤‚ à¤¸à¤°à¤¾à¥ à¤µà¤¾à¤°à¤¾à¥ à¤¥à¥à¤šà¤¿à¤¨à¥à¤¤à¤¾à¤®à¤£à¤¿ à¥¤à¥¤ à¤…-6à

à¤¯à¤¦à¤¿ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤•à¥à¤£à¥à¤¡à¤²à¥€ à¤®à¥‡à¤‚ à¤¸à¤ªà¥à¤¤à¤®à¤à¤¾à¤µ à¤•à¤¾à¤°à¤• à¤—à¥à¤°à¤¹ à¤ªà¤¾à¤ª à¤¯à¥à¤•à¥à¤¤ à¤¹à¥‹ à¤…à¤¥à¤µà¤¾ à¤¨à¥€à¤šà¤°à¤¾à¤¶à¤¿ à¤¨à¥€à¤šà¤¾à¤‚à¤¶à¤• à¤®à¥‡à¤‚ à¤ªà¤¾à¤ª à¤—à¥à¤°à¤¹ à¤¸à¥‡ à¤¦à¥ƒà¤·à¥à¤Ÿ à¤¹à¥‹ à¤¤à¥‹ à¤¦à¥à¤µà¤¿à¤µà¤¿à¤µà¤¾à¤¹ à¤¯à¥‹à¤— à¤¬à¤¨à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

योग कारक ग्रह : शुक्र,सूर्य,केतु

योग की संभावना : 3 में 1

à¤†à¤ªà¤•à¥€ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤®à¥‡à¤‚ à¤¯à¤¹ à¤¯à¥‹à¤— à¤ªà¥‚à¤°à¥à¤£ à¤°à¥‚à¤ªà¥‡à¤£ à¤˜à¤Ÿà¤¿à¤¤ à¤¹à¥‹ à¤°à¤¹à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤ à¤«à¤²à¤¸à¥à¤µà¤°à¥‚à¤ª à¤†à¤ªà¤•à¥‡ à¤¦à¥‹ à¤œà¥€à¤µà¤¨à¤¸à¤¾à¤¥à¥€ à¤¹à¥‹à¤‚à¤—à¥‡à¥¤ à¤à¤¸à¤¾ à¤ªà¥à¤°à¤¤à¥€à¤¤ à¤¹à¥‹à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

## बहुस्त्री योग

à¤•à¥‡à¤¨à¥à¤¦à¥ à¤°à¤¤à¥ à¤°à¤¿à¤•à¥‹à¤£à¥‡ à¤¦à¤¾à¤°à¥‡à¤¶à¥‡ à¤¸à¥à¤µà¥ à¤•à¤°à¥à¤®à¤¾à¤§à¤¿à¤ªà¥‡à¤¨ à¤µà¤¾ à¤¯à¥à¤•à¥à¤¤à¥‡ à¤¬à¤¹à¥à¤¥à¥à¤¤à¥ à¤¸à¤°à¤¾à¥ à¤µà¤¾à¤°à¤¾à¥ à¤¥à¥à¤šà¤¿à¤¨à¥à¤¤à¤¾à¤®à¤£à¤¿ à¥¤à¥¤ à¤…-6à

à¤¯à¤¦à¤¿ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤•à¥à¤£à¥à¤¡à¤²à¥€ à¤®à¥‡à¤‚ à¤¸à¤ªà¥à¤¤à¤®à¥‡à¤¶ à¤•à¥‡à¤¨à¥à¤¦à¥à¤° à¤¯à¤¾ à¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¥‹à¤£ à¤®à¥‡à¤‚, à¤‰à¤šà¥à¤š à¤¯à¤¾ à¤®à¤¿à¤¤à¥à¤° à¤°à¤¾à¤¶à¤¿ à¤®à¥‡à¤‚, à¤¯à¤¾ à¤…à¤ªà¤¨à¥‡ à¤…à¤‚à¤¶à¤¾à¤¦à¤¿ à¤®à¥‡à¤‚, à¤¹à¥‹ à¤…à¤¥à¤µà¤¾ à¤¦à¤¶à¤®à¥‡à¤¶ à¤¸à¥‡ à

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

¤¯à¥à¤•à¥à¤¤ à¤¹à¥‹ à¤¤à¥‹ à¤¬à¤¹à¥à¤¸à¥à¤¤à¥à¤°à¥€ à¤¯à¥‹à¤— à¤¬à¤¨à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

योग कारक ग्रह : शनि                                                    योग की संभावना : 6 में 1

à¤†à¤ªà¤•à¥€ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤®à¥‡à¤‚ à¤¯à¤¹ à¤¯à¥‹à¤— à¤ªà¥‚à¤°à¥à¤£ à¤°à¥‚à¤ªà¥‡à¤£ à¤˜à¤Ÿà¤¿à¤¤ à¤¹à¥‹ à¤°à¤¹à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤ à¤«à¤²à¤¸à¥à¤µà¤°à¥‚à¤ª à¤†à¤ªà¤•à¤¾ à¤…à¤¨à¥‡à¤• à¤¸à¥‡ à¤¸à¤®à¥à¤¬à¤¨à¥à¤§ à¤¸à¥à¤¥à¤¾à¤ªà¤¿à¤¤ à¤¹à¥‹à¤—à¤¾à¥¤ à¤à¤¸à¤¾ à¤ªà¥à¤°à¤¤à¥€à¤¤ à¤¹à¥‹à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

## सुलक्षणी स्त्री योग

à¤¦à¤¾à¤°à¥‡à¤¶à¥‡ à¤¶à¥à¤ à¤¸à¤‚à¤¯à¥à¤•à¥à¤¤à¥‡ à¤¶à¥à¤ à¤ –à¤ à¤¶à¥ à¤ à¤ —à¥ à¤°à¤¹à¤¾à¤£à¤¾à¤‚ à¤®à¤§à¥à¤¯ à¤¸à¥ à¤¥à¥‡ à¤¸à¤¤à¥à¤•à¤²à¤ à¥ à¤¸à¤°à¥ à¤µà¤¾à¤°à¥ à¤¥à¤šà¤¿à¤¨à¥à¤¤à¤¾à¤®à¤£à¤¿ à¥¥ à¤…-6à¤¶à¥ à

à¤¯à¤¦à¤¿ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤®à¥‡à¤‚ à¤¸à¤ªà¥à¤¤à¤®à¥‡à¤¶ à¤¶à¥à¤ à¤—à¥à¤°à¤¹ à¤¸à¥‡ à¤¯à¥à¤•à¥à¤¤ à¤¶à¥ à¤ à¤—à¥à¤°à¤¹ à¤¸à¥‡ à¤¦à¥ƒà¤·à¥à¤Ÿ à¤¤à¤¥à¤¾ à¤¶à¥à¤ à¤—à¥à¤°à¤¹à¥‹à¤‚ à¤•à¥‡ à¤®à¤§à¥à¤¯ à¤®à¥‡à¤‚ à¤¹à¥‹ à¤¤à¥‹ à¤œà¤¾à¤¤à¤• à¤•à¥‹ à¤¸à¥à¤²à¤•à¥à¤·à¤£à¥€ à¤¸à¥à¤¤à¥à¤°à¥€ à¤ªà¥à¤°à¤¾à¤ªà¥à¤¤ à¤¹à¥‹à¤¤à¥€ à¤¹à¥ˆà¥¤

योग कारक ग्रह : शनि,बुध                                                    योग की संभावना : 2 में 1

à¤†à¤ªà¤•à¥€ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤•à¥à¤£à¥à¤¡à¤²à¥€ à¤®à¥‡à¤‚ à¤¯à¤¹ à¤¯à¥‹à¤— à¤ªà¥‚à¤°à¥à¤£ à¤°à¥‚à¤ªà¥‡à¤£ à¤˜à¤Ÿà¤¿à¤¤ à¤¹à¥‹ à¤°à¤¹à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤ à¤«à¤²à¤¸à¥à¤µà¤°à¥‚à¤ª à¤†à¤ªà¤•à¤¾ à¤œà¥€à¤µà¤¨à¤¸à¤¾à¤¥à¥€ à¤¸à¥à¤²à¤•à¥à¤·à¤£à¥€ à¤¹à¥‹à¤—à¤¾à¥¤ à¤à¤¸à¤¾ à¤ªà¥à¤°à¤¤à¥€à¤¤ à¤¹à¥‹à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

## विकलांग शरीर योग

à¤•à¥‡à¤¨à¥à¤¦à¥ à¤°à¤ —à¥Œ à¤ªà¥à¤·à¥ à¤ªà¤µà¤¨à¥ à¤¤à¥Œ à¤µà¤¿à¤•à¤²à¤¾à¤
à¥¥ à¤¬à¥ƒà¤¹à¤¦à¥à¤¯à¥‹à¤—à¤°à¤¤à¥ à¤¨à¤¾à¤•à¤° à¤ªà¥ƒ- 5¥

à¤¯à¤¦à¤¿ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤•à¥à¤£à¥à¤¡à¤²à¥€ à¤®à¥‡à¤‚ à¤•à¥‡à¤¨à¥à¤¦à¥à¤

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

¥(th° -4-7-10) à¤®à¥‡à¤‚ à¤¸à¥‚à¤°à¥à¤¯ à¤”à¤° à¤šà¤¨à¥à¤¦à¥à¤°à¤®à¤¾ à¤¦à¥‹à¤¨à¥‹à¤‚ à¤—à¥à¤°à¤¹ à¤¸à¥à¤¥à¤¿à¤¤ à¤¹à¥‹à¤‚, à¤¤à¥‹ à¤œà¤¾à¤¤à¤• à¤µà¤¿à¤•à¤²à¤¾à¤‚à¤— à¤¹à¥‹à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

योग कारक ग्रह : सूर्य,चन्द्र — योग की संभावना : 9 में 1

à¤†à¤ªà¤•à¥€ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤•à¥à¤‚à¤¡à¤²à¥€ à¤®à¥‡à¤‚ à¤¯à¤¹ à¤¯à¥‹à¤— à¤ªà¥‚à¤°à¥à¤£ à¤°à¥‚à¤ªà¥‡à¤£ à¤˜à¤Ÿà¤¿à¤¤ à¤¹à¥‹ à¤°à¤¹à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤ à¤«à¤²à¤¸à¥à¤µà¤°à¥‚à¤ª à¤†à¤ª à¤…à¤‚à¤— à¤¸à¥‡ à¤¹à¥€à¤¨ à¤¹à¥‹à¤‚à¤—à¥‡à¥¤ à¤à¤¸à¤¾ à¤ªà¥à¤°à¤¤à¥€à¤¤ à¤¹à¥‹à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

## गजकेसरी योग

**à¤•à¥‡à¤¨à¥à¤¦à¥ à¤°à¤¸à¥ à¤¥à¤¿à¤¤à¥‡ à¤¦à¥‡à¤µà¤—à¥ à¤°à¥Œ à¤¶à¤¦à¥ƒà¤·à¥à¤Ÿà¥‡ à¤¸à¤¿à¤¤à¤¾à¤°à¥à¤¯à¥‡à¤¨à¥à¤¦à¥ à¤¸à¥ à¤¤à¥ˆà¤ƒ à¤¶à¤¶à¥¤à¥¤ à¤¬à¥ƒ. à¤ªà¤¾. à¤¹à¥‹à¤°à¤¾. -à¤¯à¥‹à¤—à¤¾à¤§à¥ à¤¯à¤¾à¤¯ -à¤¶à¥ à¤

à¤šà¤¨à¥à¤¦à¥à¤°à¤®à¤¾ à¤¸à¥‡ à¤•à¥‡à¤¨à¥à¤¦à¥à¤° à¤®à¥‡à¤‚ à¤—à¥à¤°à¥ à¤¹à¥‹ à¤¤à¥‹ à¤—à¤œà¤•à¥‡à¤¸à¤°à¥€ à¤¯à¥‹à¤— à¤¹à¥‹à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆ à¤¯à¤¾ à¤šà¤¨à¥à¤¦à¥à¤°à¤®à¤¾ à¤¨à¥€à¤š à¤…à¤¸à¥à¤¤à¤¾à¤¦à¤¿ à¤®à¥‡à¤‚ à¤¨ à¤—à¤ à¤¹à¥à¤ à¤¶à¥à¤•à¥à¤° à¤—à¥à¤°à¥ à¤”à¤° à¤¬à¥à¤§ à¤¸à¥‡ à¤¦à¥‡à¤–à¤¾ à¤œà¤¾à¤¤à¤¾ à¤¹à¥‹ à¤¤à¥‹ à¤à¥€ à¤—à¤œà¤•à¥‡à¤¸à¤°à¥€ à¤¯à¥‹à¤— à¤¹à¥‹à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

योग कारक ग्रह : शुक्र,चन्द्र — योग की संभावना : 3 में 1

à¤†à¤ªà¤•à¥€ à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤®à¥‡à¤‚ à¤—à¤œà¤•à¥‡à¤¸à¤°à¥€ à¤¯à¥‹à¤— à¤•à¤¾ à¤¸à¥ƒà¤œà¤¨ à¤¹à¥‹ à¤°à¤¹à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤ à¤«à¤²à¤¸à¥à¤µà¤°à¥‚à¤ª à¤†à¤ª à¤§à¤¨à¥€, à¤®à¥‡à¤§à¤¾à¤µà¥€, à¤—à¥à¤£à¥€ à¤¤à¤¥à¤¾ à¤°à¤¾à¤œà¤ªà¥à¤°à¤¿à¤¯ à¤¸à¤®à¥à¤®à¤¾à¤¨à¤¿à¤¤ à¤µà¥à¤¯à¤•à¥à¤¤à¤¿ à¤¹à¥‹à¤‚à¤—à¥‡à¥¤

## काहल योग- प्रथम विधि

à¤…à¤¨à¥à¤¯à¥‹à¤¨à¥à¤¯à¤•à¥‡à¤¨à¥à¤¦à¥ à¤°à¤— —à¥ƒà¤¹à¤—à¥Œ à¤—à¥ à¤°à¥ à

à¤²à¤ —à¥ à¤¨à¤¾à¤§à¤¿à¤ªà¥‡ à¤¬à¤²à¤¯à¥à¤¤à¥‡ à¤¯à¤¦à¤¿ à¤•à¤¾à¤¹à¤²à¤ƒ à
à¥¤à¥¤ à¤¬à¥ƒ- à¤ªà¤¾ - à¤¹à¥‹à¤°à¤¾- -à¤¯à¥‹à¤—à¤¾à¤§à¥ à¤¯à¤¾à¤¯ - à¤¶à¥ à

à¤œà¤¿à¤¸ à¤œà¤¾à¤¤à¤• à¤•à¥€ à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤®à¥‡à¤‚ à¤—à¥à¤°à¥ à¤”à¤° à¤šà¤¤à¥à¤°à¥à¤¥à¥‡à¤¶ à¤ªà¤°à¤¸à¥à¤ªà¤° à¤•à¥‡à¤¨à¥à¤¦à¥à¤° à¤®à¥‡à¤‚ à¤¹à¥‹à¤‚ à¤”à¤° à¤²à¤—à¥à¤¨à¥‡à¤¶ à¤¬à¤²à¥€ à¤¹à¥‹ à¤¤à¥‹ à¤•à¤¾à¤¹à¤² à¤¯à¥‹à¤— à¤•à¤¾ à¤¸à¥ƒà¤œà¤¨ à¤¹à¥‹à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

योग कारक ग्रह : शुक्र,गुरु,चन्द्र

योग की संभावना : 48 में 1

à¤†à¤ªà¤•à¥€ à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤•à¥‡ à¤…à¤¨à¥à¤¸à¤¾à¤° à¤•à¤¾à¤¹à¤² à¤¯à¥‹à¤— à¤•à¥‡ à¤ªà¥à¤°à¥à¤® à¤µà¤¿à¤§à¤¿ à¤•à¥‡ à¤…à¤¨à¥à¤¸à¤¾à¤° à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤®à¥‡à¤‚ à¤•à¤¾à¤¹à¤² à¤¯à¥‹à¤— à¤•à¤¾ à¤¸à¥ƒà¤œà¤¨ à¤¹à¥‹ à¤°à¤¹à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤ à¤«à¤²à¤¸à¥à¤µà¤°à¥‚à¤ª à¤†à¤ª à¤¤à¥‡à¤œà¤¸à¥à¤µà¥€, à¤¸à¤¾à¤¹à¤¸à¥€, à¤®à¥‚à¤°à¥à¤– à¤¸à¥‡à¤¨à¤¾ à¤•à¥‡ à¤¬à¤² à¤¸à¥‡ à¤¯à¥à¤•à¥à¤à¤ —à¥à¤°à¤¾à¤® à¤ªà¤¤à¤¿, à¤®à¥à¤–à¤¿à¤¯à¤¾ à¤¯à¤¾ à¤—à¥à¤°à¤¾à¤® à¤ªà¥à¤°à¤§à¤¾à¤¨ à¤¹à¥‹à¤‚à¤—à¥‡à¥¤

## पारिजात योग

**à¤¸à¤ªà¤¾à¤°à¤¿à¤œà¤¾à¤¤à¤¦à¥à¤¯à¥ à¤šà¤°à¤¾à¤ƒ à¤¸à¥à¤ –à¤¾à¤¨à¤¿ à¥¤*
à¥¤à¥¤ à¤¬à¥ƒ. à¤ªà¤¾. à¤¹à¥‹à¤°à¤¾. -à¤¯à¥‹à¤—à¤¾à¤§à¥ à¤¯à¤¾à¤¯ -à¤¶à¥ à¤

à¤œà¤¿à¤¸à¤•à¥€ à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤•à¥‡ "à¤ªà¤¾à¤°à¤¿à¤œà¤¾à¤¤à à¤¾à¤— à¤®à¥‡à¤‚ à¤—à¥à¤°à¤¹ à¤¹à¥‹à¤‚ à¤¤à¥‹ à¤‰à¤¸à¥‡ à¤¸à¤¤à¥€ à¤ªà¥à¤°à¤•à¤¾à¤° à¤•à¥‡ à¤‰à¤¤à¥à¤¤à¤® à¤¸à¥à¤– à¤•à¥€ à¤ªà¥à¤°à¤¾à¤ªà¥à¤¤à¤¿ à¤¹à¥‹à¤¤à¥€ à¤¹à¥ˆà¥¤

योग कारक ग्रह : राहु

योग की संभावना : 2 में 1

à¤†à¤ªà¤•à¥€ à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤®à¥‡à¤‚ à¤—à¥à¤°à¤¹ "à¤ªà¤¾à¤°à¤¿à¤œà¤¾à¤¤" à¤µà¤°à¥à¤— à¤®à¥‡à¤‚ à¤¸à¥à¤¥à¤¿à¤¤ à¤¹à¥ˆà¥¤ à¤«à¤²à¤¸à¥à¤µà¤°à¥‚à¤ª à¤†à¤ªà¤•à¥‹ à¤¸à¤¤à¥€ à¤ªà¥à¤°à¤•à¤¾à¤° à¤•à¤¾ à¤‰à¤¤à¥à¤¤à¤® à¤¸à¥à¤– à¤ªà¥à¤°à¤¾à¤ªà¥à¤¤ à¤¹à¥‹à¤—à¤¾à¥¤

## उत्तमवर्ग योग

**à¤¨à¥€à¤°à¥‹à¤—à¤¤à¤¾à¤®à¥ à¤¤à¥ à¤¤à¤®à¤µà¤°à¥ à¤ —à¤¯à¤¾à¤¤à¤ƒà¥¤**

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

à¥¤à¥¤ à¤¬à¥ƒ. à¤ªà¤¾. à¤¹à¥‹à¤°à¤¾. à¤¯à¥‹à¤—à¤¾à¤§à¥ à¤¯à¤¾à¤¯ à¤¶à¥ à¤

à¤œà¤¿à¤¸ à¤œà¤¾à¤¤à¤• à¤•à¥€ à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤•à¥‡ "à¤‰à¤¤à¥à¤¤à¤®à¤µà¤°à¥à¤—" à¤¤à¤¾à¤— à¤®à¥‡à¤¸, à¤—à¥à¤°à¤¹ à¤¹à¥‹à¤¸, à¤¤à¥‹ à¤µà¤¹ à¤ªà¥à¤°à¤¾à¤£à¥€ à¤¸à¤¬à¥€ à¤ªà¥à¤°à¤•à¤¾à¤° à¤¸à¥‡ à¤¨à¤¿à¤°à¥‹à¤— à¤°à¤¹à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

योग कारक ग्रह : बुध,शुक्र योग की संभावना : 3 में 1

à¤†à¤ªà¤•à¥€ à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤®à¥‡à¤¸, à¤—à¥à¤°à¤¹ "à¤‰à¤¤à¥à¤¤à¤®à¤µà¤°à¥à¤—" à¤®à¥‡à¤¸, à¤¸à¥à¤¥à¤¿à¤¤ à¤¹à¥ˆà¥¤ à¤«à¤²à¤¸à¥à¤µà¤°à¥‚à¤ª à¤†à¤ª à¤¸à¤¬à¥€ à¤ªà¥à¤°à¤•à¤¾à¤° à¤¸à¥‡ à¤¨à¤¿à¤°à¥‹à¤— à¤°à¤¹à¥‡à¤¸,à¤—à¥‡à¥¤

## गोपुरांश योग

**à¤¸à¤—à¥‹à¤ªà¥à¤°à¤¾à¤¸,à¤¶à¥‹ à¤¯à¤¦à¤¿ à¤—à¥‹à¤§à¤¨à¤¾à¤¨à¤¿**
à¥¤à¥¤ à¤¬à¥ƒ. à¤ªà¤¾. à¤¹à¥‹à¤°à¤¾. à¤¯à¥‹à¤—à¤¾à¤§à¥ à¤¯à¤¾à¤¯ à¤¶à¥ à¤

à¤œà¤¿à¤¸ à¤œà¤¾à¤¤à¤• à¤•à¥€ à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤®à¥‡à¤¸, "à¤—à¥‹à¤ªà¥à¤°à¤¾à¤¸,à¤¶" à¤¤à¤¾à¤— à¤®à¥‡à¤¸, à¤—à¥à¤°à¤¹ à¤¸à¥à¤¥à¤¿à¤¤ à¤¹à¥‹, à¤µà¤¹ à¤®à¤¨à¥à¤·à¥à¤¯ à¤—à¥Œ à¤”à¤° à¤§à¤¨ à¤¦à¥‹à¤¨à¥‹à¤¸, à¤¸à¥‡ à¤¯à¥à¤•à¥à¤¤ à¤¹à¥‹à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

योग कारक ग्रह : गुरु योग की संभावना : 4 में 1

à¤†à¤ªà¤•à¥€ à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤®à¥‡à¤¸, "à¤—à¥‹à¤ªà¥à¤°à¤¾à¤¸,à¤¶" à¤¯à¥‹à¤— à¤•à¤¾ à¤¸à¥ƒà¤œà¤¨ à¤¹à¥‹ à¤°à¤¹à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤ à¤«à¤²à¤¸à¥à¤µà¤°à¥‚à¤ª à¤†à¤ª à¤—à¥‹ à¤§à¤¨ à¤…à¤°à¥à¤¥à¤¾à¤¤à¥ à¤ªà¤¶à¥à¤“à¤¸, à¤”à¤° à¤§à¤¨ à¤¸à¥‡ à¤ªà¥‚à¤°à¥à¤£ à¤°à¤¹à¥‡à¤¸,à¤—à¥‡à¥¤

## पारावतांश योग

**à¤•à¤°à¥‹à¤¤à¤¿ à¤ªà¤¾à¤°à¤¾à¤µà¤¤à¤¾à¤¸ —à¤¯à¥ à¤•à¥à¤¤à¥‹ à¤µà¤¿à¤¸
à¥¤à¥¤ à¤¬à¥ƒ. à¤ªà¤¾. à¤¹à¥‹à¤°à¤¾. -à¤¯à¥‹à¤—à¤¾à¤§à¥ à¤¯à¤¾à¤¯ -à¤¶à¥ à¤

à¤œà¤¿à¤¸ à¤œà¤¾à¤¤à¤• à¤•à¥€ à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤®à¥‡à¤¸, â€˜à¤ªà¤¾à¤°à¤¾à¤µà¤¤à¤¾à¤¸,à¤¶â€™ à¤¤à¤¾à¤— à¤®à¥‡à¤¸, à¤—à¥à¤°à¤¹ à¤¸,à¤


**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com

¥à¤¥à¤¿à¤¤ à¤¹à¥‹, à¤µà¤¹ à¤ªà¥à¤°à¤¾à¤£à¥€ à¤µà¤¿à¤¦à¥à¤¯à¤¾, à¤¯à¤¶, à¤…à¤šà¤² à¤²à¤•à¥à¤·à¥à¤®à¥€ à¤¤à¤¥à¤¾ à¤…à¤¤à¥à¤² à¤¸à¤®à¥à¤ªà¤¤à¥à¤¤à¤¿ à¤¸à¥‡ à¤¯à¥à¤•à¥à¤¤ à¤¹à¥‹à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

योग कारक ग्रह : सूर्य  योग की संभावना : 6 में 1

à¤†à¤ªà¤•à¥€ à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤®à¥‡à¤‚ à¤ªà¥‚à¤°à¥à¤£à¤°à¥‚à¤ªà¥‡à¤£ â€˜à¤ªà¤¾à¤°à¤¾à¤µà¤¤à¤¾à¤‚à¤¶â€™ à¤¯à¥‹à¤— à¤•à¤¾ à¤¸à¥ƒà¤œà¤¨ à¤¹à¥‹ à¤°à¤¹à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤ à¤«à¤²à¤¸à¥à¤µà¤°à¥‚à¤ª à¤†à¤ª à¤µà¤¿à¤¦à¥à¤µà¤¾à¤¨à¥, à¤¯à¤¶à¤¸à¥à¤µà¥€, à¤²à¤•à¥à¤·à¥à¤®à¥€à¤µà¤¾à¤¨à¥, à¤…à¤¤à¥à¤² à¤¸à¤®à¥à¤ªà¤¤à¥à¤¤à¤¿à¤µà¤¾à¤¨à¥ à¤µà¥à¤¯à¤•à¥à¤¤à¤¿ à¤¹à¥‹à¤‚à¤—à¥‡à¥¤

## वाशि योग

**à¤µà¥à¤¯ à¤¯ –à¥‡à¤Ÿà¥ˆà¤°à¥à¤µà¤¾à¤¶à¤¿à¤°à¥ à¤¦à¤¿à¤¨à¥‡à¤¶à¤¾à¤¤à¤à¥¤à¥¤ à¤¬à¥ƒ. à¤ªà¤¾. à¤¹à¥‹à¤°à¤¾. -à¤¯ à¥‹à¤—à¤¾à¤§à¥ à¤¯ à¤¾à¤¯ -à¤¶à¥ à¤

à¤¯à¤¦à¤¿ à¤œà¤¨à¥à¤®à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤®à¥‡à¤‚ à¤¸à¥‚à¤°à¥à¤¯ à¤¸à¥‡ à¤¬à¤¾à¤°à¤¹à¤µà¥‡à¤‚ à¤à¤¾à¤µ à¤®à¥‡à¤‚ à¤•à¥‹à¤ˆ à¤—à¥à¤°à¤¹ à¤¹à¥‹ à¤¤à¥‹ "à¤µà¤¾à¤¶à¤¿" à¤¯à¥‹à¤— à¤•à¤¾ à¤¨à¤¿à¤°à¥‚à¤ªà¤£ à¤¹à¥‹à¤¤à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤

योग कारक ग्रह : मंगल,बुध,शनि,सूर्य  योग की संभावना : 3 में 1

à¤†à¤ªà¤•à¥€ à¤ªà¤¤à¥à¤°à¤¿à¤•à¤¾ à¤®à¥‡à¤‚ à¤ªà¥‚à¤°à¥à¤£à¤°à¥‚à¤ªà¥‡à¤£ "à¤µà¤¾à¤¶à¤¿" à¤¯à¥‹à¤— à¤•à¤¾ à¤¸à¥ƒà¤œà¤¨ à¤¹à¥‹ à¤°à¤¹à¤¾ à¤¹à¥ˆà¥¤ à¤«à¤²à¤¸à¥à¤µà¤°à¥‚à¤ª à¤†à¤ªà¤•à¥€ à¤¦à¥ƒà¤·à¥à¤Ÿà¤¿ à¤®à¤¨à¥à¤¦ à¤…à¤°à¥à¤¥à¤¾à¤¤à¥ à¤†à¤ªà¤®à¥‡à¤‚ à¤¦à¥ƒà¤·à¥à¤Ÿà¤¿à¤¦à¥‹à¤· à¤°à¤¹à¥‡à¤—à¤¾à¥¤ à¤†à¤ª à¤ªà¤°à¤¿à¤¶à¥à¤°à¤®à¥€, à¤¨à¥€à¤šà¥‡ à¤¦à¥‡à¤–à¤¨à¥‡ à¤µà¤¾à¤²à¥‡ à¤à¤µà¤¤, à¤…à¤¸à¤¤à¥à¤¯à¤µà¤¾à¤¦à¥€ à¤¹à¥‹à¤‚à¤—à¥‡à¥¤

**Mukesh Kumar Shakya**
A3 Ring Road New Delhi
8178141028
mukeshshakya.futurepoint@gmail.com